# छठी वार्षिक रिपोर्ट

(01.04.2014 से 31.03.2015 तक)

शैक्षणिक परिषद [14वीं बैठक (परिचालन द्वारा) दिनांक 19.11.2015]
कार्यकारिणी परिषद [21वीं बैठक (परिचालन द्वारा) दिनांक 25.11.2015]
द्वारा यथा अनुमोदित

# हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

[ केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के अधीन स्थापित ]

# Central University of Himachal Pradesh

[ Established under the Central Universities Act 2009 ]

# विषय सूची


| संख्या | अध्याय | पृष्ठ |
|---|---|---|
| 1. | पुरोवाक् | 4 |
| 2. | 2014–15 के दौरान प्रगति, कार्य संपादन, उपलब्धियों का सारांश | 6 |
| 3. | विश्वविद्यालय के बारे में | 8 |
| 4. | विश्वविद्यालय के माननीय कुलाध्यक्ष | 10 |
| 5. | विश्वविद्यालय के प्राधिकारीगण | 11 |
| | • कोर्ट | 11 |
| | • कार्यकारिणी परिषद | 13 |
| | • शैक्षणिक परिषद | 15 |
| | • स्कूल बोर्ड | 17 |
| | • पाठ्य समितियां | 23 |
| | • वित्त समिति | 33 |
| 6. | स्थापना के बाद से विकास | 34 |
| | • अब तक विकसित भौतिक सुविधाएं और शैक्षणिक अवसंरचना | 34 |
| | • भवन का निर्माण और परिसर का विकास | 34 |
| | • अस्थायी भवन | 34 |
| 7. | भर्ती एवं नियुक्तियां | 36 |
| | • सांविधिक अधिकारीगण | 36 |
| | • शिक्षण संकाय | 36 |
| | • प्रशासनिक / शिक्षकेतर कर्मीगण | 36 |
| | • सेवाओं की आउटसोर्सिंग | 36 |
| 8. | विज़न दस्तावेज एवं कार्यनीतिक योजना | 37 |
| 9. | परिनियमों और अध्यादेशों का बनाया जाना | 38 |
| | • परिनियमों का बनाया जाना | 38 |
| | • अध्यादेशों का बनाया जाना | 38 |
| 10. | परिनियम 40 के अन्तर्गत यथा अनुमोदित स्कूल, विभाग और अध्ययन केन्द्र | 40 |
| 11. | 2014–15 तक प्रारंभ स्कूल, विभाग और अध्ययन केन्द्र | 44 |
| 12. | पाठ्यचर्या रूपरेखा | 46 |
| | • एकल सामान्य प्रवेश परीक्षा पर आधारित प्रवेश | 46 |
| | • नवाचारी कार्यक्रम एवं पाठ्यचर्या रूपरेखा | 46 |
| 13. | प्रारंभ किए गए अध्ययन कार्यक्रम | 46 |
| | • वर्ष 2014–15 तक प्रारंभ अध्ययन कार्यक्रम | 50 |
| | • आवेदन एवं प्रवेश | 51 |

| संख्या | अध्याय | पृष्ठ |
|---|---|---|
| 14. | विद्यार्थियों का नामांकन तथा संकाय एवं कर्मीगण | 52 |
| | • वर्ष 2010–11/2011–12 से 2014–15 के दौरान नामांकित विद्यार्थी | 52 |
| | • संकाय एवं कर्मीगण | 56 |
| 15. | राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय सम्बद्धता और सहयोग | 58 |
| | • उच्चस्तरीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन | 58 |
| 16. | पुस्तकालय एवं सूचना संसाधन | 62 |
| 17. | विद्यार्थियों के लिए सहायक सुविधाएं | 68 |
| 18. | करियर परामर्श, मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट कार्यकलाप | 69 |
| 19. | बड़ी अनुसंधान परियोजनाएं | 74 |
| 20. | छोटी अनुसंधान परियोजनाएं | 76 |
| 21. | संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन | 77 |
| 22. | संकाय सदस्यों को प्राप्त अध्येतावृत्ति एवं सम्मान | 90 |
| 23. | संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित सेमिनार एवं सम्मेलन | 91 |
| 24. | सेमिनारों और सम्मेलनों में संकाय सदस्यों की भागीदारी | 97 |
| 25. | संकाय सदस्यों की अभिविन्यास एवं पुनश्चर्या कार्यक्रमों में सहभागिता | 113 |
| 26. | संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न व्याख्यान | 116 |
| 27. | संकाय सदस्यों द्वारा परामर्शी कार्य | 123 |
| 28. | संकाय सदस्यों की शैक्षणिक और प्रोफेशनल निकायों की सदस्यता | 124 |
| 29. | विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में संकाय सदस्यों का योगदान | 129 |
| 30. | संकाय सदस्यों द्वारा अन्य योगदान | 145 |
| 31. | विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सेमिनार/संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/अभिविन्यास कार्यक्रम | 150 |
| 32. | विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान/अतिथि व्याख्यान/आमंत्रित व्याख्यान | 159 |
| 33. | विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यचर्या एवं सह–पाठ्यचर्या कार्यकलाप | 163 |
| 34. | लैंगिक उत्पीड़न संबंधी संवेदनीकरण, प्रतिषेध और प्रतितोष (स्पर्श) पर रिपोर्ट | 168 |
| 35. | राजभाषा नीति का कार्यान्वयन | 170 |
| 36. | विश्वविद्यालय की वित्त संबंधी सूचना | 172 |

# पुरोवाक्

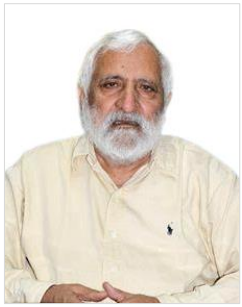

**प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री**
कुलपति

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के अंतर्गत हुई थी। विश्वविद्यालय ने 20 जनवरी, 2010 को व्यावहारिक रूप से कार्य करना प्रारंभ कर दिया था, जब प्रबंधशास्त्र के जानेमाने विद्वान प्रो. फुरकान कमर ने इसके पहले कुलपति के नाते कार्यभार संभाला था। नए विश्वविद्यालय को स्थापित करना अपने आप में कठिन कार्य है लेकिन इसका श्रेय प्रो. फुरकान कमर और उनकी टीम को जाएगा कि उन्होंने प्रारंभिक कठिनाइयों से जूझते हुए विश्वविद्यालय के लिए एक आधारभूत संरचना तैयार की। जिस वर्ष की यह रपट है, उस वर्ष कुलपति का कार्यभार प्रो. योगिन्द्र सिंह वर्मा संभाल रहे थे, इसलिए इस वर्ष की उपलब्धियां उनकी योजना और विज़न का परिणाम ही माना जाना चाहिए।

भारत में विश्वविद्यालयों की अत्यंत प्राचीन परंपरा रही है। तक्षशिला विश्वविद्यालय तो पश्चिमोत्तर भारत के क्षेत्र में ही स्थित था। विक्रमशिला और नालंदा की ख्याति भी अभी तक भारतीयों में उत्साह का संचार करती है। इस हिमालय क्षेत्र में भी, जहां केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है, विश्व प्रसिद्ध अध्ययन केन्द्रों की परंपरा रही है। लाहुल स्पिति और किन्नौर के बौद्ध मठ अभी भी किसी न किसी रूप में इस परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। अंग्रेजी शासनकाल के दौरान भारत में कोलकाता विश्वविद्यालय से शुरू होकर नए विश्वविद्यालयों की जो श्रृंखला विकसित हुई उसने पिछले एक सौ साठ साल में निश्चित आकार व पहचान बना ली है। हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय इन प्राचीन और अर्वाचीन प्रयोगों का संगम स्थल बने, यही हमारा प्रयास है। लेकिन इसे हमारा दुर्भाग्य ही मानना चाहिए कि अभी तक विश्वविद्यालय के लिए उपयुक्त भूमि का आबंटन नहीं हो पाया है। इसलिए विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश की ऐतिहासिक और विश्व प्रसिद्ध नगरी धर्मशाला में, जहां पर परम पावन दलाई लामा भी निवास करते हैं, स्थित विभिन्न भवनों में कार्य कर रहा है। अध्ययन–अध्यापन कार्य शाहपुर के राजकीय महाविद्यालय के भवन में चल रहा है। मेहरचंद महाजन पुरुष छात्रावास कांगड़ा में स्थित है और शारदा कन्या छात्रावास धर्मशाला में स्थित है। इसी प्रकार दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र, शाहपुर के एक भवन में कार्य कर रहा है। प्रशासकीय कार्यालय भी धर्मशाला में ही है। लेकिन इन बिखरे हुए भवनों में भी एक आंतरिक तादात्म्य बना हुआ है। भूमि आबंटन के लिए प्रयास चल रहा है और आशा है कि इस शिक्षा–सत्र में भूमि का आबंटन हो जाएगा।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लिए विभिन्न श्रेणियों के प्राध्यापकों के 188 पद स्वीकृत किए हैं। इस समय विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कुल 67 प्राध्यापक और एक–एक यूजीसी–सहायक प्रोफेसर और डीएसटी इंस्पायर–सहायक प्रोफेसर कार्य कर रहे हैं। शेष पदों की भर्ती की प्रक्रिया जारी है।

विश्वविद्यालय ने प्रारंभ से ही विकल्प पर आधारित क्रेडिट प्रणाली को अपनाया है, जिसके अंतर्गत किसी एक विषय में स्नातकोत्तर डिग्री की पढ़ाई करने वाले छात्र को विश्वविद्यालय के अन्य विभागों/केन्द्रों के

विषयों के 30 प्रतिशत क्रेडिट अर्जित करना अपेक्षित है। लगभग सभी विभागों में कुछ फाउण्डेशन पाठ्यक्रमों की भी व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार पाठ्यक्रमों में समकक्ष प्रवेश (लेटरल एंट्री) और मध्य प्रवेश (मिड कोर्स एंट्री) की भी सुविधा प्रदान की गई है।

मैंने प्रयास किया है कि वित्तीय वर्ष 2014–15 में विश्वविद्यालय में होने वाली सभी शैक्षणिक, सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों का इस रपट में समावेश किया जाए। हमारे विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों की शोध और प्रकाशनों के क्षेत्र में जो उपलब्धियां रही हैं, उनका सिलसिलेवार जिक्र भी किया गया है। यह रपट एक प्रकार से विश्वविद्यालय के तमाम विभागों द्वारा किए समन्वित प्रयासों का ही प्रतिफल है। जिन विभागों ने अपनी रपट अंग्रेजी में भेजी है, उनके हिंदी अनुवाद की व्यवस्था तथा जिन विभागों ने अपनी रपट हिंदी में भेजी है, उनके अंग्रेजी अनुवाद की व्यवस्था विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी ने की है।

इस पूरे वर्ष मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा उनके अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिलता रहा, इसके लिए मैं उनका आभारी हूँ। हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार, कांगड़ा जिला प्रशासन, वन विभाग तथा उनके अधिकारियों ने भी वांछित सहयोग दिया है, इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूँ। विश्वविद्यालय कोर्ट, कार्यकारिणी परिषद, शैक्षणिक परिषद, वित्त समिति, विभिन्न संकायों के स्कूल बोर्डों, पाठ्य समितियों की समय–समय पर बैठकें होती रही हैं और इन बैठकों में इन निकायों के सदस्यों का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन हमें मिलता रहा है, इसके लिए मैं इन निकायों के सभी सदस्यों का आभारी हूँ। विश्वविद्यालय के विकास में संस्थापक कुलपति, प्रति–कुलपति, कुलसचिव, सभी अधिष्ठाताओं, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, वित्त अधिकारी, विभागाध्यक्षों एवं केन्द्र निदेशकों के योगदान के लिए मैं उन्हें विशेष धन्यवाद देता हूँ।

**प्रो. (डॉ.) कुलदीप चंद अग्निहोत्री**
कुलपति

**स्थान :** धर्मशाला

**दिनांक :** 13.10.2015

# 2014–15 के दौरान प्रगति, कार्य–संपादन और उपलब्धियों का सारांश

## 2014–15 के दौरान प्रगति/कार्य–संपादन/उपलब्धियां

1. परिचय : केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के अंतर्गत स्थापित विश्वविद्यालय ने अपना कार्य 20 जनवरी, 2010 से प्रारंभ किया। यद्यपि विश्वविद्यालय अभी तक अस्थायी परिसर से ही अपना कार्य संचालित कर रहा है तथापि वर्ष 2014–15 के दौरान विश्वविद्यालय ने सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है।
2. स्थायी परिसर : भूमि के हस्तांतरण और विश्वविद्यालय का उस पर कब्जा नहीं मिलने के कारण विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर(रों) के लिए निर्माण और विकास कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं हो सका।
3. अस्थायी परिसर : वर्तमान में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यकलापों को शाहपुर स्थित अस्थायी शैक्षणिक खंड से और प्रशासनिक कार्य धर्मशाला से संचालित किया जा रहा है। पुरुष और महिला छात्रावासों को क्रमशः कांगड़ा और धर्मशाला स्थित किराए पर लिए गए भवनों में चलाया जा रहा है। अधिकांश विद्यार्थी आसपास के क्षेत्रों में पेइंग गेस्ट के तौर पर रह रहे हैं। अधिकतर शिक्षक और स्टाफ अस्थायी परिसरों के आसपास स्थित किराए के मकानों में रह रहे हैं। विश्वविद्यालय का अस्थायी शैक्षणिक खंड नवोन्नत लेक्चर थियेटर, सेमिनार कक्ष, सम्मेलन कक्ष, कार्यालय स्थल/वर्कस्टेशन, संकाय कक्ष, प्रयोगशाला और आईटी अवसंरचना से युक्त है। यह वर्तमान कार्यक्रमों को चलाने के लिए ही पर्याप्त मात्र है।
4. आईटी अरसंचरना : विश्वविद्यालय के अस्थायी शैक्षणिक खंड में 1 जीबीपीएस कनेक्टिविटी और कैंप कार्यालय में 4 एमबीपीएस कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध है। दोनों स्थानों को वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई है। परिसर पूर्णतः लैन तथा वाई–फाई युक्त है।
5. पुस्तकालय और सूचना संसाधन : विश्वविद्यालय में एक स्थापित पुस्तकालय है जिसमें 18010 पुस्तकें हैं और 100 से भी अधिक भारतीय तथा विदेशी पत्र–पत्रिकाएं एवं जर्नलों को मंगाया जा रहा है/मंगाने की अनुमति दी गई है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय को इफ्लिबनेट के माध्यम से ई–संसाधनों तक ऐक्सेस प्राप्त है जिससे विद्यार्थियों को 3 डेटाबेस और 6000 से भी अधिक ऑनलाइन जर्नलों से युक्त 13 ई–संसाधनों तक ऐक्सेस प्राप्त है। साथ ही साथ विश्वविद्यालय को डेलनेट डेटाबेस की भी एक्सेस प्राप्त है। वर्ष के दौरान 10488 पुस्तक जारी गए, 6717 पुस्तक लौटाए गए और 6149 पुस्तक कंसल्ट किए गए। पुस्तकालय में कुल आगंतुकों की संख्या 15953 थी।
6. विश्वविद्यालय के प्राधिकारीगण एवं सांविधिक निकाय : विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय प्राधिकारियों की आवधिक बैठकें आयोजित करने का सजग प्रयत्न किया गया। वर्ष के दौरान कार्यकारिणी परिषद की 3 बैठकें, शैक्षणिक परिषद की 1 बैठक और वित्त समिति की 2 बैठकें आयोजित की गईं। परिनियमों के अनुसार स्कूल बोर्डों और पाठ्य समितियों का गठन किया गया है।
7. अध्ययन कार्यक्रम : विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न ग्यारह स्कूलों के अंतर्गत इक्कीस शिक्षण विभाग/केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं जिनके अंतर्गत 2014–15 के दौरान 15 स्नातकोत्तर (पीजी) और 17 अनुसंधान डिग्री (आरडी) कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।
8. विद्यार्थियों का नामांकन : 31 मार्च, 2015 के अनुसार विश्वविद्यालय में 782 (658 स्नातकोत्तर+124 शोधार्थी) विद्यार्थी नामांकित थे। विद्यार्थियों का सामाजिक संघटन : महिला 394 (50.38%), अनु.जाति 128 (16.37%), अनु.जनजाति 62 (7.93%) अन्य पिछड़ा वर्ग 180 (23.02%) और अल्पसंख्यक 67 (8.75%)।
9. संकायों का चयन : वर्तमान में यूजीसी विनियमों के अनुसार पूर्णकालिक नियमित आधार पर 31 मार्च, 2015 के अनुसार 67 संकाय सदस्य हैं। शेष स्वीकृत संकाय पदों पर नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। चयन प्रक्रिया को

वस्तुनिष्ठ और पारदर्शी रखा गया है; चयन के मापदंडों के साथ–साथ एपीआई अपेक्षाओं को भी व्यापक रूप से प्रचारित किया गया है। विभिन्न मापदंडों में उनके अंकों के साथ आवेदकों की सूची वेबसाइट में प्रदर्शित करते हुए त्रुटियों और चूक को न्यूनतम करने के उद्देश्य से सुधार के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों की सूची और शॉर्टलिस्टिंग के आधार संबंधी मापदंडों को भी सार्वजनिक किया जाता है। इन प्रक्रियाओं में काफी समय लगता है परंतु मेरिट को प्रोत्साहित करने के एकमात्र उद्देश्य से इन प्रक्रियाओं को बारीकी से कार्यान्वित किया जा रहा है।

10. नवाचारी पाठ्यचर्या रूपेरखा : शैक्षणिक सुधार के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए विश्वविद्यालय द्वारा नवाचारी पाठ्यचर्या रूपरेखा को विकसित किया गया है और विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) और व्यापक सतत आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रिया को कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत किसी भी अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश–प्राप्त प्रत्येक विद्यार्थी को अन्य विभागों/स्कूलों से 30 प्रतिशत क्रेडिट संचित करना अपेक्षित है। सभी अध्ययन कार्यक्रमों को मॉड्यूलर स्वरूप प्रदान किया गया है जिसके अन्तर्गत विनिर्दिष्ट समय के अंदर पाठ्यक्रम के बीच में प्रवेश (मिड–कोर्स ऐंट्री) और समकक्ष प्रवेश (लैटेरल एंट्री) की अनुमति दी गई है। अनुसंधान डिग्री कार्यक्रमों को भी काफी नवीन स्वरूप प्रदान किया गया है जिसके अंतर्गत सभी शोधार्थियों को शोध प्रबंधों और शोध निबंधों के अतिरिक्त शिक्षण सहायकवृत्ति और प्रकाशनों के माध्यम से क्रेडिट संचय करना अपेक्षित है।
11. उत्कृष्ट संस्कृति का संवर्धन : उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्कृति सृजन के उत्तरदायित्व के प्रति सजग रहते हुए विश्वविद्यालय द्वारा मेरिट, वस्तुनिष्ठता और अपनी सभी निर्णय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को सक्रियता से बढ़ावा दिया गया है जिससे कि सभी आंतरिक और बाह्य स्टेकधारकों में विश्वास उत्पन्न हो सके। अधिनियम, परिनियमों एवं अध्यादेशों और विश्वविद्यालय के सभी सांविधिक निकायों अर्थात् विश्वविद्यालय कोर्ट, कार्यकारिणी परिषद, शैक्षणिक परिषद एवं वित्त समिति की बैठकों के कार्यवृत्त भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.cuhimachal.ac.in) पर अपलोड किए जाते हैं। विश्वविद्यालय अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश और नौकरी के पदों के लिए आवेदनों को ऑनलाइन जमा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। प्रवेश के लिए विवरण–पत्रिका और आवेदन–पत्रों को भी निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है और अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।
12. शोध एवं प्रकाशन : यद्यपि शिक्षण कार्य प्राथमिक मूल कार्य होगा और इस पर ही मुख्य जोर दिया जा रहा है, विशेषकर तब जब विश्वविद्यालय का विकास हो रहा है और शिक्षण संकायों की संख्या भी सीमित है, तथापि निरंतर संप्रेषण और बातचीत के जरिए सहायक माहौल और अनुकूल कार्य परिस्थितियां सृजित कर गंभीर शिक्षण–अधिगम, अनुसंधान, गुणवत्तापूर्ण प्रकाशनों और सेमिनारों, संगोष्ठियों, सम्मेलनों आदि में प्रतिभागिता की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के सजग और महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। **अनुसंधान परियोजनाएं :** संकाय सदस्यों को परियोजना लेखन और अग्रणी अनुसंधान संस्थानों से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय में 20 बड़ी और 2 छोटी अनुसंधान परियोजनाएं चल रही थीं/स्वीकृत की गई हैं, जिसके जरिए संकाय सदस्यों ने 400 लाख रुपए से अधिक का संसाधन जुटाव किया/प्रदान किया जाएगा। **प्रकाशन :** कुल मिलाकर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने विख्यात जर्नलों में 192 शोधपत्र प्रकाशित किए गए और 252 सेमिनार/सम्मेलन/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में भाग लिया। **आमंत्रित व्याख्यान :** संकाय सदस्यों ने अन्य अग्रणी संस्थानों में कुल 119 आमंत्रित व्याख्यान दिए।
13. सह–पाठ्यचर्या/पाठ्येत्तर कार्यकलाप : विश्वविद्यालय द्वारा अपने विद्यार्थियों के लिए अनेक सह–पाठ्यचर्या एवं पाठ्येतर कार्यकलाप आयोजित किए गए। विद्यार्थियों की ज्ञान समृद्धि के लिए निरंतर आधार पर कार्यशालाएं एवं आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किए गए। नियमित आधार पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य पाठ्येतर गतिविधियां भी आयोजित की गईं।
14. उपर्युक्त विवरण विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2014–15 के दौरान कार्यकलापों और प्रगति का संक्षिप्त सार मात्र है। व्यापक और समग्र विवरण विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट 2014–15 में प्रस्तुत किया गया है।

# विश्वविद्यालय के बारे में

## विश्वविद्यालय का प्रारंभ एवं स्थापना :

भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2007 को राष्ट्र को दिए अपने भाषण में उन प्रत्येक राज्यों में एक–एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की जहाँ अब तक कोई केन्द्रीय विश्वविद्यालय नहीं हैं। तत्पश्चात् 11 वीं योजना में 16 नवीन केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए प्रावधान किया गया। तदनुसार, अन्य विश्वविद्यालयों के साथ हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 (2009 का क्रमांक 25), जिस पर राष्ट्रपति की सहमति 20, मार्च 2009 को प्राप्त हुई, अधिनियमित किया गया। हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना संसद द्वारा अधिनियमित केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 (2009 का क्रमांक 25) के अन्तर्गत की गई है। यह विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निधिबद्ध और विनियमित है।

## कार्य प्रारंभ :

यह विश्वविद्यालय 20 जनवरी, 2010 को प्रथम कुलपति द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही कार्यशील हो गया। यद्यपि विश्वविद्यालय की अपनी अवसंरचना के विकास में कुछ समय लग सकता है, तथापि विश्वविद्यालय ने शिक्षा क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के परामर्श से एक महत्वाकांक्षी विज़न दस्तावेज विकसित किया है। विश्वविद्यालय के सांविधिक प्राधिकारियों द्वारा यथा अनुमोदित विज़न दस्तावेज और कार्यनीतिक योजना विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.cuhimachal.ac.in) पर उपलब्ध है। तदनुसार, कालक्रम में विश्वविद्यालय के नवोन्नत परिसर(रों) में बनकर तैयार होंगे तथा जिनमें सत्रह अध्ययन स्कूलों के अन्तर्गत लगभग 90 अध्ययन विभाग और लगभग 50 अध्ययन केन्द्र स्थापित होंगे।

## विश्वविद्यालय के उद्देश्य :

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के अनुसार विश्वविद्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- ऐसी अधिगम शाखाओं में, जिनको यह उचित समझे, शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएं प्रदान कर ज्ञान का प्रसार एवं विकास करना।
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, समाज विज्ञानों, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में समाकलित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान करना।
- अध्यापन–अधिगम प्रक्रिया एवं अन्तर–विषयक अध्ययनों और अनुसंधान में नवान्वेषण को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त उपाय करना।
- देश के विकास के लिए जनशक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना;
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों के साथ लिंकेज स्थापित करना;
- लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थितियों में सुधार और उनका कल्याण, उनके बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास की ओर विशेष ध्यान देना।

## विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताएं :

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 में विश्वविद्यालय की निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएं दी गई हैं :

- विश्वविद्यालय प्रत्येक लिंग एवं व्यक्तियों एवं सभी जाति, मत, प्रजाति या वर्ग के लिए उपलब्ध होगा तथा विश्वविद्यालय के अध्यापक के रूप में नियुक्ति किए जाने या उसमें कोई अन्य पद धारण करने या विश्वविद्यालय में छात्र के रूप में प्रवेश या वहाँ से शिक्षा ग्रहण करने या उसके किसी विशेषाधिकार का

उपयोग या प्रयोग में किसी व्यक्ति की हकदारी में उस पर किसी धार्मिक विश्वास या वृत्ति के आधार पर कोई परीक्षा अंगीकृत अथवा आरोपित करना विश्वविद्यालय के लिए विधिसम्मत नहीं होगा।

- विश्वविद्यालय महिलाओं, विकलांग व्यक्तियों या समाज के कमजोर वर्गों और विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों तथा सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग के नागरिकों के नियोजन या प्रवेश के लिए विशेष प्रावधान कर सकता है, परंतु साथ ही कोई भी ऐसा विशेष प्रावधान, निवास स्थान के आधार पर नहीं किया जाएगा;
- विश्वविद्यालय का प्रयास अखिल भारतीय स्वरूप तथा शिक्षण एवं अनुसंधान के उच्च मानकों को बनाए रखना होगा तथा विश्वविद्यालय अन्य उपायों, जो उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यक हों, के साथ–साथ विशेषकर निम्नलिखित उपाय करेगा :
    - छात्रों का प्रवेश अखिल भारतीय स्तर पर केवल मेरिट के आधार पर, जिसका निर्धारण या तो विश्वविद्यालय द्वारा स्वयं या अन्य विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा द्वारा किया जाएगा या ऐसे पाठ्यक्रमों जहाँ छात्रों के प्रवेश की संख्या कम है, अर्हता परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा ;
    - संकाय (फैकल्टी) सदस्यों की भर्ती अखिल भारतीय स्तर पर की जाएगी तथा पोर्टेबल पेंशन एवं वरिष्ठता संरक्षण के साथ संकाय सदस्यों के अंतर–विश्वविद्यालय गतिशीलता को प्रोत्साहित किया जाएगा ;
    - सेमेस्टर प्रणाली, सतत मूल्यांकन एवं चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली लागू की जाएगी तथा विश्वविद्यालय क्रेडिट हस्तांतरण एवं संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों के लिए अन्य विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के साथ करार करेगा ;
    - नवाचारी पाठ्यक्रम एवं अध्ययन कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे जिनमें आवधिक समीक्षा एवं पुनर्संरचना का प्रावधान होगा ;
    - विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यकलापों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी तथा अध्यापकों का मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाएगा ;
    - राष्ट्रीय निर्धारण एवं प्रत्यायन परिषद या राष्ट्रीय स्तर की किसी अन्य प्रत्यायन एजेंसी से प्रत्यायन प्राप्त किया जाएगा ;
    - प्रभावकारी प्रबंधन सूचना प्रणाली सहित ई–गवर्नेंश शुरू किया जाएगा।

## विश्वविद्यालय परिसर

### • स्थायी परिसर

राज्य सरकार द्वारा सभी दृष्टियों से विल्लंगम रहित भूमि उपलब्ध कराए जाने के बाद विश्वविद्यालय का अपना परिसर होगा।

### • अस्थायी परिसर

- **कैंप कार्यालय :** विश्वविद्यालय का कैंप कार्यालय इस समय धर्मशाला में संस्कृति सदन (राइटर्स होम) में (अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के पास) स्थित है।
- **अस्थायी शैक्षणिक खंड (टैब) :** विश्वविद्यालय का अस्थायी शैक्षणिक खंड शाहपुर, जिला कांगड़ा में राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को आबंटित नवनिर्मित कॉलेज भवन में स्थित है। इसी प्रयोजनार्थ निर्मित यह खंड एक आकर्षक स्थान पर एक भव्य तीन मंजिले भवन में है। कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, संकाय सदस्यों एवं छात्र–छात्राओं की वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यहां शिक्षण कार्य हेतु पर्याप्त स्थान है। भवन के इर्द–गिर्द विस्तृत खुला स्थान आउटडोर खेलकूद के लिए सुविधाएं प्रदान कर सकता है।

# विश्वविद्यालय के माननीय कुलाध्यक्ष

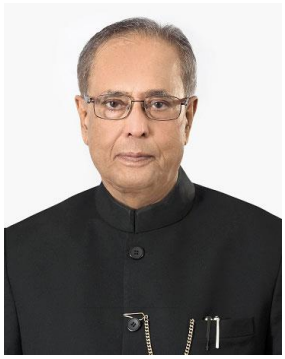

**भारत के राष्ट्रपति**
श्री प्रणब मुखर्जी
(25 जुलाई, 2012 से)

श्री प्रणब मुखर्जी ने सरकार तथा संसद में रहते हुए देश की अनुकरणीय सेवा के पचास वर्षों से अधिक की अवधि के अपने राजनीतिक जीवन के शिखर पर 25 जुलाई, 2012 को भारत के तेरहवें राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण किया।

एक साधारण कुल के श्री मुखर्जी ने स्वतंत्रता सेनानियों श्री कामदा किंकर मुखर्जी और श्रीमती राजलक्ष्मी के पुत्र के रूप में पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले के एक छोटे से गांव मिराती में 11 सितंबर, 1935 को जन्म लिया। श्री मुखर्जी के पिता एक कांग्रेसी नेता थे, जिन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के कारण कई बार जेल जाने सहित बहुत से कष्टों का सामना करना पड़ा।

**शिक्षा :** श्री मुखर्जी ने कोलकाता विश्वविद्यालय से इतिहास और राजनीतिशास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि तथा विधि में उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने कॉलेज शिक्षक और पत्रकार के रूप में व्यावसायिक जीवन शुरू किया। राष्ट्रीय आंदोलन में अपने पिता के योगदान से प्रेरणा लेकर श्री मुखर्जी संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) में चुने जाने के बाद, वर्ष 1969 में पूरी तरह सार्वजनिक जीवन में कूद पड़े।

**व्यावसायिक जीवन :** श्री मुखर्जी एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें शासन का बेजोड़ अनुभव है और उन्हें समय–समय पर विदेश, रक्षा, वाणिज्य और वित्त मंत्री के रूप में सेवा करने का असाधारण सम्मान प्राप्त है। उन्हें 1969 से पांच बार संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) के लिए और 2004 से दो बार संसद के निम्न सदन (लोकसभा) के लिए चुना गया। वे 23 वर्षों तक पार्टी की सर्वोच्च नीति–निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य रहे। वर्ष 1973–74 की अवधि के दौरान उन्हें उद्योग; जहाजरानी एवं परिवहन, इस्पात एवं उद्योग उपमंत्री तथा वित्त राज्य मंत्री बनाया गया। उन्होंने 1982 में पहली बार प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के मंत्रीमंडल में भारत के वित्त मंत्री का पद ग्रहण किया और वे 1980 से 1985 तक संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) में सदन के नेता रहे। बाद में वे 1991 से 1996 तक योजना आयोग के उपाध्यक्ष, 1993 से 1995 तक वाणिज्य मंत्री, 1995 से 1996 तक विदेश मंत्री, 2004 से 2006 तक रक्षा मंत्री तथा पुनः 2006 से 2009 तक विदेश मंत्री रहे। वे 2009 से 2012 तक वित्त मंत्री रहे तथा 2004 से 2012 तक राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने के लिए त्याग–पत्र देने तक संसद के निम्न सदन के नेता रहे।

# विश्वविद्यालय के प्राधिकारीगण

## कोर्ट

विश्वविद्यालय कोर्ट विश्वविद्यालय के कार्य संपादन के लिए उत्तरदायी विनियामक निकायों में एक महत्वपूर्ण निकाय है और यह विश्वविद्यालय के विगत वर्ष की प्राप्तियों तथा व्यय विवरण, यथा लेखापरीक्षित तुलन–पत्र और आगामी वित्तीय वर्ष के लिए बज़ट के संबंध में विचार करती है। कोर्ट में कार्यकारिणी परिषद और शैक्षणिक परिषद के कृत्यों की समीक्षा करने की शक्ति निहित है और इसमें विश्वविद्यालय की ऐसी शक्तियों का प्रयोग करने की शक्ति निहित है जिसका अन्यथा अधिनियम अथवा परिनियम में उपबंध नहीं किया गया है।

प्रथम विश्वविद्यालय कोर्ट का गठन केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 की धारा 44 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्र दिनांक 26.09.2012 के माध्यम से तीन वर्षों के लिए किया गया। कुलाधिपति की अध्यक्षता में गठित कोर्ट के गणमान्य सदस्य हैं:

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **श्री अरुण मायरा,**<br>माननीय सदस्य, योजना आयोग एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति | **अध्यक्ष** |
| 2. | **प्रो. फुरकान कमर**,<br>कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | पदेन सदस्य<br>(25.06.2014 तक) |
| | **प्रो. योगिन्द्र एस वर्मा**<br>स्थानापन्न कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | पदेन सदस्य<br>(26.06.2014 से<br>19.04.2015 तक) |
| | **प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री**<br>कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | पदेन सदस्य<br>(20.04.2015 से) |
| 3. | **प्रो. तिमोथी ए. गोन्साल्वेस,**<br>निदेशक, आईआईटी मंडी | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 4. | **प्रो. एन. सत्यमूर्ति,**<br>निदेशक, आईआईएसईआर, मोहाली | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 5. | **प्रो. स्नेह भार्गव,**<br>पूर्व निदेशक, एम्स | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 6. | **प्रो. कस्तूरी दत्ता**<br>पर्यावरण विज्ञान स्कूल, जेएनयू, नई दिल्ली | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 7. | **डॉ. बी.एन. गोस्वामी**<br>कला इतिहासकार एवं पद्मभूषण से सम्मानित | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 8. | **प्रो. अमिताभ रे चौधरी**<br>पालित प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 9. | **डॉ. बी.एल. मुंगेकर**<br>माननीय सांसद एवं पूर्व सदस्य, योजना आयोग | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 10. | **प्रो. कृष्ण कुमार**<br>प्रोफेसर, सीआईआईटी, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 11. | **प्रो. ए.एम. पठान**<br>पूर्व कुलपति, कर्नाटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 12. | **प्रो. चेतन सिंह**<br>इतिहास विभाग, एचपीयू, शिमला | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 13. | **प्रो. नामवर सिंह**<br>पूर्व प्रोफेसर हिंदी, जेएनयू नई दिल्ली | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 14. | **प्रो. अनुपम वर्मा**<br>पादप विषाणु विज्ञान के लिए उन्नत केन्द्र, पादप रोग विज्ञान संभाग, नई दिल्ली | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 15. | **डॉ. रणबीर सिंह,**<br>कुलपति, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, नई दिल्ली | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 16. | **श्री करण जौहर**<br>फिल्म निर्माता, मुंबई | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 17. | **डॉ. राम सागर**<br>निदेशक, आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान, नैनीताल | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |

| | | |
|---|---|---|
| 18. | **प्रो. ए.के. घटक**<br>पूर्व प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, आईआईटी, नई दिल्ली | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 19. | **प्रो. अनिल गुप्ता**<br>निदेशक, वाडिया हिमालयन भूविज्ञान संस्थान, देहरादून एवं<br>पूर्व प्रोफेसर, आईआईटी खड़गपुर | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 20. | **प्रो. विनोद प्रकाश शर्मा**<br>चेयर प्रोफेसर, लोक स्वास्थ्य अनुसंधान ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र, आईआईटी, नई दिल्ली | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 21. | **प्रो. पार्थ शाह**<br>अध्यक्ष, सेंटर फॉर सिविल सोसाइटी, नई दिल्ली | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 22. | **प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी**<br>कुलपति, एचपीयू, शिमला | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 23. | **डॉ. श्याम कुमार शर्मा**<br>पूर्व कुलपति, हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 24. | **श्री एम.के. कॉव**<br>पूर्व सचिव, एमएचआरडी | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 25. | **श्रीमती आशा स्वरूप**<br>पूर्व मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 26. | **श्री सी.एन धर**<br>अध्यक्ष, सीआईआई – हिमाचल प्रदेश राज्य परिषद | सदस्य<br>(25.09.2015 तक) |
| 27. | **ब्रिग. जगदीश चंद रांगडा, वाईएसएम (सेनि.)**<br>कुलसचिव, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | पदेन–सदस्य सचिव<br>(04.04.2014 से) |

## कार्यकारिणी परिषद

कार्यकारिणी परिषद विश्वविद्यालय का प्रधान कार्यकारिणी निकाय है। इस परिषद के अध्यक्ष कुलपति हैं और इसके सदस्यगणों में प्रतिष्ठित विद्याविद्, प्रौद्योगिकीविद् और वैज्ञानिक शामिल हैं।

इस द्वितीय कार्यकारिणी परिषद का गठन केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा 21 के साथ पठित परिनियम 11 के अधीन किया गया है। इसमें निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं :

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **प्रो. फुरकान कमर**,<br>कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | **अध्यक्ष**<br>(पदेन)<br>(25.06.2014 तक) |
| | **प्रो. योगिन्द्र एस वर्मा**<br>स्थानापन्न कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | **अध्यक्ष**<br>(पदेन)<br>(26.06.2014 से 19.04.2015 तक) |
| | **प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री**<br>कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | **अध्यक्ष**<br>(पदेन)<br>(20.04.2015 से) |
| 2. | **प्रो. योगिन्द्र एस वर्मा**<br>प्रति–कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | सदस्य<br>(पदेन सदस्य) |
| 3. | **सचिव,**<br>**उच्चतर शिक्षा विभाग,** मानव संसाधन विकास मंत्रालय,<br>शास्त्री भवन, नई दिल्ली | सदस्य<br>(पदेन सदस्य) |
| 4. | **अध्यक्ष,**<br>विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली | सदस्य<br>(पदेन सदस्य) |
| 5. | **सचिव, उच्चतर शिक्षा,**<br>हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | सदस्य<br>(पदेन सदस्य) |
| 6. | **श्री रमेश शर्मा**<br>राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माता, गुड़गांव | सदस्य<br>(17.07.2016 तक) |
| 7. | **प्रो. मनमोहन गुप्ता**<br>प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ | सदस्य<br>(17.07.2016 तक) |
| 8. | **डॉ. डी.एस. राठौर**<br>पूर्व कुलपति, हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय | सदस्य<br>(17.07.2016 तक) |
| 9. | **प्रो. वीना चौधरी,**<br>निदेशक, रेडियो–डाइग्नोसिस विभाग, मौलाना आजाद चिकित्सा कॉलेज, नई दिल्ली | सदस्य<br>(17.07.2016 तक) |
| 10. | **श्री सैय्यद शहीद महदी,**<br>पूर्व–कुलपति, जेएमआई नई दिल्ली | सदस्य<br>(17.07.2016 तक) |
| 11. | **डॉ. सुधीर एस. ब्लोएरिया,**<br>पूर्व–कुलपति, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) | सदस्य<br>(17.07.2016 तक) |
| 12. | **प्रो. सुनैना सिंह,**<br>कुलपति, अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद | सदस्य<br>(17.07.2016 तक) |
| 13. | **डॉ. (सुश्री) कमल सिंह,**<br>पूर्व कुलपति, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय | सदस्य<br>(17.07.2016 तक) |
| 14. | **प्रो. पीटर रोनाल्ड डिसूजा,**<br>पूर्व निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ अडवांस्ड स्टडीज (आईआईएएस), शिमला | सदस्य<br>(17.07.2016 तक) |
| 15. | **प्रो. ए.एम. पठान,**<br>पूर्व कुलपति, कर्नाटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय | सदस्य<br>(17.07.2016 तक) |
| 16. | **प्रो. अरविंद अग्रवाल,**<br>अधिष्ठाता, ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(20.02.2016 तक) |
| 17. | **प्रो. आई.वी. मल्हन**<br>अधिष्ठाता, गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(07.06.2015 तक) |
| 18. | **प्रो. के.बी. जोशी,**<br>अधिष्ठाता, भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(03.07.2014 तक) |
| 19. | **प्रो. अंबरीश कुमार महाजन,**<br>अधिष्ठाता, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(27.06.2016 तक) |

| | | |
|---|---|---|
| 20. | **डॉ. एच.आर शर्मा,**<br>अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(27.06.2016 तक) |
| 21. | **डॉ. आशुतोष प्रधान,**<br>एसोसिएट प्रोफेसर, समाज कार्य विभाग, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(27.06.2016 तक) |
| 22. | **डॉ. मनुकोण्डा रबीन्द्रनाथ,**<br>अधिष्ठाता, पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(10.10.2014 से 07.06.2015 तक) |
| 23. | **श्री केशव सिंह रावत,**<br>सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान एवं आई.टी विभाग, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(27.06.2016 तक) |
| विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यकारिणी परिषद के पदेन सचिव हैं।<br>वर्ष के दौरान शैक्षणिक परिषद की तीन बैठकें दिनांक 22.11.2014, (परिचालन द्वारा) 13.01.2015 और (परिचालन द्वारा) 27.03.2015 को आयोजित की गई। | | |

## शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद विश्वविद्यालय का प्रधान शैक्षणिक निकाय है और परिषद द्वारा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीति का सामान्य पर्यवेक्षण किया जाता है । इस परिषद के अध्यक्ष कुलपति हैं और इसके सदस्यगण में प्रतिष्ठित विद्याविद्, शिक्षाविद् और विद्वान शामिल हैं ।

इस द्वितीय शैक्षणिक परिषद का गठन केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा 22 के साथ पठित परिनियम 13 के अधीन किया गया है । इसमें निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं :

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **प्रो. फुरकान कमर**,<br>कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | **अध्यक्ष**<br>(पदेन)<br>(25.06.2014 तक) |
| | **प्रो. योगिन्द्र एस वर्मा**<br>स्थानापन्न कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | **अध्यक्ष**<br>(पदेन)<br>(26.06.2014 से 19.04.2015 तक) |
| | **प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री**<br>कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | **अध्यक्ष**<br>(पदेन)<br>(20.04.2015 से) |
| 2. | **प्रो. योगिन्द्र एस वर्मा**<br>प्रति–कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | सदस्य<br>(पदेन सदस्य) |
| 3. | **प्रो. एन. सत्यमूर्ति,**<br>निदेशक, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसइआर), पंजाब | सदस्य<br>(15.07.2016 तक) |
| 4. | **प्रो. देवी सिंह,**<br>निदेशक, आईआईएम लखनऊ (उ.प्र.) | सदस्य<br>(20.08.2016 तक) |
| 5. | **श्री शेखर कपूर,**<br>क्रिएटिव निदेशक, मुंबई, महाराष्ट्र | सदस्य<br>(20.08.2016 तक) |
| 6. | **प्रो. श्याम मेनन,**<br>कुलपति, अंबेडकर विश्वविद्यालय,, नई दिल्ली | सदस्य<br>(20.08.2016 तक) |
| 7. | **प्रो. सुधांशु भूषण,**<br>विभागाध्यक्ष, उच्चतर शिक्षा विभाग, न्यूपा, नई दिल्ली | सदस्य<br>(20.08.2016 तक) |
| 8. | **प्रो. अनिल कुमार सिंह,**<br>कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ.प्र.) | सदस्य<br>(20.08.2016 तक) |
| 9. | **प्रो. फैजान अहमद,**<br>निदेशक, सेंटर फॉर मल्टी–डिसिप्लिनरी रिसर्च इन बेसिक साइंस, जेएमआई, नई दिल्ली | सदस्य<br>(20.08.2016 तक) |
| 10. | **प्रो. एस.पी. सिंह,**<br>चेयर ऑफ एक्सीलेंस, वन अनुसंधान संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), देहरादून | सदस्य<br>(20.08.2016 तक) |
| 11. | **प्रो. मीनाक्षी गोपीनाथ,**<br>पूर्व प्राचार्य, एलएसआर महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय | सदस्य<br>(20.08.2016 तक) |
| 12. | **प्रो. पुलिन बी. नायक,**<br>दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली | सदस्य<br>(20.08.2016 तक) |
| 13. | **प्रो. अनविता अब्बी,**<br>भाषाविज्ञान प्रोफेसर, भाषाविज्ञान केन्द्र,<br>भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन स्कूल, जेएनयू, नई दिल्ली | सदस्य<br>(20.08.2016 तक) |
| 14. | **प्रो. अरविंद अग्रवाल,**<br>अधिष्ठाता, ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(20.02.2016 तक) |
| 15. | **प्रो. आई.वी. मल्हन**<br>अधिष्ठाता, गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(18.04.2018 तक) |
| 16. | **प्रो. के.बी. जोशी,**<br>अधिष्ठाता, भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(03.07.2014 तक) |
| | **डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री,**<br>अधिष्ठाता, भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(10.07.2016 तक) |
| 17. | **प्रो. अंबरीश कुमार महाजन,**<br>अधिष्ठाता, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(25.02.2016 तक) |

| | | |
|---|---|---|
| 18. | **डॉ. राशन लाल शर्मा,**<br>अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(18.04.2018 तक) |
| 19. | **डॉ. अरबिंद कुमार झा,**<br>अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(16.09.2014 तक) |
| | **डॉ. मनोज कुमार सक्सेना,**<br>अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(09.10.2017 तक) |
| 20. | **प्रो. एच.आर शर्मा,**<br>अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(15.07.2016 तक) |
| 21. | **डॉ. प्रदीप कुमार,**<br>अधिष्ठाता, पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(18.04.2018 तक) |
| 22. | **डॉ. मनुकोण्डा रबीन्द्रनाथ,**<br>विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं सृजनात्मएक लेखन विभाग, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(18.04.2018 तक) |
| 23. | **डॉ. संजीव,**<br>विभागाध्यक्ष, लेखा तथा वित्त विभाग, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(22.07.2017 तक) |
| 24. | **डॉ. भगवान सिंह,**<br>विभागाध्यक्ष, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(22.02.2016 तक) |
| 25. | **डॉ. बी.सी. चौहान,**<br>विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(10.10.2014 से 18.04.2018 तक) |
| 26. | **डॉ. आशुतोष प्रधान,**<br>विभागाध्यक्ष, समाज कार्य विभाग, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(30.05.2015 से 29.05.2018 तक) |
| 27. | **डॉ. दीपक पंत,**<br>एसोसिएट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(15.07.2016 तक) |
| 28. | **डॉ. मुश्ताक अहमद,**<br>एसोसिएट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(30.05.2015 से 29.05.2018 तक) |
| 29. | **श्री मनोज धीमान,**<br>सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर एवं आई.टी विभाग, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(15.07.2016 तक) |
| 30. | **डॉ. यूसुफ अख्तर,**<br>सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटेशनल जीवविज्ञान एवं जैवसूचना केन्द्र, हि.प्र.के.वि. | सदस्य<br>(15.07.2016 तक) |
| विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैक्षणिक परिषद के पदेन सचिव हैं।<br>वर्ष के दौरान शैक्षणिक परिषद की एक बैठक दिनांक 22.11.2014 को आयोजित की गई। | | |

## स्कूल बोर्ड

विश्वविद्यालय के प्रत्येक स्कूलों के स्कूल बोर्डों का गठन किया गया है और इनमें निम्नलिखित सदस्य हैं :

| **भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल** | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. स्कूल के अधिष्ठाता | अध्यक्ष |
| | 2. स्कूल के विभागों के विभागाध्यक्षगण | सदस्य |
| | 3. स्कूल के केन्द्रों के निदेशकगण | सदस्य |
| | 4. स्कूल के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक एसोसिएट प्रोफेसर | 5. डॉ. बी.सी. चौहान, एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग | सदस्य (18.04.2015 तक) |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक सहायक प्रोफेसर | 6. डॉ. अयान चटर्जी, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग | सदस्य (26.12.2015 तक) |
| शैक्षणिक परिषद द्वारा नामित स्कूल के विभागों/केन्द्रों से संबंधित विषय अथवा विषयों में विशेष ज्ञान रखने वाले तीन विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 7. प्रो. नरेश दधीच, पूर्व प्रोफेसर, खगोलिकी एवं खगोल भौतिकी अंतर विश्वविद्यालय केन्द्र (आईयूसीएए), पुणे, वर्तमान में अतिथि प्रोफेसर, सैद्धांतिक भौतिकी केन्द्र, जेएमआई | सदस्य (28.06.2015 तक) |
| | 8. प्रो. रमेश सी. वर्मा, भौतिकी विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला | |
| | 9. प्रो. अफसर अब्बास, पूर्व प्रोफेसर, भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर, वर्तमान में अतिथि प्रोफेसर एएमयू | |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध और सजात विषयों के दो प्रोफेसर | 10. प्रो. आई.वी. मल्हन | सदस्य |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| **जैविक विज्ञान स्कूल** | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. स्कूल के अधिष्ठाता | अध्यक्ष |
| | 2. स्कूल के विभागों के विभागाध्यक्षगण | सदस्य |
| | 3. स्कूल के केन्द्रों के निदेशकगण | सदस्य |
| | 4. स्कूल के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| शैक्षणिक परिषद द्वारा नामित स्कूल के विभागों/केन्द्रों से संबंधित विषय अथवा विषयों में विशेष ज्ञान रखने वाले तीन विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 5. प्रो. बी. जयरमन, आइआईटी, दिल्ली | सदस्य (28.06.2015 तक) |
| | 6. प्रो. देबाशीष मोहंती, राष्ट्रीय प्रतिरक्षाविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली | |
| | 7. प्रो. इंदिरा घोष, जेएनयू | |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध और सजात विषयों के दो प्रोफेसर | 8. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | |
| | 9. प्रो. आई.वी. मल्हन | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. स्कूल के अधिष्ठाता | अध्यक्ष |
| | 2. स्कूल के विभागों के विभागाध्यक्षगण | सदस्य |
| | 3. स्कूल के केन्द्रों के निदेशकगण | सदस्य |
| | 4. स्कूल के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक एसोसिएट प्रोफेसर | 5. डॉ. दीपक पंत, एसोसिएट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग | सदस्य (05.07.2015 तक) |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक सहायक प्रोफेसर | 6. डॉ. अंकित टंडन, सहायक प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग | सदस्य (18.02.2017 तक) |
| शैक्षणिक परिषद द्वारा नामित स्कूल के विभागों/केन्द्रों से संबंधित विषय अथवा विषयों में विशेष ज्ञान रखने वाले तीन विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 7. प्रो. के.जी. सक्सेना, पूर्व अधिष्ठाता, पर्यावरण विज्ञान स्कूल, जेएनयू | सदस्य (28.06.2015 तक) |
| | 8. प्रो. वी.के जैन, कुलपति, दून विश्वविद्यालय, देहरादून, पूर्व प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान स्कूल, जेएनयू | |
| | 9. प्रो. एम.के. पंडित, विभागाध्यक्ष, पर्यावरण अध्ययन, अंतर्विषयक अध्ययन केन्द्र | |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध और सजात विषयों के दो प्रोफेसर | 10. प्रो. आई.वी. मल्हन | |
| | 11. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. स्कूल के अधिष्ठाता | अध्यक्ष |
| | 2. स्कूल के विभागों के विभागाध्यक्षगण | सदस्य |
| | 3. स्कूल के केन्द्रों के निदेशकगण | सदस्य |
| | 4. स्कूल के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| One Associate Professor from each Department / Centre in the School by rotation in order of seniority | - | सदस्य |
| One Assistant Professor from each Department/Centre in the School by rotation in order of seniority | 5. डॉ. सचिन कुमार श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग | सदस्य (03.10.2016 तक) |
| | 6. श्री केशव सिंह रावत, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग | |
| | 7. डॉ. डिंपल पटेल, सहायक प्रोफेसर, पुस्कालय एवं सूचना विज्ञान विभाग | |
| शैक्षणिक परिषद द्वारा नामित स्कूल के विभागों/केन्द्रों से संबंधित विषय अथवा विषयों में विशेष ज्ञान रखने वाले तीन विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 8. प्रो. जगदीश अरोड़ा, निदेशक इनफिलबनेट, अहमदाबाद | सदस्य (28.06.2015 तक) |
| | 9. प्रो. कर्मेशु, कंप्यूटर विज्ञान स्कूल, जेएनयू | |
| | 10. प्रो. एस.के. वासन, पूर्व प्रोफेसर, गणित विभाग, जेएमआई | |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध और सजात विषयों के दो प्रोफेसर | 11. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | |
| | 12. प्रो. अंबरीश कुमार महाजन | सदस्य (03.10.2016 तक) |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| मानविकी एवं भाषा स्कूल | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. स्कूल के अधिष्ठाता | अध्यक्ष |
| | 2. स्कूल के विभागों के विभागाध्यक्षगण | सदस्य |
| | 3. स्कूल के केन्द्रों के निदेशकगण | सदस्य |
| | 4. स्कूल के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक सहायक प्रोफेसर | - | |
| शैक्षणिक परिषद द्वारा नामित स्कूल के विभागों/केन्द्रों से संबंधित विषय अथवा विषयों में विशेष ज्ञान रखने वाले तीन विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 5. प्रो. हरीश सी. नारंग, पूर्व प्रोफेसर, जेएनयू | सदस्य (28.06.2015 तक) |
| | 6. प्रो. जसबीर जैन, पूर्व प्रोफेसर, अंग्रेजी, राजस्थान विश्वविद्यालय | |
| | 7. प्रो. अपूर्वानंद, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय | |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध और सजात विषयों के दो प्रोफेसर | 8. प्रो. अरविंद अग्रवाल | |
| | 9. प्रो. हंस राज शर्मा | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| समाज विज्ञान स्कूल | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. स्कूल के अधिष्ठाता | अध्यक्ष |
| | 2. स्कूल के विभागों के विभागाध्यक्षगण | सदस्य |
| | 3. स्कूल के केन्द्रों के निदेशकगण | सदस्य |
| | 4. स्कूल के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| शैक्षणिक परिषद द्वारा नामित स्कूल के विभागों/केन्द्रों से संबंधित विषय अथवा विषयों में विशेष ज्ञान रखने वाले तीन विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 5. प्रो. अंजलि गांधी, प्रोफेसर, समाज कार्य विभाग, जेएमआई | सदस्य (28.06.2015 तक) |
| | 6. प्रो. रवि श्रीवास्तव, प्रोफेसर अर्थशास्त्र, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, (सीएसआरडी), जेएनयू | |
| | 7. प्रो. वेंकटेश, प्रोफेसर शासन एवं लोक नीति, टाटा समाज विज्ञान संस्थान, मुंबई | |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध और सजात विषयों के दो प्रोफेसर | 8. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | |
| | 9. प्रो. आई.वी. मल्हन | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| शिक्षा स्कूल | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. स्कूल के अधिष्ठाता | अध्यक्ष |
| | 2. स्कूल के विभागों के विभागाध्यक्षगण | सदस्य |
| | 3. स्कूल के केन्द्रों के निदेशकगण | सदस्य |
| | 4. स्कूल के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक सहायक प्रोफेसर | 5. डॉ. नवनीत शर्मा, सहायक प्रोफेसर, अध्यापक शिक्षा विभाग | सदस्य |
| शैक्षणिक परिषद द्वारा नामित स्कूल के विभागों/केन्द्रों से संबंधित विषय अथवा विषयों में विशेष ज्ञान रखने वाले तीन विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 6. प्रो. विनोद खादरिया, प्रोफेसर, जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली | सदस्य (28.06.2015 तक) |
| | 7. प्रो. एजाज मसीह, अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय, जेएमआई, नई दिल्ली | |
| | 8. प्रो. रामा मैथ्यू, अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय | |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध और सजात विषयों के दो प्रोफेसर | 9. प्रो. अरविंद अग्रवाल | |
| | 10. प्रो. हंस राज शर्मा | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. स्कूल के अधिष्ठाता | अध्यक्ष |
| | 2. स्कूल के विभागों के विभागाध्यक्षगण | सदस्य |
| | 3. स्कूल के केन्द्रों के निदेशकगण | सदस्य |
| | 4. स्कूल के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक सहायक प्रोफेसर | 5. डॉ. गीतांजलि उपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग | सदस्य (27.06.2016 तक) |
| | 6. डॉ. मनप्रीत अरोड़ा, सहायक प्रोफेसर, लेखा तथा वित्त विभाग | |
| शैक्षणिक परिषद द्वारा नामित स्कूल के विभागों/केन्द्रों से संबंधित विषय अथवा विषयों में विशेष ज्ञान रखने वाले तीन विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 7. प्रो. जय के. मित्रा, पूर्व अधिष्ठाता, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ (एफएमएस), दिल्ली विश्वविद्यालय | सदस्य (28.06.2015 तक) |
| | 8. प्रो. नंद धमीजा, पूर्व प्रोफेसर, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली | |
| | 9. श्री नैवेद इकरम खाँ, पूर्व सीईओ एवं प्रमुख बाह्य संबंध, भारती एयरटेल, नई दिल्ली | सदस्य (28.06.2015 तक) |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध और सजात विषयों के दो प्रोफेसर | 10. प्रो. हंस राज शर्मा | |
| | 11. प्रो. अरविंद अग्रवाल | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. स्कूल के अधिष्ठाता | अध्यक्ष |
| | 2. स्कूल के विभागों के विभागाध्यक्षगण | सदस्य |
| | 3. स्कूल के केन्द्रों के निदेशकगण | सदस्य |
| | 4. स्कूल के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| शैक्षणिक परिषद द्वारा नामित स्कूल के विभागों/केन्द्रों से संबंधित विषय अथवा विषयों में विशेष ज्ञान रखने वाले तीन विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 5. प्रो. एस.पी. बंसल, एचपीयू, शिमला | सदस्य (28.06.2015 तक) |
| | 6. प्रो. अशोक आएमा, जम्मू विश्वविद्यालय | |
| | 7. प्रो. एस. इनायत अली जैदी, निदेशक, पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन कार्यक्रम, जेएमआई, नई दिल्ली | |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध और सजात विषयों के दो प्रोफेसर | 8. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | |
| | 9. प्रो. हंस राज शर्मा | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. स्कूल के अधिष्ठाता | अध्यक्ष |
| | 2. स्कूल के विभागों के विभागाध्यक्षगण | सदस्य |
| | 3. स्कूल के केन्द्रों के निदेशकगण | सदस्य |
| | 4. स्कूल के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| शैक्षणिक परिषद द्वारा नामित स्कूल के विभागों/केन्द्रों से संबंधित विषय अथवा विषयों में विशेष ज्ञान रखने वाले तीन विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 5. प्रो. घज़न्फर एच. जैदी, पूर्व अधिष्ठाता, ललित कला संकाय, जेएमआई | सदस्य (28.06.2015 तक) |
| | 6. प्रो. प्रमजीत सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य, दिल्ली कला स्कूल, दिल्ली | |
| | 7. प्रो. रजिन्दर भण्डारी, ललित कला विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ | |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध और सजात विषयों के दो प्रोफेसर | 8. प्रो. अरविंद अग्रवाल | |
| | 9. प्रो. आई.वी. मल्हन | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. स्कूल के अधिष्ठाता | अध्यक्ष |
| | 2. स्कूल के विभागों के विभागाध्यक्षगण | सदस्य |
| | 3. स्कूल के केन्द्रों के निदेशकगण | सदस्य |
| | 4. स्कूल के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य (04.07.2016 तक) |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में प्रत्येक विभाग/केन्द्र के एक सहायक प्रोफेसर | 5. डॉ. रामप्रवेश राय, सहायक प्रोफेसर, जनसंचार एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया<br>6. डॉ. अर्चना कटोच, सहायक प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं सृजनात्मएक लेखन विभाग | |
| शैक्षणिक परिषद द्वारा नामित स्कूल के विभागों/केन्द्रों से संबंधित विषय अथवा विषयों में विशेष ज्ञान रखने वाले तीन विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 7. प्रो. ओबेद सिद्दकी, जनसंचार अनुसंधान केन्द्र (एमसीआरसी), जेएमआई | सदस्य (28.06.2015 तक) |
| | 8. प्रो. गीता बेमजाई, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली | |
| | 9. प्रो. इफ्तिखार अहमद, अधिष्ठाता, फिल्म एवं टेलीविज़न संस्थान, पुणे | |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध और सजात विषयों के दो प्रोफेसर | 10. प्रो. अरविंद अग्रवाल | |
| | 11. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

## पाठ्य समितियां

विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभागों / केंद्रों की पाठ्य समितियों का गठन किया गया है तथा इनमें निम्नलिखित सदस्य हैं :

| **भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग** | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | 4. डॉ. बी.सी. चौहान | सदस्य (18.04.2015 तक) |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | 5. डॉ. अयान चटर्जी | सदस्य (26.12.2015 तक) |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 6. प्रो. आई. वी. मल्हन | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 7. प्रो. पी.के. अहलूवालिया, प्रोफेसर, भौतिकी, हि.प्र. विश्वविद्यालय, शिमला | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 8. प्रो. रमेश सी. वर्मा, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| **पर्यावरण विज्ञान विभाग** | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | 4. डॉ. अंकित टंडन | सदस्य (18.02.2017 तक) |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 5. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 6. प्रो. आई. वी. मल्हन | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 7. प्रो. अरुण के. अत्री, पर्यावरण विज्ञान स्कूल, जेएनयू | |
| | 8. प्रो. राज कुमार रामपाल, पीजी विभाग, पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| गणित विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | 4. डॉ. सचिन कुमार श्रीवास्तव | सदस्य (29.09.2015 तक) |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 5. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 6. प्रो. एच.आर. शर्मा | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 7. प्रो. बालकिशन दास, गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय | |
| | 8. प्रो. डी.एस. जमवाल, गणित विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू | सदस्य (26.08.2015 तक) |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | 4. श्री केशव सिंह रावत | सदस्य (29.09.2016 तक) |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 5. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | - | सदस्य |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 6. प्रो. खुर्रम मुश्तफा, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, जेएमआई | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 7. प्रो. हुजूर सरन, आईआईटी, दिल्ली | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | 4. डॉ. डिंपल पटेल | सदस्य (29.09.2016 तक) |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 5. प्रो. अरविंद अग्रवाल | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 6. प्रो. एच.आर. शर्मा | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 7. डॉ. एच.के. कौल, निदेशक, डेलनेट, नई दिल्ली | |
| | 8. डॉ. जगतार सिंह, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 4. प्रो. अरविंद अग्रवाल | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 5. प्रो. एच. आर. शर्मा | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषयक विशेषज्ञ जो विश्विद्यालय की सेवा में न हों | 6. प्रो. अनिल रैना, अंग्रेजी एवं सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ | |
| | 7. प्रो. गुरुपदेश सिंह, जीएनडीयू, अमृतसर | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 4. प्रो. अरविंद अग्रवाल | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 5. प्रो. एच.आर. शर्मा | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 6. प्रो. अब्दुल बिस्मिल्लाह, हिंदी विभाग, जेएमआई, नई दिल्ली | |
| | 7. प्रो. हरि मोहन शर्मा, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | 4. श्री इंदरवीर सिंह | सदस्य (29.09.2016 तक) |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 5. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 6. प्रो. अरविंद अग्रवाल | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 7. प्रो. जसबीर सिंह, अर्थशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय | |
| | 8. प्रो. ए.आर. बिलग्रामी, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, जेएमआई, नई दिल्ली | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| समाज कार्य विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | 4. डॉ. आशुतोष प्रधान | सदस्य (18.04.2015 तक) |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 5. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 6. प्रो. एच.आर. शर्मा | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 7. प्रो. ए.एस. कोहली, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, समाज कार्य विभाग, जेएमआई, नई दिल्ली | |
| | 8. प्रो. संजय भट्ट, समाज कार्य स्कूल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| अध्यापक शिक्षा विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | 4. डॉ. नवनीत शर्मा | सदस्य (06.11.2017 तक) |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 5. प्रो. अरविंद अग्रवाल | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 6. डॉ. रोशन लाल शर्मा | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 7. प्रो. अनिता रामपाल, शिक्षा संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली | |
| | 8. प्रो. ए.के. सिंह, प्रोफेसर, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| लेखा तथा वित्त विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 4. प्रो. एच. आर. शर्मा | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 5. प्रो. आई.वी. मल्हन | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 6. प्रो. (श्रीमती) मधु विज़, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़, दिल्ली विश्वविद्यालय | |
| | 7. प्रो. एम.एस. तुरान, हरियाणा स्कूल ऑफ बिज़नेस, गुरु जंबेश्वर यूनीवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| एचआरएम एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 4. प्रो. अरविंद अग्रवाल | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 5. प्रो. एच.आर. शर्मा | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 6. प्रो. (श्रीमती) अनु सिंह लैथर, विश्वविद्यालय व्यवसाय स्कूल, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली | |
| | 7. प्रो. (श्रीमती) नीलू रोहमेत्रा, व्यवसाय स्कूल, जम्मू विश्वविद्यालय | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 4. प्रो. एच. आर. शर्मा | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 5. प्रो. आई.वी. मल्हन | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 6. प्रो. सुनील शर्मा, प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय | |
| | 7. प्रो. रवि शंकर, प्रबंधन अध्ययन विभाग, आईआईटी, दिल्ली | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 4. प्रो. अरविंद अग्रवाल | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 5. प्रो. एच. आर. शर्मा | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 6. प्रो. दीपक राज गुप्ता, जम्मू विश्वविद्यालय | |
| | 7. प्रो. के.के. कामरा, पर्यटन प्रबंधन विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| दृश्य कला विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 4. प्रो. अरविंद अग्रवाल | सदस्य (03.07.2015 तक) |
| | 5. डॉ. रोशन लाल शर्मा | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 6. प्रो. रजिन्दर भण्डारी, ललित कला विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ | |
| | 7. प्रो. सद्रे आलम, ललित कला संकाय, जेएमआई | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | 4. डॉ. अर्चना | सदस्य (04.07.2016) |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 5. प्रो. अरविंद अग्रवाल | सदस्य |
| | 6. डॉ. रोशन लाल शर्मा | सदस्य (03.07.2015) |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 7. प्रो. सुभाष सी. धुलिया, निदेशक, पत्रकारिता स्कूल, इग्नू, नई दिल्ली | |
| | 8. प्रो. वीर बाला अग्रवाल, हि.प्र. विश्वविद्यालय, शिमला | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | - | - |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 4. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | सदस्य (03.07.2015) |
| | 5. प्रो. आई.वी. मल्हन | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 6. प्रो. एम. कासिम, एजेके–एमसीआरसी, जेएमआई, नई दिल्ली | |
| | 7. प्रो. अरबिंद सिन्हा, एसोसिएट निदेशक, मुद्रा इंस्टीट्यूटल ऑफ कॉम्युनिकेशन (एमआईसीए), अहमदाबाद | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

## पाठ्यचर्या विकास समितियाँ (सीडीसी)

| कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठाता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठाता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | 4. डॉ. यूसुफ अख्तर | सदस्य (11.02.2016 तक) |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 5. प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा | सदस्य (04.07.2015 तक) |
| | - | सदस्य |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 6. प्रो. आलोक भट्टाचार्य, जेएनयू, नई दिल्ली | सदस्य (04.07.2015 तक) |
| | 7. प्रो. टी.सी. भल्ला, हि.प्र. विश्वविद्यालय, शिमला | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

| उद्यमिता एवं नवोन्मेष केन्द्र | | |
|---|---|---|
| **संघटन** | | |
| पदेन सदस्य | 1. विभाग के विभागाध्यक्ष | अध्यक्ष एवं संयोजक |
| | 2. स्कूल के अधिष्ठाता अथवा उनके/उनकी नामिती | सदस्य |
| | 3. विभाग के सभी प्रोफेसर | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर | - | सदस्य |
| वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम से विभाग के एक सहायक प्रोफेसर | - | सदस्य |
| कुलपति द्वारा नामित सम्बद्ध अथवा सजात विषयों से जुड़े विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों में से दो अध्यापक | 4. प्रो. अरविंद अग्रवाल | सदस्य (04.07.2015 तक) |
| | 5. प्रो. आई.वी. मल्हन | |
| कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों | 6. प्रो. एस.एस. खंका, राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद | |
| | 8. प्रो. सुधीर के जैन, प्रबंधन अध्ययन विभाग, आईआईटी, दिल्ली | |
| पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन वर्ष होगा। | | |

## वित्त समिति

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की दूसरी अनुसूची में समाहित प्रथम परिनियम के परिनियम 17 के साथ पठित धारा 24 और उसके बाद एमएचआरडी के पत्र सं. 54–1/2014–डेस्क(यू) दिनांक 18–3–2014 के अनुसार विश्वविद्यालय की वित्त समिति का गठन किया गया है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य हैं :

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **कुलपति**<br>हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | अध्यक्ष |
| 2. | **प्रति–कुलपति,**<br>हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय | सदस्य |
| 3. | **श्रीमती आशा स्वरूप,**<br>(कोर्ट की नामिती) | सदस्य |
| 4. | **प्रोफेसर एन.सत्यमूर्ति,**<br>(कार्यकारिणी परिषद के प्रतिनिधि) | सदस्य |
| 5. | **श्री सैय्यद शहीद महदी,**<br>(कार्यकारिणी परिषद के प्रतिनिधि) | सदस्य |
| 6. | **डॉ बी.एस.गिल,**<br>(कार्यकारिणी परिषद के नामिती) | सदस्य |
| 7. | **संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी)**<br>अथवा एमएचआरडी के वित्त ब्यूरो से उनके/उनकी नामिती जो उप सचिव, भारत सरकार के पद से कम न हों<br>(कुलाध्यक्ष के/की नामिती) | |
| 8. | **संयुक्त सचिव (केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं भाषाएं) मानव संसाधन विकास मंत्रालय**<br>अथवा उनके/उनकी नामिती जो संयुक्त सचिव, भारत सरकार के पद से कम न हों<br>(कुलाध्यक्ष के/की नामिती) | सदस्य |
| 9. | **संयुक्त सचिव (के.विवि.), यूजीसी**<br>अथवा अध्यक्ष, यूजीसी द्वारा नामित अन्य संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी<br>(कुलाध्यक्ष के/की नामिती) | सदस्य |
| विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी वित्त समिति के पदेन सचिव हैं।<br>वर्ष के दौरान वित्त समिति की दो बैठकें दिनांक 09.08.2014 एवं 17.01.2015 को आयोजित की गईं । | | |

# स्थापना के बाद से विकास

विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति द्वारा दिनांक 20 जनवरी, 2010 को कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत विश्वविद्यालय का कार्य प्रारंभ हो गया। विश्वविद्यालय के भौतिक और शैक्षणिक संरचनात्मक रूपरेखा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए कार्यकलाप प्रारंभ किए गए। **वर्ष 2009–10 से 2014–15** के दौरान अब तक की गई प्रगति/प्राप्त उपलब्धियां हैं :–

## अब तक विकसित भौतिक सुविधाएं और शैक्षणिक अवसंरचना :

**स्थायी परिसरों के लिए भूमि एवं भवन :** विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर(रों) का विकास और निर्माण कार्य अब तक प्रारंभ नहीं हुआ है। वास्तविक निर्माण और विकास कार्य विश्वविद्यालय को राज्य सरकार द्वारा सभी दृष्टियों से विल्लंगम रहित भूमि हस्तांतरित होने के बाद ही प्रारंभ किया जा सकता है।

## भवन का निर्माण और परिसर का विकास

विकास और निर्माण कार्य भूमि का हस्तांतरण और विश्वविद्यालय द्वारा इस पर कब्जा अपेक्षित होने के कारण अब तक प्रारंभ नहीं हो सका है।

## अस्थायी भवन

- **कैंप कार्यालय** : राज्य सरकार ने हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय को कुलपति के निवास–सह–कार्यालय हेतु किराया आधार पर हिमाचल प्रदेश सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग के संस्कृति सदन (राइटर्स होम) को आबंटित कर दिया। चूंकि धर्मशाला में विश्वविद्यालय का कार्यालय स्थापित करने के लिए कोई अन्य भवन उपलब्ध नहीं कराया जा सकता था इसलिए विश्वविद्यालय ने इसी भवन में अपना कैंप कार्यालय स्थापित किया है। कैंप कार्यालय माड्यूलर फर्नीचर के साथ पूर्णतया कार्यशील है तथा इसमें कुलपति के कार्यालय, विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए चार चैम्बर, बैठक आदि के लिए पूर्णतया सज्जित बोर्ड कक्ष, कार्यालय स्टाफ के लिए आठ कक्ष, भंडार कक्ष, रसोई घर तथा स्वागत कक्ष, 24 लाइनों वाला ईपीबीएएक्स, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर, फोटो कॉपियर, 19 पर्सनल कंप्यूटर, लोकल एरिया नेटवर्क (एलएएन) तथा वाईफाई के साथ 04 एमबीपीएस इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं ।
- **कुलपति का अस्थायी निवास :** राज्य लोक निर्माण विभाग द्वारा किए गए आकलन अनुसार एक आवासीय भवन किराया पर लिया गया और इसे कुलपति के आवास के लिए प्रकार्यात्मक रूप से सज्जित किया गया है ।
- **लड़कों और लड़कियों के लिए अस्थायी छात्रावास :** विश्वविद्यालय द्वारा कांगड़ा बाइपास पर 110 बोर्डर्स लड़कों के लिए और लोअर बड़ोल, दारी, धर्मशाला में 45 बोर्डर्स महिला छात्रावास भाड़े पर लिया गया।
- **अस्थायी शैक्षणिक खंड :** राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय का अस्थायी परिसर स्थापित करने के लिए संस्थागत भवन (धर्मशाला के निकट शाहपुर में एक नया राजकीय महाविद्यालय भवन) आबंटित किया। यह भवन विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए अध्ययन कार्यक्रमों हेतु पर्याप्त मात्र एवं समुचित है। जिला प्रशासन की सहायता से विश्वविद्यालय द्वारा प्राथमिकता के आधार पर परिसर में जल एवं विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था कर दी गई है। यह धर्मशाला से 30 किलोमीटर या लगभग 45 मिनट की दूरी पर स्थित है। अस्सी हजार (80,000) वर्गफीट से अधिक के निर्मित क्षेत्र में यह अस्थायी शैक्षणिक खंड माड्यूलर फर्नीचर से सज्जित है। अस्थायी शैक्षणिक खंड में सृजित और उपलब्ध कराई गई सुविधाएं **तालिका 1** में दी गई हैं।

**तालिका 1**

**विश्वविद्यालय के अस्थायी शैक्षणिक खंड में सृजित और विकसित सुविधाओं का विवरण**

| सुविधाएं | विवरण |
|---|---|
| कक्षाएं/व्याख्यान थियेटर | • छः अत्याधुनिक कक्षाएं जिनमें प्रत्येक में 45 छात्रों के बैठने की क्षमता है<br>• छः अत्याधुनिक व्याख्यान थियेटर जिनमें प्रत्येक में 90 छात्रों के बैठने की क्षमता है<br>• सामूहिक चर्चा, परियोजनाओं (प्रोजेक्ट्स), कार्यशालाओं आदि के लिए एक कक्षा जिसमें 20 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है |
| सेमिनार कक्ष/सम्मेलन हॉल | • एक सम्मेलन हॉल जिसमें 200 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है<br>• एक सेमिनार हॉल जिसमें 70 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है |
| प्रयोगशालाएं | • तीन प्रयोगशालाएं जो विज्ञान के अध्ययन कार्यक्रमों हेतु बुनियादी सिविल अवसंरचना से युक्त है<br>• सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला जहाँ 41 कॉनसोल्स की व्यवस्था है<br>• डिजीटल भाषा लैब जहाँ 41 कॉनसोल्स की व्यवस्था की जा रही है |
| कार्यालय स्थल/<br>वर्क स्टेशन/काउन्टर | • विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए तीन चैम्बर एवं कार्यालय<br>• अस्थायी शैक्षणिक खंड के लिए केन्द्रीय कार्यालय जिसमें स्वागत कक्ष, रोकड़ काउन्टर, एक केबिन एवं स्टाफ के लिए छः वर्क स्टेशन हैं<br>• परीक्षा एवं अन्य गोपनीय रिकार्डों के लिए एक स्ट्रौंग रूम |
| संकाय कक्ष/कक्षक/वर्क स्टेशन | • प्रोफेसर/विभागाध्यक्ष/अधिष्ठाताओं के लिए पूर्णतया सज्जित आठ केबिन<br>• स्कूलों/विभागों के कार्यालयों के लिए आठ वर्कस्टेशन<br>• एसोसिएट प्रोफेसरों/सहायक प्रोफेसरों के लिए बहत्तर वर्कस्टेशन |
| पुस्तकालय एवं सूचना संसाधन केन्द्र (एलआईआरसी) | • विषयसूची (कैटलॉग) एवं ई–रिसोर्स का इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रयोग के लिए 16 टर्मिनल<br>• 15,000 पुस्तकों के लिए स्टैक<br>• पत्रिकाओं/जर्नलों के लिए रैक<br>• पठन कक्ष जिसमें एक साथ लगभग 40 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है<br>• लगभग 100 व्यक्तियों के लिए लॉकर<br>• पुस्तकालय–अध्यक्ष चैंबर<br>• भंडार कक्ष<br>• फोटोकॉपी की सुविधा<br>• 'इनफिलबनेट' से विश्वविद्यालय पुस्तकालयों के सॉफ्टवेयर (एसओयूएल)<br>• 'इनफिलबनेट' के माध्यम से ई–रिसोर्स |
| अन्य सुविधाएं | • शुद्ध पेयजल की सुविधाएं<br>• विश्वविद्यालय ने आउटसोर्स करते हुए वेंडर के माध्यम से भुगतान आधार पर संयुक्त रूप से छात्रों एवं स्टाफ के लिए फोटोकॉपी की सुविधा उपलब्ध करायी है ।<br>• विश्वविद्यालय द्वारा एक छोटा जिम/कार्यकलाप कक्ष/बैडमिंटन, वॉलीबॉल एवं बास्केट बॉल के लिए बुनियादी सुविधाओं से युक्त एक खेल का मैदान स्थापित किया गया है।<br>• विश्वविद्यालय नैसकेफे आउटलेट के माध्यम से कैंटीन सुविधा प्रदान करने की प्रक्रिया चल रही है |
| इंटरनेट कनेक्टिविटी | • कैंप कार्यालय में इनफिलबनेट द्वारा आप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) के माध्यम से 04 एमबीपीएस कनेक्टिविटी उपलब्ध करायी गयी है ।<br>• विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) के अंतर्गत 1 जीबीपीएस कनेक्टिविटी स्वीकृत की गई है – आप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) पहले ही लगा दिया गया है तथा टैब, शाहपुर में यह सुविधा कार्यशील हो गई है। |
| एलएएन/वाईफाई | • संपूर्ण अस्थायी शैक्षणिक खंड में लोकल एरिया नेटवर्क एवं वाईफाई कनेक्टिविटी एनएमईआईसीटी के अन्तर्गत उपलब्ध कराई गई है। |
| ई–गवर्नेंस पहल | • नौकरी और प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।<br>• वर्तमान में संपूर्ण ऑफिस ऑटोमेशन और ई–गवर्नेंस के लिए इन्टरप्राइज–वाइड रिसोर्स प्लानिंग हेतु संपूर्ण समाधान के कार्यान्वयन की दिशा में विश्वविद्यालय सक्रियता से कार्य कर रहा है। |
| भाषा प्रयोगशाला | • विश्वविद्यालय द्वारा टर्नकी आधार पर 41 कॉनसोल्स से युक्त डिजिटल भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। |
| कंप्यूटिंग सुविधा | • अस्थायी शैक्षणिक खंड (टैब) में 32 पर्सनल कंप्यूटरों से युक्त कंप्यूटिंग सुविधा है। |
| संचार सुविधा | • पांच लैंडलाइन टेलीफोन कनेक्शन<br>• 64 लाइन ईपीबीएक्स सिस्टम |

# भर्ती एवं नियुक्तियां

## सांविधिक अधिकारीगण

विश्वविद्यालय के प्रथम कुलसचिव और प्रथम वित्त अधिकारी के पदों को विज्ञापित किया गया था, इनके साक्षात्कार लिए गए थे तथा इन पदों के लिए चयन किया गया था और इन पदों को वर्ष 2011–12 के दौरान भर भी लिया गया। प्रथम कुलसचिव द्वारा त्यागपत्र के कारण दिनांक 10.07.2013 से यह पद रिक्त होने पर प्रथम कुलसचिव की शेष अवधि अर्थात् 30.03.2013 तक के लिए प्रथम कुलसचिव का पद विज्ञापित किया गया। प्रथम कुलसचिव की शेष अवधि के लिए चयन हेतु चयन समिति गठित की गई और चयन समिति द्वारा संस्तुति और उस पर अनुमोदन के उपरांत वर्ष 2013–14 के दौरान पुनः भर लिया गया। प्रथम कुलसचिव तथा प्रथम वित्त अधिकारी के 03 वर्षों के कार्यकाल के समापन से पहले कुलसचिव तथा वित्त अधिकारी के नियमित पदों को वर्ष 2013–14 के दौरान विज्ञापित किया गया, साक्षात्कार और चयन कर लिए गए। इन नियमित पदों को भर लिया गया है।

परीक्षा नियंत्रक के पद को वर्ष 2011–12 के दौरान विज्ञापित किया गया था और चयन समिति की बैठक वर्ष 2012–13 में आयोजित की गई थी, परंतु इस पद को भरा नहीं जा सका। परीक्षा नियंत्रक के पद को 2013–14 के दौरान पुनः विज्ञापित किया गया। पुस्तकालय अध्यक्ष के पद को 2011–12 में विज्ञापित किया गया था, जिसे 2013–14 के दौरान पुनः विज्ञापित किया गया। इन पदों को भरने की प्रक्रिया चल रही है ।

## शिक्षण संकाय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 20 विभिन्न विभागों के लिए 1:2:4 के अनुपात में कुल 140 पदों को स्वीकृत किया गया था । इन स्वीकृत पदों में से 11 स्कूलों के अंतर्गत 18 विभिन्न विभागों/केन्द्रों के लिए 126 संकाय सदस्यों के पदों को सृजित किया गया था। इसके अलावा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वर्ष 2013 में अध्यापक शिक्षा विभाग के अंतर्गत बीएड/एमएड के लिए 13 शिक्षण पदों (2 प्रोफेसर, 3 एसोसिएट प्रोफेसर और 8 सहायक प्रोफेसर) के पदों को भी स्वीकृत किया गया । इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने पांच नए विभागों को खोलने का अनुमोदन प्रदान करते हुए कुल 35 शिक्षण पदों को भी स्वीकृत किया है । इस प्रकार 31.03.2015 तक सभी विभागों एवं केन्द्रों/अध्ययन कार्यक्रमों के लिए 1:2:4 के अनुपात में कुल 188 शिक्षण पदों (27 प्रोफेसर, 53 एसोसिएट प्रोफेसर और 108 सहायक प्रोफेसर) को स्वीकृत किया गया है जिसमें से 31.03.2015 तक नियमित रूप से नियुक्त 05 प्रोफेसर, 11 एसोसिएट प्रोफेसर और 51 सहायक प्रोफेसर कार्यरत हैं ।

2013–14 के दौरान रिक्त 14 प्रोफेसरों, 27 एसोसिएट प्रोफेसरों और 23 सहायक प्रोफेसर के पदों को विज्ञापित किया गया था परंतु प्रशासनिक कारणों से चयन समितियों की बैठकें आयोजित नहीं हो सकीं । इन पदों को भरने की प्रक्रिया चल रही है ।

## प्रशासनिक/शिक्षकेतर कर्मीगण

वित्त समिति और कार्यकारिणी परिषद के अनुमोदन और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहमति से 31.03.2015 तक अन्य शैक्षणिक स्टाफ के 04 पदों (लाइब्रेरियन, डिप्टी लाइब्रेरियन एवं 02 सहायक लाइब्रेरियन) और शिक्षकेतर स्टाफ के 117 पदों (वर्ग क–13; वर्ग ख–31; एवं वर्ग ग–73) को सृजित किया गया है । ये पद कुलसचिव, वित्त अधिकारी और परीक्षा नियंत्रक के सांविधिक पदों के अतिरिक्त हैं। वर्ष 2011–12, 2012–13 एवं 2013–14 के दौरान विभिन्न शिक्षकेतर कर्मियों के पदों के लिए चयन समितियों की बैठकें आयोजित की गईं । 31.03.2015 के अनुसार 23 नियमित शिक्षकेतर स्टाफ (वर्ग क–03; वर्ग ख–05; एवं वर्ग ग–15) कार्यरत हैं ।

शिक्षकेतर पदों के लिए संवर्ग भर्ती नियम (सीआरआर) को तैयार किया जा रहा है और इसे अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही विश्वविद्यालय द्वारा शेष पदों पर भर्ती की आगामी कार्रवाई की जाएगी ।

वर्ष के दौरान प्रतिनियुक्ति आधार पर भरने के लिए आतंरिक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद को जनवरी, 2015 में विज्ञापित किया गया है और इस पद को भरने की प्रक्रिया चल रही है।

## सेवाओं की आउटसोर्सिंग

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सहायक सेवाओं के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से 75 व्यक्तियों तक का अनुमोदन किया गया था जिसमें से वर्ष के दौरान 73 व्यक्तियों की सेवाएं ली जा रही हैं।

# विज़न दस्तावेज एवं कार्यनीतिक योजना

विश्वविद्यालय ने अपना विज़न दस्तावेज तैयार कर लिया है जिसमें शैक्षणिक ढाँचा, पाठ्यचर्या रूपरेखा, अध्ययन कार्यक्रम, प्रवेश एवं शुल्क नीति, शासन एवं प्रशासन, संकाय सदस्य एवं जनशक्ति आवश्यकताएं, परिसर नक्शा, भौतिक ढाँचा, कार्य की चरणबद्धता एवं कार्यान्वयन योजना का ब्योरा दिया गया है । इस विज़न दस्तावेज पर प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शैक्षिक योजनाकर्ताओं एवं प्रशासकों और संस्थान निर्माताओं जैसे प्रतिभागियों के साथ शिमला में आयोजित दो दिवसीय विचार–मंथन सत्र में व्यापक रूप से चर्चा की गई । विचार–मंथन सत्र के दौरान प्राप्त सुझावों एवं टिप्पणियों के आधार पर दस्तावेज को संशोधित किया गया है । विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद एवं कार्यकारी परिषद द्वारा यथा अनुमोदित संशोधित दस्तावेज को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा यथा विकसित एवं अनुमोदित विज़न दस्तावेज और कार्यनीतिक योजना में विश्वविद्यालय के निम्नलिखित पहलू शामिल हैं :

1. **विज़न, मिशन, उद्देश्य एवं स्वॉट (एसडब्ल्यूओटी) विश्लेषण** (प्रारंभ, परिसर का स्थान, क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र, विज़न , मिशन, उद्देश्य, प्रमुख विशेषताएं, कार्य योजना एवं स्वॉट विश्लेषण)
2. **हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक ढाँचा** (शैक्षणिक संगठन, स्कूल, विभाग एवं अध्ययन केन्द्र)
3. **पाठ्यचर्या रूपरेखा एवं अध्ययन कार्यक्रम** (पाठ्यचर्या ढाँचा जिसमें मार्गदर्शी सिद्धांत, विद्यार्थी–केन्द्रित दृष्टिकोण, उच्च शिक्षा के प्रति समग्र दृष्टिकोण, गहन शिक्षा पर जोर, अनुसंधान एवं छात्रवृत्ति सम्बद्धता, फीडबैक, मूल्यांकन एवं समीक्षा पर आधारित, चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली, कुल अधिगम परिणाम (टीएलओ) पर आधारित, कुल छात्र प्रयास (टीएसई) पर आधारित मूल्यांकन, क्रेडिट देने संबंधी प्रणाली, पाठ्यक्रम की विषय–सूची, विस्तृत पाठ्यक्रम रूपरेखा शामिल हैं; पाठ्य कार्यक्रम जिसमें मानक यूजी/पीजी/आरडी कार्यक्रम, नवान्वेषित बहुविषयक, माड्यूलर कार्यक्रम, नवान्वेषित यूजी कार्यक्रम, नवान्वेषित पीजी कार्यक्रम, नवान्वेषित आरडी कार्यक्रम, प्रकाशन कार्यों के लिए क्रेडिट की संगणना, शिक्षण सहायकवृत्ति के लिए क्रेडिटों की संगणना, परीक्षा, आकलन एवं मूल्यांकन, ग्रेडिंग प्रणाली, डिग्री प्रदान करना शामिल हैं ।
4. **प्रवेश, शुल्क, शासन एवं प्रशासन से संबंधित सामान्य नीतियां** (प्रवेश नीति–प्रतिभा खोज, पूर्णकालिक एवं अंशकालिक कार्यक्रमों, शुल्क नीति एवं शुल्क संरचना, शासन एवं प्रशासन, आईसीटी, आईटी समाकलन एवं ईआरपी, आउटरीच कार्यक्रम तथा सामुदायिक नेटवर्किंग)
5. **संकाय सदस्य एवं जनशक्ति योजना** (संकाय सदस्यों की आवश्याकताएं, योग्य संकाय सदस्यों, प्रशासनिक, शिक्षकेतर एवं सहायक स्टाफ को आकर्षित करने के लिए कार्यनीतियां)
6. **भौतिक ढाँचा** (मार्गदर्शी सिद्धांत, जोनिंग तथा परिसर का नक्शा, भौतिक अवसंरचना)
7. **वित्तीय परिणाम, चरणबद्धता एवं कार्यान्वयन योजना** (पूंजीगत निवेश, चरणबद्धता एवं कार्यान्वयन योजना के लिए सकल वित्तीय आवश्यकताएं, अवसंरचना विकास में सार्वजनिक निजी भागीदारी की संभावना, सकल वार्षिक आवर्ती व्यय, आवर्ती व्यय का वार्षिक बहिर्प्रवाह, लागत वसूली एवं आय के अन्य स्रोत, विकास के लिए कार्यनीतियां)

**धीरे–धीरे परंतु समयबद्ध तरीके से विश्वविद्यालय के विज़न और कार्यनीतिक योजना को परिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों को तैयार करते हुए इनके माध्यम से कार्य–रूप में परिणत किया जा रहा है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा विज़न को कार्य–रूप देने के लिए 05 परिनियमों और 46 अध्यादेशों को तैयार किया गया है।**

# परिनियमों और अध्यादेशों का बनाया जाना

## परिनियमों का बनाया जाना

विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय में सुचारू कार्य के लिए काफी उद्यम के बाद अपेक्षित परिनियमों का निर्माण किया गया। यह एक लंबी प्रक्रिया है और बारीकियों का ध्यान रखते हुए अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। तथापि, विश्वविद्यालय ने अनेक परिनियमों को बनाकर उन पर कुलाध्यक्ष का अनुमोदन भी प्राप्त कर लिया। अभी तक शैक्षणिक परिषद और कार्यकारिणी परिषद के अनुमोदन तथा तत्पश्चात विश्वविद्यालय के कुलाध्याक्ष की सहमति प्राप्त करने के बाद विश्वविद्यालय के निम्नलिखित परिनियम बनाए गए हैं :–

| परिनियम | शीर्षक |
|---|---|
| **वर्ष 2013–14 तक तैयार, अनुमोदित और अधिसूचित** | |
| 16 (4) | विभागाध्यक्ष की नियुक्तियां |
| 16 (5) | केन्द्रों के निदेशकों की नियुक्तियां |
| 40 | स्कूल, विभागों और अध्ययन केन्द्रों की स्थापना |
| 41 | योजना एवं अनुवीक्षण बोर्ड का गठन |
| 42 | अधिष्ठाता, छात्र कल्याण की विश्वविद्यालय के अधिकारी के रूप में नियुक्ति |

## अध्यादेशों का बनाया जाना

प्रथम परिनियम के साथ पठित केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत विश्वविद्यालय से सभी ऐसे विषयों पर अपना पहला अध्यादेश बनाने की अपेक्षा की गई है जिसके लिए अधिनियम और परिनियमों द्वारा अध्यादेशों के निर्माण का अधिदेश दिया गया है । अध्यादेशों का निर्माण श्रमसाध्य कार्य था, विशेष रूप से इसलिए कि विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों, पाठ्यचर्या रूपरेखा, परीक्षा प्रणाली आदि को नवीन रूप प्रदान करने का लक्ष्य रखा था। तथापि, बहुत ही कम समय में शैक्षणिक परिषद और कार्यकारिणी परिषद के अनुमोदन से निम्नलिखित अध्यादेशों को तैयार कर लिया गया और इसे अधिसूचित किया गया :

| अध्यायदेश | शीर्षक |
|---|---|
| **वर्ष 2010–11 के दौरान तैयार, अनुमोदित और अधिसूचित** | |
| 1. | विभागों और केन्द्रों का अध्ययन स्कूलों के अंतर्गत निर्धारण |
| 2. | विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों का प्रवेश |
| 3. | अधिष्ठाता की नियुक्ति, कार्य, कर्तव्य और उत्तरदायित्व |
| 4. | पाठ्य समिति का गठन, इसके सदस्यों का कार्यकाल और इसकी शक्तियां एवं कार्य |
| 5. | विभागाध्यक्ष के कार्य और कर्तव्य |
| 6. | केन्द्र निदेशकों के कार्य और कर्तव्य |
| 7. | अधिष्ठाता, छात्र कल्याण के कार्य और उत्तरदायित्व |
| 8. | कुलपति की परिलब्धियां तथा सेवा के निबंधन और शर्तें |
| 9. | प्रति–कुलपति की परिलब्धियां, सेवा के निबंधन और शर्तें |
| 10. | कुलसचिव की परिलब्धियां, सेवा के निबंधन और शर्तें, कार्य और उत्तरदायित्व |
| 11. | वित्त अधिकारी की परिलब्धियां, सेवा के निबंधन और शर्तें |
| 12. | परीक्षा नियंत्रक की परिलिब्धियां, सेवा के निबंधन और शर्तें |
| 13. | पुस्तकालय–अध्यक्ष की परिलब्धियां, सेवा के निबंधन और शर्तें |
| 14. | अध्यापकों और अन्य शैक्षणिक कर्मियों की सेवा के निबंधन और शर्तें और आचरण संहिता |
| 15. | शैक्षणिक कर्मियों के लिए छुट्टी नियमावली |
| 16. | प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर और अन्य शैक्षणिक कर्मियों के पदों की नियुक्ति के लिए चयन समिति द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया/प्रतिमानक |

| | |
|---|---|
| 17. | छात्र–छात्राओं के आवास की शर्तें और विश्वविद्यालय के आवासाध्यक्ष (प्रोवोस्ट) एवं छात्रपाल (वार्डन) के कार्य, कर्तव्य, उत्तरदायित्व और नियुक्ति की प्रक्रिया |
| 18. | अनुशासन का संवर्धन और विश्वविद्यालय के कुलानुशासक (प्राक्टर) की नियुक्ति की प्रक्रिया, कार्य, कर्तव्य और उत्तरदायित्व |
| 19. | विश्वविद्यालय भवन समिति |
| 20. | विश्वविद्यालय पुस्तकालय समिति |
| 21. | लैंगिक उत्पीड़न के संबंध में संवेदनीकरण, प्रतिषेध और प्रतितोष (स्पर्श) |
| 22. | स्कूल बोर्ड का गठन, शक्तियां और कार्य |
| 23. | यात्रा और विराम भत्ता नियमावली |
| 24. | अध्यापक और अन्य शैक्षणिक कर्मियों के अलावा कर्मचारियों की नियुक्ति के तरीके और परिलब्धियों सहित संवर्ग भर्ती नियमावली |
| 25. | पूर्व–छात्र संघ |
| 26. | क्रीड़ा और खेल समिति |
| 27. | विद्वत निकायों अथवा संघों सहित अन्य विश्वविद्यालयों, संस्थानों और अन्य एजेंसियों के साथ सहकारिता और सहयोग की प्रक्रियाएं |
| 28. | कर्मचारियों और छात्र–छात्राओं के लिए शिकायत निवारण समिति |
| 29. | परीक्षाओं/डिग्रियों की मान्यता हेतु समतुल्यता संबंधी स्थायी समिति |
| 30. | अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम के अलावा अध्ययन कार्यक्रमों के लिए शिक्षण माध्यम, परीक्षा, मूल्यांकन और ग्रेडिंग प्रणाली |
| 31. | पाठ्यचर्या रूपरेखा, अध्ययन कार्यक्रम और डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रदान किए जाने के संबंध में शर्तें |
| 32. | विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा देय शुल्क और अन्य प्रभार |
| 33. | क्रेडिटों का हस्तांतरण |
| **वर्ष 2011–12 के दौरान तैयार, अनुमोदित और अधिसूचित** | |
| 34. | हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय मोटर वाहन नियमावली |
| 35. | हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय वस्तु एवं सेवा प्रापण नियमावली 2010 |
| 36. | वित्तीय शक्ति प्रत्यायोजन अनुसूची |
| 37. | प्रशासनिक शक्ति प्रत्यायोजन अनुसूची |
| 38. | सूचना का अधिकार नियमावली 2011 |
| 39. | हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय (चिकित्सा परिचर्या) नियमावली 2011 |
| 40. | प्रक्रियाधीन ( हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय पेंशन नियमावली) |
| 41. | दर्शन निष्णात (एम.फिल) कार्यक्रम के लिए शिक्षण माध्यम, परीक्षा, मूल्यांकन और ग्रेडिंग प्रणाली |
| 42. | विद्या वाचस्पति (पीएचडी) कार्यक्रम के लिए शिक्षण माध्यम, परीक्षा, मूल्यांकन और ग्रेडिंग प्रणाली |
| **वर्ष 2012–13 के दौरान तैयार, अनुमोदित और अधिसूचित** | |
| 43. | दीक्षांत समारोह |
| 44. | योजना और अनुवीक्षण बोर्ड की शक्तियाँ और कार्य |
| **वर्ष 2013–14 के दौरान तैयार, अनुमोदित और अधिसूचित** | |
| 45. | छात्र परिषद के गठन संबंधी हि.प्र.के.वि. नियमावली |
| 46. | हि.प्र.के.वि. वार्षिक निष्पादक मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर) नियमावली, 2013 |

# परिनियम 40 के अन्तर्गत यथा अनुमोदित स्कूल, विभाग और अध्ययन केन्द्र

विश्वविद्यालय द्वारा अपने विज़न दस्तावेज के आधार पर विश्वविद्यालय के स्कूलों, विभागों और केन्द्रों की स्थापना के लिए परिनियम और अध्यादेशों को तैयार किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा अनेक विभागों और केन्द्रों से युक्त 17 स्कूलों को स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया था। जबकि तीन स्कूलों और उसके विभागों एवं केन्द्रों के अनुमोदन को आस्थगित कर दिया गया, माननीय कुलाध्यक्ष द्वारा 14 स्कूलों और उनके विभागों एवं केन्द्रों को अनुमोदित किया गया। परिनियम के अन्तर्गत यथाअनुमोदित स्कूलों और उनके विभागों एवं केन्द्रों की सूची **तालिका 2** में दी गई है :–

**तालिका 2**
**विश्वविद्यालय के स्कूल, विभाग और अध्ययन केन्द्र**

| क्रम.सं. | स्कूल | स्कूल के महाविद्यालय/विभाग/केन्द्र |
|---|---|---|
| **परिनियमों एवं अध्यादेशों के अन्तर्गत पहले ही अनुमोदित स्कूल/महाविद्यालय/विभाग/केन्द्र** | | |
| 1. | **चिकित्सा विज्ञान स्कूल** | |
| | • चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय<br>• चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय | |
| 2. | **स्वास्थ्य एवं सम्बद्ध विज्ञान स्कूल** | |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• नर्सिंग एवं रोगी देखभाल विभाग<br>• शारीरिक चिकित्सा विभाग<br>• पुनर्वास विज्ञान विभाग<br>• भैषज विज्ञान विभाग<br>• रोग विज्ञान एवं नैदानिक विज्ञान विभाग<br>• पोषण एवं आहार प्रौद्योगिकी विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• अपराध विज्ञान एवं न्यायिक विज्ञान केन्द्र<br>• चिकित्सालय एवं स्वास्थ्यरक्षण प्रबंधन केन्द्र | |
| 3. | **अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल** | |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• सिविल एवं पर्यावरणीय अभियांत्रिकी विभाग<br>• विद्युत अभियांत्रिकी एवं ऊर्जा प्रौद्योगिकी विभाग<br>• इलेक्ट्रॉनिक एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग<br>• यांत्रिकी एवं वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग<br>• रसायनिक अभियांत्रिकी एवं रसायनिक प्रौद्योगिकी विभाग<br>• कंप्यूटर अभियांत्रिकी एवं रोबोटिक्स विभाग<br>• भैषज प्रौद्योगिकी विभाग<br>• जैव प्रौद्योगिकी एवं जीनोम विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• नवोत्पन्न प्रौद्योगिकियां एवं नवप्रवर्तन केन्द्र<br>• भूकंप विज्ञान एवं अभियांत्रिकी केन्द्र<br>• कौशल विकास एवं सामुदायिक पॉलीटेक्निक केन्द्र | |
| 4. | **भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल** | |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग<br>• माईक्रोवेव एवं इलेक्ट्रॉनिक विभाग<br>• रसायन एवं रासायनिक विज्ञान विभाग<br>• नैनोविज्ञान एवं पदार्थ विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• ऊर्जा अध्ययन केन्द्र<br>• भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान में विशलेषणात्मक तकनीक संबंधी केन्द्र<br>• मूल विज्ञान में अन्तर–विषयक अनुसंधान केन्द्र | |

| | |
|---|---|
| 5. | **जैविक विज्ञान स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• जन्तु विज्ञान विभाग<br>• पादप विज्ञान विभाग<br>• संरचनात्मक जीव विज्ञान विभाग<br>• सूक्ष्म जैविकी विभाग<br>• जैव रसायन एवं अणुजैविकी विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• अभिकलनात्मक जीव विज्ञान एवं जैवसूचना केन्द्र<br>• मानव जैविक रसायन एवं अनुवांशिकी केन्द्र<br>• जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी एवं जैव अभियांत्रिकी केन्द्र |
| 6. | **पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• भू–विज्ञान विभाग<br>• भूगोल विभाग<br>• पर्यावरण विज्ञान विभाग<br>• वायुमंडलीय एवं भूमंडलीय विज्ञान विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• जलवायु परिवर्तन, महासागरीय विज्ञान एवं हिमनद अध्ययन केन्द्र<br>• जल विज्ञान एवं जलीय ऊर्जा केन्द्र<br>• प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं मानव पारिस्थितकी केन्द्र |
| 7. | **गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• गणित विभाग<br>• सांख्यिकी एवं बीमांकिक विज्ञान विभाग<br>• कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग<br>• पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• मल्टी–मीडिया प्रणाली विकास केन्द्र |
| 8. | **मानविकी एवं भाषा स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• दर्शनशास्त्र एवं मानव मूल्य विभाग<br>• तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता विभाग<br>• इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग<br>• भाषा विज्ञान एवं व्युत्पत्ति विज्ञान विभाग<br>• अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग<br>• हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग<br>• संस्कृत एवं पाली विभाग<br>• उर्दू विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• संचार एवं भाषा प्रयोगशाला केन्द्र<br>• तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केन्द्र<br>• भारत–अरब एवं ईरानी अध्ययन केन्द्र<br>• भारत–तिब्बत एवं चीनी भाषा अध्ययन केन्द्र |
| 9. | **समाज विज्ञान स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग<br>• राजनीति विज्ञान एवं अन्तर्राष्ट्रीय संबंध विभाग<br>• लोक नीति एवं सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन विभाग<br>• समाज शास्त्र एवं समाज नृविज्ञान विभाग<br>• समाज कार्य विभाग<br>• मनोविज्ञान एवं व्यवहार विज्ञान विभाग<br>• परिवार एवं सामुदायिक विज्ञान विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• शांति अध्ययन एवं मतभेद समाधान केन्द्र<br>• दक्षिण एशिया अध्ययन केन्द्र<br>• रक्षा एवं रणनीति अध्ययन केन्द्र<br>• सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र |

| | |
|---|---|
| | • महिला संबंधी अध्ययन केन्द्र<br>• दलित एवं अल्पसंख्यक संबंधी अध्ययन केन्द्र<br>• ग्रामीण एवं जनजाति संबंधी अध्ययन केन्द्र |
| 10. | **शिक्षा स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• शैक्षिक अध्ययन विभाग<br>• अध्यापक शिक्षा विभाग<br>• विशेष शिक्षा विभाग<br>• आरंभिक बाल्यावस्था संबंधी शिक्षा विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र<br>• शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं नवप्रवर्तन केन्द्र |
| 11. | **व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• लेखा तथा वित्त विभाग<br>• मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग<br>• उत्पादन एवं प्रचालन प्रबंधन विभाग<br>• विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग<br>• प्रबंधन विज्ञान विभाग<br>• परिवर्तन प्रबंधन एवं संगठन विकास विभाग<br>• अंतरराष्ट्रीय व्यापार, व्यवसाय एवं वित्त विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिकता एवं कार्पोरेट शासन केन्द्र<br>• उद्यमिता एवं नवोन्मेष केन्द्र |
| 12. | **पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग<br>• होटल एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग<br>• आयोजन, व्यापार मेला एवं प्रदर्शनी प्रबंधन विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• पारिस्थितकीय, साहसिक खेलादि, स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक पर्यटन संवर्धन संबंधी केन्द्र |
| 13. | **ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• अभिनय कला विभाग<br>• दृश्य कला विभाग<br>• कला इतिहास, कला शिक्षा एवं कला विवेचना विभाग<br>**केन्द्र**<br>• पहाड़ी भाषा, कला, संस्कृति एवं हस्तशिल्प लौकिकीकरण और संरक्षण केन्द्र |
| 14. | **पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग<br>• जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग<br>• फोटोग्राफी, फिल्म एवं टेलीवीजन विभाग<br>• विज्ञापन और विपणन संचार विभाग<br>**केन्द्र**<br>• मीडिया अध्ययन एवं विकास संचार केन्द्र |
| **परिनियमों एवं अध्यादेशों के अन्तर्गत अनुमोदन के लिए शेष स्कूल/महाविद्यालय/विभाग/केन्द्र** | |
| 15. | **योजना, वास्तुकला एवं अभिकल्प स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• वास्तुकला विभाग<br>• भूदृश्य वास्तुकला विभाग<br>• आंतरिक अभिकल्प विभाग<br>• योजना विभाग<br>• अभिकल्प विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• शहरी नवीकरण और वास्तुकला संरक्षण केन्द्र |

| | |
|---|---|
| 16. | **विधि एवं न्याय शास्त्र स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• संवैधानिक विधि विभाग<br>• प्रशासनिक विधि विभाग<br>• दंड–विधि विभाग<br>• कॉर्पोरेट एवं कराधान विधि विभाग<br>• श्रम–विधि एवं औद्योगिक संबंध विभाग<br>• अन्तरराष्ट्रीय विधि विभाग<br>• स्वीय विधि विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• तुलनात्मक विधि एवं न्यायशास्त्र केन्द्र<br>• साइबर विधि एवं साइबर अपराध अध्ययन केन्द्र<br>• विश्व व्यापार संगठन, विश्व बौद्धिक संपदा संगठन एवं बौद्धिक संपदा अधिकार संबंधी विधि अध्ययन केन्द्र<br>• मानवाधिकार केन्द्र<br>• पर्यावरणीय विधि केन्द्र |
| 17. | **शारीरिक शिक्षा, क्रीड़ा एवं खेलकूद स्कूल** |
| | **अध्ययन विभाग**<br>• खेलकूद विभाग<br>• इंडोर क्रीड़ा एवं खेलकूद विभाग<br>• कोर्ट क्रीड़ा एवं खेलकूद विभाग<br>• फील्ड क्रीड़ा एवं खेलकूद विभाग<br>• जल क्रीड़ा विभाग<br>• घुड़सवारी विभाग<br>• निशानेबाजी एवं तीरंदाजी विभाग<br>• साहसिक खेल एवं ट्रेकिंग विभाग<br>**अध्ययन केन्द्र**<br>• खेल मनोविज्ञान केन्द्र<br>• खेल चिकित्सा केन्द्र<br>• खेल भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरापी) केन्द्र<br>• योग एवं स्वस्थता संबंधी अन्य रहन–सहन एवं आहार संबंधी अध्ययन केन्द्र |

# 2014–15 तक प्रारंभ स्कूल, विभाग और अध्ययन केन्द्र

11वीं योजना एवं 12वीं योजना के दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालय को अधिकतम 25 विभागों/अध्ययन केन्द्रों को प्रारंभ करने का अनुमोदन दिया गया। तदनुसार, आयोग द्वारा 188 संकाय सदस्यों की स्वीकृति दी गई। भौतिक सुविधाओं और अवसंरचना की कमी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा 11 स्कूलों के अन्तर्गत 21 विभागों/केन्द्रों को प्रारंभ किया गया और 15 स्नातकोत्तर और 17 अनुसंधान डिग्री कार्यक्रमों की शुरूआत की गई। 31 मार्च, 2015 तक विभिन्न स्कूलों में प्रारंभ विभागों/केन्द्रों की सूची **तालिका–3** में दी गई है।

तालिका 3
2014–15 तक प्रारंभ अध्ययन कार्यक्रम

| प्रारंभ स्कूल/विभाग/केन्द्र | अध्ययन कार्यक्रम | वर्ष |
|---|---|---|
| **भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल** | | |
| • भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग | एम.एससी. भौतिकी (सैद्यांतिक भौतिकी में विशेषज्ञता) | 2011 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 |
| **जैविक विज्ञान स्कूल** | | |
| • कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान एवं जैव सूचना विज्ञान केन्द्र | एम.एससी. (कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान/जैव सूचना विज्ञान ) | 2011 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 |
| **पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल** | | |
| • पर्यावरण विज्ञान विभाग | एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान) | 2011 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 |
| **गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल** | | |
| • गणित विभाग | एम.एससी. गणित (औद्योगिक गणित में विशेषज्ञता) | 2011 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 |
| • सांख्यिकी एवं बीमांकिक विज्ञान | एम.एससी. सांख्यिकी एवं बीमांकिक विज्ञान | 2014 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2014 |
| • कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग | एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी) | 2011 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 |
| • पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग | एम.लिब. साइंस (समाकलित दोहरा डिग्री कार्यक्रम) | 2010 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2010 |
| **मानविकी एवं भाषा स्कूल** | | |
| • अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग | एम.ए. (अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य) | 2011 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2010 |
| • हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग | एम.ए. (हिंदी) | 2011 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 |
| **समाज विज्ञान स्कूल** | | |
| • अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग | एम.ए. (अर्थशास्त्र) | 2010 |
| | एम.फिल./पीएचडी | 2010 |
| • समाज कार्य विभाग | एमएसडब्ल्यू | 2010 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2010 |
| • समाज शास्त्र एवं समाज नृविज्ञान विभाग | एमए (समाज शास्त्र एवं समाज नृविज्ञान विभाग) | 2014 |

| | | |
|---|---|---|
| | एम.फिल / पीएचडी | 2014 |
| **शिक्षा स्कूल** | | |
| • अध्यापक शिक्षा विभाग | एम.ए.(शिक्षा) | 2011 |
| | एम.फिल / पीएचडी | 2011 |
| **व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल** | | |
| • वित्त तथा लेखा विभाग<br>• मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग<br>• विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग<br>• उद्यमशीलता एवं नवप्रवर्तन केन्द्र | एम.बी.ए.<br>फंक्शनल विशेषज्ञता – विपणन, वित्त, एचआरएम, प्रचालन प्रबंधन;<br>सेक्टोरल विशेषज्ञता–उद्यमशीलता विकास, वित्तीय बाज़ार, बीमा, अन्तरराष्ट्रीय व्यवसाय, आईटी | 2010 |
| | एम.फिल / पीएचडी | 2010 |
| **पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल** | | |
| • पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग | एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा में विशेषज्ञता) | 2011 |
| | एम.फिल. / पीएचडी | 2011 |
| **ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल** | | |
| • दृश्य कला विभाग | एम.एफ.ए. (चित्रकला) | 2011 |
| **पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल** | | |
| • पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग | एम.ए. (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन) | 2011 |
| • जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग | एम.ए. (नवमीडिया संचार) | 2011 |

# पाठ्यचर्या रूपरेखा

## एकल सामान्य प्रवेश परीक्षा पर आधारित प्रवेश

विश्वविद्यालय ने अपने सभी अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अभिक्षमता आधारित सामान्य प्रवेश परीक्षा शुरू की है। विश्वविद्यालय में प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थियों को अध्ययन कार्यक्रमों की वरीयता–क्रम दर्शाते हुए एक ही प्रवेश फॉर्म भरना होगा तथा उन्हें केवल एक ही प्रवेश परीक्षा देने की आवश्यकता होगी । तदनुसार विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित को शुरू किया है :

क. सभी विषय के लिए स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एकल सामान्य प्रवेश परीक्षा के रूप में **हीट (उच्च शिक्षा अभिक्षमता परीक्षा)**

ख. सभी विषयों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एकल सामान्य प्रवेश परीक्षा के रूप में **फीट (उत्तरोत्तर शिक्षा अभिक्षमता परीक्षा)**

ग. सभी विषयों के लिए एमफिल/पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एकल सामान्य प्रवेश परीक्षा के रूप में **ट्रीट (अनुसंधान प्रवेश अभिक्षमता परीक्षा)**

## नवाचारी कार्यक्रम एवं पाठ्यचर्या रूपरेखा

उच्च शिक्षा में सुधार संबंधी लक्ष्यों से मार्गदर्शन तथा विश्व की सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के अनुभवों से सीख लेते हुए विश्वविद्यालय ने कई नवान्वेषण किए हैं जिनका ब्योरा निम्नानुसार है :

**सेमेस्टर आधारित शैक्षणिक कैलेण्डर :** विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रम – स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी) एवं एमफिल/पीएचडी अर्थात अनुसंधान डिग्री (आरडी) सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित हैं जिनकी रूपरेखा शिक्षण दिवसों की प्रभावी संख्या और अध्यापन–अधिगम इनपुट के संदर्भ में वैश्विक पद्धतियों के अनुरूप तैयार की गई है ।

**व्यापक चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली पर आधारित कार्यक्रम :** विश्वविद्यालय ने मुख्यतया विश्व की सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की तर्ज पर व्यापक चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीसीबीसीएस) शुरू की है ।

**अध्ययन कार्यक्रम, क्रेडिट के संदर्भ में परिभाषित किए गए हैं** : पारंपरिक प्रणाली में शोधपत्रों/पाठ्यक्रमों के विपरित छात्र द्वारा निम्नलिखित संचित करना अपेक्षित है :

क. स्नातक डिग्री अर्जित करने के लिए 120 यूजी क्रेडिट

ख. स्नातकोत्तर डिग्री अर्जित करने के लिए 80 पीजी क्रेडिट

ग. एमफिल डिग्री अर्जित करने के लिए 60 आरडी क्रेडिट

घ. पीएचडी डिग्री अर्जित करने के लिए 120 आरडी क्रेडिट

**छात्र गतिशीलता एवं क्रेडिट हस्तांतरण :** विश्वविद्यालय ने भारत एवं विश्व के अन्य विश्वविद्यालयों से अपने छात्रों द्वारा क्रेडिट संचय को सुगम बनाने के लिए एक रूपरेखा तैयार की है । विश्वविद्यालय ने हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संगत अध्यादेश के अनुसार समतुल्यता नियत करने एवं अन्य विश्वविद्यालयों से अपने छात्रों द्वारा अर्जित क्रेडिट के हस्तांतरण को स्वीकृत करने के लिए एक सुगठित तंत्र विकसित किया है ।

**अध्ययन कार्यक्रम को तैयार करने में नवीनता :** अध्ययन विभाग, अध्ययन कार्यक्रमों की कोई रूपरेखा तैयार करने के बजाए केवल (क) अपने संकाय सदस्यों की निपुणता एवं विशेषज्ञता के आधार पर पाठ्यक्रमों की रूपरेखा तैयार और प्रस्तावित करेंगे (ख) प्रस्तावित प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षा एवं सह–अपेक्षा विनिर्दिष्ट करेंगे और (ग) अध्ययन कार्यक्रम को पूरा करने के लिए आवश्यक क्रेडिट संचित करने हेतु उपलब्ध पाठ्यक्रमों को चुनने में छात्रों का मार्गदर्शन करेंगे । इस प्रकार छात्र की जरूरतों और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए (पारंपरिक अध्यापक–केन्द्रित दृष्टिकोण के विपरीत) ''विद्यार्थी–केन्द्रित दृष्टिकोण'' पर बल दिया गया है जिससे कि शिक्षा ग्रहण करने में विषय, रीति और गति के संबंध में व्यापक विकल्प उपलब्ध हो सके।

**अधिगम के समग्र दृष्टिकोण पर आधारित क्रेडिटों का संगणन :** हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में एक क्रेडिट को 30 घंटे के कुल छात्र प्रयासों (टीएसई) के बराबर परिभाषित किया गया है जिसमें **(क)** 10 घंटे के व्याख्यान/आयोजित कक्षा कार्यकलाप/संपर्क घंटे **(ख)** 5 घंटे के प्रयोगशाला कार्य/प्रायोगिक/क्षेत्र कार्य/अनुशिक्षण/शिक्षक के नेतृत्व में कार्यकलाप और **(ग)** 15 घंटे के अन्य कार्य अर्थात स्वतंत्र व्यक्तिगत/सामूहिक कार्य; अनिवार्य/वैकल्पिक कार्य; प्लेसमेंट; साहित्य सर्वेक्षण/पुस्तकालय कार्य; आंकड़ा संग्रहण/क्षेत्र कार्य; शोधपत्र/परियोजनाएं (प्रोजेक्ट)/शोध निबंध/शोध प्रबंध लिखना; सेमिनार आदि। इस प्रकार, आंतरिक जिज्ञासा से प्रेरित गहन शिक्षा और स्वतंत्र रूप से स्व–प्रवर्तित शिक्षा और पढ़ाए गए विषय–वस्तु में संतुलन स्थापित करते हुए विषय में निपुणता पर जोर दिया जाता है ।

**सभी अध्ययन कार्यक्रमों का माड्यूलर स्वरूप होना :** विश्वविद्यालय के सभी अध्ययन कार्यक्रमों की रूपरेखा माड्यूलर रूप में तैयार की गई है जिसमें पाठ्यक्रम छोड़ने एवं समकक्ष (लैटेरल) प्रविष्टि का विकल्प है । जहाँ अधिकतर छात्र बिना किसी रूकावट के अपना यूजी/पीजी/आरडी पूरा कर लेते हैं, वहीं कुछ छात्र अपने व्यक्तिगत बाध्यकारी कारणों से बीच में ही अध्ययन पाठ्यक्रम छोड़ने के लिए बाध्य हो जाते हैं । इसलिए, विश्वविद्यालय द्वारा कार्यक्रम के बीच में अध्ययन छोड़ने के संबंध में सुगठित ढाँचा विकसित किया गया है, जिसके अन्तर्गत परिसर में बिताए गए समय की अवधि तथा उनके द्वारा संचित क्रेडिट के आधार पर उनको सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा । उदाहरण के लिए, यदि कोई विद्यार्थी दो सेमेस्टर के बाद अध्ययन छोड़ना चाहते हैं तो वह ऐसा कर सकता/सकती है और उसको उपयुक्त सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा भी प्रदान किया जाएगा तथा वह दो वर्ष के भीतर पुनः इस स्तर से आगे अपना अध्ययन शुरू कर सकता/सकती है । इस प्रकार,

**यूजी कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र को निम्नलिखित प्रदान किया जा सकता है :**

- सर्टिफिकेट (यदि वह 40 यूजी क्रेडिट के साथ 2 सेमेस्टर के बाद अध्ययन छोड़ता/छोड़ती है);
- डिप्लोमा (यदि वह 80 यूजी क्रेडिट के साथ 4 सेमेस्टर के बाद अध्ययन छोड़ता/छोड़ती है);
- बैचलर डिग्री (यदि वह 120 यूजी क्रेडिट के साथ 6 पूर्ण सेमेस्टरों को पूरा करने के लिए बना रहता/रहती है)।

**पीजी कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र को निम्नलिखित प्रदान किया जा सकता है :**

- एडवांस डिप्लोमा (यदि वह 40 पीजी क्रेडिट के साथ 2 सेमेस्टर के बाद अध्ययन छोड़ता/छोड़ती है); या
- मास्टर डिग्री (यदि वह 80 पीजी क्रेडिट के साथ 4 पूर्ण सेमेस्टर के लिए बना रहता/रहती है) ।

इसके अतिरिक्त, अध्ययन छोड़ने वाले छात्र यदि अगले दो वर्ष के भीतर विश्वविद्यालय में वापस आ जाते हैं तो वे अपनी डिग्री पूर्ण एवं प्राप्त करने के लिए पार्श्विक रूप से अध्ययन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पात्र होंगे ।

**सभी अध्ययन कार्यक्रमों का बहुविषयक/अन्तर–विषयक होना :** विश्वविद्यालय के अध्ययन विभागों की रूपरेखा मूल विषयों के इर्द–गिर्द तैयार की जाती है (ताकि संकाय सदस्य अनुसंधान की अपनी विशिष्टता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करते रह सकें) । तथापि, विश्वविद्यालय का प्रत्येक अध्ययन कार्यक्रम बहुविषयक होता है क्योंकि छात्र को पूरे विश्वविद्यालय में प्रदान किए जाने वाले कई प्रकार के पाठ्यक्रमों से आवश्यक संख्या में क्रेडिट संचित करने का अधिकार दिया गया है (अर्थात एक छात्र संगीत के साथ गणित, दर्शनशास्त्र के साथ भौतिकी, मानविकी के साथ तकनीकी पाठ्यक्रमों और इसी प्रकार अन्य पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्राप्त करने के लिए हकदार होगा) । तदनुसारः

क. पीजी स्तर पर छात्र को निम्नानुसार क्रेडिट संचित करना होगा :

- विभाग व्यापी पाठ्यक्रमों के जरिए 70 प्रतिशत क्रेडिट
- विश्वविद्यालय व्यापी पाठ्यक्रमों के जरिए 30 प्रतिशत क्रेडिट

ख. व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल द्वारा प्रदत्त पीजी कार्यक्रमों के मामले में छात्र को निम्नलिखित के लिए क्रेडिट संचित करना होगा :

- विभाग व्यापी पाठ्यक्रम के जरिए 30 प्रतिशत क्रेडिट
- स्कूल व्यापी पाठ्यक्रमों के जरिए 40 प्रतिशत क्रेडिट

- विश्वविद्यालय व्यापी पाठ्यक्रमों के जरिए 30 प्रतिशत क्रेडिट

**सभी कार्यक्रमों का व्यापक सतत आंतरिक आकलन पर आधारित होना :** सभी विषयों और सभी स्तरों पर सभी अध्ययन पाठ्यक्रमों में छात्रों का आकलन क्विज, दत्तकार्य (असाइनमेंट), स्वतंत्र कार्य, सामूहिक कार्य, मध्यावधि एवं अंतिम सत्र की समाप्ति पर परीक्षा के आधार पर व्यापक सतत आंतरिक आकलन के जरिए किया जाएगा । सामान्य सिद्धांत के रूप में व्यापक सतत आंतरिक आकलन में निम्नलिखित घटक शामिल होंगे :

| | |
|---|---|
| सतत आंतरिक आकलन | 25 प्रतिशत |
| मध्यावधि परीक्षा | 25 प्रतिशत |
| अंतिम सत्र परीक्षा | 50 प्रतिशत |

**सभी अध्ययन कार्यक्रमों में ग्रेडिंग प्रणाली का होना :** विश्वविद्यालय में अंक, ग्रेड प्वाइंट, लेटर ग्रेड एवं कक्षा (क्लास) के संदर्भ में छात्रों के कार्य–निष्पादन मूल्यांकन का आधार छः (6) प्वाइंट स्केल पर आधारित ग्रेडिंग प्रणाली होगी । एक सेमेस्टर के अन्तर्गत छात्र के कुल कार्य–निष्पादन और दूसरे सेमेस्टर से आगे सतत कार्य–निष्पादन को (क) ग्रेड प्वाइंट औसत (जीपीए); (ख) भारित औसत अंक (डब्ल्यूएएम); (ग) संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए); और (घ) समग्र भारित प्रतिशत अंक (ओडब्ल्यूपीएम) द्वारा इंगित किया जाएगा ।

**नवान्वेषित अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम :** विश्वविद्यालय का पूर्णकालिक अनुसंधान डिग्री (आरडी) कार्यक्रम एक कठिन एवं विस्तृत कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य अनुसंधान कौशलों को तीक्ष्ण करना, अध्यापन क्षमता विकसित करना, गुणवत्तायुक्त अनुसंधान प्रकाशित करना तथा सेमिनारों एवं सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी करना है । तदनुसार, शोध उपाधि प्राप्त करने के लिए छात्र को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य, अध्यापन सहायकवृत्ति, प्रकाशन कार्य एवं शोध निबंध/शोध प्रबंध के जरिए क्रेडिट संचित करना आवश्यक होता है । एमफिल एवं पीएचडी कार्यक्रमों के लिए अवधि एवं क्रेडिट आवश्यकताएं निम्नानुसार है :

**क) एमफिल के लिए :** एमफिल डिग्री प्राप्त करने हेतु संबंधित आरडी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करना, जिसके लिए छात्र को निम्नानुसार कुल 60 आरडी क्रेडिट संचित करना आवश्यक होगा :

| | |
|---|---|
| i) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य : | 20 क्रेडिट |
| ii) शोध निबंध : | 20 क्रेडिट |
| iii) प्रकाशन : | 10 क्रेडिट |
| iv) अध्यापन सहायकवृत्ति : | 10 क्रेडिट |

**ख) पीएचडी के लिए :** पीएचडी डिग्री प्राप्त करने हेतु संबंधित आरडी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करना, जिसके लिए छात्र को निम्नानुसार कुल 120 आरडी क्रेडिट संचित करना आवश्यक होगाः

| | |
|---|---|
| i) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य : | 20 क्रेडिट |
| ii) शोध निबंध : | 60 क्रेडिट |
| iii) प्रकाशन : | 20 क्रेडिट |
| iv) अध्यापन सहायकवृत्ति : | 20 क्रेडिट |

**ग)** अनुसंधान डिग्री (आरडी) कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्रों को अपने प्रवेश के बाद के पहले दो सेमेस्टरों में निर्धारित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूरा करना आवश्यक होता है । अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम की अधिकतम निर्धारित अवधि के बावजूद यदि छात्र दो सेमेस्टरों में निर्धारित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य पूरा नहीं कर पाता है तो उसके प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा तथा उसके नाम को विश्वविद्यालय की पंजिका से हटा दिया जाएगा । इसके अतिरिक्त अनुसंधान कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किसी भी छात्र को शोध निबंध कार्य को करने की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक निर्धारित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य पूरा न हो जाए ।

**घ)** अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश के लिए औपचारिकताएं पूरी करने के शीघ्र बाद प्रत्येक छात्र को इस बारे में निर्धारित प्रारूप (फार्मेट) में लिखित में यह प्रस्तुत करना आवश्यक होता है कि क्या वह एमफिल के लिए या पीएचडी डिग्री के लिए अध्ययन करना चाहता/चाहती है ।

**ङ.)** यदि अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र के पास इस विश्वविद्यालय या अन्य विश्वविद्यालय की एमफिल डिग्री है तो पाठ्यक्रम संबंधी कार्य, प्रकाशन एवं अध्यापन सहायकवृत्ति के लिए क्रेडिट आवश्यकताओं को तदनुसार समायोजन किया जा सकता है । तथापि, ऐसे छात्रों के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य, प्रकाशन कार्य एवं अध्यापन सहायकवृत्ति के लिए शेष क्रेडिट के साथ–साथ शोध निबंध कार्य हेतु पूर्ण 60 आरडी क्रेडिट पूरा करना आवश्यक होगा ।

**च) प्रकाशन कार्य के लिए क्रेडिट की संगणना :** एमफिल एवं पीएचडी डिग्री के लिए प्रकाशित कार्य हेतु क्रेडिट की संगणना निम्नानुसार की जानी है :

- राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में प्रकाशित प्रत्येक सामान्य शोधलेख/ प्रस्तुत शोधपत्र के लिए 2 क्रेडिट;
- अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में प्रस्तुत प्रत्येक शोधपत्र के लिए 4 क्रेडिट;
- राष्ट्रीय स्तर के अनुमोदित संदर्भ–जर्नल में प्रत्येक शोधपत्र के लिए 5 क्रेडिट;
- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनुमोदित संदर्भ–जर्नल में प्रत्येक शोधपत्र के लिए 10 क्रेडिट;
- आरडी कार्यक्रम के लिए छात्रों को पंजीकृत करने वाले प्रत्येक विभाग/केन्द्र को प्रकाशन के लिए अनुमोदित जर्नलों की अद्यतन सूची रखनी होगी ।

**छ) अध्यापन सहायकवृत्ति के लिए क्रेडिट की संगणना :** एमफिल एवं पीएचडी डिग्री के लिए अध्यापन सहायकवृत्ति हेतु क्रेडिट की संगणना निम्नानुसार की जानी है :

- दो क्रेडिटों के एक सेमेस्टर पाठ्यक्रम के स्वतंत्र अध्यापन के लिए 10 क्रेडिट
- दो क्रेडिटों के एक सेमेस्टर पाठ्यक्रम के सह–अध्यापन कार्य के लिए 5 क्रेडिट
- आकलन, मूल्यांकन, परीक्षा, पाठ्यक्रम विकास, पठन सूची आदि के विकास में सहभागिता के प्रत्येक 3 घंटे के लिए 1 क्रेडिट (इस श्रेणी के अंतर्गत दावा किए गए कार्य की मात्रा की संपरीक्षा करने एवं इसको प्रमाणित करने का दायित्व संबंधित पर्यवेक्षक का है) ।

# प्रारंभ किए गए अध्ययन कार्यक्रम

**वर्ष 2014–15 तक निम्नलिखित अध्ययन कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं :**

| 2014–15 तक प्रारंभ अध्ययन कार्यक्रम एवं स्थान | | | |
|---|---|---|---|
| **प्रारंभ स्कूल/विभाग/केन्द्र** | **अध्ययन कार्यक्रम** | **वर्ष** | **स्थान** |
| **भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल** | | | |
| • भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग | एम.एससी. भौतिकी (सैद्यांतिक भौतिकी में विशेषज्ञता) | 2011 | 30 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 | 10 |
| **जैविक विज्ञान स्कूल** | | | |
| • कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान एवं जैव सूचना विज्ञान केन्द्र | एम.एससी. (कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान/जैव सूचना विज्ञान ) | 2011 | 30 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 | 10 |
| **पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल** | | | |
| • पर्यावरण विज्ञान विभाग | एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान) | 2011 | 30 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 | 10 |
| **गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल** | | | |
| • गणित विभाग | एम.एससी. गणित (औद्योगिक गणित में विशेषज्ञता) | 2011 | 30 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 | 10 |
| • कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग | एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी) | 2011 | 30 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 | 10 |
| • पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग | एम.लिब. साइंस (समाकलित दोहरा डिग्री कार्यक्रम) | 2010 | 30 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2010 | 10 |
| **मानविकी एवं भाषा स्कूल** | | | |
| • अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग | एम.ए. (अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य) | 2011 | 30 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2010 | 10 |
| • हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग | एम.ए. (हिंदी) | 2011 | 30 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 | 10 |
| **समाज विज्ञान स्कूल** | | | |
| • अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग | एम.ए. (अर्थशास्त्र) | 2010 | 30 |
| | एम.फिल./पीएचडी | 2010 | 10 |
| • समाज कार्य विभाग | एमएसडब्ल्यू | 2010 | 30 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2010 | 10 |
| **शिक्षा स्कूल** | | | |
| • अध्यापक शिक्षा विभाग | एम.ए.(शिक्षा) | 2011 | 30 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2011 | 10 |
| **व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल** | | | |
| • वित्त तथा लेखा विभाग<br>• मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग<br>• विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग<br>• उद्यमशीलता एवं नवप्रवर्तन केन्द्र | एम.बी.ए.<br>फंक्शनल विशेषज्ञता – विपणन, वित्त, एचआरएम, प्रचालन प्रबंधन;<br>सेक्टोरल विशेषज्ञता–उद्यमशीलता विकास, वित्तीय बाज़ार, बीमा, अन्तरराष्ट्रीय व्यवसाय, आईटी | 2010 | 90 |
| | एम.फिल/पीएचडी | 2010 | 30 |
| **पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल** | | | |
| • पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग | एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा में विशेषज्ञता) | 2011 | 30 |
| | एम.फिल./पीएचडी | 2011 | 10 |
| **ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल** | | | |
| • दृश्य कला विभाग | एम.एफ.ए. (चित्रकला) | 2011 | 10 |
| **पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल** | | | |
| • पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग | एम.ए. (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन) | 2011 | 30 |
| • जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग | एम.ए. (नवमीडिया संचार) | 2011 | 30 |

## शैक्षणिक सत्र 2014–15 के दौरान आवेदन एवं प्रवेश (31.03.2015 के अनुसार)

| स्कूल/विभाग/केन्द्र/पाठ्यक्रम | स्थान | आवेदन | प्रति सीट आवेदक | प्रवेश दिया गया |
|---|---|---|---|---|
| 1. भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल | | | | |
| भौतिकी एवं पदार्थ विज्ञान विभाग | | | | |
| एम.एससी. (भौतिकी) सैद्यांतिक भौतिकी में विशेषज्ञता | 30 | 651 | 22 | 26 |
| एम.फिल/पीएचडी | 10 | 96 | 10 | 06 |
| 2. जैविक विज्ञान स्कूल | | | | |
| कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र | | | | |
| एम.एससी. (कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान/जैव सूचना विज्ञान ) | 30 | 177 | 04 | 22 |
| एम.फिल/पीएचडी | 10 | 125 | 13 | 04 |
| 3.पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल | | | | |
| पर्यावरण विज्ञान विभाग | | | | |
| एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान) | 30 | 478 | 16 | 26 |
| एम.फिल/पीएचडी | 10 | 154 | 15 | 07 |
| 4. गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल | | | | |
| गणित विभाग | | | | |
| एम.एससी. गणित (औद्योगिक गणित में विशेषज्ञता) | 30 | 528 | 18 | 31 |
| एम.फिल/पीएचडी | 10 | 43 | 04 | 01 |
| कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग | | | | |
| एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी) | 30 | 454 | 15 | 27 |
| एम.फिल/पीएचडी | 10 | – | – | – |
| पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग | | | | |
| एम.लिब. साइंस (समाकलित दोहरा डिग्री कार्यक्रम) | 30 | 86 | 03 | 16 |
| एम.फिल/पीएचडी | 10 | 24 | 02 | 01 |
| 5. मानविकी एवं भाषा स्कूल | | | | |
| अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग | | | | |
| एम.ए. (अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य) | 30 | 201 | 07 | 19 |
| एम.फिल/पीएचडी | 10 | 92 | 09 | 06 |
| हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग | | | | |
| एम.ए. (हिंदी) | 30 | 59 | 02 | 03 |
| एम.फिल/पीएचडी | 10 | – | – | – |
| 6.समाज विज्ञान स्कूल | | | | |
| अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग | | | | |
| एम.ए. (अर्थशास्त्र) | 30 | 246 | 08 | 11 |
| एम.फिल./पीएचडी | 10 | 39 | 04 | 02 |
| समाज कार्य विभाग | | | | |
| एमएसडब्ल्यू | 30 | 429 | 14 | 30 |
| एम.फिल/पीएचडी | 10 | 56 | 06 | 02 |
| 7.शिक्षा स्कूल | | | | |
| अध्यापक शिक्षा विभाग | | | | |
| एम.ए.(शिक्षा) | 30 | 48 | 02 | 01 |
| एम.फिल/पीएचडी | 10 | 78 | 08 | 02 |
| 8.व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल | | | | |
| एम.बी.ए. | 90 | 1948 | 22 | 87 |
| एम.फिल/पीएचडी | 30 | 159 | 05 | 04 |
| 9.पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल | | | | |
| पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग | | | | |
| एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा में विशेषज्ञता) | 30 | 1082 | 36 | 28 |
| एम.फिल./पीएचडी | 10 | 32 | 03 | 02 |
| 10. ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल | | | | |
| दृश्य कला विभाग | | | | |
| एम.एफ.ए. (चित्रकला) | 10 | – | – | – |
| 11. पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया | | | | |
| पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग | | | | |
| एम.ए. (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन) | 30 | 181 | 06 | 04 |
| एम.फिल./पीएचडी | 10 | 65 | 07 | 03 |
| जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग | | | | |
| एम.ए. (नवमीडिया संचार) | 30 | 231 | 08 | 04 |
| एम.फिल/पीएचडी | 10 | 50 | 05 | 02 |

# विद्यार्थियों का नामांकन तथा संकाय एवं कर्मीगण

इस तथ्य के बावजूद कि विश्वविद्यालय ने सीमित भौतिक सुविधाओं और अवसंचरना के साथ कार्य प्रचालन प्रारंभ किया था, अपने अधिकतर अध्ययन कार्यक्रमों के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त करने में समर्थ हो पाया। विद्यार्थियों को प्रवेश देते समय अपने सभी अध्ययन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय द्वारा भारत सरकार की आरक्षण नीति का अनुपालन किया गया। विश्वविद्यालय की नामावली में दिनांक 31–03–2015 तक कुल 782 विद्यार्थी हैं। विश्वविद्यालय ने अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशानिर्देशों का अनुपालन किया है। वर्ष 2010–11 से 2014–15 के दौरान नामांकित विद्यार्थियों की कार्यक्रमवार और श्रेणीवार स्थिति **तालिका–4 एवं तालिका–5** में दी गई है :–

## 2010–11/2011–12 से 2014–15 के दौरान नामांकित विद्यार्थी

**तालिका संख्या 4 : 2013–14 और 2014–15 के दौरान नामांकित श्रेणीवार/कार्यक्रमवार स्नात्तकोतर विद्यार्थियों की संख्या**

| स्कूल/विभाग/पीजी कार्यक्रम का नाम | वार्षिक इनटेक | नामांकन | | | | | | | | कुल नामांकन | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अनुसूचित जाति | | अनुसूचित जनजाति | | अन्य पिछड़ा वर्ग | | कुल | | | | | |
| | | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | कुल | महिला | अल्पसंख्यक | पीडब्ल्यूडी |
| **1. भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल** | | | | | | | | | | | | | |
| **भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.एससी. (भौतिकी) सैद्यांतिक भौतिकी में विशेषज्ञता (2013–14) | 30 | 2 | 3 | – | 2 | 2 | 6 | 4 | 11 | 26 | 18 | – | – |
| एम.एससी. (भौतिकी) सैद्यांतिक भौतिकी में विशेषज्ञता (2014–15) | 30 | 1 | 4 | – | 2 | 2 | 6 | 3 | 12 | 26 | 18 | – | – |
| **2. जैविक विज्ञान स्कूल** | | | | | | | | | | | | | |
| **कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.एससी. (कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान/जैव सूचना वि.) (2013–14) | 30 | 3 | 1 | 1 | –. | 3 | 1 | 7 | 2 | 18 | 9 | 1 | – |
| एम.एससी. (कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान/जैव सूचना वि.) (2014–15) | 30 | 1 | 3 | – | 1 | 1 | 4 | 2 | 8 | 22 | 17 | 2 | – |
| **3. पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल** | | | | | | | | | | | | | |
| **पर्यावरण विज्ञान विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान) (2013–14) | 30 | 2 | 3 | 1 | 2 | 1 | 6 | 4 | 11 | 28 | 21 | 1 | – |
| एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान) (2014–15) | 30 | 1 | 2 | 2 | 2 | 3 | 1 | 6 | 5 | 26 | 17 | . | – |
| **4. गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल** | | | | | | | | | | | | | |
| **गणित विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.एससी. गणित (औद्योगिक गणित में विशेषज्ञता) (2013–14) | 30 | 2 | 3 | – | 1 | 2 | 6 | 4 | 10 | 26 | 19 | – | – |
| एम.एससी. गणित (औद्योगिक गणित में विशेषज्ञता) (2014–15) | 30 | 2 | 3 | – | – | 5 | 3 | 7 | 6 | 30 | 19 | 2 | 1 |
| **कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी) (2013–14) | 30 | 1 | – | 2 | – | 2 | 2 | 5 | 2 | 22 | 10 | 2 | 1 |
| एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी) (2014–15) | 30 | 3 | – | – | 1 | 6 | 3 | 9 | 4 | 27 | 12 | – | – |
| **पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.लिब. साइंस (समाकलित दोहरा डिग्री कार्यक्रम) (2013–14) | 30 | – | 1 | – | – | 1 | 1 | 1 | 2 | 13 | 6 | 1 | – |
| एम.लिब. साइंस (समाकलित दोहरा डिग्री कार्यक्रम) (2014–15) | 30 | 2 | 2 | – | 2 | 1 | 1 | 3 | 5 | 16 | 11 | 1 | – |
| **5. मानविकी एवं भाषा स्कूल** | | | | | | | | | | | | | |
| **अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.ए. (अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य) (2013–14) | 30 | 1 | – | – | – | – | – | 1 | – | 9 | 5 | – | – |
| एम.ए. (अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य) (2014–15) | 30 | 2 | – | 1 | – | 1 | 2 | 4 | 2 | 19 | 13 | – | – |
| **हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.ए. (हिंदी) (2013–14) | 30 | 1 | 1 | 1 | – | – | – | 2 | 1 | 3 | 2 | – | – |
| एम.ए. (हिंदी) (2014–15) | 30 | – | – | 1 | 2 | – | – | 1 | 2 | 7 | 6 | 1 | – |

## तालिका संख्या 4 : 2013–14 और 2014–15 के दौरान नामांकित श्रेणीवार/ कार्यक्रमवार स्नात्तकोतर विद्यार्थियों की संख्या

| स्कूल/विभाग/पीजी कार्यक्रम का नाम | वार्षिक इनटेक | नामांकन | | | | | | | | कुल नामांकन | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अनुसूचित जाति | | अनुसूचित जनजाति | | अन्य पिछड़ा वर्ग | | कुल | | | | | |
| | | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | कुल | महिला | अल्पसंख्यक | पीडब्ल्यूडी |
| **6. समाज विज्ञान स्कूल** | | | | | | | | | | | | | |
| **अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.ए. (अर्थशास्त्र) (2013–14) | 30 | 1 | 1 | – | – | 2 | 2 | 3 | 3 | 14 | 10 | – | – |
| एम.ए. (अर्थशास्त्र) (2014–15) | 30 | – | – | 1 | 1 | 1 | 1 | 2 | 2 | 11 | 7 | 2 | – |
| **समाज कार्य विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.एस.डब्ल्यू. (2013–14) | 30 | 4 | 1 | 1 | – | 8 | 1 | 13 | 2 | 27 | 6 | 15 | – |
| एम.एस.डब्ल्यू. (2014–15) | 30 | 3 | 1 | 4 | 1 | 8 | – | 15 | 2 | 30 | 7 | 10 | – |
| **7. शिक्षा स्कूल** | | | | | | | | | | | | | |
| **अध्यापक शिक्षा विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.ए. (शिक्षा) (2013–14) | 30 | – | – | – | – | – | – | – | – | 5 | 5 | – | – |
| एम.ए. (शिक्षा) (2014–15) | 30 | 1 | – | – | – | – | – | – | – | 1 | – | – | – |
| **8. व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल** | | | | | | | | | | | | | |
| **वित्त तथा लेखा विभाग/एचआरएम एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग/विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.बी.ए. (2013–14) | 91 | 6 | 8 | 5 | 2 | 19 | 5 | 30 | 15 | 87 | 42 | 5 | – |
| एम.बी.ए. (2014–15) | 90 | 11 | 2 | 3 | 3 | 17 | 8 | 31 | 13 | 87 | 33 | 9 | 2 |
| **9. पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल** | | | | | | | | | | | | | |
| **पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा में विशेषज्ञता) (2013–14) | 30 | 4 | 1 | 2 | 1 | 2 | – | 8 | 2 | 24 | 9 | 1 | – |
| एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा में विशेषज्ञता) (2014–15) | 30 | 3 | 1 | 2 | 1 | 10 | – | 15 | 2 | 28 | 6 | 3 | – |
| **10. ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल** | | | | | | | | | | | | | |
| **दृश्य कला विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.एफ.ए. (चित्रकला) (2013–14) | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| एम.एफ.ए. (चित्रकला) (2014–15) | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| **11. पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया** | | | | | | | | | | | | | |
| **पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.ए. (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन) (2013–14) | 30 | – | – | – | – | – | – | – | – | 4 | 1 | – | – |
| एम.ए. (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन) (2014–15) | 30 | – | – | – | – | – | 1 | – | 1 | 4 | 3 | 2 | – |
| **जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग** | | | | | | | | | | | | | |
| एम.ए. (नवमीडिया संचार) (2013–14) | 30 | 1 | – | – | – | 4 | 1 | 5 | 1 | 14 | 8 | 2 | – |
| एम.ए. (नवमीडिया संचार) (2014–15) | 30 | – | – | – | – | – | – | – | – | 4 | 3 | – | – |
| **कुल** | **961** | **58** | **39** | **27** | **24** | **91** | **61** | **176** | **124** | **658** | **343** | **60** | **4** |

| तालिका 5 : वर्ष 2010–11 से 2014–15 के दौरान वर्गवार / कार्यक्रमवार शोधार्थियों के नामांकन की कुल संख्या (2010,2011, 2013 एवं 2014) | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्कूल का नाम/विभाग/ आरडी कार्यक्रम/अध्येतावृत्तियां | नामांकन | | | | | | | | कुल नामांकन | | | |
| | अनुसूचित जाति | | अनुसूचित जनजाति | | अन्य पिछड़ा वर्ग | | कुल | | | | | |
| | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | कुल | महिला | अल्पसंख्यक | पीडब्ल्यूडी |
| **1. भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | **1** | – | **2** | – | **1** | **3** | **4** | **3** | **11** | **5** | – | – |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | 1 | – | 2 | – | 1 | 3 | 4 | 3 | 11 | 5 | – | – |
| **2. जैविक विज्ञान स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | **1** | **1** | – | – | – | **2** | **1** | **3** | **11** | **6** | **1** | – |
| • राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | 1 | – | – | – | – | – | 1 | – | 1 | – | – | – |
| • आईसीएसएसआर अध्येतावृत्ति | – | – | – | – | – | – | – | – | 1 | 1 | – | – |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | 1 | 1 | – | – | – | 2 | 1 | 3 | 9 | 5 | 1 | – |
| **3. पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **पर्यावरण विज्ञान विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | **1** | **3** | **2** | **1** | **1** | **3** | **4** | **7** | **18** | **12** | – | – |
| • यूजीसी नेट / यूजीसी–सीएसआईआर जेआरएफ | – | – | – | – | – | 1 | . | 1 | 1 | 1 | – | – |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | 1 | 3 | 2 | 1 | 1 | 2 | 4 | 6 | 17 | 11 | – | – |
| **4. गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **गणित विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | **–** | **–** | **–** | **–** | **–** | **–** | **–** | **–** | **6** | **3** | **–** | **–** |
| • यूजीसी नेट / यूजीसी–सीएसआईआर जेआरएफ | – | – | – | – | – | – | – | – | 1 | – | – | – |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | – | – | – | – | – | – | – | – | 5 | 3 | – | – |
| **कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | **–** | **–** | **–** | **–** | **–** | **–** | **–** | **–** | **1** | **1** | **–** | **–** |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | – | – | – | – | – | – | – | – | 1 | 1 | – | – |
| **पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | **–** | **1** | **–** | **–** | **–** | **–** | **–** | **1** | **2** | **1** | **–** | **–** |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | – | 1 | – | – | – | – | – | 1 | 2 | 1 | – | – |
| **5. मानविकी एवं भाषा स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | **1** | **3** | **1** | – | **1** | – | **3** | **3** | **10** | **3** | – | – |
| • राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | – | 1 | – | – | – | – | – | 1 | 1 | 1 | – | – |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | 1 | 2 | 1 | – | 1 | – | 3 | 2 | 9 | 2 | – | – |
| **हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | – | **1** | – | **1** | **1** | – | **1** | **2** | **3** | **2** | – | – |
| • यूजीसी नेट / यूजीसी–सीएसआईआर जेआरएफ | – | 1 | – | 1 | – | – | – | 2 | 2 | 2 | – | – |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | – | – | – | – | 1 | – | 1 | – | 1 | – | – | – |
| **6. समाज विज्ञान स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | **2** | – | – | – | – | – | **2** | – | **3** | **1** | – | – |
| • यूजीसी नेट / यूजीसी–सीएसआईआर जेआरएफ | 1 | – | – | – | – | – | 1 | – | 1 | – | – | – |
| • राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | 1 | – | – | – | – | – | 1 | – | 1 | – | – | – |
| • अध्यापक अभ्यर्थी | – | – | – | – | – | – | – | – | 1 | 1 | – | – |
| **समाज कार्य विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | **1** | **1** | **–** | **1** | **3** | **–** | **4** | **2** | **6** | **2** | **2** | **–** |
| • यूजीसी नेट / यूजीसी–सीएसआईआर जेआरएफ | 1 | – | – | 1 | 1 | – | 2 | 1 | 3 | 1 | 1 | – |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | – | 1 | – | – | 2 | – | 2 | 1 | 3 | 1 | 1 | – |

| तालिका 5 : वर्ष 2010–11 से 2014–15 के दौरान वर्गवार / कार्यक्रमवार शोधार्थियों के नामांकन की कुल संख्या (2010,2011, 2013 एवं 2014) | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्कूल का नाम/विभाग/ आरडी कार्यक्रम/अध्येतावृत्तियां | नामांकन | | | | | | | | कुल नामांकन | | | |
| | अनुसूचित जाति | | अनुसूचित जनजाति | | अन्य पिछड़ा वर्ग | | कुल | | | | | |
| | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | कुल | महिला | अल्पसंख्यक | पीडब्ल्यूडी |
| **7. शिक्षा स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **अध्यापक शिक्षा विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | **3** | **2** | **–** | **–** | **–** | **–** | **3** | **2** | **9** | **5** | **–** | **1** |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | 2 | 1 | – | – | – | – | 2 | 1 | 6 | 3 | – | 1 |
| • आईसीएसएसआर अध्येतावृत्ति | 1 | 1 | – | – | – | – | 1 | 1 | 3 | 2 | – | – |
| **8. व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **वित्त तथा लेखा विभाग/एचआरएम एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग/विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | **5** | **1** | **1** | **1** | **6** | **3** | **12** | **5** | **28** | **7** | **4** | **–** |
| • यूजीसी नेट / यूजीसी–सीएसआईआर जेआरएफ | 1 | – | 1 | – | 5 | – | 7 | – | 13 | – | 1 | – |
| • आईसीएसएसआर अध्येतावृत्ति | – | – | – | – | – | 1 | – | 1 | 6 | 3 | 1 | – |
| • राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति | 3 | 1 | – | – | – | – | 3 | 1 | 4 | 1 | – | – |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | 1 | – | – | 1 | 1 | 2 | 2 | 3 | 5 | 3 | 2 | – |
| **9. पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| • एमफिल/पीएचडी | **1** | **–** | **–** | **–** | **1** | **–** | **2** | **–** | **8** | **–** | **–** | **–** |
| • यूजीसी नेट / यूजीसी–सीएसआईआर जेआरएफ | 1 | – | – | – | – | – | 1 | – | 1 | – | – | – |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | – | – | – | – | 1 | – | 1 | – | 7 | – | – | – |
| **10. ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **दृश्य कला विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| **11. पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया** | | | | | | | | | | | | |
| **पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | **1** | – | – | – | **1** | **1** | **2** | **1** | **5** | **1** | – | – |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | 1 | – | – | – | 1 | 1 | 2 | 1 | 5 | 1 | – | – |
| **जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| एमफिल/पीएचडी | – | **1** | **1** | – | – | **1** | **1** | **2** | **3** | **2** | – | – |
| • यूजीसी गैर–नेट अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति | – | 1 | 1 | – | – | 1 | 1 | 2 | 3 | 2 | – | – |
| **कुल** | **17** | **14** | **7** | **4** | **15** | **13** | **39** | **31** | **124** | **51** | **7** | **1** |

## संकाय एवं कर्मीगण

| | संकाय | | | | | | गैर–तकनीकी/तकनीकी | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | प्रोफेसर | एसोसिएट प्रोफेसर | सहायक प्रोफेसर | अभ्यागत | अंशकालिक/अतिथि | कुल संकाय की संख्या | वर्ग ए | वर्ग बी | वर्ग सी | तकनीकी | आउटसोर्स | कुल शिक्षकेतर |
| 1. भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल | | | | | | | | | | | | |
| भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | 02 | 09 | | | | | | |
| तैनात | – | 02 | 04 | – | 02 | 08 | – | – | – | 01 | 02 | 03 |
| 2. जैविक विज्ञान स्कूल | | | | | | | | | | | | |
| कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | – | – | 04 | – | – | 04 | – | – | – | – | – | – |
| 3. पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल | | | | | | | | | | | | |
| पर्यावरण विज्ञान विभाग | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | 01 | 02 | 03 | – | – | 06 | – | – | – | – | 04 | 04 |
| 4. गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल | | | | | | | | | | | | |
| गणित विभाग | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | – | – | 03 | – | – | 03 | – | – | – | – | 02 | 02 |
| कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | 01 | 08 | | | | | | |
| तैनात | – | – | 02 | – | 01 | 03 | | | | – | 02 | 02 |
| पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | 01 | – | 02 | – | – | 03 | | | | – | 02 | 02 |
| सांख्यिकी एवं बीमांकिक विज्ञान विभाग | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | – | – | – | – | – | – | | | | – | – | – |
| 5. मानविकी एवं भाषा स्कूल | | | | | | | | | | | | |
| अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | – | 01 | 04 | – | – | 05 | | | | – | 02 | 02 |
| हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | – | – | 02 | – | – | 02 | | | | – | – | – |

| | संकाय | | | | | | गैर–तकनीकी/तकनीकी | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | प्रोफेसर | एसोसिएट प्रोफेसर | सहायक प्रोफेसर | अभ्यागत | अंशकालिक/अतिथि | कुल संकाय की संख्या | वर्ग ए | वर्ग बी | वर्ग सी | तकनीकी | आउटसोर्स | कुल शिक्षकेतर |
| **6. समाज विज्ञान स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | 01 | – | 03 | – | – | 04 | – | – | 01 | – | 01 | 02 |
| **समाज कार्य विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | 01 | 01 | 02 | – | – | 04 | – | – | 01 | – | 01 | 02 |
| **समाजशास्त्र एवं समाज नृविज्ञान विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | – | – | – | – | – | – | | | | – | – | – |
| **7. शिक्षा स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **अध्यापक शिक्षा विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 03 | 05 | 12 | – | – | 20 | | | | | | |
| तैनात | – | 01 | 04 | – | – | 05 | – | – | – | – | 02 | 02 |
| **8. व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **वित्त तथा लेखा विभाग/एचआरएम एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग/विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 03 | 06 | 12 | – | – | 21 | | | | | | |
| तैनात | 01 | 02 | 09 | – | – | 12 | – | – | – | – | 02 | 02 |
| **9. पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | 02 | 09 | | | | | | |
| तैनात | – | – | 04 | – | 02 | 06 | – | – | – | – | 01 | 01 |
| **10. ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल** | | | | | | | | | | | | |
| **दृश्य कला विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| **11. पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया** | | | | | | | | | | | | |
| **पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | – | 01 | 03 | – | – | 04 | – | – | – | – | 01 | 01 |
| **जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग** | | | | | | | | | | | | |
| स्वीकृत | 01 | 02 | 04 | – | – | 07 | | | | | | |
| तैनात | – | 01 | 02 | – | – | 03 | – | – | – | – | 02 | 02 |

# राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बद्धता और सहयोग

## उच्चस्तरीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न शिक्षा विषयों में अध्ययन कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं और विद्यार्थियों को सर्वोत्तम अवसर उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा उच्चस्तरीय उच्चतर शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों और सरकारी तथा राज्यस्तरीय निकायों/प्राधिकरणों/बोर्ड के साथ समझौता किया गया है।

## आईआईएम–अहमदाबाद के साथ समझौता ज्ञापन

व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हि.प्र.के.वि. ने आईआईएमए द्वारा विकसित केसों और तकनीकी नोट्स को ऐक्सेस एवं असीमित संख्या में डाउनलोड करने के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक करार हस्ताक्षरित किया है। आईआईएम–ए द्वारा केसों के विकास के साथ–साथ शिक्षणशास्त्र में केस अध्ययन तकनीकों के प्रयोग के लिए स्कूल के संकाय सदस्यों को आवश्यक प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता भी दी जाएगी।

## यूनिवर्सिटी ऑफ अप्लायड साइंसेस, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी के साथ समझौता ज्ञापन

यूनिवर्सिटी ऑफ अप्लायड साइंसेज, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी और हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ज्ञान आधारित उपक्रम, भावी प्रौद्योगिकी विकास के लिए पर्याप्त तकनीकी और प्रबंधन कौशल, नवान्वेषित एवं प्रभावी अनुसंधान हेतु सूचना विनिमय एवं कार्य, मानव संसाधन विकास तथा अनुसंधान एवं विकास हेतु अकादमिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए अकादमिक एवं अनुसंधान कार्यक्रमों, संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के विनिमय तथा प्रकाशन एवं अन्य सम्बद्ध क्षेत्रों में मिल–जुलकर काम करने के लिए एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है। समझौता ज्ञापन का कार्य क्षेत्र समाज कार्य, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी व यूरोपीय भाषाएं, भौतिक, जैविक विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान, शिक्षा आदि के नामोद्दिष्ट विषयों में अनुसंधान एवं अध्यापन में सहयोग करना है। यह समझौता ज्ञापन पाँच वर्षों तक लागू रहेगा जिसे परस्पर करार के माध्यम से आगे बढ़ाया जा सकता है।

## टीबीआरएल के साथ समझौता ज्ञापन

टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लैबरोट्रीज (टीबीआरएल), चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला द्वारा आपसी सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया जिससे कि परस्पर समझ, सूचनाओं एवं सुविधाओं तथा हिप्रकेवि के भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल और टीबीआरएल में उपलब्ध विशेषज्ञता के आदान–प्रदान से भारतीय उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान को सुदृढ़ किया जा सके। टीबीआरएल रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के रक्षा अनुसंधान विकास संगठन का एक अंग है। अनुसंधान एवं विकास तथा मानव संसाधन विकास की दृष्टि से यह रक्षा–शिक्षा जगत की भागदारी में एक प्रभावी कदम है। यह समझौता ज्ञापन पाँच वर्षों अर्थात् 2018 तक प्रभावी रहेगा जिसे परस्पर करार के साथ आगे भी बढ़ाया जा सकता है। समझौता ज्ञापन के अन्तर्गत, परस्पर हित वाले अनुसंधान कार्यक्रमों और सम्मेलनों को संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। इस करार से उभयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करना भी संभव हो पाएगा जो टीबीआरएल द्वारा चलाए जा रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों के लिए भी समान रूप से उपयोगी होगा। इस कदम से महत्वपूर्ण रक्षा क्षेत्रों में अग्रणी प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान करने के भी अवसर सृजित होंगे। टीबीआरएल की सुविधाएं पीजी, एम.फिल और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए अनुसंधान और परियोजना कार्यों के लिए भी उपलब्ध हो पाएंगी।

## आईएचबीटी, पालमपुर के साथ समझौता ज्ञापन

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय और हिमाचल जैव संपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर द्वारा उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए 2013 में एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया। दोनों संस्थानों ने

कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान, जैवसूचना विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और बायोलोजिकल विज्ञान के क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों को प्रारंभ करने का संकल्प लिया। इन सहयोगात्मक परियोजनाओं और शैक्षणिक विनिमय एवं संयुक्त अनुसंधान से जुड़े कार्यकलापों से हिप्रकेवि के विद्यार्थियों को भी लाभ पहुँचेगा।

## इनफ्लिबनेट के साथ समझौता ज्ञापन

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शोधार्थियों की सुविधा के लिए इनफ्लिबनेट के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया जिससे कि वे अपने शोध प्रबंधों को ''शोधगंगा : भारतीय इलेक्ट्रॉनिक शोध प्रबंधों एवं शोध–निबंधों का संग्रह स्थल'' पर जमा करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इससे विश्वविद्यालय को यूजीसी द्वारा शोध–प्रबंधों की बैकफाइलों के डिजिटाइजेशन के संबंध में विश्वविद्यालयों को प्रत्यक्ष रूप से अथवा इनफ्लिबनेट केन्द्रों के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले सभी संसाधनों तक अथवा शोध–प्रबंधों और शोध–निबंधों में साहित्यिक चोरी के निवारण के लिए सॉफ्टवेयर टूलों तक पहुँच प्राप्त होगा। इनफ्लिबनेट के साथ यह समझौता ज्ञापन शोधार्थियों को ''शोधगंगोत्री : प्रगत्याधीन भारतीय अनुसंधान का एक संग्रह स्थल'' में अपने सारसंग्रहों को भी जमा करने की सुविधा प्राप्त होगी। धीरे–धीरे इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और डिजरटेशन (डीटीडी) बहुत सामान्य हो जाएगा और इटीडी और आइआर जैसे इन प्रयासों के आधार पर अनुदान प्रदान करने वाली एजेंसियां और प्रत्यायन निकायों यथा एनएएसी (नैक) और एआईसीटीई नवप्रवर्तक विश्वविद्यालयों के संबंध में निर्णय ले पाएंगी।

## यूजीसी की फैकल्टी रिचार्ज स्कीम

यूजीसी ने अनुसंधान और शिक्षण की सहज योग्यता रखने वाले उच्च गुणवत्ता वाले संकाय उपलब्ध कराने के नवीन साधन के रूप में ''मूल विज्ञान अनुसंधान का सुदृढ़ीकरण'' की अपनी योजना के अन्तर्गत एमएचआरडी/यूजीसी अधिकृत समिति द्वारा समन्वित यूजीसी रिचार्ज कार्यक्रम प्रारंभ किया है। ये पद मूल विज्ञान यथा भौतिकी, गणित, रसायनशास्त्र, जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग एवं पृथ्वी विज्ञान में सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के स्तर पर होंगे। इस योजना को वर्तमान में संकायों की अत्यधिक कमी से गुजर रहे भारतीय विश्वविद्यालयों में नवीन प्रतिभा को लाने और संकाय संसाधनों को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत यूजीसी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 1000 संकायों को शामिल करने की योजना बनाई गई है जिससे कि संकाय संसाधनों का कायाकल्प हो सके। प्रारंभ में 'फैकल्टी रिचार्ज' पद पाँच वर्षों की अवधि के लिए होंगे। इसका लाभ उठाने के लिए हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा **मूल विज्ञान में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर स्तर** पर योग्य संकायों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए यूजीसी के साथ समझौता ज्ञापन किया गया है । यूजीसी ने 03 एफआरपी यूजीसी–सहायक प्रोफेसरों (भौतिकी में 02 और जीव विज्ञान में 01) को हिप्रकेवि में नियुक्त किया है । रिपोर्ट प्रस्तुत करने तक विश्वविद्यालय में तीन सहायक प्रोफेसरों में से एक सहायक प्रोफेसर ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है ।

## यूजीसी द्वारा हिप्रकेवि में जनजातीय अध्ययन चेयर की स्वीकृति

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के परिनियम 40 में समाज विज्ञान स्कूल के अंतर्गत ग्रामीण एवं जनजातीय अध्ययन केन्द्र की स्थापना का उपबंध किया गया है। यूजीसी ने जनजातीय अध्ययन चेयर की स्थापना को अनुमोदित कर दिया है। इस चेयर की स्थापना से इस महत्वपूर्ण अध्ययन क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं प्रकाशनों को प्रारंभ करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच व फोरम मिलेगा।

जनजातीय अध्ययन चेयर द्वारा डेटाबेस तैयार करने और विशेष नीतियों तथा कार्यक्रमों के अनुसंधान, मॉनीटरिंग और मूल्यांकन हेतु कार्यनीतियों को विकसित करने के लिए अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों में वैज्ञानिक तथा संपूर्ण सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए चेयर द्वारा क्षमता निर्माण तथा मानव संसाधन विकास तथा

फील्ड ऑउटरीच और एक्सटेंशन सेवाओं के जरिए कार्यात्मक अनुसंधान के लिए भी लोगों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

इस चेयर का मुख्य उद्देश्य जनजातीय संस्कृतियों एवं जनजातीय भाषाओं पर अनुसंधान प्रारंभ और साझा करना; जनजातीय अध्ययन के क्षेत्र में विचार–मंच के रूप में कार्य करना; विश्वविद्यालय/अंतर महाविद्यालय पीजी और अन्य विश्वविद्यालयों/स्वायत्त संस्थानों/अनुसंधान केन्द्रों/पीजी केन्द्रों को शामिल करते हुए अंतर शोध स्तरीय संवाद, चर्चा बैठकों, ग्रीष्मकालीन/शीतकालीन संस्थानों के लिए एक फोरम प्रदान करना; जनजातीय अध्ययन के प्रति केन्द्रित उच्चतर शिक्षा के अध्यापकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का डिजाइन तथा कार्यान्वयन; जनजातीय अध्ययन क्षेत्र में लोकनीति निर्माण में विश्वविद्यालयों/अकादमिक की भूमिका को सुदृढ़ करना; लघुकालीन पाठ्यक्रम संचालित करना; जनजातीय मुद्दों से जुड़े प्रकाशनों को प्रारंभ करना जिसमें जनजातीय अध्ययन पर जर्नल प्रारंभ करना, शामिल है, जिसमें जनजातीय भाषाओं के मौखिक साहित्य पर फोकस किया जाएगा। इससे शब्दकोश परियोजनाओं तथा बहुभाषायी शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करने वाले शैक्षिक प्रयत्नों में रुचि जागृत होगी; तथा जनजातीय अध्ययन के क्षेत्र में एक्सटेंशन और नेटवर्किंग–गतिविधियों में भी सहभागिता बढ़ेगा।

इस चेयर द्वारा अभिकल्पित कुछ अन्य ठोस योजनाएं हैं : भूमि, वन और उसके प्रबंधन पर जनजातीय अधिकारों से जुड़े जनजातीय विकास के उभरते मुद्दों की पहचान करना। शैक्षिक तथा स्वास्थ्य अवसंरचना विकास आदि; रोजगार और पोषणीय आजीविका के उपायों की पहचान और बढ़ावा; अनुसंधान विकासात्मक व परामर्शी जैसे कार्यकलापों के लिए अनुसंधान एवं शैक्षिक संस्थानों के साथ साझेदारी करना आदि।

इस चेयर की अध्यक्षता एक प्रोफेसर द्वारा की जाएगी जिसकी सहायता के लिए एक पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च एसोसिएट, 3 कनिष्ठ अध्येता और 2 तकनीकी सहायक होंगे। चेयर की स्थापना के व्यय के लिए यूजीसी द्वारा 25 लाख रुपए की राशि संस्वीकृत की गई है।

## केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड के साथ सहयोग

केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड के देशभर में कार्यकलाप के साथ कांगड़ा जिला में भी कतिपय कार्य–सुविधाएं हैं। बोर्ड पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय को अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है। हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय का केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड के साथ समझौता ज्ञापन प्रक्रियाधीन है।

## डेटाबेस एवं सॉफ्टवेयर्स के लिए लाइसेंस युक्त ऐक्सेस

व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि के लिए सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) प्रोवेस (PROWESS) और इंडस्ट्री आऊटलूक (INDUSTRY OUTLOOK) डेटाबेसों तक लाइसेंस युक्त ऐक्सेस प्राप्त है। विद्यार्थियों के विश्लेषनात्मक और अनुसंधान कौशलों को बढ़ाने के लिए एसपीएसएस (SPSS) और ई–व्यू (E-View) का लाइसेंसशुदा प्रयोग किया जा रहा है।

## कार्लस्टैड यूनिवर्सिटी, स्वीडेन के साथ समझौता ज्ञापन हेतु आशय–पत्र हस्ताक्षरित

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में अपना सर्वोच्च स्थान बनाने के लिए सभी संभव उपाय हेतु सदैव तत्पर रहता है । इसी दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए हिप्रकेवि और कार्लस्टैड यूनिवर्सिटी, स्वीडेन के मध्य निकट भविष्य में समझौता ज्ञापन हेतु आशय–पत्र हस्ताक्षरित किया गया है । इस आशय–पत्र को दोनों विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों की उपस्थिति में हिप्रकेवि के कुलपति प्रो. योगिन्द्र सिंह वर्मा और कार्लस्टैड यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. असा बर्जेनहाइम द्वारा हस्ताक्षरित किया गया । प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा, कुलपति, हिप्रकेवि ने कहा कि दोनों संस्थान शैक्षणिक दौरा, संयुक्त शिक्षण कार्यक्रमों, संयुक्त अनुसंधान कार्यकलापों और प्रकाशनों,

सेमिनारों और शैक्षणिक बैठकों, अकादमिक सामग्री और अन्य सूचना विनिमय तथा विद्यार्थियों के विनिमय के माध्यम से सुदृढ़ शैक्षणिक वातावरण निर्माण की दिशा में कार्य करेंगे ।

प्रो. वर्मा और प्रो. बर्जेनहाइम ने इस पर बल दिया कि दोनों संस्थान स्वीकृत विशिष्ट कार्यकलापों को बढ़ाने एवं समन्वय हेतु संपर्क अधिकारी पदनामित करेंगे। प्रो. वर्मा ने यह भी कहा कि समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करने के लिए यह आशय–पत्र दोनों देशों के प्राधिकृत प्राधिकरणों से अनुमोदन मिलने के बाद समझौता ज्ञापन में परिणत हो जाएगा ।

प्रस्तावित समझौता ज्ञापन पांच वर्षों की अवधि तक प्रभावी रहेगा और दोनों में से कोई भी बारह महीने पूर्व अग्रिम सूचना देकर अथवा इससे पूर्व परस्पर स्वीकृति के अनुसार करार समाप्त कर सकता है ।

## ला सापिएंजा यूनिवर्सिटी, इटली के साथ समझौता ज्ञापन हेतु आशय–पत्र हस्ताक्षरित

हिप्रकेवि और ला सापिएंजा यूनिवर्सिटी ऑफ रोम, इटली द्वारा निकट भविष्य में समझौता ज्ञापन हेतु एक आशय–पत्र हस्ताक्षरित किया गया है । यह आशय–पत्र हिप्रकेवि के कुलपति प्रो. योगिन्द्र सिंह वर्मा और प्रो. इवजेनियों गॉडियो, रेक्टर, सापिएंजा यूनिवर्सिटी ऑफ रोम द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है । समझौता ज्ञापन करने की प्रक्रिया प्रो. टिटो मार्सी, सापिएंजा द्वारा हिप्रकेवि में 20 फरवरी 2015 को उनकी यात्रा के दौरान दोनों विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई थी । पांच वर्षों के लिए इस प्रस्तावित समझौता ज्ञापन में शैक्षणिक दौरा, संयुक्त शिक्षण कार्यक्रमों, संयुक्त अनुसंधान कार्यकलाप और प्रकाशन, सेमिनारों और शैक्षणिक बैठकों में भागीदारी, शैक्षणिक सामग्री और अन्य सूचना, विद्यार्थियों के आदान–प्रदान आदि क्षेत्र में परस्पर सहयोग शामिल हैं।

# पुस्तकालय एवं सूचना संसाधन

विश्वविद्यालय के अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर में एक कार्यशील केन्द्रीय पुस्तकालय स्थित है जिसे विश्वविद्यालय द्वारा पढ़ाए जा रहे विषयों से जुड़ी पर्याप्त संख्या में पुस्तकों, जर्नलों और संदर्भ सामग्री से विकसित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ई–संसाधनों के लिंक पहले ही उपलब्ध कराए गए हैं। ई–लर्निंग संसाधन उपलब्ध कराने के लिए इसे और विकसित किया जा रहा है। पुस्तकालय के पास ऑनलाइन जर्नलों को पढ़ने के लिए इनफ्लिबनेट सुविधा उपलब्ध है। सामान्य संदर्भ सामग्री के अतिरिक्त पुस्तकालय के पास मुख्यतः कंप्यूटेशनल बायोलॉजी, अर्थशास्त्र, शिक्षा, अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य, पर्यावरण अध्ययन एवं जैविक विज्ञान, हिंदी भाषा एवं साहित्य, सूचना प्रौद्योगिकी, पत्रकारिता एवं नव मीडिया, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, प्रबंधन विज्ञान, गणित, भौतिकी एवं पदार्थ विज्ञान, मनोविज्ञान, समाज कार्य एवं समाजशास्त्र, यात्रा एवं पर्यटन प्रबंधन से जुड़ी पुस्तकें हैं। वर्ष 2010 में स्थापना के बाद समय के बीतने के साथ विश्वविद्यालय पुस्तकालय द्वारा पुस्तकों के संग्रहण, जर्नलों और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के अभिदान को तेजी से बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में पुस्तकालय में 18,010 पुस्तकें (17,350 पुस्तकें, 07 धारावाहिक प्रकाशन, 653 दान में प्राप्त) हैं।

**सदस्यता :** पुस्तकालय की सदस्यता विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ को उपलब्ध है। अन्य को परिचय पत्र प्रस्तुत करने पर परामर्श सुविधा दी जाती है। पुस्तकालय सभी कार्यदिवसों पर पूर्वाह्न 09:00 से अपराह्न 05:30 बजे तक खुला रहता है।

**अद्यतन संसाधन :**

1. पुस्तक : 17,350 (1557 हिंदी पुस्तकों और 165 द्विभाषी शब्दकोश सहित)
2. धारावाहिक प्रकाशन : 07
3. दान में प्राप्त : 653 (68 हिंदी पुस्तकों सहित)
4. गोडरेज स्टीक बुक्स रैक्स : डबल फेस्ड : 11+2, प्रत्येक में जोड़ने योग्य और सिंगल फेस्ड : 4+1 प्रत्येक में जोड़ने योग्य
5. गोडरेज पिरियोडिकल डिस्प्ले रैक्स : 6
6. बुक केस : 33

वर्ष के दौरान (01–04–2014 से 31–03–2015) 4300 (346 हिंदी पुस्तकों सहित) पुस्तकों की खरीद की गई और पहले की 13,050 पुस्तकों को मिलाकर इसकी संख्या अब 17,350 हो गई। इसमें धारावाहिक प्रकाशन और दान में प्राप्त पुस्तकें शामिल नहीं हैं। 31.03.2015 तक विश्वविद्यालय को विद्वानों से 653 उच्चस्तरीय पुस्तक (68 हिंदी पुस्तकों सहित) प्राप्त हुई हैं। 5 अथवा अधिक पुस्तकों का दान करने वाले व्यक्ति/कार्यालय का विवरण इस प्रकार है :

| नाम | दान में प्राप्त पुस्तकों की संख्या |
|---|---|
| संस्थापक कुलपति, हि.प्र.के.वि कार्यालय | 13 |
| डॉ. ओम अवस्थी (पूर्व प्रोफेसर, जीएनडीयू, अमृतसर) | 50 (थीसिस–हिंदी) |
| श्री अविनाश राणा, हि.प्र.के.वि. विद्यार्थी | 05 |

सभी पुस्तकों को डेवी डेसिमल वर्गीकरण योजना (22 वां संस्करण) के अनुसार वर्गीकृत और व्यवस्थित किया गया है और पुस्तकालय के ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग को सोल वर्सन–2 लाइब्रेरी सॉफ्वेयर पैकेज के माध्यम से तैयार किया जा रहा है। सोल सॉफ्टवेयर में की गई कुल प्रविष्टि 15,648 है और आगे भी कार्य जारी है। प्रत्येक दिन लगभग 90–100 पुस्तकें परिचालित की जाती हैं, जिससे पुस्तकालय के सक्रिय उपयोग का एक अंदाजा लगाया जा सकता है। पुस्तकालय द्वारा बहुत ही शांत स्थान में अपना रीडिंग हॉल विकसित किया गया है, जिसमें पढ़ने के लिए गोडरेज रिफ्लेक्स लाइब्रेरी रीडिंग टेबल्स और बढ़िया किस्म की कुर्सियों के साथ आरामदायक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यह स्थान विद्यार्थियों और अनुसंधानवेत्ताओं से हमेशा भरा होता है, जो स्व–अध्ययन और कक्षा के दत्तकार्यों एवं अनुसंधान कार्यों को पूरा करने के लिए यहां बैठते हैं। सर्कूलेशन सेवाओं के अलावा, पुस्तकालय द्वारा संदर्भ सहायता भी दी जाती है।

**वर्ष के दौरान पुस्तकों के उपयोग के संदर्भ में विवरण इस प्रकार है :**

| माह (अप्रैल 2014–मार्च 2015) | सर्कुलेट की गई पुस्तकें | | | कुल सर्कुलेशन | कुल अभ्यागत |
|---|---|---|---|---|---|
| | जारी | वापस की गईं | परामर्श की गईं | | |
| अप्रैल 2014 | 951 | 894 | 719 | 2564 | 1294 |
| मई | 836 | 950 | 819 | 2605 | 1376 |
| जून | 89 | 48 | 31 | 168 | 124 |
| जुलाई | 109 | 15 | 14 | 138 | 127 |
| अगस्त | 954 | 205 | 94 | 1253 | 1709 |
| सितम्बर | 1699 | 771 | 877 | 3347 | 2742 |
| अक्टूबर | 750 | 424 | 358 | 1532 | 1110 |
| नवंबर | 1263 | 893 | 779 | 2935 | 1868 |
| दिसंबर | 466 | 401 | 330 | 1197 | 799 |
| जनवरी 2015 | 861 | 533 | 483 | 1877 | 1179 |
| फरवरी | 1385 | 989 | 893 | 3267 | 2163 |
| मार्च | 1125 | 594 | 752 | 2471 | 1462 |
| **कुल** | **10488** | **6717** | **6149** | **23354** | **15953** |

**ई–संसाधन :** विश्वविद्यालय द्वारा इलेक्ट्रॉनिक जर्नल और डेटाबेस की **यूजीसी–इंफोनेट कंसोर्टियम** के अंतर्गत इनफ्लिबनेट, अहमदाबाद द्वारा उपलब्ध कराई गई चयनित ई–जर्नलों, ई–पुस्तक और डेटाबेस तक ऑनलाइन पहुँच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यूजीसी–इंफोनेट कंसोर्टियम के अंतर्गत निम्नलिखित संसाधन उपलब्ध हैं :

| क्रम सं. | संसाधन का नाम | संसाधन यूआरएल | जर्नलों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी | http://publish.aps.org/browse.php | 10 |
| 2. | कैंब्रिज यूनीवर्सिटी प्रेस | http://journals.cambridge.org/ | 224 |
| 3. | इकोनॉमिक एण्ड पॉलीटिकल वीकली | http://epw.in/ | 1 |
| 4. | एमराल्ड | http://www.emeraldinsight.com/ | 29 |
| 5. | आईएसआईडी | http://isid.org.in/ | डेटाबेस |
| 6. | जेसीसीसी | http://www.jccc-ugcinfonet.in/ | डेटाबेस |
| 7. | जेएसटीओआर | http://www.jstor.org/ | 2000+ |
| 8. | ऑक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी प्रेस | http://www.oxfordjournals.org | 198 |
| 9. | प्रोजेक्ट मूस | http://muse.jhu.edu/journals | 500+ |
| 10. | स्प्रिंगर लिंक | http://link.springer.com/ | 1389+ |
| 11. | टेलर एण्ड फ्रांसिस | http://www.tandfonline.com/ | 1079 |
| 12. | वीकली ब्लैकवेल | http://onlinelibrary.wiley.com/ | 908 |
| 13. | जे–गेट | http://jgateplus.com/search/ | |

इसके इलावा, डेलनेट डेटाबेस भी उपलब्ध कराया गया है, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित **डेलनेट डिजिटल लाइब्रेरी संसाधन** उपलब्ध हैं :

| **क्रम सं.** | **खंड/संसाधन** |
|---|---|
| **किताबें** | |
| 1. | यूनियन कैटलॉट ऑफ बुक्स |
| 2. | ई–बुक्स |
| 3. | ई–बुक्स : अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी |
| 4. | चिकित्सा पुस्तकों के मूल ग्रंथ |
| **जर्नल** | |
| 5. | यूनियन लिस्ट ऑफ जर्नल |
| 6. | यूनियन कैटलॉग ऑफ जर्नल (होल्डिंग सहित) |
| 7. | लेखों का डेटाबेस |
| 8. | ओपन एक्सेस जर्नल |
| 9. | चिकित्सा जर्नलों के पाठ्य भाग |
| **मल्टीमीडिया डेटाबेस** | |
| 10. | यूनियन लिस्ट ऑफ सीडी रोम |
| 11. | यूनियन लिस्ट ऑफ वीडियो रिकॉर्डिंग |
| 12. | यूनियन लिस्ट ऑफ साउण्ड–रिकार्डिंग |
| **ई–जर्नल** | |
| 13. | दंत चिकित्सा ई–जर्नल |
| 14. | शिक्षा ई–जर्नल |
| 15. | अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी ई–जर्नल |
| 16. | प्रबंधन ई–जर्नल |
| 17. | फार्मेसी ई–जर्नल |
| 18. | अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी ई–जर्नल : टीओसी |
| **शोध–प्रबंध/शोध–निबंध** | |
| 19. | शोध–प्रबंध और शोध–निबंध डेटाबेस |
| 20. | शोध–प्रबंधों और शोध–निबंधों की नेटवर्क्ड डिजिटल लाइब्रेरी |
| 21. | पुस्तकालय सूचना विज्ञान के प्रोफेशनलों के लिए अधिगम संसाधन |
| 22. | विश्व के डिजिटल पुस्तकालय |

विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए **अन्य ऑनलाइन डेटाबेस** हैं :

| **क्रम सं.** | **ऑनलाइन डेटाबेस** |
|---|---|
| 1. | मेडलाइन और एनएलएम के अन्य डेटाबेस |
| 2. | संयुक्त राज्य अमेरिका पेटेंट्स : मूल ग्रंथ |
| 3. | कैम्ब्रिज शब्दकोश–ऑनलाइन |
| 4. | ओडीएलआईएस : पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के लिए ऑनलाइन शब्दकोश |

**मंगाए जा रहे है प्रिंट जर्नल और ऑनलाइन एक्सेस किए जाने वाले कुछ जर्नलों की सूची और यूआरएल निम्नलिखित है :**

| **क्रम सं.** | **शीर्षक** | **यूआरएल** |
|---|---|---|
| **संचार और मीडिया अध्ययन** | | |
| 1. | कनवर्जेंस | http://con.sagepub.com |
| 2. | यूरोपीय जर्नल ऑफ कम्यूनिकेशन | http://ejc.sagepub.com |
| 3. | इंटरनेशनल कम्यूनिकेशन गज़ट | http://gaz.sagepub.com |
| 4. | इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस | |
| 5. | जर्नल ऑफ क्रिएटिव कम्यूनिकेशन | http://crc.sagepub.com |
| 6. | जर्नल ऑफ बिजुअल कल्चर | |

| | | |
|---|---|---|
| 7. | न्यू मीडिया (पैकेज) एवं सोसाइटी | http://nms.sagepub.com |
| 8. | पब्लिक रिलेशंस इन्क्वाएरी | http://pri.sagepub.com |
| **अर्थशास्त्र** | | |
| 9. | इकोनोमिक डेवलपमेंट एंड कल्चरल चेंज | |
| 10. | इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनोमिक्स | |
| 11. | जर्नल ऑफ एग्रेरियन चेंज | |
| 12. | जर्नल ऑफ इंटरनेशनल डेवलपमेंट | |
| 13. | जर्नल ऑफ इंटरनेशनल इकोनोमिक्स | |
| 14. | जर्नल ऑफ मनी क्रेडिट एंड बैंकिंग | |
| 15. | जर्नल ऑफ साउथ एशियन डेवलपमेंट | http://sad.sagepub.com |
| 16. | ऑक्सफोर्ड बुलेटिन ऑफ इकोनोमिक्स एंड स्टैटिसटिक्स | |
| 17. | टेक्सटाइल ऑउटलुक इंटरनेशनल | |
| 18. | इ इकोनॉमिस्ट | |
| **शिक्षा** | | |
| 19. | कॉन्सट्रक्टिविस्ट फॉउण्डेशन्स | |
| 20. | इमैजिन | |
| 21. | रिव्यू ऑफ एजुकेशनल रिसर्च | http://rer.sagepub.com |
| 22. | सोशियोलॉजी ऑफ एजुकेशन | |
| 23. | द जर्नल ऑफ हायर एजुकेशन | |
| **अंग्रेजी** | | |
| 24. | वर्ल्ड लिटरेचर टुडे | |
| 25. | द जर्नल ऑफ द स्कूल ऑफ लैंग्वेज लिटरेचर एंड कल्चरल स्टडीज | |
| 26. | जर्नल ऑफ कॉन्टेमपोरेरी थॉट | |
| 27. | समरहिल : आईआईएएस रिव्यू | |
| 28. | स्टडीज इन ह्यूमानिटिज एंड सोशल साइंसेज | |
| 29. | रिसर्च एंड क्रिटिशिज्म | |
| 30. | डॉयलॉग | |
| 31. | बिबिल्यो | |
| 32. | कॉन्टेमपोरेरी रिव्यू | |
| 33. | टाइम्स लिटरेरी सप्लीमेंट | |
| 34. | इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रांशलेशन | |
| 35. | लिटेरारिया : एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ न्यू लिटरेचर | |
| 36. | द लिटरेरी क्राइटेरिया | |
| 37. | द क्वेस्ट | |
| 38. | इंडियन स्कूल ऑफ जेंडर स्टडीज | |
| 39. | इंडियन लिटरेचर | |
| 40. | डॉयलॉग : एन इंटरडिसिप्लीनरी जर्नल | |

| | | |
|---|---|---|
| 41. | न्यूयार्क रिव्यू ऑफ बुक्स | |
| 42. | इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च | |
| 43. | द टाइम्स लिटरेरी सप्लीमेंट | |
| **पर्यावरण तथा विकास अध्ययन** | | |
| 44. | डॉउन टू अर्थ | |
| 45. | जर्नल ऑफ इंडियन जियोलॉजिकल काँग्रेस | |
| 46. | सॉयल साइंस | |
| **सामान्य** | | |
| 47. | ब्यूरोक्रेसी टुडे | |
| 48. | करेंट साइंस | |
| 49. | फिक्की बिजनेस डाइजेस्ट | |
| 50. | राइट टू इंफार्मेशन रिपोर्टर | |
| 51. | यूनिवर्सिटी न्यूज | |
| **पत्रकारिता** | | |
| 52. | इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऐडवर्टाइजिंग | |
| 53. | जर्नलिज्म | http://jou.sagepub.com |
| 54. | जर्नलिज्म एंड कम्यूनिकेशन मोनोग्राफ्स | http://jmo.sagepub.com |
| 55. | जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन क्वार्टरली | http://jmq.sagepub.com |
| **लइब्रेरी** | | |
| 56. | आईएएसएलआईसी बुलेटिन | |
| 57. | आईएफएलए जर्नल | http://ifl.sagepub.com |
| 58. | लाइब्रेरी एंड इनफॉरमेशन साइंस रिसर्च | |
| 59. | लाइब्रेरी ट्रेंडस | |
| 60. | लिब्री : इंटरनेशनल जर्नल | |
| 61. | एलआईएसए (लाइब्रेरी एंड इंफॉरमेशन साइ ऐब्सट्रैक्ट) | |
| 62. | मैनेजिंग इंफॉरमेशन | |
| **मैनेजमेंट बिजनेस एंड ऑग्रेनाइजेशन स्टडीज** | | |
| 63. | एशियन जर्नल ऑफ केसेस | http://ajc.sagepub.com |
| 64. | ग्लोबल बिजनेस रिव्यू | http://gbr.sagepub.com |
| 65. | इंडियन जर्नल ऑफ इकोनोमिक्स एंड रिसर्च | |
| 66. | इंडियन जर्नल ऑफ फाइनांस : प्रबंधन | |
| 67. | इंडियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट : अर्थशास्त्र | |
| 68. | इंडियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग | http://ccm.sagepub.com |
| 69. | इंडियन जर्नल ऑफ क्रॉस कल्चरल मैनेजमेंट | |
| 70. | इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फोरकास्टिंग | |
| 71. | जर्नल ऑफ अन्ट्रेप्रेन्यूरशिप | http://joe.sagepub.com |
| 72. | जर्नल ऑफ ह्यूमन वैल्यूज | http://jhv.sagepub.com |
| **समाज कार्य** | | |
| 73. | इंटरनेशनल सोशल वर्क | http://isw.sagepub.com |

| | | |
|---|---|---|
| 74. | जर्नल ऑफ सोशन वर्क | http://jsw.sagepub.com |
| 75. | नॉन प्रौफिट एंड वॉलनटरी सेक्टर क्वार्टरली | |
| 76. | रिसर्च ऑफ सोशल वर्क प्रैक्टिश | http://rsw.sagepub.com |
| **समाजशास्त्र** | | |
| 77. | कॉन्ट्रीब्यूशन टू इंडियन सोशियोलॉजी | http://cis.sagepub.com |

## अभिदान के लिए अनुमोदित हिंदी जर्नलों की सूची, जनवरी 2014 से

1. आलोचना
2. आजकल
3. आधारशिला
4. आदिवासी सत्ता
5. वर्तमान साहित्य
6. वाग्प्रवाह
7. वागार्थ
8. विपासा
9. बयान
10. बया
11. दलित साहित्य
12. गवेषना
13. हंस
14. हिमप्रस्थ
15. जनपथ
16. कथा
17. कथादेश
18. कथाक्रम
19. कथासमय
20. कादंबिनी
21. लोक चेतना वार्ता
22. लमही
23. नये पाठक
24. नया ज्ञानोदय
25. पाखी
26. पहल
27. परख
28. परस्पर
29. समकालीन भारतीय साहित्य
30. समकालीन जनमत
31. समयांतर
32. सोच विचार
33. तद्भव
34. योजना
35. युद्धरत आम आदमी

**समाचार पत्र :** पुस्तकालय द्वारा मंगाए जा रहे समाचार पत्रों की सूची :

1. अमर उजला
2. बिजनेस स्टैण्डर्ड
3. दैनिक जागरण
4. दिव्य हिमाचल
5. द इकोनॉमिक्स टाइम्स
6. द हिंदुस्तान टाइम्स
7. द इंडियन एक्सप्रेस
8. टाइम्स ऑफ इंडिया
9. द ट्रिब्यून

**एंटी–प्लैग्यिरिज्म सॉफ्टवेयर** : विश्वविद्यालय पुस्तकालय द्वारा इनफ्लिबनेट के माध्यम से उरकूंड (URKUND) ऐंटी–प्लैग्यिरिज्म सॉफ्टवेयर प्राप्त किया गया है, जो शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए उपलब्ध है ।

**इजीप्रॉक्सी** : पुस्तकालय द्वारा इजीप्रॉक्सी सॉफ्टवेयर संस्थापित की गई है जिससे कि पुस्तकालय के पास उपलब्ध ई–रिसोर्सेस तक कभी भी और कहीं भी पहुँच प्राप्त हो सके ।

# विद्यार्थियों के लिए सहायक सुविधाएं

## परिवहन सुविधाएं

विश्वविद्यालय द्वारा नाममात्र खर्च लेकर विद्यार्थियों को धर्मशाला और कांगड़ा से अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर लाने एवं वापस छोड़ने के लिए परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। विश्वविद्यालय के छात्रावासों में निवास करने वाले विद्यार्थियों को भी छात्रावास से अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर आने–जाने के लिए परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

## स्वास्थ्य देखभाल की सुविधाएं

विद्यार्थियों, संकायों और कर्मियों को मौलिक और आपातकालीन स्वास्थ्य संबंधी देखभाल के लिए चिकित्सा सुविधाएं सरकारी चिकित्सालय महाविद्यालय और सरकारी अस्पताल के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही हैं। विश्वविद्यालय द्वारा टैब कैंपस, शाहपुर स्थित विद्यार्थियों की सामन्य चिकित्सा जाँच के लिए सप्ताह में तीन दिन एकांतर दिवसों पर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, टांडा से एक डॉक्टर की व्यवस्था की गई है।

## आवास की व्यवस्था

**पुरुष छात्रावास :** विश्वविद्यालय द्वारा लड़कों के छात्रावास के लिए कांगड़ा में एक सुसज्जित भवन को भाड़े पर लिया गया है। यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त है और इसमें 110 विद्यार्थियों के आवास की क्षमता मौजूद है। यह भवन सुंदर एवं शांत वातावरण में स्थित है, जो गंभीर अध्ययन और अनुसंधान कार्यकलाप के लिए उपयुक्त है। यह छात्रावास 7 जनवरी, 2012 से कार्यशील हो गया। इंडोर और आउटडोर दोनों प्रकारों के खेलों यथा टेबल टेनिस, बैडमिंटन और वॉलीबाल के लिए सुविधाएं और पूर्ण उपकरणों से युक्त एक जिमनेजियम को उपलब्ध कराया गया है। इस छात्रावास में इंटरनेट की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थियों द्वारा सहकारिता आधार पर छात्रावास का भोजनालय चलाया जा रहा है, जहाँ अपनी पसंद के भोजन तैयार करवाने की स्वतंत्रता है। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रावास से अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर आने–जाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई हैं। छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को छात्रावास के नियमों का पालन करना आवश्यक है।

**महिला छात्रावास :** विश्वविद्यालय द्वारा धर्मशाला के मुख्य स्थान पर विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास के लिए भाड़े पर एक उपयुक्त भवन लिया गया है। इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय के लगभग 45 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रावास से अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर आने–जाने के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

**खेलकूद की सुविधाएं :** हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्पोर्स क्लब का आधिकारिक उद्घाटन 2 नवंबर, 2012 को माननीय कुलपति द्वारा किया गया। इस स्पोर्स क्लब में इंडोर और आउटडोर दोनों प्रकार के खेलों की सुविधाएं हैं जिसमें बैडमिंटन, वॉलीबाल, टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम शामिल हैं।

# करियर परामर्श, मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट कार्यकलाप

## ❖ विश्वविद्यालय स्तर पर

### प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ

कॉर्पोरेट संबंध और प्लेसमेंट के महत्व को देखते हुए परिसर में चल रहे भर्ती संबंधी कार्यकलापों और गतिविधियों के सम्पूर्ण पर्यवेक्षण और तत्संबंधी दिशानिर्देश के लिए व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल द्वारा प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। इस प्रकोष्ठ द्वारा संपूर्ण भारत की कंपनियों/संगठनों द्वारा संभावित नियोक्ताओं के साथ उनके पास जाकर/उनसे संपर्क के माध्यम से मजबूत संबंध विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकोष्ठ द्वारा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल में उपलब्ध प्रतिभाओं के बारे में संभावित नियोक्ताओं को अवगत कराया जाता है। इस प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न कार्यकलाप यथा औद्योगिक भ्रमण, अतिथि व्याख्यान, छद्म साक्षात्कार, उद्योग–शिक्षा जगत अंतर्संबंध, प्लेसमेंट पूर्व बातचीत, कार्यशालाएं इत्यादि आयोजित किए जाते हैं जो उद्योग जगत के साथ–साथ विद्यार्थियों को भी एक–दूसरे को समझने–बूझने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही साथ, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा व्यक्तित्व विकास, व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से कौशल विकास, अन्तर–वैयक्तिक कौशल और टीम निर्माण, नेतृत्व विकास और करियर परामर्श पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है जिससे विश्वस्तरीय प्रबंधक बनने के लिए विद्यार्थीगण बहुमुखी कौशल और योग्यता की क्षमता अर्जित कर सकें।

## ❖ स्कूल/ विभाग स्तर पर

### पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

**पर्यावरण विज्ञान विभाग**

1. दो दिवसीय ग्लोबल पोजिसनिंग सिस्टम पर प्रशिक्षण, 16–17 अप्रैल, 2014
2. पर्यावरण विज्ञान प्रयोगशाला में स्नात्तकोतर IV समेस्टेर के विद्यार्थियों और शोधार्थियों को फ्लेम फोटोमेट्री पर प्रशिक्षण, 11 अप्रेल 2014

### व्यवसाय एवं प्रबंध अध्ययन स्कूल

**प्रशिक्षण/प्लेसमेंट**

**(क) ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण**

एमबीए के विद्यार्थियों को पाठ्यचर्या के भाग के रूप में विभिन्न कंपनियों में आठ सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यकम प्राप्त करना अपेक्षित है । एमबीए कार्यक्रम के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण की अनुपम विशेषता है – उद्योग और संकाय पर्यवेक्षक द्वारा सतत् मॉनीटरिंग । प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को निर्धारित मापदंडों यथा अधिगम एवं लक्ष्य, आगत समस्याएं और मुद्दे, उपलब्धि आदि के आधार पर साप्ताहिक रिपोर्ट जमा करानी होती है । इस प्रकार, विद्यार्थी सीधे तौर पर मेंटर और उद्योग सुपरवाइजर के पर्यवेक्षण में कार्य करते हैं, जिससे उन्हें उद्योग और शिक्षण दोनों का मिश्रित अनुभव प्राप्त होता है । जून 2014 से अगस्त 2014 के दौरान एमबीए के विद्यार्थियों ने ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण प्राप्त किया और कंपनियों का विद्यार्थीवार विवरण नीचे प्रस्तुत है :

**निवर्तमान एमबीए बैच (2013–15) के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण का संक्षिप्त विवरण**

| क्रम सं. | रोल न. | अभ्यर्थी का नाम | कंपनी का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | CUHP13MBA01 | अभिषेक कुमार | पारसराम इंवेस्टमेंट, धर्मशाला |
| 2. | CUHP13MBA02 | अचिन वर्मा | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, कांगड़ा |
| 3. | CUHP13MBA03 | अखिलेश धीमान | यूको बैंक, धर्मशाला |
| 4. | CUHP13MBA04 | अक्षिता राना | बजाज अलियांज लाइफ, धर्मशाला |
| 5. | CUHP13MBA05 | अंकुश शर्मा | पालमपुर मारंडा, पालमपुर |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6. | CUHP13MBA06 | अमनदीप | माइक्रो टर्नर्स, नालागढ़, सोलन |
| 7. | CUHP13MBA07 | आंचल कुमारी | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, कांगड़ा |
| 8. | CUHP13MBA08 | अनिल कपूर | यूको बैंक, चंडीगढ़ |
| 9. | CUHP13MBA09 | अनीता कुमारी | यूको बैंक, चंडीगढ़ |
| 10. | CUHP13MBA10 | अंकिता ठाकुर | डीएस ड्रिंकिंग एवं बेवरेजेज प्रा.लि., रायसन, कुल्लू, हि. प्र. |
| 11. | CUHP13MBA12 | अनूप कौशल | एक्सिस बैंक, शिमला |
| 12. | CUHP13MBA14 | अंशुल पठानिया | सलूजा फोर्ड, शिमला |
| 13. | CUHP13MBA15 | अप्रिया कौशल | बजाज अलियांज लाइफ इंश्योरेंश, कं., लिमिटेड |
| 14. | CUHP13MBA16 | आरती देवी | श्री बालाजी मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स, मोहाली |
| 15. | CUHP13MBA17 | आशुतोष कुमार दुबे | बायोस्टैड इंडिया लिमिटेड, दिल्ली |
| 16. | CUHP13MBA18 | अतुल | संगम आटो सेल्स, पालमपुर |
| 17. | CUHP13MBA19 | बबिता कुमारी | यूको बैंक, चंडीगढ़ |
| 18. | CUHP13MBA20 | देविंदर कुमार | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, रजीआना |
| 19. | CUHP13MBA21 | धनजी विलास केरे | 3एचडी मीडिया |
| 20. | CUHP13MBA22 | धीरज कुमार | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, बैजनाथ |
| 21. | CUHP13MBA23 | दिशा ठाकुर | मेरीसन गुड़गांव |
| 22. | CUHP13MBA24 | एकता | श्री बालाजी मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स, मोहाली |
| 23. | CUHP13MBA25 | एकता बहल | एसजेवीएन लिमिटेड, शिमला |
| 24. | CUHP13MBA26 | गरिमा लोहुमी | एसजेवीएन लिमिटेड, शिमला |
| 25. | CUHP13MBA27 | गौरव धीमान | एचडीएफसी, कुल्लू |
| 26. | CUHP13MBA28 | गीतांजलि रॉय | अंबुजा सीमेंट्स, गुड़गांव |
| 27. | CUHP13MBA29 | हरीश वासुदेव | बेव बेवरेजेज प्रा. लिमिटेड |
| 28. | CUHP13MBA30 | हर्ष पवार | मिल्क फूड लिमिटेड, पटियाला |
| 29. | CUHP13MBA31 | ज्योति | यूको बैंक, धर्मशाला |
| 30. | CUHP13MBA33 | कनिका शर्मा | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, कांगड़ा |
| 31. | CUHP13MBA34 | कपिल | हिमाचल ऑटोमोबाइल प्रा.लि., कचहरी, कांगड़ा |
| 32. | CUHP13MBA35 | कपीश कुमार | एनएचपीसी, शिमला |
| 33. | CUHP13MBA36 | करिश्मा | श्री बालाजी मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स, मोहाली |
| 34. | CUHP13MBA37 | कृतिका ठाकुर | विप्रो, हरिद्वार, उत्तराखण्ड |
| 35. | CUHP13MBA38 | ललिता शर्मा | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, कांगड़ा |
| 36. | CUHP13MBA39 | मनदीप भाटिया | वर्धमान यार्न्स एंड थ्रेडर्स लिमिटेड, लुधियाना |
| 37. | CUHP13MBA40 | मनीष कुमार | वर्धमान यार्न्स एंड थ्रेडर्स लिमिटेड, लुधियाना |
| 38. | CUHP13MBA41 | मीनाक्षी शर्मा | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, रैत |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 39. | CUHP13MBA42 | महक | एम्क्योर फार्मास्यूटिकल लिमिटेड, जम्मू |
| 40. | CUHP13MBA43 | महक शर्मा | वर्धमान यार्न्स एंड थ्रेडर्स लिमिटेड, लुधियाना |
| 41. | CUHP13MBA44 | मोहम्मद अतहर | आरको वन, दिल्ली |
| 42. | CUHP13MBA45 | मोहम्मद सलमान | लिंक लॉक्स, अलीगढ़ |
| 43. | CUHP13MBA46 | मोहम्मद आतिफ गेसावत | एचएमटी, अजमेर |
| 44. | CUHP13MBA47 | मुनीश सेन | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, कांगड़ा |
| 45. | CUHP13MBA48 | नंदिनी वालिया | एसबीआई म्यूचुअल फंड चंडीगढ़ |
| 46. | CUHP13MBA49 | नेहा | ट्रस्टलाइन सिक्योरिटीज प्रा.लि. |
| 47. | CUHP13MBA50 | नीशल चौधरी | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, धर्मशाला |
| 48. | CUHP13MBA51 | पल्लवी गुप्ता | देविका अर्बन कॉर्पोरेशन बैंक, लिमिटेड |
| 49. | CUHP13MBA52 | पवन कुमार | एनएचपीसी, शिमला |
| 50. | CUHP13MBA53 | पीयुष शर्मा | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, कांगड़ा |
| 51. | CUHP13MBA54 | पूनम देवी | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, कांगड़ा |
| 52. | CUHP13MBA55 | पूनम गुलेरिया | ट्रस्टलाइन सिक्योरिटीज प्रा.लि. चंडीगढ़ |
| 53. | CUHP13MBA55 | प्रवीर | शेवरलेट, कांगड़ा |
| 54. | CUHP13MBA57 | प्रीती | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, कांगड़ा |
| 55. | CUHP13MBA58 | प्रिया गुलेरिया | ट्रस्टलाइन सिक्योरिटीज प्रा.लि. चंडीगढ़ |
| 56. | CUHP13MBA59 | राहुल कुमार | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, ज्वाली |
| 57. | CUHP13MBA60 | राजेश कुमार | शेवरलेट, कांगड़ा |
| 58. | CUHP13MBA61 | रजनीश जमवाल | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, नूरपुर |
| 59. | CUHP13MBA62 | राकेश कुमार | संगम ऑटोसेल्स, पालमपुर |
| 60. | CUHP13MBA63 | रिंकी देवी | एसबीआई म्यूचुअल फंड, धर्मशाला |
| 61. | CUHP13MBA64 | रिशु | ईओएस एडु वेंचर्स, चंडीगढ़ |
| 62. | CUHP13MBA65 | रितिका टिक्को | बिरला सन लाइफ ऐसेट मैनेजमेंट, जम्मू |
| 63. | CUHP13MBA66 | रूपिंदर कौर | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, कांगड़ा |
| 64. | CUHP13MBA67 | शाहिल धवन | पिजन अप्लाइंसेस, गगल |
| 65. | CUHP13MBA68 | शाक्षी धननायक | एसजेवीएन लिमिटेड, शिमला |
| 66. | CUHP13MBA70 | साम्या | ट्वीनस्टार इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई |
| 67. | CUHP13MBA71 | संदीप सिंह | एसजेवीएन लिमिटेड, शिमला |
| 68. | CUHP13MBA72 | संजीव कुमार | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, कांगड़ा |
| 69. | CUHP13MBA73 | सरयू | के. जैन, लुधियाना |
| 70. | CUHP13MBA74 | शबनी चौधरी | सेतु द ब्रिज इंवेस्टमेट, शाहपुर, कंगड़ा |
| 71. | CUHP13MBA75 | शगुन सूद | सीएसआईएस–आईएचबीटी पालमपुर (हि.प्र.) |
| 72. | CUHP13MBA76 | शाहबाज उमर | फ्रिजेरियो कंजर्वा, अलीगढ़ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 73. | CUHP13MBA77 | शैलजा | डी.एस. ड्रिंक्स एंड बेवरेजेज प्रा., कुल्लू, हि.प्र. |
| 74. | CUHP13MBA78 | शिक्षा चौधरी | एसजेवीएन लिमिटेड, शिमला |
| 75. | CUHP13MBA79 | शिल्पा कुमारी | रिलायंस इंडिया लिमिटेड, धर्मशाला |
| 76. | CUHP13MBA80 | शिल्पी नाग | एसजेवीएन लिमिटेड, शिमला |
| 77. | CUHP13MBA81 | शिविका दीवान | मैन पावर, चंडीगढ़ |
| 78. | CUHP13MBA82 | शुभम गुप्ता | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, कांगड़ा |
| 79. | CUHP13MBA82 | शुजा रियाज | जे एंड के बैंक, अलीगढ़ |
| 80. | CUHP13MBA84 | सोहनलाल | एसजेवीएन लिमिटेड, शिमला |
| 81. | CUHP13MBA85 | सुब्रत शर्मा | पिनेकल वर्क्स स्पेज, गुड़गांव |
| 82. | CUHP13MBA86 | सुदर्शन कुमार | द कांगड़ा सेंट्रल को–ऑपरेटिव बैंक, द्रंग |
| 83. | CUHP13MBA87 | सुमित सिंह | मेट्रो, अमृतसर |
| 84. | CUHP13MBA88 | सुनयना राठौर | रिलायंस इंडिया लिमिटेड, धर्मशाला |
| 85. | CUHP13MBA89 | सुरभी पठानिया | एसजेवीएन लिमिटेड, शिमला |
| 86. | CUHP13MBA90 | सुरिंदर कुमार | एसजेवीएन लिमिटेड, शिमला |
| 87. | CUHP13MBA92 | विजय कुमार | एसजेवीएन लिमिटेड, शिमला |

### (ख) ग्रैज्युएट एम्प्लॉयबिलिटी टेस्ट (जीइटी)

विद्यार्थियों की सामान्य अभिक्षमता, व्यक्तित्व और अपने क्षेत्र ज्ञान के मूल्यांकन के लिए 14 नवंबर 2014 को जीइटी परीक्षा का संचालन किया गया । इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार योग्य कौशलों से लैस करते हुए उन्हें रोजगार अवसरों के लिए तैयार करना था ।

### (ग) रोजगार क्षमता (एम्प्लॉयबिलिटी) संबंधी परीक्षा

अंतिम वर्ष के सभी विद्यार्थियों के लिए 25 फरवरी 2015 को वीबॉक्स वर्कफोर्स स्किल्स टेस्ट–वेस्ट का आयोजन किया गया । भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा वीबॉक्स फर्म के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है जिसके अंतर्गत ग्लोबल टैलेंट असेसमेंट फर्म वीबॉक्स द्वारा सीआईआई और लिंकेडन (विश्व की सबसे बड़ी प्रोफेशनल नेटवर्क) के सहयोग से इसका प्रयोग करने वाले सभी विश्वविद्यालयों और संस्थानों के सभी अभ्यार्थियों की 'एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स' का मूल्यांकन करना है ।
परीक्षा में उपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को उनके ग्रेड्स संबंधी 'ऑनलाइन ट्रांसक्रिप्ट' और भारतीय विश्वविद्यालय संघ और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा अनुमति प्राप्त 'ऑनलाइन प्रमाण–पत्र' प्राप्त हुआ ।

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

### पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

**प्रशिक्षण / प्लेसमेंट**

विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित संगठनों यथा कॉक्स एंड किंग्स (इ.) लि. नई दिल्ली, कॉक्स एंड किंग्स (इ) लि., चंडीगढ़, रेड कार्पेट नई दिल्ली, ड्रीम्स डेस्टीनेशंस नई दिल्ली, इन्क्रेडेबल एशिया नई दिल्ली, आइबेक्स टूर्स, रेड कॉर्पेट टूर्स, इन्क्रेडेबल हॉलीडेज, एफसीएम ट्रावेल्स, टूर डे इंडिया, खन्ना ट्रावेल्स एसओटीसी, एपीजे टूर्स, जेट्सअप हॉलीडेज, सन्नी हॉर्लीडेज, मोर दैन ट्रावेल्स, पनम हॉलीडेज, ले पैसेज टू मनाली में प्रशिक्षण।

## पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल

1. अंकित महाजन, एक विख्यात विज्ञापन एजेंसी ओगिल्वी एंड मैथर में पदभार ग्रहण किया ।
2. विभाग स्तर पर प्रशिक्षण और प्लेसमेंट कार्यकलापों को देखने के लिए एक प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ का गठन किया गया है । विद्यार्थियों को मीडिया संगठनों और शैक्षिक संस्थानों में रोजगार दिलाई गई ।

**विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित औद्योगिक भ्रमण/ शैक्षिक भ्रमण/फील्ड भ्रमण**

## भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

### भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग

1. एमएससी भौतिकी IV समेस्टर के विद्यार्थियों का टीबीआरएल, पंजाब विश्वविद्यालय और सीएसआईओ, चंडीगढ़ के लिए 18–19 मई 2014 को शैक्षिक भ्रमण
2. एमएससी भौतिकी III समेस्टेर के विद्यार्थियों का देहरादून, मसूरी, नैनीताल का 18–22 अक्टूबर, 2014 तक शैक्षिक भ्रमण

## व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

### औद्योगिक भ्रमण 2014

उच्चतर शिक्षा के माध्यम से ज्ञान प्रसार के अतिरिक्त हिप्रकेवि द्वारा विद्यार्थियों के समग्र विकास में भी योगदान किया जाता है। व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा एमबीए द्वितीय सत्र के विद्यार्थियों के लिए 19–22 अप्रैल, 2014 तक चार दिवसीय औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया जिसमें 65 से भी अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण किए गए उद्योग हैं – एक्वामाल ग्रुप ऑफ यूरेका फोर्ब्स (बद्दी), जेनस पैकजिंग प्रा. लि. (बद्दी), क्राउन कैप्स प्रा. लि., कोका कोला फ्रैंचाइजी, अमृतसर, मदर डेयरी, दिल्ली और क्रिएशंस मॉड्यूलर प्रा.लि. मानेसर, गुड़गांव।

हिप्रकेवि सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ प्रत्यक्ष अर्थात् व्यावहारिक अनुभव को भी महत्व प्रदान करता है। केवल कक्षाओं में शिक्षण से संपूर्ण प्रबंधकत्व का विकास नहीं हो सकता, अतः भ्रमण का उद्देश्य विद्यमान सैद्धांतिक ज्ञान और अनुप्रयोग के मध्य अंतर को कम करना था। औद्योगिक यात्रा को इस प्रकार समयबद्ध किया गया था कि विद्यार्थियों की कक्षाओं में विध्न न पड़े। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रबंधकीय पद्धतियों को देखकर औद्योगिक जगत के व्यावहारिक कार्यकरण का प्रत्यक्ष अनुभव किया।

## पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल

### मीडिया शैक्षिक यात्रा

पत्रकारिता, जनसंचार एवं नव मीडिया स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा चिटकुल, किन्नौर जिला की पांच दिवसीय शैक्षिक यात्रा आयोजित की गई । स्कूल के उन्नतीस विद्यार्थियों ने इस शैक्षिक यात्रा में 25–29 अप्रैल 2014 तक प्रतिभागिता की । संकाय सदस्यों डॉ. अर्चना कटोच और श्री कुलदीप सिंह इस शैक्षिक यात्रा के आयोजक थे । शैक्षिक फील्ड यात्राएं स्कूल के शिक्षणशास्त्र का भाग है, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान मिलता है और उनका प्रोफेशनल विकास होता है । इस शैक्षिक यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने किन्नौर जिला (चिटकुल, सांगला, रक्षम) के आदिवासी क्षेत्रों की सामजिक–सांस्कृतिक विरासत पर एक श्रव्य–दृश्य यात्रावृत, एक लघु फिल्म, एक फोटो फीचर का निर्माण किया और कुछेक समाचार वृतांत तैयार किए ।

विद्यार्थियों के इस स्व–शिक्षण की प्रक्रिया से उन्हें श्रव्य–दृश्य प्रोडक्शन से जुड़े विभिन्न चरणों का अभ्यास करने का मौका मिला और संकाय सदस्यों के सक्षम मार्गदर्शन के अंतर्गत प्रिंट मीडिया के लिए पहाड़ी जनजातीय समुदायों के सामाजिक सांस्कृतिक पहलूओं पर विशेष स्टोरी लिखने के तरीको को सीखने का भी अवसर मिला ।

# बड़ी अनुसंधान परियोजनाएं

## भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

### डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री

1. पीआईः डॉ. दीपक पंत, सह–पीआईः डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, शीर्षकः ए कॉम्प्रेहेंसिव स्टडी ऑन नैचूरल रेडिएशन लेवल इन लेसर हिमालयन जोन ऑफ साउदर्न स्लोप्स ऑफ धौलाधार रेंज, बीआरएनएस प्रोजेक्ट (स्वीकृति संदर्भ 2013/36/64–बीआर (एनएस), राशिः 3389550.00 रुपए (तैतीस लाख नवासी हजार पाँच सौ रुपए मात्र); 2013–16

### भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग

### डॉ. भाग चंद चौहान

1. प्रोजेक्ट निदेशक : डॉ. बी.सी. चौहान, शीर्षक : फेनोमेनोलॉजिकल स्टडीज ऑन द रोल ऑफ न्यूट्रिनोज़ इन ऐस्ट्रोफिजिक्स एंड कॉस्मोलॉजी, फंडिंग एजेंसी : यूजीसी, स्वीकृत राशि : 11.70 लाख रुपए।

### डॉ. अयान चटर्जी

1. पीआई : डॉ. अयान चटर्जी, शीर्षक : मेकानिक्स एंड थर्मोडायनमिक्स ऑफ ब्लैक होल्स इन द थीयरिज ऑफ ग्रैविटी एंड सुपरग्रैविटी, फंडिंग एजेंसी : यूजीसी, स्वीकृत राशि : 6.00 लाख रुपए।

### डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

1. थियरेटिकल एंड फेनोमेनोलॉजिकल आस्पेक्ट्स ऑफ लेप्टन मास मैट्रिसेस इन लाइट ऑफ द न्यूट्रीनो ऑसिलेशन डेटा, फंडिंग एजेंसी : यूजीसी, स्वीकृत राशि : 6.00 लाख रुपए

### डॉ. पद्मनाभ राय, यूजीसी–सहायक प्रोफेसर

1. डॉ. पद्मनाभ राय, यूजीसी स्टार्ट–अप ग्रांट (6,00,000 रु.) : यूजीसी–एफआरपीएस के अंतर्गत, अवधि–2 वर्ष (मार्च 2014 से)।

### डॉ. रजनीश एन. तिवारी, डीएसटी–इंस्पायर–सहायक प्रोफेसर

1. पीआई : डॉ. रजनीश एन. तिवारी, शीर्षकः डेवलॉपमेंट ऑफ कॉर्बन बेस्ड मैटेरियल्स फॉर वॉटर डिसैलिनेशन एंड प्यूरीफिकेशन, डीएसटी भारत सरकार, 35 लाख रुपए।

## जैविक विज्ञान स्कूल

### कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र

### डॉ. यूसुफ अख्तर

1. प्रोजेक्ट निदेशक : डॉ. यूसुफ अख्तर, शीर्षक–जीनोम–वाइड स्क्रीनिंग ऑफ आउटर मेमब्रेन प्रोटीन्स इन माइक्रोबैक्टेरियम एवियम सबस्पीसिज पाराटूबरकूलोसिस (एमएपी) के–10ः ए रेपरटोअर ऑफ कैंडिडेट इम्यूनोजेन्स फॉर ट्रांसलेशनल मेडिसीन, स्वीकृत सं. एसईआरबी/एलएस–400/2014, फंडिंग एजेंसीः एसईआरबी (डीएसटी भारत सरकार), स्वीकृत राशिः 26,00,000 रुपए, वर्तमान स्थिति– प्रगत्याधीन।
2. प्रोजेक्ट निदेशक : डॉ. यूसुफ अख्तर, शीर्षक–ए प्रोजेक्ट प्रोपोजल ऑन टार्गेटिंग नोवल प्रोकैरियोटिक यूबिक्विटिन लाइक पोस्ट–ट्रांसलेशनल मोडिफिकेशन पाथवे फॉर थेरापिटिक इंटरवेंशंस अगेंस्ट माइक्रोबैक्टेरियम टूबरकूलोसिस, स्वीकृति सं.ः एमआरपी–मेजर–एमआईपीआर–2013–26840, फंडिंग एजेंसीः यूजीसी, स्वीकृत राशि : 17,15,500/– रुपए, वर्तमान स्थिति– प्रगत्याधीन।
3. प्रोजेक्ट निदेशक : डॉ. यूसुफ अख्तर, शीर्षक : आइडेंटिफिकेशन ऑफ आउटर मेमब्रेन प्रोटिन्स इन माइक्रोबैक्टेरियम लेप्रे एंड सब्सेक्वेंट सेलेक्शन एंड एनालिसिस ऑफ एपिटोप्स टू टार्गेट इम्यूनोजेनिक कैंडिडेट प्रोटिन्स, स्वीकृति सं. बीआईसी/12(04)2014–सबमिशन आइडीः 2014–0810, फंडिंग एजेंसीः आईसीएमआर (भारत सरकार), कुल लागतः 49,28,000/– रुपए, वर्तमान स्थितिः फंडिंग के लिए संस्तुत की गई।

## पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

### प्रो. अंबरीश कुमार महाजन

1. ए.के. महाजन, पीआईः लैंड स्लाइड मॉनीटरिंग ऑफ टीरा लाइंस स्लाइड जोन इन धर्मशाला रीज़न, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), डीएसटी, भारत सरकार द्वारा निधिबद्ध, लागत : 19,99,600/– रुपए।
2. ए.के. महाजन, पीआईः सबसर्फेस कैरेक्टराइजेशन एंड इट्स एनवॉयरनमेंटल इम्प्लीकेशन्स यूजिंग इंजीनियरिंग साइसमोग्राफ्स एंड ग्राउंड पेनेट्रेशन रडार, लागत : 65,28,650/– रुपए।

### पर्यावरण विज्ञान विभाग

#### डॉ. दीपक पंत

1. दीपक पंत, ए कॉम्प्रेहेंसिव स्टडी ऑन नैचूरल रेडिएशन लेवल इन लेसर हिमालयन जोन ऑन द साउदर्न स्लोप्स ऑफ द धौलाधार रेंज इन कांगड़ा वैलीः एससीएन सं. 2013/36/64– बीआरएनएस/2618; परमाणु ऊर्जा विभाग, बीआरएनएस, भारत सरकार, 3389550/– रु (तैतीस लाख नवासी हजार पाँच सौ पचास रुपए), 2013–16।
2. दीपक पंत, ग्रीन केमिकल रीसाइक्लिंग ऑफ पॉलीकार्बोनेट प्लास्टिक फॉर द सिनथेसिस ऑफ वैल्यूएबल केमिकल्स एंड एपोक्सी कम्पाउंड्स, डीएसटी, नई दिल्ली, 2013–16; 18,68,000/– रुपए।
3. दीपक पंत, एक्सट्रैक्शन ऑफ मेटल्स फ्रौम वेस्ट लिथियम बैटरी यूजिंग केमिकल एंड बॉयोलॉजिकल एक्सट्रैक्शन टेकनीक्स (हाइब्रिड मेथड); स्वीकृति सं. 102/आईएफडी/एसएएन/3936/2013–14, 23,56,000/– रुपए 2013–14

#### डॉ. मुश्ताक अहमद

1. बड़ी अनुसंधान परियोजना, शीर्षक : मैनेजमेंट ऑफ बायोटिक स्ट्रेस बाई यूजिंग ऐंटागोनिस्टिक आइसोलेट्स ऑफ ट्राइकोडर्मा–एसपीपी इन टोमाटो वेजीटेटेड टेम्पेरेट एग्रो इकोसिस्टम्स; राशि 15.8 लाख रुपए, यूजीसी (स्वीकृति के लिए संस्तुति की गई)।

#### डॉ. शुभांकर चटर्जी

1. यूजीसी बड़ी अनुसंधान परियोजना (25.54 लाख रुपए) के लिए आवेदन किया गया।

### गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल

### गणित विभाग

#### डॉ. राकेश

1. यूजीसी–एफआरपीएस, स्टार्ट–अप ग्रांट, 6.00 लाख रुपए, पत्र सं. एफ.30–64/2014 (बीएसआर) दिनांक 07–01–2015

#### डॉ. सचिन कुमार श्रीवास्तव

1. यूजीसी–एफआरपीएस, स्टार्ट–अप ग्रांट, 6.00 लाख रुपए, पत्र सं. एफ.30–29/2014 दिनांक 18–07–2014

### समाज विज्ञान स्कूल

#### प्रो. एच.आर. शर्मा

1. प्रोजेक्ट निदेशक : प्रो. एच.आर. शर्मा, शीर्षक : माइक्रो इन्टरप्राइजेज इन रूरल नॉन–फॉर्म सेक्टर इन हिमाचल प्रदेश : ऐन एम्पीरिकल स्टडी इन प्रोडक्शन मार्केटिंग एंड टेक्नोलॉजी, फंडिंग एजेंसी : यूजीसी, नई दिल्ली, स्वीकृत राशि : 7,33,600/– रुपए।

### समाज कार्य विभाग

#### डॉ. आशुतोष प्रधान

1. प्रोजेक्ट निदेशक : डॉ. आशुतोष प्रधान, शीर्षक : कोपिंग एंड हेल्प सीकिंग बिहेवियर ऑफ वूमन विक्टिम्स ऑफ डोमेस्टिक वॉयलेंस – ए स्टडी इन कांगड़ा एंड मनाली डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ हिमाचल प्रदेश, अवधि– डेढ़ वर्ष, फंडिंग एजेंसी– आईसीएसएसआर, दिल्ली, स्वीकृत राशि–10/– लाख रुपए।

### शिक्षा स्कूल

#### डॉ. मनोज कुमार सक्सेना

1. प्रोजेक्ट निदेशक : डॉ. मनोज कुमार सक्सेना, शीर्षक : सोशल एंड एजुकेशनल प्रॉबलम्स ऑफ सेड्यूल्ड ट्राइब्स : ए स्टडी ऑफ चंबा डिस्ट्रिक्ट ऑफ हिमाचल प्रदेश, फंडिंग एजेंसी : आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, स्वीकृत राशिः 10,00,000/– रुपए।

### व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

### लेखा तथा वित्त विभाग

#### डॉ. संजीव गुप्ता

1. डिफ्यूजन, फ्यूचर प्रोस्पेक्टस एंड वायबिलिटी फॉर अडॉप्शन ऑफ सोलर एनर्जी इन हिमाचल प्रदेश, फंडिंग एजेंसीः आईसीएसएसआर, दिल्ली, स्वीकृत राशिः 05.00/– लाख रुपए।

# छोटी अनुसंधान परियोजनाएं

## व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

### विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

**श्री चमन लाल**

1. यूजीसी को एक लघु परियोजना अनुमोदन के लिए जमा की गई। शीर्षकः इम्पैक्ट ऑफ स्मॉल, मीडियम एंड लार्ज एन्टरप्राइजेज ऑन द डेवलॉपमेंट ऑफ हिमाचल प्रदेश।

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

### पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

**डॉ. सुमन शर्मा**

1. स्टडी ऑन स्कीम ऑफ सोशल मीडिया एज़ ऐन इन्फ्यूएंसर अमौंग फॉरेन टूरिस्ट विजिटिंग इंडिया, फंडिंग एजेंसी (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रॉवेल मैनेजमेंट), राशि– 1,00,000/– रुपए।

# संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन

## भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

### डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री

1. ओ.एस.के.एस. शास्त्री और प्रशांत सिंह, 'क्रिएटिंग ई–लर्निंग वीडियो कंटेट यूजिंग फॉस (Foss) टूल्स; इंटरनेशनल एजुकेशन कांफ्रेंस 2015, नई दिल्ली।
2. ओ.एस.के.एस. शास्त्री और अरबिंद कुमार झा, 'मॉडल बेस्ड कंप्यूटर सिमूलेशंसः ऐन इफेक्टिव कंस्ट्रक्टिविस्ट टूल फॉर लर्निंग; इंटरनेशनल एजुकेशन कांफ्रेंस–2015, नई दिल्ली।
3. वंदना, ज्योति, अरबिंद कुमार झा और ओ.एस.के.एस. शास्त्री, 'लर्निंग टू कंस्ट्रक्ट बोल्ज़मैन डिस्ट्रिब्यूशन कॉन्सेप्ट :यूजिंग कंप्यूटर सिमूलेशन ऐक्टिविटी, इंटरनेशनल एजुकेशन कांफ्रेंस 2015, नई दिल्ली।
4. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, 'मॉडल ओपन सोर्स ऐप्लिकेशन एक्सकॉस (XCOS) : ए कंस्ट्रक्टिविस्ट पाराडाइम', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, खंड 1, सं. 8, अक्टूबर 2014, पृष्ठ 93–100, (आईएसएसएन 2348–7968, इम्पैक्ट फैक्टर = 1.07)
5. ओ.एस.के.एस. शास्त्री 'ए पारालेल बिटविन भागवत गीता स्लोकाज एंड न्यूटन्स लॉ ऑफ मोशन', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी डिसिप्लिनरी अप्रोच एंड स्टडीज', खंड 1, सं. 4, जुलाई–अगस्त, 2014, (आईएसएसएन सं. 2348–537X, जेआइएफ=0.539)
6. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, 'सिंपल पेंडुलम एंड मॉस–स्प्रिंग सिस्टम यूजिंग वीडियो बेस्ड मोशन एनालिसिस' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अडवांस्ड इंफार्मेशन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, खंड 27, सं. 27, जुलाई 2014 (आईएसएसएन : 2319–2682, इम्पैक्ट फैक्टर=3.564)
7. अभिनव नाग, जगदीश कुमार और ओ.एस.के.एस. शास्त्री, 'इलेक्ट्रॉनिक प्रोपर्टीज ऑफ ग्राफीन एंड इफेक्ट ऑफ डोपिंग ऑन द सेम' एआईपी प्रोसिडिंग्स 1661080021 (2015)
8. संदीप कुमार, जगदीश कुमार और ओ.एस.के.एस. शास्त्री, 'इफेक्ट ऑफ मेकानिकल स्ट्रेन ऑन इलेक्ट्रॉनिक प्रोपर्टीज ऑफ बल्क एमओएसटू ($MoS_2$) एआईपी कांफ्रेंस–प्रोसिडिंग्स 1661 080011 (2015)
9. तपेंदर, जगदीश कुमार और ओ.एस.के.एस. शास्त्री, 'इफेक्ट ऑफ स्ट्रेन, अलौंग सी–एक्सिस ऑफ–एनबीएसटू ($NbS_2$), एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स–1661 110024 (2015)

## भौतिकी एवं खगोलषास्त्र विज्ञान विभाग

### डॉ. भाग चंद चौहान

1. शोधपत्र शीर्षक–'अर्थक्वेक एंड जियोथर्मल एनर्जी', यूनि.जे.जियो.साइ.2(5), 141(2014)
2. शोधपत्र शीर्षक–'ऐन एम्पीरिकल मॉडल टू अटेन पीस एंड प्रॉस्पेरिटी', आइजेएमपीएसआर 2,2(1),51(2014)
3. शोधपत्र शीर्षक–'कंप्यूटेशनल होलोग्राफिक इमेजिंग यूजिंग 2डी स्केलर वेव', आइजेइएसआरटी 3(8), 584(2014)
4. शोधपत्र शीर्षक–'जियोथर्मल एनर्जी एंड अर्थक्वेक्स इन वेस्टर्न हिमाल्याज', आईजेएसआरएसईटी 1(1), 188(2015)
5. शोधपत्र शीर्षक–'ए न्यू पाराडाइम ऑफ साइंस' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट साइंटिफिक स्टडीज 6(3), 2912 (2015)

### डॉ. अयान चटर्जी

1. आर बसू, ए चटर्जी और ए. घोष, शीर्षक–'सिमिट्री रिडक्शन ऑन नॉन–एक्सपैंडिंग होराइजन्स', जे.फिजि. कॉफ्र. सर. 484, 012010, वर्ष 2014 में प्रकाशित।
2. अयान चटर्जी और अविरूप घोष, शीर्षक–'क्वासी लोकल कॉन्फॉर्मल किलिंग होराइजन्स : क्लासिकल फेज़ स्पेस एंड द फर्स्ट लॉ, फिजिक्स रिव्यू डी, खंड–91, पृष्ठ–064054, वर्ष 2015 में प्रकाशित।
3. अयान चटर्जी और अविरूप घोष, शीर्षक : क्वासीलोकल रोटेटिंग कॉन्फॉर्मल किलिंग होराइजन्स, आरक्सिवः 1502, 07128 (जीआर–क्यूसी), वर्श 2015
4. अयान चटर्जी, शीर्षक–हॉकिंग रेडिएशन फ्रौम क्वासीलोकल डायनामिकल होराइजन्स, प्रमाण, वर्ष 2015 में प्रकाशित होगा।

### डॉ. दलीप सिंह वर्मा

1. दलीप सिंह वर्मा और शिवानी ठाकुर, 'फ्यूजन हिंडरेंस इन्वेस्टीगेशन फॉर 27एआई+45 एससी सिस्टम यूजिंग स्किर्मी एनर्जी डेंसिटी फॉर्मलिज्म' प्रोसिडिंग्स ऑफ द डीएई सिम्प. ऑन न्यू फिजि. 59(2014), 410
2. दलीप सिंह वर्मा और अतुल चौधरी, 'नीयर ऐंड सब–बैरियर फ्यूजन फॉर ए प्रोटॉन–रीच सिस्टम 7Be+58Ni यूजिंग स्किर्मी एनर्जी डेंसिटी फॉर्मलिज्म' प्रोसिडिंग्स ऑफ द डीएई सिम्प. ऑन न्यू. फिजि. 59(2014) 600

### डॉ. जगदीश कुमार

1. अभिनव नाग, जगदीश कुमार और ओ.एस.के.एस. शास्त्री, 'इलेक्ट्रॉनिक प्रोपर्टीज ऑफ ग्राफीन एंड इफेक्ट ऑफ डोपिंग ऑन द सेम' एआईपी प्रोसिडिंग्स 1661080021 (2015)
2. संदीप कुमार, जगदीश कुमार और ओ.एस.के.एस. शास्त्री, 'इफेक्ट ऑफ मेकानिकल स्ट्रेन ऑन इलेक्ट्रॉनिक प्रोपर्टीज ऑफ बल्क एमओएसटू ($MoS_2$) एआईपी कांफ्रेंस–प्रोसिडिंग्स 1661 080011 (2015)
3. तपेंदर, जगदीश कुमार और ओ.एस.के.एस. शास्त्री, 'इफेक्ट ऑफ स्ट्रेन, अलौंग सी–एक्सिस ऑफ–एनबीएसटू ($NbS_2$), एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स–1661 110024 (2015)

### डॉ. सुरेन्दर वर्मा

1. सुरेन्दर वर्मा, 'थियरेटिकल एंड फेनोमेनोलॉजिकल आस्पेक्ट्स ऑफ न्यूट्रिनो फिजिक्स' अडवांस इन हाई एनर्जी फिजिक्स, हिंदवी पब्लिकेशन, 2015, ओपन सोर्स आर्टिकल आइडी 385968
2. सुरेन्दर वर्मा और शंकिता भारद्वाज, 'नॉन–वैनिसिंग $\थीटा_{13}$ एंड सीपी–वॉयलेशन इन इंवर्स न्यूट्रिनो मास मैट्रिक्स' (पुस्तक में अध्याय), अध्याय सं. 59, स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन फिजिक्स, आईएसबीएन –978–3–319–25619–1

### डॉ. पद्मनाभ राय, यूजीसी–सहायक प्रोफेसर

1. पी. राय, डब्ल्यू समरविल, टी.ब्रुल, ए. बोहेलियर और इ. फिनो, 'ऐन्टेना एन्हेंस्ड बीम्ड रमण स्कैटेरिंग ऑफ इंडिविज्यूल सिंगल वाल्ड कार्बन नैनोट्यूब', जमा कराया (2014)
2. एस. पाण्डे, सी. विश्वास, टी. घोष, जे.जे. बाए., पी. राय, जी.एच. किम, के.जी थॉमस, वाई.एच.ली.पी. निकोलाएव और एस. अरेपल्ली, 'ट्रांजिशन फ्रौम डायरेक्ट टू फॉवलर–नॉरडाइम टनेलिंग इन केमिकली रिड्यूस्ड ग्राफीन ऑक्साइड फिल्म', नैनोस्केल 6, 3410 (2014)

### डॉ. रजनीश एन तिवारी, डीएसटी इंस्पायर–सहायक प्रोफेसर

1. डुक डंग व्हेन, रजनीश एन तिवारी, यूकी मातसूवोका, गोह हाशीमोतो, एयजी रोकुता, यू–जे चेन, यू–लुनचूएह, मासामिची मोशीमूरा, 'लो वैक्यूम अनिलिंग ऑफ सेलूलोज ऐसीटेट ऑन नीकल टूवार्डस ट्रांसपेरेंट कंडक्टिव सीएनटी (CNT)–ग्राफीन हाइब्रिड फिल्म्स', एसीएस अप्लायड मैटेरियल्स एंड इंटरफेसेस 6(2014)907
2. सवचिए सिएअ, टैकेनाअबू सुजुकी, रजनीश एन तिवारी, मासामिचि योसिमूरा और यासूटाकि ओहिसी, 'क्वेंचिंग इफेक्ट ऑफ सर्फेस ऐड्सॉर्ब्ड लिगांड्स ऑन लूमिनोशेंस ऑफ α NaYF4:Nd3+ नैनोक्रिस्ट्ल्स', जापानीज जर्नल ऑफ अप्लायड फिजिक्स 53(2014) 075001

## जैविक विज्ञान स्कूल

### कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र

### डॉ. पोलामारासेट्टी अपरॉय

1. रेड्डी केके, विद्याराजन वीके, गुप्ता ए, अपारॉय पी, रेड्डान्ना पी* (2015), एक्सप्लोरेशन ऑफ बाइंडिंग साइट पैटर्न इन अराकिडोनिक एन्जाइम्स, साइक्लोऑक्सिजेनेज एंड लिपॉक्सिजेनेज, बीएमसी रिसर्च नोट्स, 16; 8(1):152 (*पत्रव्यवहारी लेखक)
2. ओंकार सिंह, कुणाल सावरिया, अपारॉय पी (2014), ग्राफलेट सिगनेचर–बेस्ड स्कोरिंग मेथड टू एस्टिमेट प्रोटीन–लिगाण्ड बाइंडिंग अफिनिटी, रोयल सोसाइटी ओपन साइंस, 1:40306
3. हॉर्न टी., अडेल एस., सुमैन आर., सुर एस., काकुलारम केआर, अपारॉय पी., रेड्डान्ना पी, कून. एच, हे डेक डी (2014), इवोलूशनरी आस्पेक्ट्स ऑफ लिपॉक्सिजेनेज एंड जेनेटिक डायवरसिटी ऑफ ह्यूमन लोकोट्राइन सिग्नलिंग प्रोग्रेस इन लिपिड रिसर्च, 28, 57सीः 13–39 (इम्पैक्ट फैक्टर–12.96)

### डॉ. शैलेन्दर कुमार वर्मा

1. इमरान शेख, प्राची शर्मा, शैलेन्दर कुमार वर्मा, सतीश कुमार, सचिन मलिक, प्रियंका मठपाल, उपेन्द्र कुमार, धर्मेन्द्र सिंह, संदीप कुमार, विशाल चुग, हरचरण सिंह धालीवाल (2015), 'कैरेक्टराइजेशन ऑफ

इंटरस्पेसिफिक हाइब्रिड्स ऑफ ट्रिटिकम ऐस्टिवम एक्स(X) इजिलॉप्स स्पी. विदाउट 5बी क्रोमोसोम फॉर इंड्यूस्ड होमीऑलगस पेयरिंग, जर्नल ऑफ प्लांट बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, स्प्रिंगर, डीओआईः 10.1007/s13562-015-0307-9

**डॉ. विक्रम सिंह**

1. वि. सिंह* और पवन के. धर (संपा.), सिस्टम्स एंड सिंथेटिक बायोलॉजी (पुस्तक), स्प्रिंगर–वेरलाग, डोरडेट नीदरलैंड्स, 2015 (आईएसबीएन 978–94–017–9513–5) (*पत्रव्यवहारी लेखक)
2. वि. सिंह* मॉडलिंग मेथडॉलिज फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी इन सिस्टम्स एंड सिंथेटिक बायोलॉजी, संपा. विक्रम सिंह और पवन के. धर (स्प्रिंगर–वरेलाग, डोरडेट, नीदरलैंड्स, 2015), पृ. 43–62 (*पत्रव्यवहारी लेखक)
3. एमजे आलम, वि. सिंह और आरकेबी सिंह, स्विचिंग मेकानिज्म एंड सिंथेटिक बायोलॉजी, संपा. विक्रम सिंह और पवन के.धर (स्प्रिंगर–वेरलाग, डोरडेट, नीदरलैंड्स, 2015), पृ. 195–216
4. वि. सिंह और वि. सिंह,* इंट्रोडक्शन टू कॉम्प्लेक्स बायोलॉजिकल नेटवर्क्स इन बायोटेक्नोलॉजी (खंड 4): अप्लायड सिंथेटिक बायोलॉजी, संपा. विजय सिंह और जेएन गोविल, (स्टडियम प्रेस एलएलसी, हाउसटन, 2014, आएसबीएन 1–62699–019–0), पृ. 43–88 (*पत्रव्यवहारी लेखक)

**डॉ. यूसुफ अख्तर**

1. आरती राणा, देवेन्दर कुमार, अब्दुर रब और यूसुफ अख्तर*(2015), 'प्रोटियोम–स्केल आइडेंटिफिकेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ माइकोबैक्टेरियम एवियम सबस्पीसिज पाराटूबरकूलोसिसः पोटेंशियल विरूलेंस फैक्टर्स–मॉड्यूलेटिंग होस्ट माइटोकॉन्ड्रियल–फंक्शन, माइटोकॉन्ड्रियन, (प्रकाशन के लिए स्वीकृत) (थॉमसन रेउटर इम्पैक्ट फैक्टर=3.6) (*पत्रव्यवहारी लेखक)
2. मो. आरिश, अतहर हुसैन, मोहम्मद कासिफ, पद्मणि संधु, सैयद इ हसनैन, यूसुफ अख्तर और अब्दुर रब (2015), 'ऑरकेस्ट्रेशन ऑफ मेमब्रेन रेसेप्टर सिग्नलिंग बाइ मेमब्रेन लिपिड्स', बिउसिमी, डीओआईः 10.1016/j.biochi.2015.04.005 (प्रकाशनाधीन) (थॉमसन रेउटर इम्पैक्ट फैक्टर=3.12)
3. पद्मणि संधु और यूसुफ अख्तर*(2015), इंर्टरनल जीन डुप्लिकेशन एंड इंटरप्टेड कोडिंग सिक्वेंसस इन द एमएमपीएल (MMPL) जींस ऑफ माइकोबैक्टेरियम टूबरकूलोसिसः टुवार्ड्स अंडरस्टैंडिंग द मल्टीड्रग ट्रांसपोर्ट इन ऐन इवॉलूशनरी पर्सपेक्टिव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, डीआईआईः 10.1016/j.ijmm.2015.03.005 (प्रकाशनाधीन) (थॉमसन रेउटर इम्पैक्ट फैक्टर=2.4) (*पत्रव्यवहारी लेखक)
4. आरती राणा, अब्दुर रब और यूसुफ अख्तर*(2014), 'प्रोटियोम–वाइड बी एंड टी(B&T) सेल एपीटोज रेपरटोअर इन आउटर मेमब्रेन प्रोटीन्स ऑफ माइकोबैक्टेरियम एवियम सबस्पे. पाराटूबरकुलोसिस : ए हॉलिस्टिक अप्रोच, जर्नल ऑफ मॉलेक्यूलर रिकगनिशन, डीओआईः 10.1002/jmr.2458. (प्रकाशनाधीन) (थॉमसन रेउटर इम्पैक्ट फैक्टर=2.4) (*पत्रव्यवहारी लेखक)
5. आरती राणा, अब्दुर रब और यूसुफ अख्तर*(2014), 'प्रोटियोम–स्केल आइडेंटिफिकेशन ऑफ आउटर मेमब्रेन प्रोटिन्स इन माइकोबैक्टेरियम एवियम सबस्पे. पाराटूबरकुलोसिस यूजिंग ए स्ट्रक्चर बेस्ड कॉम्बाइंड हाइरारकिकल अप्रोच, मॉलेक्यूलर बायोसिस्टम्स, 10 (9), 2329-2337. (थॉमसन रेउटर इम्पैक्ट फैक्टर=3.18), (*पत्रव्यवहारी लेखक)
6. किंगजूं मा, यूसुफ अख्तर, मतायस विल्मेंस, मतायस टी इहीबेयर (2014), ऐक्टिव साइट कॉनफॉरमेशनल चेंजेज अपॉन रिएक्शन इंटरमिडियट बायोटिनाइल 5'- एएमपी(AMP) बाइंडिंग इन बायोटिन प्रोटिन लगासे फ्रौम माइकोबैक्टेरियम टूबरकूलोसिस, प्रोटीन साइंस, 23(7): 932–9 (थॉमसन रेउटर इम्पैक्ट फैक्टर=2.7), प्रकाशित।

## पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

**प्रो. अंबरीश कुमार महाजन**

1. ए.के. महाजन, 2014, 'एप्लीकेशंस ऑफ मल्टी चैनेल एनालिसिस ऑफ सब सर्फेस वेव्स इन साइट कैरेक्टराइजेशन सबसर्फेस अनॉमलिज' आईआईटी रूड़की में आयोजित 15 वीं सिम्पोजियम की प्रोसिंडिंग्स में 11–13 दिसंबर 2014, एम.एल. शर्मा और मनीष श्री खंडे (संपादित) खंड 1, 62–73, आईएसबीएनः 978–81–88901–59–3

2. विक्रम गुप्ता, ए.के. महाजन और वी.सी. ठाकुर, 2015, 'ए स्टडी ऑन लैंडस्लाइड ट्रिगर्ड ड्यूरिंग सिक्किम अर्थक्वेक ऑफ 18–9–2011, हिमालयन जीयोलोजी, 36(1), 81–90
3. ए.के. महाजन, राजवंत और उमेश कुमार शर्मा, 2015, 'रेनफॉल एसेलरेटेड मास मूवमेंट ऑन 7–8–2013, नॉर्थ ऑफ धर्मशाला टाउन, कांगड़ा डिस्ट्रिक्ट, हिमाचल प्रदेश जर्नल ऑफ जीयोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया–स्प्रिंगर पब्लिकेशंस में स्वीकृत।

**पर्यावरण विज्ञान विभाग**

**डॉ. दीपक पंत**

1. दीपक पंत, पूजा सिंह, मनोज कुमार उपरेटी, 'मेटल लीचिंग फ्रौम कैथोड रे ट्यूब वेस्ट यूजिंग कॉम्बीनेशन ऑफ सेराटिया प्लाईमूथिका एंड इडीटीए (EDTA), हाईड्रोमेटलर्जी (एलसेवियर) 146(2014) 89–95
2. वीरबाला शर्मा, दीपंक पंत, 'वीड प्लांट्स फॉर हेवी मेटल मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ एग्रोइकोलोजी एंड नैचूरल रिसोर्स मैनेजमेंट (जेएएनआरएम), 2(1), 2015, 14–17
3. आनंद गिरि, दीपक पंत, 'इंवॉल्वमेंट ऑफ मेटल कॉम्प्लेक्सेस इन कार्बन मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ एग्रोइकोलोजी एंड नैचूरल रिसोर्स मैनेजमेंट (जेएएनआरएम), 2(1), 2015, 18–21
4. तेंजिंग–डोल्कर, दीपक पंत, 'मेटल रिसोर्सेस फ्रौम स्पेंट लीथियम आयन बैटरी' जर्नल ऑफ एग्रोइकोलोजी एंड मैनेजमेंट (जेएएनआरएम), 2(3),2015, 227–229
5. पूजा सिंह, दीपक पंत, मैनेजमेंट ऑफ हजार्ड्स ग्लास वेस्ट बाई ग्रीनर टेक्नीक्स, जर्नल ऑफ एग्रोइकोलोजी एंड मैनेजमेंट (जेएएनआरएम), 2(3),2015, 224–226
6. एस. कुमार, दीपक पंत, 'ग्रीनर केमिकल मोडिफिकेशनः ऐन इकोफ्रेंडली वे टू मैटेरियल मैनेजमेंट, 'इंड. जे. साइ.एंड टेक, 2(2),58–61, 2014

**डॉ. मुश्ताक अहमद**

1. जय सिंह पटेल, पद्मनाभ द्विवेदी, मुश्ताक अहमद, हरिकेश बहादुर सिंह और बिरंची कुमार शर्मा, 2014, 'रैपिड होल प्लांट रीजेनेरेशन प्रोटोकॉल ऑफ पी (पीसम सैटिवम एल.) फॉर ट्रांसफॉरमेशन एक्सपेरीमेंट, द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी (सीएबीआई द्वारा इंडेक्स्ड), 6(1): 55–59, आईएसएसएन प्रिंटः 0975–4296, आईएसएसएन ऑनलाइनः 2249–7390
2. नेहा वर्मा, मुश्ताक अहमद और आर.ए. उपाध्याय, 2014, 'इंडक्शन ऑफ रेसीसटेंस इन टोमाटो अगेंस्ट फूसारियम ऑक्सीस्पोरम एफ. स्पे. लाइकोपरसिसी, पर्सियन गल्फ क्रॉप प्रोटेक्शन, 3(4), 25–36, आईएसएसएन 2251–9343
3. मुश्ताक अहमद, 2014, 'सब पोटेंशियल मेडिसिनल प्लांट्स ऑफ नॉर्थवेस्ट हिमालया', पब्लिशरः लैप लैम्बर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग, जर्मनी, आईएसबीएन 978–3–659–63271–6

**डॉ. अंकित टंडन**

1. श्वेता यादव, अंकित टंडन, अरुण के. अत्री, 'टाइम लाइन ट्रेंड प्रोफाइल एंड सीजनल वेरिएशंस इन निकोटिन प्रेजेंट इन ऐम्बीएंट पीएम10 सैंप्ल्सः ए फोर इयर इंवेस्टीगेशन फ्रौम देल्ही रिज़न, इंडिया,ऐटमोसफेरिक एनवायरनमेंट, 98,89–97, 2014, आईएसएसएन 1352–2310, http://dx.doi.org/10.1016/j.atmosenv.2014.08.058.
2. आशिमा अवस्थी, अंकित टंडन, श्वेता यादव, 'ए प्रीलिमनरी इंस्वेस्टीगेशन ऑन द लौंग टर्म वेरिएबिलिटी इन रेस्पीरेबल सस्पेंडेड पार्टिकूलेट मैटर ऐट शिमला, हिमाचल प्रदेश', 23–24, खंड 20, नंबर 1, 2014–15, आईसीइटीबी–2014 के दौरान 06 नवंबर को प्री–कांफ्रेंस वर्कशॉप में प्रस्तुत बायोजीयोकेमिस्ट्री ऐबस्ट्रैक्ट पर विशेष अंक, एनविस न्यूज लेटर, एनविस सेंटर ऑन बायो–जीयोकेमिस्ट्री, स्कूल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसेस, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, 2014, आईएसएसएनः 0974–1364

**डॉ. अनुराग लिंडा**

1. एस दत्ता, एएल रामानाथन, ए लिंडा, जेजी पोट्टाक्कल, वीबी सिंह, टी. आंगचूक, 'ग्लेशियर मास बैलेंस एंड इट्स सिगनिफिकेंस ऑन द वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट इन द वेस्टर्न हिमालयाज़, मैनेजमेंट ऑफ वाटर, एनर्जी एंड बायो रिसोर्सेस इन द एरा ऑफ क्लाइमेंट चेंजः एमर्जिंग इश्यूज़ एंड चैलेंजेज, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, 73–83, 2015

2. जे.जी. पोट्टाक्कल, ए. रामानाथन, वीबी सिंह, पी. शर्मा, एमएफ आज़म, ए. लिंडा, 'कैरेक्टराइजेशन ऑफ सबग्लेशियल पाथवेज़ ड्रेनिंग टू ट्रिब्यूटरी मेल्टवाटर स्ट्रीम्स थ्रू द लोअर ऐब्लेशन जोन ऑफ गंगोत्री ग्लेशियर सिस्टम, गढ़वाल हिमालया, इंडियन करेंट साइंस 107(4), 613, 2014

### डॉ. शुभांकर चटर्जी

1. जौसेट ए., बेकर जे., चटर्जी एस., कार्लोवस्की पी., सोऊ एस., ऐशनहेयर एन., 'बायोडाइवर्सिटी एंड स्पेसिज़ आइडेंटिटी ड्राइव एंटी फंगल ऐक्टिविटी ऑफ वैक्टेरियल कम्यूनिटीज़, इकोलोजी, 2014, 95:1184 (इम्पैक्ट फैक्टरः 5.0, साइटेशन : 3)

## गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल

### प्रो. इंदर वीर मल्हन

1. अमित महाजन एवं आई.वी. मल्हन, 'इम्पैक्ट ऑफ इंफॉरमेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलोज़िज ऑन एजुकेशन डिलेवरी; द केस ऑफ ग्लोबल अंडर स्टैंडिंग कोर्स एट द यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, इन ग्लोबल पार्टनर्स इन एजुकेशन जर्नल 4(1), अप्रैल 2014, पृ. 25–32, आईएसएसएन 2163–758X
2. आई.वी. मल्हन, 'चैलेंजेज एंड प्रॉब्लम्स ऑफ मैनेजिंग इंडीजेनस एग्रीकल्चरल नॉलेज रिसोर्सेस इन इंडिया, इन इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल लाइब्रेरी एंड इंफॉरमेशन सर्विसेस, 30(1) जन–जून 2014, पृष्ठ 6–15

### गणित विभाग

### डॉ. रविंदर सिंह

1. एम. शर्मा और रविंदर सिंह, लीनियर स्टेबिलिटी एनालिसिस ऑफ डबल–डिफ्यूसिव कन्वेक्शन इन मैगनेटिक नैनोफ्लूडस इन पोरस मीडिया, जर्नल ऑफ पोरस मीडिया, खंड 17(10), 2014, डीओईः 10.1615/Jpormedia.V17.I10.40
2. एस. घोराई, रविंदर सिंह और एन.ए. हिल, 'वेवलेंथ सेलेक्शन इन जॉयरोटैक्टिक बायोकॉन्वेक्शन, बूलेटिन ऑफ मैथेमैटिकल बायोलॉजी 2015 (स्प्रिंगर) द्वारा स्वीकृत।

### डॉ. सचिन कुमार श्रीवास्तव

1. के. श्रीवास्तव और एस.के. श्रीवास्तव, 'ऑन ए क्लास ऑफ अल्फा–पारा केन्मोटसू मैनीफोल्ड्स', मेडीटेररेनियन जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स, स्प्रिंगर डीओआईः 10.1007/s00009-014-0496-9, 25 नवंबर 2014

### पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग

### डॉ. डिंपल पटेल

1. संपादित पुस्तक (राष्ट्रीय) में अध्याय, 'लाइब्रेरी मूवमेंट एंड डेवलॉपमेंट इन हिमाचल प्रदेश (2015), सह–संपादित, इन लाइब्रेरी मूवमेंट एंड डेवलॉपमेंट इन इंडियाः ए स्टेट वाइड स्कैन, दिल्ली, एडुबुक्स सॉल्यूशंस प्रा.लि., आईएसबीएनः 978–81–930951–0–2

## मानविकी एवं भाषा स्कूल

### डॉ. रोशन लाल शर्मा

1. पुस्तक (समालोचनात्मक प्रस्तावना सहित संपादन) : 'रस्टिक टेल्स, बाई सोम रंचन, गुड़गांव : द पोयट्री सोसाइटी ऑफ इंडिया, 2014
2. 'टेक्नोक्रिटिसिज्म एंड द चेंजिंग कॉन्टोर्स ऑफ लिटेरेरी टेक्स्ट/नैरेटिवः ए इंटरनेशनल ओवरव्यू', लैपिस लाजुली : एन इंटरनेशनल लिटेरेरी जर्नल 4.1 (स्प्रिंग 2014) : 1–11, वेब. पिंटरसोसाइटी डॉट कॉम (आईएसएसएन : 2249–4529) इंडेक्स्ड
3. 'थियराइजिंग ट्रांसग्रेशन इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ यू.आर. अनंथ मूर्थिज संस्कार', जर्नल ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च सोसाइटी–ए रेफरीड इंटरनेशनल जर्नल 1.2 (अप्रैल 2014), वेब. (आईएसएसएन : 2321–9432)
4. 'ऑन/बियॉण्ड द प्रेसीपिस : एनविजनिंग लिटरेचर इन द एज़ ऑफ न्यू मीडिया मल्टीप्लिसिटी', मेलस–मेलो जर्नल 4 (अगस्त 2014) : 21–29, प्रिंट (आईएसएसएन : 2249–4839)
5. ''बुद्धाज 'स्माइल ऑफ साइमल्टेनियसनेस' विज़ावि कॉन्सेप्ट्स ऑफ फिक्सिटी एंड फ्लक्स : ए स्टडी ऑफ क्वेस्ट मोटिफ इन हरमैन हेसेज़ सिद्धार्थ'' इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ अडवांस्ड स्टडी, शिमला द्वारा प्रकाशनाधीन।
6. 'तकनीकीकरण' हिंदी कविता, निरूप्रह– एक त्रैमासिक पत्रिका; 2 (सितंबर–नवंबर 2014) : 53 (2394–2223)
7. 'दुखांत', हिंदी कविता, वाग्प्रवाह–एक छमाही पत्रिका; 6 (जनवरी–जून और जुलाई–दिसंबर 2014)

## अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग

### हेमराज बंसल

1. बंसल हेमराज, 'रेसिज्म ऐज़ ए क्राइम अगेंस्ट वार रिफ्यूजीज इन राहुल वर्माज़ जॉब स्टीलर' जर्नल ऑफ लिटरेचर, कल्चर एंड मीडिया स्टडीज वी. 8–9(2015): 93–100, आईएसएसएन : 8974–7192
2. बंसल हेमराज, 'वूमन ऐज़ विक्टिम : मोरालिटी, सेक्सूआलिटी एंड असरसन इन विजय टेंडुलकर्स साइलेंस ! द कोर्ट–इस इन सेशन', वर्ल्ड जर्नल ऑफ जेंडर एंड लिटरेचर 1.2 (दिसंबर 2014) : 103–115, आईएसएसएन : 2349–1620
3. बंसल हेमराज (पुस्तक में अध्याय), 'मार्जिनलाइज्ड मेंटल/फिजिकल स्पेसेस इन चित्रा बनर्जी दिवाकरूणीज अरेंज्ड मैरेज', इंडियन इंग्लिश लिटरेचर : ए मोमेंटो ऑफ फेमिनिस्ट माइंड्स, संपादित आदी रमेश बाबू, नई दिल्ली : ऑथर्स प्रेस, 2015 आईएसबीएन : 978–93–5207–036–7
4. बंसल हेमराज (पुस्तक में अध्याय), 'द पोस्टमॉडर्न नोशन ऑफ डॅलेमा, अनसर्टेंटी, फ्रैंगमेनटेशन इन यू.आर. अनंथ मूर्थिज भाव, 'टुवार्ड्स न्यू होराइजन्स इन इंडियन इंग्लिश लिटरेचर, संपादित सैकेत बनर्जी, जयपुर : वाईकिंग बुक्स, प्रिंट आईएसबीएनः 978–93–82532–94–1

### डॉ. के.बी.एस. कृष्णा

1. 'फेनिज्म एंड क्लासिक डिटेक्टिव फिक्शन : ए क्रिटिक ऑफ अगाथा क्रिस्टी' राष्ट्रीय जर्नल दृष्टि : द साइट, आईएसएसएन 2319–8281, 3:1 (मई 2014), 52–56, प्रिंट।
2. 'लिविंग द अमेरिक ड्रीम इन इंडिया : ए स्टडी ऑफ रूपा बाजवाज़ द साड़ी शॉप, फिक्शनल ट्रॉसफॉरमेशंस : साहित्य अकादमी अवार्ड विनिंग इंग्लिश नॉवेल्स, संपादित विवेकानंद झा एवं रजनीश मिश्रा, आईएसबीएन 98–93–82647–05–8, नई दिल्ली : ऐक्सेस पब्लिकेशंस 2015, 14–152 प्रिंट
3. 'ए गेम ऑफ चेस्स' (लघु कहानी), इंटरनेशनल जर्नल लैबिरिंथ, आईएसएसएन–0976'0814, खंड– 5:3 (जुलाई 2014), 198–200 प्रिंट।
4. 'विज़न' (कविता), इंटरनेशनल जर्नल राइटर्स एडिटर्स क्रिटिक्स, आईएसएसएन–2231–198X, 4:2 (सितंबर 2014), 131–133, प्रिंट।

### डॉ. खेम राज शर्मा

1. 'होम ऐज़ मेटाफर एंड फैक्ट इन वी.एस. नायपॉल्स ए हाउस फॉर मि. विश्वास' द ऐस्थेटिका : ए पीअर रिव्यूड जर्नल ऑफ इंग्लिश', लैंग्वेज एंड लिटरेचर, 2.2 (स्प्रिंग 2014), 7–21, प्रिंट (आईएसएसएन : 2278–2290)
2. 'मैच्यूरिंग ऑफ डॉयस्पोरिक कंस्सनेस इन वी.एस. नायपॉल्स मैजिक सीड्स', द टचस्टोन : ऐन इंटरनेशनल रेफरीड जर्नल ऑफ इंग्लिश लिटरेचर एंड लैंग्वेज 1.1 (स्प्रिंग 2014), 64–72, प्रिंट (आईएसएसएन : 2347–8799)
3. 'वॉयलेंट एक्सपीरिएंसेस, वेरिड एक्सप्रेशंस : ए क्रिटिक ऑफ टोनी मॉरिशंस होम, द लिटेरेरी वोयेज 1.1 (जनवरी–अप्रैल 2014), 9–19, प्रिंट (आईएसएसएन : 2348–5272)
4. 'एटिपिकल मदर्स लव : ए चैलेंज टू रेसिज्म एंड पेट्रियार्की इन टोनी मॉरिशंस बिलॉवेड एंड एम्मा डोनोह्यूज–रूम' डब्ल्यूजेजीएल : वर्ल्ड जर्नल ऑफ जेंडर एंड लिटरेचर 1.1 (जून 2014), 52–63, प्रिंट (आईएसएसएन : 2349–1620)
5. 'द वर्च्यूल वर्सेस रीयल फ्रीडम : प्राब्लमेटाइजिंग द दलाई लामाज़ फ्रीडम इन एक्जाइल इन द एज ऑफ इंफॉरमेशन टेक्नोलाजी, कंजक्शंस : ऐन इंटरनेशनल रेफरीड जर्नल ऑफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर 1.1 (2014), 118–124, प्रिंट (आईएसएसएन : 2320–995X)
6. 'होम इज व्येर द हेट इज़' : एक्जाइल, पेन एंड रेसिस्टेंश इन राहुल पंडित्स आवर मून हैज़ ब्लड क्लॉट्स' द ऐस्थेटिका : ए पीअर रिव्यूड जर्नल ऑफ इंग्लिश एंड लिटरेचर 3.1 (ऑटम 2014), 7–19, प्रिंट (आईएसएसएन : 2278–2290)
7. 'आइडेंटिफाइंग द एनिग्मा ऑफ कश्मीर इन गजालाज़ साइलेंस : ए स्टडी ऑफ द फिल्म हैदर', लैबरिंथ : ऐन इंटरनेशनल रेफरीड जर्नल ऑफ पोस्टमॉडर्न स्टडीज़ 6.1 (जनवरी 2015), 74–81, प्रिंट (आईएसएसएनः 0976–0814)

8. 'ओएसिस ऑर ए मिराज़ ? ह्यूमन स्लेवरी ऐज़ द हिडेन फेस ऑफ गल्फ मिरैकल इन बेन्यमिंस गोट डेज', द स्कॉलिस्टिक फोरम : ए बाइ–ऐन्यूल रेफरीड जर्नल ऑफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर 1.1 (मार्च 2015), 29–36, प्रिंट (आईएसएसएन : 2395–0889)

### हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग

### चंद्र कांत सिंह

1. चंद्र कांत सिंह (पुस्तक में अध्याय), 'समकालीन हिंदी कविता में चित्रित प्रकृति चेतना,' पर्यावरण पर विशेष अंक, डीएवी कॉलेज देहरादून, दिसम्बर, 2014

### डॉ. साएमा बानो

1. साएमा बानो, शीर्षक–'हिंदी गज़ल साम्प्रदायिकता के खिलाफ एक जंग' (पुस्तक में अध्याय), साम्प्रदायिक सौहार्दता और हिंदी साहित्य, संपादित डॉ. अशोक बचुलकर, 2014 (आईएसएसएन 978–93–81433–28–7)
2. साएमा बानो, शीर्षक–'हिमाचली लोक गीतों में प्रवाहित जीवन संदेवना' जर्नल–शब्दार्थ, खंड–10, हिंदी विभाग, बीएचयू द्वारा प्रकाशित, जुलाई 2014 (आईएसएसएन 2272–1832)
3. साएमा बानो और गीतांजलि उपाध्याय, 'ए ग्लिम्प्स ऑफ कबीरर्स फिलॉसोफी इन डेवलॉपिंग ह्यूमन वैल्यूज़ थ्रू द प्रोसेस ऑफ एनलाइमेंट', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज, लिटरेचर एंड ह्यूमैनिटिज़, खंड II अंक IV, अक्टूबर, 2014

### समाज विज्ञान स्कूल

### प्रो. एच.आर. शर्मा

1. एच.आर. शर्मा, एस.के. चौहान और साक्षी चौहान (2015), हिमाचल प्रदेश में धौलासिद्ध–जल विद्युत के सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन : सीएसआर संबंधी मुद्दों के लिए निहितार्थ : भारत में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व : चुनौतियां, संभावनाएं और सामाजिक परिवर्तन की संभावनाओं पर सीआरआरआइडी, चंडीगढ़ में 12–15 मार्च को आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में शोधपत्र प्रस्तुत।
2. एस.के. चौहान, एच.आर. शर्मा और साक्षी चौहान (2015), हिमाचल प्रदेश में एसजेवीएन लिमिटेड की धौलासिद्ध जलविद्युत परियोजना के संबंध में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित उभरते सामाजिक–आर्थिक मुद्दे, भारत में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व : चुनौतियां, संभावनाएं और सामाजिक परिवर्तन की संभावनाओं पर सीआरआरआइडी, चंडीगढ़ में 12–15 मार्च को आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में शोधपत्र प्रस्तुत।

### अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग

### इंदरवीर सिंह

1. भारत में इस्पात उद्योग : नेहरू और उनके बाद के विशेष संदर्भ में सार्वजनिक क्षेत्र के विकास का दर्शन, रंजीत सिंह घुमान और इंदरवीर सिंह संपादित 'नेहरूवियन इकोनॉमिक फिलॉसोफी एंड इट्स कंटेमपोररी रेलेवेंस' में, चंडीगढ़ : सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रीयल डेवलॉपमेंट (सीआरआरआईडी), (पृष्ठ 269–295) (रंजीत सिंह घुमान के साथ) (2014)
2. नेहरूवादी आर्थिक दर्शन : ऐतिहासिक संदर्भ, रंजीत सिंह घुमान और इंदरवीर सिंह संपादित 'नेहरूवियन इकोनॉमिक फिलॉसोफी एंड इट्स कंटेमपोररी रेलेवेंस' में, चंडीगढ़ : सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रीयल डेवलॉपमेंट (सीआरआरआईडी), (पृष्ठ 1–20) (रंजीत सिंह घुमान के साथ) (2014)
3. नेहरूवियन इकोनॉमिक फिलॉसोफी एंड इट्स कंटेमपोररी रेलेवेंस, चंडीगढ़ : सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रियल डेवलॉपमेंट (सीआरआरआई) (रंजीत सिंह घुमान के साथ) (संपादित) (2014)

### कमल सिंह

1. शोधपत्र शीर्षक, 'इ–टेलिंग इन रूरल इंडिया : स्ट्रैटेजिक पर्सपेक्टिव', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रूरल मैनेजमेंट, सेज पब्लिकेशन में प्रकाशन के लिए संप्रेषित

### समाज कार्य विभाग

### प्रो. अरविंद कुमार अग्रवाल

1. विधि के समाजशास्त्र पर ऐशगेट, इंग्लैण्ड द्वारा 2015 में निकाले जाने वाले प्रतिष्ठित सीरिज के एक अंतरर्राष्ट्रीय खंड को संपादित करने के लिए आमंत्रित।
2. तुरीन विश्वविद्यालय, इटली द्वारा प्रोजेक्ट 'जुरिस्डिक्शन एंड द यूनिटी एंड यूनिफॉरमिटी ऑफ जुडिस्डिक्शन' के भाग के रूप में सितंबर 2014 में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विदेशी विद्वान के रूप में

आमंत्रित। प्रस्तुत शोधपत्र, 'ऐन ओवरव्यू ऑफ द सिस्टम्स ऑफ डिस्प्यूट रिजोलूशन ऐट विलेज लेवल थ्रू न्याय पंचायत्स इन इंडिया', जिसे तुरीन विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है।

3. 'टीवी लॉ टुडे : ए ट्रॉंसनेशनल ओवरव्यू' शीर्षक से आगामी अंतरराष्ट्रीय खंड में भारतीय संदर्श की ओर से एक लेख का योगदान करने के लिए आमंत्रित।
4. 'ट्रांशनेशनल सोशल वर्क लॉ' पर यूनिवर्सिटी ऑफ अप्लायड साइंसेस, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी द्वारा 2015 में निकाले जाने वाले एक अंतरराष्ट्रीय खंड में दो लेखों का योगदान करने के लिए आमंत्रित।
5. 'पीस, जस्टिस एंड डेवलॉपमेंट : ए सोशियो–लीगल पर्सपेक्टिव' पर एक अंतरराष्ट्रीय खंड का सह–संपादन।

**डॉ. आशुतोष प्रधान**

1. 'एडवोकेसी वर्क ऐज़ ए मेथड ऑफ सोशल वर्क' (सोशल वर्क मेथड्स के नाम से संभावित पुस्तक में एक अध्याय के रूप में प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।
2. 'एडवोकेसी वर्क एंड इंट्स रिलेशेन टू अदर मेथड्स ऑफ वर्क' (सोशल वर्क मेथड्स के नाम से संभावित पुस्तक में एक अध्याय के रूप में प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।

## शिक्षा स्कूल

**डॉ. मनोज कुमार सक्सेना**

1. गिहार, संध्या और सक्सेना मनोज (2015), (पुस्तक) 'एनवायरनमेंटल प्रोटेक्शन एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट' (आईएसबीएन : 978–81–7975–654–6), अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स, नई दिल्ली।
2. सक्सेना मनोज कुमार, बाला रजनी और उपाध्याय मधु (2014), 'कंप्यूटर फोबिया : ए सर्वे अमौंग प्रोस्पेक्टिव टीचर्स', लर्निंग कम्यूनिटी (ऐन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड सोशल डेवलॉपमेंट), खंड 5, सं. 2, अगस्त और दिसंबर, पृष्ठ 171–178
3. सक्सेना मनोज कुमार, राज, रवि और कुमार शिवराज (2014), 'इ–वेस्ट अवेयरनेस, जेनेरेशन, स्ट्रैटजीज एंड प्रोग्राम्स : ए रिव्यू', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन फॉर ह्यूमन सर्विसेस, खंड 4, सं. 2, जून, पृष्ठ 1–9
4. सक्सेना मनोज कुमार और बाला, रजनी (2014), 'ए स्टडी ऑफ रिसर्च स्कॉलर्स ऐटीट्यूड टूवार्ड्स कंप्यूटर यूज़' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लनरी एजुकेशनल रिसर्च, खंड 3, अंक 5(3), मई, इम्पैक्ट फैक्टर – 2.735, आईसी मान–5.16
5. सक्सेना मनोज कुमार और कौर, मनप्रीत (2014), 'ए स्टडी ऑफ कंप्यूटर नॉलेज अमौंग प्रोस्पेक्टिव टीचर्स, जर्नल ऑफ एजुकेशनल थॉट्स, खंड 1, सं. 1, मार्च, पृष्ठ 136–141
6. सक्सेना मनोज कुमार और कौर, मनप्रीत (2014), 'ए स्टडी ऑफ कंप्यूटर ऐन्जाइटी अमौंग प्रोस्पेक्टिव टीचर्स', खंड 3, अंक 3(3), मार्च, इम्पैक्ट फैक्टर–2.735, आईसीमान–5.16, पृष्ठ 93–102
7. सक्सेना मनोज कुमार और हंस धर (2015), 'टीचिंग थ्रू आइसीटी : ए स्टडी और बैरियर्स एनकाउंटर्ड बाई टरसियरी टीचर्स', इंटरनेशनल एजुकेशन कांफ्रेंस–2015 की प्रोसिडिंग्स (इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन लर्निंग टेक्नोलॉजीज इन एजुकेशन), जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, एक्सेल इंडिया पब्लिशर्स, पृष्ठ 859–867
8. सक्सेना मनोज कुमार, बाला रजनी और रवि राज (2015), 'ई–गवर्नेंस इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस', इंटरनेशनल एजुकेशन कांफ्रेंस–2015 की प्रोसिडिंग्स (इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन लर्निंग टेक्नोलॉजीज इन एजुकेशन), जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, एक्सेल इंडिया पब्लिशर्स, पृष्ठ 853–858
9. सक्सेना मनोज कुमार और राज रवि (2015), ए स्टडी ऑन ई–वेस्ट अवेयरनेस इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कांगड़ा रीजन : ए केस स्टडी, यादव और सिंह द्वारा संपादित 'एनवॉयरनमेंटल इश्यूज़ फॉर सोशियो इकोलॉजिकल डेवलॉपमेंट' एक्सेल इंडिया पब्लिशर्स, नई दिल्ली में, पृष्ठ 35–41
10. सक्सेना मनोज कुमार और राज रवि (2015), 'ई वेस्ट : वॉर स्टेप (STEP) रीविल्स–इंडिया एंड वर्ल्ड', गिहार और सक्सेना द्वारा संपादित 'एनवॉयरनमेंटल प्रोटेक्शन एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट', अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली में, पृष्ठ 55–64

## अध्यापक शिक्षा विभाग

**डॉ. नवनीत शर्मा**

1. नायर पी और शर्मा एन. (2014), 'कनेक्ट एक्सचेंज प्रोग्राम्स : ए क्रिटिकल कॉम्पोनेंट इन मीडिया स्टडीज फॉर इंडियन मीडिया स्कूल्स', जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी डेवलॉपमेंट एंड एक्सचेंज, 7(1), 33–48,

सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल चाइनिज़ इन एजुकेशनल टेक्नोलॉजी (एसआईसीईटी), हटिसबर्ग मिसीसिपी, यूएसए (पीअर रिव्यूड)।

2. शर्मा एन, नायर पी. और भास्करन एच. (2015), 'वेदिक साइंस : द ह्यू ऑफ सैफरन आइयोलॉजी', मेनस्ट्रीम, खंड– LIII, नं. 14, मार्च 28, 2015, आईएसएसएन 0542–1462
3. भास्करन, एच., शर्मा एन. और नायर पी. (2015), 'बेटी बचाओ : पेशेंट्स एनवी डॉक्टर्स प्राइड', मेनस्ट्रीम, खंड–LIII, नं. 11, मार्च 7, 2015, आईएसएसएन 0542–1462
4. शर्मा एन., भास्करन एच. और नायर पी. (2014), 'धीरेन्द्र ब्रह्मचारी टू रामपाल : मर्की बाबाडम, मर्कियर पॉलिटिक्स', मेनस्ट्रीम, खंड–LIII, नं. 1, दिसंबर 27, 2014–ऐन्यूल नंबर, आईएसएसएन 0542–1462
5. शर्मा एन., भास्करन एच और नायर पी. (2014), 'नाइदर लव नॉर जिहाद : द पॉलिटिक्स ऑफ हेट–मॉण्गरिंग', मेनस्ट्रीम, खंड–LII, नं. 45, 2 नवंबर, 2014, आईएसएसएन 0542–1462
6. शर्मा एन., भास्करन एच. और नायर पी. (2014), 'कॉउज़, कैंडल्स एंड द अखंड राष्ट्र : बीइंग दीनानाथ बतरा, मेनस्ट्रीम, खंड–LII, नं. 41, अक्टूबर 4, 2014, आईएसएसएन 0542–1462
7. शर्मा एन., भास्करन एच. और नायर पी. (2014), 'फ्रौम आजाद टू इरानी : रोड ट्रैवर्स्ड बाइ ह्यूमन रिसोर्स डेवलॉपमेंट मिनिस्ट्री, मेनस्ट्रीम, खंड–LII, नं. 28, जुलाई 5, 2014, आइएसएसएस 0542–1462
8. शर्मा एन. नायर पी. और भास्करन एच. (2014), 'कन्वर्जिंग ब्राण्ड इंटू करिज्मा : द मेकिंग एंड राइज ऑफ नरेन्द्र मोदी, मेनस्ट्रीम, खंड 52, नं. 21, मई 17, 2014, आईएसएसएन 0542–1462

## व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

### लेखा तथा वित्त विभाग

### डॉ. आशीष नाग

1. 'रोल ऑफ बुद्धिस्ट सर्किट इन द डेवलॉपमेंट ऑफ टूरिज्म इंडस्ट्री : केस ऑफ हिमाचल प्रदेश', 'टूरिज्म प्रेजेंट एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव' शीर्षक पुस्तक में प्रकाशित, आईएसबीएन : 978–81–8457–655–9, कनिष्क पब्लिशर्स।
2. टूरिज्म एंड इकोनॉमिक डेवलॉपमेंट : द वे अहेड' 'टूरिज्म एंड हॉस्पिटालिटी' शीर्षक पुस्तक में प्रकाशित, आईएसबीएन 978–93–85000–20–1, भारती पब्लिकेशंस

### डॉ. मनप्रीत अरोड़ा

1. शोधपत्र शीर्षक 'माइक्रो फाइनांसिंग थ्रू सेल्फ हेल्प ग्रुप्स : रिज़नल डिस्ट्रीब्यूशन एंड वूमन इन इंडिया', 'एमर्जिंग पाराडाइम्स एंड प्रैक्टिशेस इन ग्लोबल टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड बिजनेस इश्यूज़' पर एनआईटी हमीरपुर में 22–24 दिसंबर, 2014 के दौरान आयोजित एनआईटी एमटीएमआई इंटरनेशनल कांफ्रेंस की प्रोसिडिंग्स में प्रकाशित, इम्पैक्ट फैक्टर–2
2. शोधपत्र शीर्षक 'ग्रोइंग रोल ऑफ फाइनांसियल इंस्टीट्यूशंस फॉर बूस्टिंग टूरिज्म सेक्टर लीडिंग टू न्यू अन्ट्रेप्रेन्यूरियल वेंचर्स', 'टूरिज्म एंड हॉस्पिटालिटी : ट्रेंड्स, कंसर्न्स एंड ऑपरचूनिटिज', शीर्षक से संपादित पुस्तक में प्रकाशित, आईएसबीएन : 978–93–85000–20–1
3. शोधपत्र शीर्षक 'पोटेंशियल ऑफ अनटैप्ड टूरिज्म सेक्टर ऑफ इंडिया इन द ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड', 'टूरिज्म : इंक्लूसिव ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट', शीर्षक से संपादित पुस्तक में प्रकाशित, आईएसबीएन : 978–93–85000–05–8
4. शोधपत्र शीर्षक 'अन्ट्रेप्रेन्यूरियल लीडरशिप एंड प्रौफिट मेकिंग ऐट इंफोसिस', 'मेक इन इंडिया : ट्रांसफॉर्मिंग ह्यूमन रिसोर्सेस एंड स्ट्रैटेजिक डेवलॉपमेंट' पर एनआईएसबीयूडी, एमएमएसएमई, भारत सरकार, नोएडा द्वारा 19–20 मार्च, 2015 को आयोजित ग्लोबल समिट 2015 की कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स में प्रकाशित।
5. शोधपत्र शीर्षक 'ग्लोबलाइजेशन, टूरिज्म पॉलिसी एंड टूरिज्म एजुकेशन इन इंडिया', इंटरनेशनल रेफरीड जर्नल ऑफ अप्लायड सर्विसेस मार्केटिंग पर्सपेक्टिव्स एनवॉयरनमेंट पर्सपेक्टिव में प्रकाशित, आईएसएसएन नं. 2279–0977, खंड 4, सं. 1, जनवरी–मार्च 2015
6. शोधपत्र शीर्षक 'माइक्रोफाइनांस ऐज़ टूल ऑफ कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी इन इंडियन बैंकिंग सेक्टर', 'माइक्रोफाइनांस एंड माइक्रो अन्ट्रेप्रेन्यूरशिप : ए पाराडाइम शिफ्ट फॉर सोसायटल डेवलॉपमेंट', पर संपादित पुस्तक में प्रकाशित, आईएसबीएन 978–93–83905

7. शोधपत्र (सह–लेखक) शीर्षक 'इवैल्यूएशन ऑफ नॉन परफॉरमिंग ऐसेट्स ऑफ पब्लिक एंड प्राइवेट सेक्टर बैंक्स अंडर एसएचजी बैंक लिंकेज प्रोग्राम', डबल–ब्लाइंड पीअर रिव्यूड जर्नल, इंडियन जर्नल ऑफ फाइनांस में प्रकाशन के लिए संप्रेषित, आईएसएसएन 0973–8711

**मोहम्मद आतिफ**

1. आतिफ एन., और नसीम वाई. (2014), 'इंट्राडे रिलेशनशिप बिटवीन सीएनएक्स निफ्टी स्पॉट एंड फ्यूचर्स इंडेक्स : ए कोइंटीग्रेशन एनालिसिस यूजिंग जोहानसन वेक्टर एरर करेक्शन अप्रोच', बिजनेस एनालिस्ट, खंड 35, सं. 1, 143–161

**डॉ. मोहिंदर सिंह**

1. 'ए कॉम्पेरेटिव स्टडी ऑन इंडस्ट्रीयल डेवलॉपमेंट इन हिमाचल प्रदेश आफ्टर स्पेशल इंड्स्ट्रीयल पैकेज', अर्थशास्त्रः इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड रिसर्च, प्रकाशन के लिए स्वीकृत।
2. 'ए कॉम्परेटिव स्टडी ऑफ वेरियस जॉब सैटिसफैक्शन फैक्टर्स अमौंग द एम्प्लॉईज़ ऑफ कोऑपरेटिव बैंक्स', शिमला मैनेजमेंट जर्नल, एचपीयू, शिमला, हि.प्र., अक्टूबर, 2014, आईएसएसएन : 2320–0154

**मानव संसाधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग**

**डॉ. गीतांजलि उपाध्याय**

1. चमन लाल, गीतांजलि उपाध्याय और सुमन शर्मा, 'डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर स्कीम : इश्यूज़ एंड चैलेंजेज ऐट बॉटम ऑफ द पिरामिड', द इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स, अप्रैल–जून, 2014
2. जतिन्दर कौर, गीतांजलि उपाध्याय और आशीष पारीक, 'कॉर्पोरेट गवर्नेंस : ऐन इंडियन पर्सपेक्टिव ऑन डिस्क्लोजर एंड ट्रांस्पेरेंसी इश्यूज़', जर्नल ऑफ कंटेमपोररी रिसर्च इन मैनेजमेंट, खंड 9, सं. 2, अप्रैल–जून, 2014.
3. साएमा बानो और गीतांजलि उपाध्याय, 'ए ग्लिम्प्स ऑफ कबीरर्स फिलॉसोफी इन डेवलॉपिंग ह्यूमन वैल्यूज़ थ्रू द प्रोसेस ऑफ एनलाइमेंट', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज, लिटरेचर एंड ह्यूमैनिटिज़, खंड II अंक IV, अक्टूबर, 2014
4. गीतांजलि उपाध्याय और सुनील कुमार 'ऐन एक्स्प्लोरेटरी स्टडी : वर्क लाइफ बैलेंस ऑफ मेडिकल प्रोफेशनल्स', गोल्डेन रिसर्च थॉट्स खंड–IV, अंक–V, नवंबर 2014
5. सुनील कुमार और गीतांजलि उपाध्याय, 'पर्सपेक्टिव स्ट्रेस इन इंडियन टीचर्स एसोसिएटेड विथ हायर एजुकेशन', एशियन जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज, खंड 2, अंक 11, नवंबर 2014

**विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग**

**डॉ. भगवान सिंह**

1. भगवान सिंह और सचिन कुमार, विषय 'कंज्यूमर प्रेफेरेंस फॉर इको फ्रेंडली प्रोडक्ट्स ऑफ होम अप्लायंस कम्पनीज', द इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स में शोधपत्र प्रकाशित, आईएसएसएन : 0019–512 X, खंड 67(3), पृष्ठ 86–95, (2014)
2. भगवान सिंह और ऋषिकांत, विषय 'ऐन एम्पीरिकल इंवेस्टीगेशन ऑफ फाइनांशियल परफॉरमेंस ऑफ नेशनलाइज्ड बैंक्स इन इंडिया', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड मैनेजेरियल थॉट्स में शोधपत्र प्रकाशित, खंड 4, नं. 2, आईएसएसएन : 2229–3736, (2014)
3. भगवान सिंह और ऋषिकांत, विषय 'डाइमेंशंस ऑफ सर्विस सेक्टर ऑपरेशंस एंड अप्रोचेज : ऐन असेसमेंट ऑफ नेशनलाइज्ड सेक्टर बैंक्स इन इंडिया', आईआईटी रूड़की में सोसाइटी ऑफ ऑपरेशन मैनेजमेंट की कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स में शोधपत्र प्रकाशित, आईएसबीएनः 978–93–8493–502–3, प्रकाशक एक्सेलेंट पब्लिशिंग हाउस (2014)

**चमन लाल**

1. शोधपत्र शीर्षक 'डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर स्कीम : इश्यूज़ एंड चेलेंजेज ऐट बॉटम ऑफ द पिरामिड', इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स में प्रकाशित, अप्रैल–जून 2014 अंक, आईएसएसएन : 001+512X
2. शोधपत्र शीर्षक 'इ–टेलिंग इन रूरल इंडिया : स्ट्रैटेजिक पर्सपेक्टिव', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रूरल मैनेजमेंट, सेज़ पब्लिकेशंस में प्रकाशन के लिए संप्रेषित।

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

### पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

### देबाशीष साहू

1. साहू देबाशीष (2014), 'सोशल आर्कीटेक्चर ऑफ एथनिक फूड टूरिज्म इन इंडिया', आइजेटीएचएम, खंड 5, अंक 1, पृष्ठ 53–66
2. साहू, देबाशीष (2014), 'रोल ऑफ गैसट्रोनोमिक्स इन टूरिज्म : ए केस स्टडी ऑफ डोमेस्टिक ट्रॉवेलर्स इन इंडिया', आवाहन, खंड 2, अंक–2, पृष्ठ 124–132
3. साहू, देबाशीष (2015), ए केस स्टडी ऑन 'बीच–टूरिज्म पोटेंशियल ऑफ उड़िसा', जर्नल फॉर कश्मीर टूरिज्म एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी, एक अंतरराष्ट्रीय रेफरीड जर्नल
4. साहू देबाशीष (2015), 'अनालाइजिंग द इम्पैक्ट ऑफ कल्चर ऑन ए डेस्टीनेशंस कुज़ीन : ए केस स्टडी ऑफ उडिसा', पीसीटीई जर्नल ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी मैनेजमेंट, खंड 1, अंक–1, पृष्ठ 124–132

### डॉ. सुमन शर्मा

1. शोधपत्र शीर्षक 'इम्पैक्ट्स ऑफ रूरल टूरिज्म ऑन लोकल कम्यूनिटी : ए क्रिटिकल रिव्यू ऑफ लिटरेचर', एस.पी. बंसल और संदीप वालिया द्वारा संपादित पुस्तक 'टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी : ट्रेंडस कंसर्न्स एंड ऑपरचूनिटिज', में प्रकाशित, आईएसबीएन सं. 978–93–85000–20–1, 2015
2. शोधपत्र शीर्षक 'टुवार्ड्स ए क्वालिटी टूरिज्म एक्सपीरिएंस : ए डेस्टीनेशन मार्केटिंग पर्सपेक्टिव', एस.पी. बंसल और संदीप वालिया द्वारा संपादित पुस्तक 'टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी : ट्रेंडस कंसर्न्स एंड ऑपरचूनिटिज', में प्रकाशित, आईएसबीएन सं. 978–93–85000–20–1, 2015
3. शोधपत्र शीर्षक 'आकर्स ब्राण्ड ऐडेंटिटी ट्रैप्स : इम्पलीकेशंस फॉर डेस्टीनेशन ब्राण्ड्स', एस.पी. बंसल, संदीप कुलश्रेष्ठ और प्रशांत गौतम द्वारा संपादित पुस्तक 'टूरिज्म, इंक्लूसिव ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट' में प्रकाशित, आईएसबीएन नं. 978–93–81212–05–8
4. शोधपत्र शीर्षक 'अंडरस्टैंडिंग डेस्टीनेशन इमेज : ए टूरिस्ट पर्सपेक्टिव', एस.पी. बंसल, संदीप कुलश्रेष्ठ और प्रशांत गौतम द्वारा संपादित पुस्तक 'टूरिज्म इंक्लूसिव ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट' में प्रकाशित, आईएसबीएन नं. 978–93–81212–05–8
5. शोधपत्र शीर्षक 'जीयोटूरिज्म : ए टूरिज्म पर्सपेक्टिव फॉर द नॉर्थ वेस्ट माउंटेन स्टेट्स ऑफ इंडिया', एस.पी. बंसल, संदीप वालिया और सैयद अहमद रिज़दान द्वारा संपादित पुस्तक 'टूरिज्म प्रेजेंट एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव' में प्रकाशित, आईएसबीएन नं. 978–81–8457–655–9, 2015
6. शोधपत्र शीर्षक 'कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉसिबिलिटी–ए स्टडी ऑन होटल इंडस्ट्री', जर्नल ऑफ एशियन जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज, खंड 2, अंक 4, अप्रैल, 2014 में प्रकाशित, आईएसएसएन नं. 2321–8819
7. शोधपत्र शीर्षक 'रूरल टूरिज्म इन डेवलॉप्ड, डेवलॉपिंग एंड एलडीसीज : ए क्रिटिकल रिव्यू ऑफ लिटरेचर', जर्नल ऑफ कश्मीर फॉर टूरिज्म एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

## पत्रकारिता, जन संचार एवं नवमीडिया स्कूल

### डॉ. प्रदीप नायर

1. नायर प्रदीप और मिश्रा हर्ष (2014), 'मोबाइल ऐडवरटाइजिंग द इंडियन पर्सपेक्टिव', जून वेई (संपादित) मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स फॉउण्डेशन, डेवलॉपमेंट एंड ऐप्लीकेशंस में (पृष्ठ 241–264), आईएसबीएन 978–1–4665–9090–8, डीओआई 10.1201/617686–19, सीआरसी प्रेस टेलर एंड फ्रांसिस (पीअर रिव्यूड)
2. नायर पी. और शर्मा एन. (2014) 'कनेक्ट एक्सचेंज प्रोग्राम्स : ए क्रिटिकल कॉम्पोनेंट इन मीडिया स्टडीज फॉर इंडियन मीडिया स्कूल्स', जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी डेवलॉपमेंट एंड एक्सचेंज, 7(1), 33–48, सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल चाइनिज़ इन एजुकेशनल टेक्नोलॉजी (एसआईसीईटी), हटिसबर्ग मिसीसिपी, यूएसए (पीअर रिव्यूड)।
3. नायर प्रदीप (2014), 'प्रैक्टिशिंग कौस्ट इफेक्टिव कनेक्टिविटी सॉल्यूशंस फॉर रूरल एम्पावरमेंट : ए केस स्टडी ऑफ एयरजल्दी वायरलेस ब्रौडबैंड इनीशिएटिव ऐट धर्मशाला', जर्नल ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक डेवलॉपमेंट, 16(1) : 37–58, इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज (आईएसइसी), बैंगलोर (पीअर रिव्यूड)।

**लोकप्रिय लेख :**

4. शर्मा एन, नायर पी. और भास्करन एच. (2015), 'वेदिक साइंस : द ह्यू ऑफ सैफरन आइयोलॉजी', मेनस्ट्रीम, खंड– LIII, नं. 14, मार्च 28, 2015, आईएसएसएन 0542–1462
5. भास्करन, एच., शर्मा एन. और नायर पी. (2015), 'बेटी बचाओ : पेशेंट्स एनवी डॉक्टर्स प्राइड', मेनस्ट्रीम, खंड–LIII, नं. 11, मार्च 7, 2015, आईएसएसएन 0542–1462
6. शर्मा एन., भास्करन एच. और नायर पी. (2014), 'धीरेन्द्र ब्रह्मचारी टू रामपाल : मर्की बाबाडम, मर्कियर पॉलिटिक्स', मेनस्ट्रीम, खंड–LIII, नं. 1, दिसंबर 27, 2014–ऐन्यूल नंबर, आईएसएसएन 0542–1462
7. शर्मा एन., भास्करन एच और नायर पी. (2014), 'नाइदर लव नॉर जिहाद : द पॉलिटिक्स ऑफ हेट–मॉण्गरिंग', मेनस्ट्रीम, खंड–LII, नं. 45, 2 नवंबर, 2014, आईएसएसएन 0542–1462
8. शर्मा एन., भास्करन एच. और नायर पी. (2014), 'कॉउज़, कैंडल्स एंड द अखंड राष्ट्र : बीइंग दीनानाथ बत्रा, मेनस्ट्रीम, खंड–LII, नं. 41, अक्टूबर 4, 2014, आईएसएसएन 0542–1462
9. नायर पी. और भास्करन एच. और मिश्रा एच. (2014), 'डिजिटल जर्नलिज्म विद वेयरेबल टेक्नोलॉजिज', कम्यूनिकेशन टुडे, जुलाई–सितंबर 2014, आईएसएसएन 0975–217 (पृ. 66–69)
10. नायर पी. और भास्करन एच. (2014), 'इर्रेस्पॉन्सिबल रिपोर्टिंग डिस्टॉर्ट्स पब्लिक पर्सेप्शन', विदुर : ए जर्नल ऑफ प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, खंड 6, अंक 3, जुलाई–सितंबर 2014, आईएसएसएन 0042–5303
11. शर्मा एन., भास्करन एच. और नायर पी. (2014), 'फ्रौम आजाद टू इरानी : रोड ट्रैवर्स्ड बाइ ह्यूमन रिसोर्स डेवलॉपमेंट मिनिस्ट्री, मेनस्ट्रीम, खंड– LII, नं. 28, जुलाई 5, 2014, आइएसएसएस 0542–1462
12. नायर पी. और भास्करन एच. (2014), 'कनेक्टिंग स्टेकहोल्डर्स इन हेल्थकेयर', विदुर : ए जर्नल ऑफ प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, खंड 6, अंक 2, अप्रैल–जून 2014, आईएसएसएन 0042–5303
13. शर्मा एन. नायर पी. और भास्करन एच. (2014), 'कन्वर्जिंग ब्राण्ड इंटू करिज्मा : द मेकिंग एंड राइज ऑफ नरेन्द्र मोदी, मेनस्ट्रीम, खंड 52, नं. 21, मई 17, 2014, आईएसएसएन 0542–1462

## पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग

### डॉ. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा

1. 'सोशल मीडिया एंड अरब स्प्रिंग', 'कम्यूनिकेशन एंड मीडिया' पर एक अंतरराष्ट्रीय पीअर रिव्यूड रिसर्च जर्नल 'मीडिया वॉच' में खंड 6, सं. 1, जनवरी 2015, आईएसएसएन 0976–091
2. 'द फोर्थ वेव डेटा ड्रिवेन जर्नलिज्म : सर्चिंग फॉर हिडेन स्टोरीज', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजीज एंड कंप्यूटर साइंसेस पर्सपेक्टिव, खंड 3, सं. 3, सितंबर, 2014, आईएसएसएन– 2319–9016
3. 'मीडिया मैनेजमेंट विज़ावि टू द न्यू कॉर्पोरेट पाराडाइम्स', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसेंट ट्रेंड्स इन मैनेजमेंट एंड अलायड रिसर्चर्स, खंड 1, अंक 2, जून 2014, आईएसएसएन– 2348–9405

### डॉ. अर्चना कटोच

1. कटोच ए. (2015), 'ह्यूमन वैल्यूज इन हायर एजुकेशन–नीड एंड इंपॉर्टेंस : ऐन अप्रेज़ल', अकादमिक स्टाफ कॉलेज, शिमला, आईएसएसएन : 2229–6587 (प्रकाशनाधीन)।
2. कटोच ए. (2015), 'द कंट्रिब्यूशन ऑफ इंफॉरमेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजिज टू इकोनॉमिक ग्रोथ : चैलेंजेज एंड प्रॉस्पेक्टस', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ न्यू मीडिया स्टडीज़, 1, अर्थ विज़न पब्लिकेशंस, गुड़गांव, हरियाणा, आईएसएसएन 2374–4331 (प्रकाशनाधीन)।
3. कटोच, ए. (2015), 'आइसीटी एंड टूरिज्म ट्रेंडस : बियॉण्ड कन्वेंशन टूरिज्म', एस.पी. बंसल और एस. वालिया (संपादित) 'टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी : ट्रेंडस, कंसर्न्स एंड ऑपचूनिटिज़', भारती पब्लिकेशंस, नई दिल्ली में, (पृ. 189–195), आईएसबीएन : 978–93–8500–20–1
4. कटोच, ए. (2015), 'हारनेसिंग मीडिया पोटेंशियल फॉर टूरिज्म डेवलॉपमेंट : स्टेटस एंड प्रॉस्पेक्ट्स', एस.पी. बंसल, एस. कुलश्रेष्ठ और पी.के. गौतम (संपादित) 'टूरिज्म इन्क्लूसिव ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट, भारती पब्लिकेशंस, नई दिल्ली (पृष्ठ 778–783), आईएसबीएन : 978–93–85–8500–05–8
5. कटोच, ए. (2014), 'स्ट्रेंथनिंग आइसीटीज़ फॉर डिजास्टर रिस्क् मैनेजमेंट एंड डेवलॉपमेंट', 'रिव्यू ऑफ बिज़ेनस एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च, 11(1), 780–785, आईएसएसएन : 1941–9414, एनआईटी हमीरपुर और मॉडर्न टेक्नोलॉजीज एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट यूएसए।

6. कटोच, ए (2014), 'आईसीटी अडॉप्शन इन इंडियन हायर एजुकेशनः अपॉरचूनिटिज़ एंड चैलेंजेज', टी. कौर, एस. गुप्ता और ए सिंह (संपादित), 'चैलेंजेज इन हायर एजुकेशन', देश भगत यूनिवर्सिटी, मंडी, गोबिंदगढ़ पंजाब : पब्लिकेशन ब्यूरो (पृष्ठ 83–90), आईएसबीएन : 978–93–83223–02–2

**हरिकृष्णन भास्करन**

1. शर्मा एन, नायर पी. और भास्करन एच. (2015), 'वेदिक साइंस : द ह्यू ऑफ सैफरन आइयोलॉजी', मेनस्ट्रीम, खंड– LIII, नं. 14, मार्च 28, 2015, आईएसएसएन 0542–1462
2. भास्करन, एच., शर्मा एन. और नायर पी. (2015), 'बेटी बचाओ : पेशेंट्स एनवी डॉक्टर्स प्राइड', मेनस्ट्रीम, खंड–LIII, नं. 11, मार्च 7, 2015, आईएसएसएन 0542–1462
3. शर्मा एन., भास्करन एच. और नायर पी. (2014), 'धीरेन्द्र ब्रह्मचारी टू रामपाल : मर्की बाबाडम, मर्कियर पॉलिटिक्स', मेनस्ट्रीम, खंड–LIII, नं. 1, दिसंबर 27, 2014–ऐन्यूल नंबर, आईएसएसएन 0542–1462
4. शर्मा एन., भास्करन एच और नायर पी. (2014), 'नाइदर लव नॉर जिहाद : द पॉलिटिक्स ऑफ हेट–मॉण्गरिंग', मेनस्ट्रीम, खंड–LII, नं. 45, 2 नवंबर, 2014, आईएसएसएन 0542–1462
5. शर्मा एन., भास्करन एच. और नायर पी. (2014), 'कॉउज़, कैंडल्स एंड द अखंड राष्ट्र : बीइंग दीनानाथ बत्रा, मेनस्ट्रीम, खंड–LII, नं. 41, अक्टूबर 4, 2014, आईएसएसएन 0542–1462
6. नायर पी. और भास्करन एच. और मिश्रा एच. (2014), 'डिजिटल जर्नलिज्म विद वेयरेबल टेक्नोलॉजिज', कम्यूनिकेशन टुडे, जुलाई–सितंबर 2014, आईएसएसएन 0975–217 (पृ. 66–69)
7. नायर पी. और भास्करन एच. (2014), 'इर्रेस्पॉन्सिबल रिपोर्टिंग डिस्टॉर्ट्स पब्लिक पर्सेप्शन', विदुर : ए जर्नल ऑफ प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, खंड 6, अंक 3, जुलाई–सितंबर 2014, आईएसएसएन 0042–5303
8. शर्मा एन., भास्करन एच. और नायर पी. (2014), 'फ्रौम आजाद टू इरानी : रोड ट्रैवर्स्ड बाइ ह्यूमन रिसोर्स डेवलॉपमेंट मिनिस्ट्री, मेनस्ट्रीम, खंड– LII, नं. 28, जुलाई 5, 2014, आइएसएसएस 0542–1462
9. नायर पी. और भास्करन एच. (2014), 'कनेक्टिंग स्टेकहोल्डर्स इन हेल्थकेयर', विदुर : ए जर्नल ऑफ प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, खंड 6, अंक 2, अप्रैल–जून 2014, आईएसएसएन 0042–5303
10. शर्मा एन. नायर पी. और भास्करन एच. (2014), 'कन्वर्जिंग ब्राण्ड इंटू करिज्मा : द मेकिंग एंड राइज ऑफ नरेन्द्र मोदी, मेनस्ट्रीम, खंड 52, नं. 21, मई 17, 2014, आईएसएसएन 0542–1462

**डॉ. हर्ष मिश्रा**

1. नायर पी., हरिकृष्णन बी. और मिश्रा, एच. 'डिजिटल जर्नलिज्म विद वेरेबल टेक्नोलॉजिज', कम्यूनिकेशन टुडे, आईएसएसएन नं. 0975–217X, अंक : जुलाई–सितंबर, 2014
2. नायर प्रदीप और मिश्रा हर्ष (2014), 'मोबाइल ऐडवरटाइजिंग द इंडियन पर्सपेक्टिव', जून वेई (संपादित) मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स फॉउण्डेशन, डेवलॉपमेंट एंड ऐप्लीकेशंस में (पृष्ठ 241–264), आईएसबीएन 978–1–4665–9090–8, डीओआई 10.1201/617686–19, सीआरसी प्रेस टेलर एंड फ्रांसिस (पीअर रिव्यूड)

**जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग**

**डॉ. राम प्रवेश राय**

1. उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स के नौ अध्यायों युक्त तीन खण्डों (नामतः संचार के चरण; पत्रिकारिता के प्रकार; और विज्ञापन) की अध्ययन सामग्री को विकसित किया (जमा किया और स्वीकृत)।
2. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स के पांच अध्यायों युक्त एक खण्ड (नामतः अंतरराष्ट्रीय संचार) की अध्ययन सामग्री को विकसित किया (जमा किया और स्वीकृत)।

# संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त अध्येतावृत्ति एवं सम्मान

## जैविक विज्ञान स्कूल

### कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र

### डॉ. शैलेन्द्र कुमार वर्मा

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की द्वारा वर्ष 2014 में डॉक्टर ऑफ फिलोसोफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई।

### डॉ. यूसुफ अख्तर

1. यंग इन्वेस्टीगेटर्स मीट 2015 (इंडिया बायोसाइंस द्वारा इएमबीओ, कश्मीर विश्वविद्यालय और वेलकम ट्रस्ट–डीबीटी अलायंस के सहयेाग से द खैबर हिमालयन स्पा एंड रिसॉर्ट, गुलमर्ग, श्रीनगर, जम्मू तथा कश्मीर में आयोजित) में भाग लेने के लिए भारत वर्ष से चयनित उनचालीस युवा अन्वेषणकर्ताओं में से एक (28 मार्च–01 अप्रैल 2015)।

## पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

### पर्यावरण विज्ञान विभाग

### डॉ. शुभांकर चटर्जी

1. एलेक्जेंडर वोन हम्बोल्ड्ट रीविज़िट रिसर्च फेलोशिप (जर्मनी), फरवरी 2015 में चयनित, 3 माह के लिए यह फेलोशिप जून, 2015 से प्रारंभ होगी।
2. इंडिया बायोसाइंस द्वारा 28 मार्च–1 अप्रैल, 2015 के दौरान श्रीनगर में आयोजित यंग इन्वेस्टीगेटर्स मीट 2015 में अभ्यर्थी के रूप में चयनित (भारत से चयनित 39 अभ्यर्थियों में से एक युवा अन्वेषणकर्ता)।

## समाज विज्ञान स्कूल

### प्रो. एच. आर. शर्मा

1. इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स की वार्षिक आम सभा बैठक में इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स के संपादन मंडल में निर्वाचित, दिसंबर 2014

### समाज कार्य विभाग

### प्रो. अरविंद कुमार अग्रवाल

1. इंटरनेशनल सोशियोलॉजिकल एशोसिएशन का वर्ष 2010–14 के लिए रिसर्च कमिटी ऑन सोशियोलॉजी ऑफ लॉ (आरसीएसएल) का को–ऑप्टेड सदस्य।

## शिक्षा स्कूल

### अध्यापक शिक्षा विभाग

### डॉ. प्रकृति भार्गव

1. इंडियन कौंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च की ओर से लंदन में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए विदेशी यात्रा अनुदान।

# संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित सेमिनार एवं सम्मेलन

## भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

### डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री

1. 'ई लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' पर विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यशाला, इंस्पायर्ड टीचर्स नेटवर्क के कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए आयोजित, हिप्रकेवि द्वारा निधिबद्ध, 19 मार्च, 2015, 10,000/– रु.।
2. 'फिजिक्स एक्सपेरीमेंट्स यूज़िंग डेटा ऐक्वीजिशन किट एक्स्पआइज़ (ExpEYES)' पर राज्य स्तरीय कार्यशाला, 6–8 नवंबर, 2014, डीपीएएस, हिप्रकेवि की फिजिक्स सोसाइटी द्वारा निधिबद्ध, 30,000/–रु.।

### भौतिक एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग

### डॉ. बी.सी. चौहान

1. 'ऐनसिएंट इंडियन विज़डम : सम रिफ्लेक्शंस' पर डॉ. रवि प्रकाश आर्य द्वारा सेमिनार (17 फरवरी, 2015)।

### डॉ. अयान चटर्जी

1. स्ट्रिंग थियरी पर दो व्याख्यानों के लिए डॉ. सुदिप्तो पॉल चौधुरी, आइसर मोहाली को आमंत्रित किया, विभागीय अनुदान में से।
2. अविरूप घोष, साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता को एक माह के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने विज्ञान दिवस, 2015 के अवसर पर एक व्याख्यान भी दिया।

### डॉ. दलीप सिंह वर्मा

1. 'फिजिक्स एक्सपेरीमेंट्स यूज़िंग डेटा ऐक्वीजिशन किट एक्स्पआइज़ (ExpEYES)' पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजक सचिव।
2. वैज्ञानिक लेखन एवं प्रस्तुतीकरण पर एक दिवसीय कार्यशाला, 20 मार्च 2015

### डॉ. जगदीश कुमार

1. 'फिजिक्स एक्सपेरीमेंट्स यूज़िंग डेटा ऐक्वीजिशन किट एक्स्पआइज़ (ExpEYES)' पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला की आयोजक समिति का सदस्य।

### डॉ. सुरेन्दर वर्मा

1. 'फिजिक्स एक्सपेरीमेंट्स यूज़िंग डेटा ऐक्वीजिशन किट एक्स्पआइज़ (ExpEYES)' पर 06–08 नवंबर, 2014 को आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला की आयोजक समिति का सदस्य।

### डॉ. पद्मनाभ राय, यूजीसी–सहायक प्रोफेसर

1. 'फिजिक्स एक्सपेरीमेंट्स यूज़िंग डेटा ऐक्वीजिशन किट एक्स्पआइज (ExpEYES)' पर 06–08 नवंबर, 2014 को आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला की आयोजक समिति का सदस्य।

## जैविक विज्ञान स्कूल

### कंप्यूटेशनल बॉयोलाजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र

### डॉ. विक्रम सिंह

1. 'इंडो–यूएस कांफ्रेंस एंड वर्कशॉप ऑन सिंथेटिक एंड सिस्टम्स बायोलॉजी', जेएनयू, नई दिल्ली में 09–12 नवंबर, 2014 के दौरान 'ओरल प्रेजेंटेशन एंड टूटोरियल्स कमिटी' का सदस्य (डीबीटी, भारत और एनएसएफ, यूएसए द्वारा निधिबद्ध)।

## पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

### प्रो. अंबरीश कुमार महाजन

1. अध्यक्ष एवं आयोजक सचिव, 'स्टेटस ऑफ नैचूरल हजार्ड्स इन हिमाचल प्रदेश (एनएचएचपी–14)' पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 6–7 नंवबर, 2014, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा निधिबद्ध।
2. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, रोटरी क्लब कांगड़ा और हिमाचल प्रदेश सरकार के समन्वय से 8 नवंबर, 2014 को एक दिवसीय स्टेकहोल्डर्स वर्कशॉप आयोजित किया, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा निधिबद्ध।
3. क्षेत्रीय समन्वयक के रूप में 4 फरवरी, 2015 को इंडियन जीयोलॉजिकल कॉंग्रेस के अखिल भारतीय वाद–विवाद प्रतियोगिता के दूसरे चरण का आयोजन किया, इंडियन जियोलॉजिकल कॉंग्रेस और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा निधिबद्ध व समन्वित।
4. प्राकृतिक विपत्तियों पर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की ग्रुप मॉनीटरिंग समिति की बैठक दिनांक 07 नवंबर, 2014 को आयोजित किया, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा निधिबद्ध।

5. पृथ्वी एवं पर्यावरण स्कूल, हिप्रकेवि, टैब, शाहपुर में 22 अप्रैल, 2014 को पृथ्वी दिवस आयोजित किया।
6. हिप्रकेवि कैंपस में माइक्रोट्रेमर सिस्टम पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 27 जनवरी से 2 फरवरी, 2015 के दौरान पर्यावरण विज्ञान विभाग, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल के 05 एमएससी विद्यार्थियों और शोधार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

### पर्यावरण विज्ञान विभाग

### डॉ. अंकित टंडन

1. संयोजक के रूप में 06–08 नंवबर, 2014 के दौरान 'स्टेटस ऑफ नैचूरल हाजार्ड्स इन हिमाचल प्रदेश (एनएचएचपी–14) पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।
2. संयोजक के रूप में 4 फरवरी, 2015 को इंडियन जियोलॉजिकल कॉंग्रेस के अखिल भारतीय वाद–विवाद प्रतियोगिता के दूसरे चरण को आयोजित किया।

### डॉ. अनुराग लिंडा

1. संयोजक के रूप में 06–08 नंवबर, 2014 के दौरान 'स्टेटस ऑफ नैचूरल हाजार्ड्स इन हिमाचल प्रदेश (एनएचएचपी–14) पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।
2. संयोजक के रूप में 4 फरवरी, 2015 को इंडियन जियोलॉजिकल कॉंग्रेस के अखिल भारतीय वाद–विवाद प्रतियोगिता के दूसरे चरण को आयोजित किया।

### डॉ. शुभांकर चटर्जी

1. डॉ. श्वेता यादव, सहायक प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग, जैविक विज्ञान स्कूल, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा हिप्रकेवि में एक व्याख्यान की व्यवस्था की।
2. डॉ. आलिम वेलजाई, रिसर्च असिस्टेंट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ फारमोकोलोजी, यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवानिया, यूएसए द्वारा 4 मार्च, 2015 को हिप्रकेवि में एक व्याख्यान की व्यवस्था की।

## गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल

### प्रो. इंदर वीर मल्हन

1. आयोजक सचिव, XXX आईएटीएलआईएस राष्ट्रीय सम्मेलन, हिप्रकेवि, टैब, शाहपुर, 27–29 नवंबर, 2014
2. कार्यशाला निदेशक, 'एक्सेस टू ई–जर्नल्स' पर इंफ्लिबनेट अहमदाबाद द्वारा हिप्रकेवि धर्मशाला के सहयोग से 12 सितंबर, 2014 को आयोजित एक दिवसीय प्रयोक्ता जागरूकता कार्यशाला।
3. 'यूज़ ऑफ डीडीसी इन हाइपरमीडिया ऑर्गेनाइजेशन' पर 12–13 फरवरी, 2015 को दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

### गणित विभाग

### डॉ. राकेश कुमार

1. 'टू फेसेस ऑफ एनालिसिस' पर तीन दिवसीय कार्यशाला, आयोजक–मैथेमेटिकल सोसाइटी, हिप्रकेवि, 21–23 अप्रैल, 2014
2. 'अनालिटिकल आस्पेक्ट्स ऑफ डायनामिक्स' पर एक सप्ताह की कार्यशाला, आयोजक मैथेमेटिकल सोसाइटी, हिप्रकेवि, 11–17 नवंबर, 2014
3. 'सोबोलेव स्पेसेस' पर दो दिवसीय कार्यशाला, आयोजक– मैथेमेटिकल सोसाइटी, हिप्रकेवि, 27–28 फरवरी, 2015

### डॉ. रविंदर सिंह

1. 'टू फेसेस ऑफ एनालिसिस' पर तीन दिवसीय कार्यशाला, आयोजक–मैथेमेटिकल सोसाइटी, हिप्रकेवि, 21–23 अप्रैल, 2014
2. 'अनालिटिकल आस्पेक्ट्स ऑफ डायनामिक्स' पर एक सप्ताह की कार्यशाला, आयोजक मैथेमेटिकल सोसाइटी, हिप्रकेवि, 11–17 नवंबर, 2014
3. 'सोबोलेव स्पेसेस' पर दो दिवसीय कार्यशाला, आयोजक मैथेमेटिकल सोसाइटी, हिप्रकेवि, 27–28 फरवरी, 2015

### डॉ. सचिन कुमार श्रीवास्तव

1. 'टू फेसेस ऑफ एनालिसिस' पर तीन दिवसीय कार्यशाला, आयोजक मैथेमेटिकल सोसाइटी, हिप्रकेवि, 21–23 अप्रैल, 2014

2. 'अनालिटिकल आस्पेक्ट्स ऑफ डायनामिक्स' पर एक सप्ताह की कार्यशाला, आयोजक मैथेमेटिकल सोसाइटी, हिप्रकेवि, 11–17 नवंबर, 2014
3. 'सोबोलेव स्पेसेस' पर दो दिवसीय कार्यशाला, आयोजक मैथेमेटिकल सोसाइटी, हिप्रकेवि, 27–28 फरवरी, 2015

### कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग

### केशव सिंह रावत

1. समन्वयक/संयोजक, 'C और C++ और जावा' पर स्पोकेन टूटोरियल, आईआईटी बॉम्बे के साथ एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित, (एमएचआरडी द्वारा निधिबद्ध), 04.04.2014
2. समन्वयक/संयोजक, 'C और CPP और जावा' पर स्पोकेन टूटोरियल, आईआईटी बॉम्बे के साथ एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित, (एमएचआरडी द्वारा निधिबद्ध), 24.03.2015
3. समन्वयक/संयोजक, 'लिनक्स' पर स्पोकेन टूटोरियल, आईआईटी बॉम्बे के साथ एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित, (एमएचआरडी द्वारा निधिबद्ध), 25.03.2015
4. समन्वयक/संयोजक, 'जावा' पर स्पोकेन टूटोरियल, आईआईटी बॉम्बे के साथ एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित, (एमएचआरडी द्वारा निधिबद्ध), 27.03.2015
5. समन्वयक/संयोजक, 'इमेज प्रोसेसिंग एंड कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंश' पर इंफॉरमेशन सोसाइटी ऑफ डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉरमेटिक्स के साथ दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित, 01–02 मई, 2014
6. समन्वयक/संयोजक, 'बिजनेस प्रोसेस सिमूलेशन यूजिंग बेबजीपीएसएस (WEBGPSS) टूल पर इंफॉरमेशन सोसाइटी ऑफ डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉरमेटिक्स के साथ एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित, 10.09.2014
7. समन्वयक/संयोजक, 'सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग प्रिंसिपल्स एंड टेक्नीक्स' पर इंफॉरमेशन सोसाइटी ऑफ डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉरमेटिक्स के साथ एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित, 28.11.2014

### मनोज धीमान

1. समन्वयक, 'इमेज प्रोसेसिंग एंड कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंश' पर इंफॉरमेशन सोसाइटी ऑफ डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉरमेटिक्स के साथ दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित, 01–02 मई, 2014
2. समन्वयक/संयोजक, 'बिजनेस प्रोसेस सिमूलेशन यूजिंग बेबजीपीएसएस (WEBGPSS) टूल पर इंफॉरमेशन सोसाइटी ऑफ डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉरमेटिक्स के साथ एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित, 10.09.2014
3. समन्वयक/संयोजक, 'सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग प्रिंसिपल्स एंड टेक्नीक्स' पर इंफॉरमेशन सोसाइटी ऑफ डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉरमेटिक्स के साथ एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित, 28.11.2014
4. समन्वयक/संयोजक, 'वेबसाइट डिजाइन एंड डेवलॉपमेंट' पर इंफॉरमेशन सोसाइटी ऑफ डिपार्टमेंट कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉरमेटिक्स के साथ एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित, 18.02.2015.

### पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

### डॉ. डिंपल पटेल

1. समन्वयक, 'यूजर अवेयरनेस ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर यूटिलाइजेशन ऑफ इ–रिसोर्सस' पर इंफ्लिबनेट, अहमदाबाद के सहयोग के साथ कार्यशाला आयोजित, 12 सितंबर, 2014

### निम्मला करूणाकर

1. सदस्य, 'यूजर अवेयरनेस ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर यूटिलाइजेशन ऑफ इ–रिसोर्सस' पर इंफ्लिबनेट, अहमदाबाद के सहयोग के साथ कार्यशाला आयोजित, 12 सितंबर, 2014
2. सदस्य, XXX आईएटीएलआईएस सम्मेलन, हिप्रकेवि में आयोजित, 27–29 नवंबर, 2014

## मानविकी एवं भाषा स्कूल

### डॉ. रोशन लाल शर्मा

#### क. अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग से जुड़े

1. समन्वयक, 'लिटेरेरी थियरी' पर दो दिवसीय कार्यशाला, अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग, 21–22 जनवरी, 2015

2. 'मेटानैरेटिव्स' पर प्रो. मंजु जैयदका का एक आमंत्रित व्याख्यान अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग में आयोजित किया, 17 जुलाई, 2014.
3. समन्वयक, प्रो. चंद्रमोहन द्वारा 'रिसेंट ट्रेंडस इन लिटरेचर एंड रिसर्च' पर एक आमंत्रित व्याख्यान, अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग, 06 जून, 2014

**ख. हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग से जुड़े**

1. संयोजक व समन्वयक, 'रचनात्मकता : रचनाकार से रचना तक' पर हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि में एक दिवसीय कार्यशाला, 2 फरवरी, 2015
2. संयोजक व समन्वयक, 'स्त्री विमर्श : दशा एवं दिशा', हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि टैब, शाहपुर, 15 जनवरी, 2015

**ग. अध्यक्ष, अतिविशिष्ट व्याख्यान आयोजक समिति**, हिप्रकेवि के रूप में अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर में दो आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किए।

**अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग**

**हेमराज बंसल**

1. सदस्य, आयोजक समिति, 'लिटेरेरी थियरी' पर अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला, 21–22 जनवरी, 2015

**डॉ. केबीएस कृष्णा**

1. अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग, मानविकी एवं भाषा स्कूल में 'लिटेरेरी थियरी' पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित, 21–22 जनवरी, 2015

**डॉ. खेमराज शर्मा**

1. सदस्य, आयोजक समिति, 'लिटेरेरी थियरी' पर अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला, 21–22 जनवरी, 2015

**हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग**

**चंद्र कांत सिंह**

1. अध्यापक शिक्षा विभाग के संकाय सदस्यों के साथ मिलकर 'गुड पैरेंटिंग' शीर्षक पर 14.03.2015 को सेमिनार हॉल, हिप्रकेवि में एक कार्यशाला आयोजित की।
2. 'रचनात्मकता : रचनाकार से रचना तक' पर सेमिनार हॉल, हिप्रकेवि में 02.02.2015 को एक कार्यशाला आयोजित।
3. 'स्त्री विमर्श : दशा एवं दिशा' पर सेमिनार हॉल, हिप्रकेवि में 15.01.2015 को एक कार्यशाला आयोजित की।

**डॉ. साएमा बानो**

1. 'स्त्री विमर्श : दशा एवं दिशा' पर एक कार्यशाला, 15 जनवरी, 2015
2. 'रचनात्मकता : रचनाकार से रचना तक' पर एक कार्यशाला, 02 फरवरी, 2015

**समाज विज्ञान स्कूल**

**प्रो. एच.आर. शर्मा**

1. एसपीएसएस पर कार्यशाला, प्रो. बालकृष्ण, एचपीयू शिमला द्वारा संचालित, 21–22 अप्रैल, 2014
2. एसपीएसएस पर कार्यशाला, प्रो. बालकृष्ण, एचपीयू शिमला द्वारा संचालित, 11–12 अगस्त, 2014
3. 'स्टैटिस्टिकल मेथड्स विद पैकेजेज' पर कार्यशाला प्रो. गुरमैल सिंह, पीयू चंडीगढ़ द्वारा संचालित, 09–10 सितंबर, 2014
4. 'यूजेज ऑफ यूनिट लेवल एनएसएसओ डेटा' पर कार्यशाला, डॉ. जजाती केशरी परिदा, उपनिदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, रिसर्च एंड डेवलॉपमेंट, नई दिल्ली द्वारा संचालित, 25–26 मार्च, 2015

**समाज कार्य विभाग**

**शबाब अहमद**

1. पीएचडी विद्यार्थियों के लिए दस दिवसीय आईसीएसएसआर रिसर्च मेथोडोलॉजी प्रोग्राम आयोजित किया, राशि 5.5 लाख रु. (17–26 मार्च, 2015)

## शिक्षा स्कूल

### डॉ. मनोज कुमार सक्सेना

1. कार्यशाला संयोजक, 'गुड पैरेंटिंग' पर हिप्रकेवि, शाहपुर, कांगड़ा में कार्यशाला आयोजित की, 14 मार्च, 2015
2. कार्यशाला संयोजक, 'राइटिंग रिसर्च पेपर' पर हिप्रकेवि, शाहपुर, कांगड़ा में राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की, 18–19 दिसंबर, 2014
3. कार्यशाला संयोजक, 'ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस (विद स्पेशल रेफेरेंस टू नेशनल सिक्योरिटी)' पर सीआईईटी, एनसीईआरटी, नई दिल्ली के सहयोग से हिप्रकेवि, शाहपुर, कांगड़ा में कार्यशाला आयोजित की, 28–29 नंवबर, 2014

### अध्यापक शिक्षा विभाग

### डॉ. अनु जीएस

1. सदस्य, आयोजक समिति, शिक्षा स्कूल द्वारा 'नेशनल रिपोजिटरी ऑफ ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस (एनओआरओईआर)' पर आयोजित कार्यशाला, 28–29 नंवबर, 2014.

### डॉ. नवनीत शर्मा

1. कार्यशाला संयोजक, 'राइटिंग रिसर्च पेपर' पर हिप्रकेवि, शाहपुर, कांगड़ा में राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की, 18–19 दिसंबर, 2014
2. कार्यशाला संयोजक, 'ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस (विद स्पेशल रेफेरेंस टू नेशनल सिक्योरिटी)' पर सीआईईटी, एनसीईआरटी, नई दिल्ली के सहयोग से हिप्रकेवि, शाहपुर, कांगड़ा में कार्यशाला आयोजित की, 28–29 नंवबर, 2014

### डॉ. प्रकृति भार्गव

1. सदस्य, आयोजक समिति, शिक्षा स्कूल द्वारा 'नेशनल रिपोजिटरी ऑफ ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस (एनओआरओईआर)' पर आयोजित कार्यशाला, 28–29 नंवबर, 2014
2. आयोजक सदस्य, शिक्षा स्कूल द्वारा 'गुड पैरेंटिंग' पर आयोजित कार्यशाला, 14 मार्च, 2015

### रेणु भंडारी

1. आयोजक सचिव, 'गुड पैरेंटिंग' पर एक दिवसीय कार्यशाला, 14 मार्च, 2015
2. सदस्य, आयोजक समिति, शिक्षा स्कूल द्वारा 'नेशनल रिपोजिटरी ऑफ ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस (एनओआरओईआर)' पर आयोजित कार्यशाला, 28–29 नंवबर, 2014.

## व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

### प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा

1. 'लर्नर–सेंट्रिक टीचिंग' पर सेक्रेड हार्ट स्कूल के शिक्षकों के लिए सिद्धबाड़ी, धर्मशाला में एक कार्यशाला संचालित की, 11 फरवरी, 2015
2. 'ऐक्रेडिटेशन–वाई एंड हाउ' विषय पर द्रोणाचार्य कॉलेज, रैत में 12 अप्रैल, 2015 को एक कार्यशाला संचालित की।

### लेखा तथा वित्त विभाग

### डॉ. आशीष नाग

1. आयोजक सचिव, 'गुड पैरेंटिंग' पर हिप्रकेवि में 14 मार्च, 2015 को एक कार्यशाला आयोजित की।
2. 'एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स' पर हिप्रकेवि में 1 सितंबर, 2014 को एक कार्यशाला का समन्वय किया।
3. सह–आयोजक, 'केस स्टडीज एंड केस राइटिंग' पर हिप्रकेवि में 31 जुलाई–02 अगस्त 2014 को तीन दिवसीय कार्यशाला।
4. सदस्य, स्वागत एवं आतिथ्य समिति के रूप में हिप्रकेवि में 27–29 नवंबर, 2014 के दौरान XXX आईएटीएलआईएस सम्मेलन आयोजित किया।

### विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

### चमन लाल

1. प्रबंधन के विद्यार्थियों के लिए आईआईटी बॉम्बे के साथ 'लिनक्स पर एक कार्यशाला समन्वित एवं संचालित की, एनएमईआईटीसीटी, एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा निधिबद्ध, 03 अप्रैल, 2014

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

### पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

### देबाशीष साहू

1. 'रोल ऑफ टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स' इन लोकल कम्यूनिटी डेवलॉपमेंट' पर हिप्रकेवि में 25 सितंबर, 2014 को एक एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

### डॉ. सुमन शर्मा

1. सदस्य, आयोजक समिति, मनाली में इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटालिटी कॉंग्रेस द्वारा 'इंक्लूसिव ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट : एजेंडा फॉर टूरिज्म एंड हॉस्पिटालिटी इंडस्ट्री' पर आयोजित 7 वां अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन, 06–08 फरवरी, 2015
2. 'रोल ऑफ टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स' इन लोकल कम्यूनिटी डेवलॉपमेंट' पर हिप्रकेवि में 25 सितंबर, 2014 को एक एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

## पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल

### जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग

### डॉ. राम प्रवेश राय

1. संयोजक, हिप्रकेवि, टैब, शाहपुर में 'डेवलॉपमेंट रिपोर्टिंग : द चेंजिंग पाराडाइम्स' पर आयोजित कार्यशाला, 18 नवंबर, 2014

# संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार एवं सम्मेलनों में प्रतिभागिता

## भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

### डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री

1. शोधपत्र शीर्षक 'क्वांटम फिजिक्स सिमूलेशंस यूजिंग साइलैब', साइलैब इंडिया कांफ्रेंस, आईआईटी, मुंबई, 3–4 दिसंबर, 2014
2. एनकेएन कांफ्रेंस–आईआईटी, गुवाहाटी।
3. नेशनल इनोवेशन फाउण्डेशन वर्कशॉप, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
4. एनालिटिकल आस्पेक्ट्स ऑफ डायनामिक्स (11–17 नवंबर, 2014), मैथेमेटिकल सोसाइटी एवं गणित विभाग, हिप्रकेवि।
5. शोधपत्र शीर्षक 'स्टैटिस्टिकल डेटा एनालिसिस यूजिंग जी–न्यूमेरिक वर्कशीट्स', 'कंस्ट्रक्शन एंड स्टैंडर्डाइजेशन ऑफ रिसर्च टूल्स' पर राष्ट्रीय कार्यशाला, द्रोणाचार्य पीजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, 21–27 जुलाई, 2014
6. शोधपत्र शीर्षक 'फ्री एंड ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर', कॉलेज व्याख्याताओं के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम, राज्य स्तरीय कार्यशाला, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, धर्मशाला, 22 अप्रैल, 2014
7. शोधपत्र शीर्षक 'नॉलेज कंस्ट्रक्शन थ्रू इ–लर्निंग', ई–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यशाला, 19 मार्च, 2015

## भौतिक एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग

### डॉ. बी.सी. चौहान

1. 'न्यूक्लियर स्ट्रक्चर एंड ऐस्ट्रोफिजिक्स : लूकिंग फॉरवर्ड', आयोजक महाराजा अग्रेसन विश्वविद्यालय, बद्दी, सोलन (हिप्र), 11 अपैल, 2014
2. 'रोल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट' पर प्रथम हिमाचल प्रदेश साइंस कॉंग्रेस, शिमला, आयोजक द स्टेट कौंसिल ऑफ साइंस टेक. एंड एन., हिमाचल प्रदेश, 15–16 अक्टूबर, 2014
3. 'एनालिटिकल आस्पेक्ट्स ऑफ डायनामिक्स, मैथेमेटिकल सोसाइटी एवं गणित विभाग, हिप्रकेवि, 11–17 नवंबर 2014
4. 'स्टेटस ऑफ नैचूरल हजार्ड्स इन एचपी' पर हिप्रकेवि में राष्ट्रीय कार्यशाला, 6–8 नवंबर, 2014
5. आईसीएसएसआर द्वारा 'एनवॉयरनमेंटल–डिग्रेडेशन एंड नैचूरल रिसोर्स मैनेजमेंट इन वेस्टर्न हिमालयाज़', पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार, भूगोल विभाग, गवर्नमेंट कॉलेज, नालागढ़, सोलन (हिप्र), 20–21 फरवरी, 2015
6. 'लाइट फ्रौम डार्क साइड ऑफ यूनिवर्स' पर कार्यशाला, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उप्र), 17–20 मार्च, 2015
7. 'साइंटिफिक डेटिंग ऑफ मनु काल', पर नेरी शोध संस्थान द्वारा धर्मशाला में आयोजित तीन दिवसीय सिम्पोजिया।

### डॉ. अयान चटर्जी

1. 'टू फेसेस ऑफ एनालिसिस', गणित विभाग, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित।
2. यूनिकॉस (UNICOS), भौतिकी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 13–15 मई, 2014
3. 'एनालिटिकल आस्पेक्टस ऑफ डायनामिक्स', गणित विभाग, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित, 11–17 नवंबर, 2014

### डॉ. दलीप सिंह वर्मा

1. 'एमर्जिंग चैलेंजेज इन फिजिक्स एंड नैनो साइंस' पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 04 मार्च 2015

### डॉ. सुरेन्दर वर्मा

1. 'यूनिफिकेशन एंड कॉस्मोलोजी आफ्टर हिग्स डिस्कवरी' पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, पंजाब विश्वविद्यालय, 13–25 मई, 2014
2. 'एनालिटिकल ऑस्पेक्ट्स ऑफ डायनामिक्स' पर कार्यशाला, हिप्रकेवि, 11–17 नवंबर, 2014
3. एक्स्पआइज़ (ExpEYES) पर कार्यशाला, भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि, 6–8 नवंबर, 2014

### रजनीश एन. तिवारी, डीएसटी इंस्पायर–सहायक प्रोफेसर

1. रजनीश एन. तिवारी और मासामिची योशिमूरा, 'डायरेक्ट ग्रोथ ऑफ ग्राफीन फ्रौम पीएमएमए (PMMA) ऐट लो टेम्पेरेचर्स', आइयूएमआरएस–2014, फूकुओका, जापान (24–30 अगस्त, 2014)

## जैविक विज्ञान स्कूल

### कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र

### डॉ. विक्रम सिंह

1. 'मैथेमेटिकल मॉडलिंग एंड डेटा एनालिसिस इन बायोलॉजी' पर आइआईटी, मंडी में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम, 29 अक्टूबर, 2014
2. 'फ्यूचर एंड चैलेंजेज ऑफ कंप्यूटेशनल एंड इंटीग्रेटिव साइंसेस' पर एचआरएमवी, जलंधर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 7–8 नवंबर, 2014
3. 'इंडो–यूएस कांफ्रेंस एंड वर्कशॉप ऑन सिंथेटिक एंड सिस्टम्स बायोलॉजी', जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित, 09–12 नवंबर
4. 'एनालिटिकल आस्पेक्ट्स ऑफ डायनामिक्स' पर हिप्रकेवि, धर्मशाला में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला, 11–17 नवंबर, 2014
5. 'मल्टी लेवल मॉडलिंग ऑफ बायोलॉजिकल सिस्टम्स' पर एसीआईसी, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित सिंपोजियम, 14 मार्च, 2015

### डॉ. यूसुफ अख्तर

1. खैबर हिमालयन स्पा एंड रिसोर्ट, श्रीनगर, जम्मू तथा कश्मीर में इंडिया बायोसाइंस द्वारा एम्बो, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर और वेलकम ट्रस्ट–डीबीटी अलाएंस के सहयोग से आयोजित 'यंग इंवेस्टीगेटर्स मीट 2015' में 'फाइटिंग ड्रग रेसिसटेंस : विल इट बी पॉसिबल टू एराडिकेट टूबरकूलोसिस' पर एक प्रस्तुतीकरण दिया, 28 मार्च–01 अप्रैल, 2015

## पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

### प्रो. अंबरीश कुमार महाजन

1. ए.के. महाजन, 2014, 'ऐप्लीकेंश ऑफ मल्टी–चैनेल एनालिसिस ऑफ सर्फेस वेव्स इन साइट कैरेक्टराइजेशन एंड डिटेक्टिंग सबसर्फेस अनोमलीज़', आईआईटी, रूड़की में 'अर्थक्वेक इंजीनियरिंग' पर 15 वें सिम्पोजिम, 11–13 दिसंबर, 2014 की प्रोसिडिंग्स में, एम.एल. शर्मा और मनीष श्रीखंडे (संपादित), खंड 1, 62–73, आईएसबीएन : 978–81–8890–59–3
2. ए.के. महाजन और प्रवीण कुमार, 2014, 'एप्लीकेशंस ऑफ मल्टीचैनेल एनालिसिस ऑफ सर्फेस वेब्स (एमएसडब्ल्यू) फॉर साइट ऐम्पीफिकेशन इन अर्थक्वेक प्रोन रिजंस, 6–8 नवंबर,, 2014 को 'स्टेटस ऑफ नैचूरल हाजार्ड्स इन हिमाचल प्रदेश' पर हिप्रकेवि में राष्ट्रीय कार्यशाला के ऐब्सट्रैक्ट खंड की प्रोसिडिंग्स में ऐब्सट्रैक्ट प्रकाशित, पृष्ठ 26
3. स्वाति शर्मा, आदित्य अवस्थी और ए.के. महाजन, 2014 'जीयोटेक्नीकल इंवेस्टीगेशंस ऑफ शैलो रोटेशनल लैडस्लाइड ऐट टीरा लाइन फॉर हजार्ड असेस्मेंट' 6–8 नवंबर, 2014 को 'स्टेटस ऑफ नैचूरल हाजार्ड्स इन हिमाचल प्रदेश' पर हिप्रकेवि में राष्ट्रीय कार्यशाला के ऐब्सट्रैक्ट खंड की प्रोसिडिंग्स में ऐब्सट्रैक्ट प्रकाशित, पृष्ठ 31
4. पूजा राजपुत और ए.के. महाजन, 2014, 'डैमेज सीनारियो ऑफ 1905 कांगड़ा अर्थक्वेक इफ इट विल रीपीट इन नीयर फ्यूचर यूजिंग डिटरमिनिस्टिक अप्रोच', 6–8 नवंबर,, 2014 को 'स्टेटस ऑफ नैचूरल हाजार्ड्स इन हिमाचल प्रदेश' पर हिप्रकेवि में राष्ट्रीय कार्यशाला के ऐब्सट्रैक्ट खंड की प्रोसिडिंग्स में ऐब्सट्रैक्ट प्रकाशित, पृष्ठ 15

### पर्यावरण विज्ञान विभाग

### डॉ. दीपक पंत

1. इ–वेस्ट मैनेजमेंट, अडवांसेस इन बेसिक एंड अप्लायड साइंसेस (एबीएएस 2014), 10 मई, 2014, कैरियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी, हमीरपुर

### डॉ. मुश्ताक अहमद

1. मुश्ताक अहमद, 'हाजार्ड्स इफेक्ट्स ऑफ केमिकल फर्टिलाइजर्स ऑन इकोलोजी एंड एनवॉयरनमेंट एंड इट्स मैनेजमेंट थ्रू पोटेंशियल सॉयल माइक्रोब्स' हिप्रकेवि में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार, नई

दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'स्टेटस ऑफ नैचूरल हजार्ड्स इन हिमाचल प्रदेश एनएचएचपी–14' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में, 6–8 नवंबर, 2014

2. मुश्ताक अहमद, 'माइकोफ्लोरा कोलोनाइजिंग द रिज़ोस्फेयर ऑफ टोमाटो एंड एक्सप्लॉइटेशन ऑफ बेनेफिसियल सॉयल माइक्रोब्स फॉर मैनेजमेंट ऑफ बायोटिक स्ट्रेस एंड सस्टेनेबल एग्रीकल्चर', 'इनोवेटिव ट्रेंडस इन प्लांट एंड माइक्रोबियल साइंसेस' विषय पर वनस्पति विभाग, जैविक विज्ञान संकाय, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू तथा कश्मीर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार, 2–3 मार्च, 2015
3. मुश्ताक अहमद, एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, हिप्रकेवि में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'स्टेटस ऑफ नैचूरल हाजार्ड्स इन हिमाचल प्रदेश एनएचएचपी–14' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में, 6–8 नवंबर, 2014

### डॉ. शुभांकर चटर्जी

1. पोस्टर प्रेजेंटेशन, यंग इंवेस्टीगेटर्स मीटिंग–2015, आयोजक इंडिया–बायोसाइंस, भारत, 28 मार्च–01 अप्रैल 2015 तक श्रीनगर में आयोजित।

## गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल

### प्रो. इंदर वीर मल्हन

1. शोधपत्र शीर्षक 'नेक्स्ट जेनेरेशन ऑफ लाइब्रेरी सर्विसेस एंड देयर इम्प्लीकेशंस फॉर एलआईएस एजुकेशन एंड ट्रेनिंग' प्रस्तुत किया, XXX वां आईएटीएलआईएस कांफ्रेंस, हिप्रकेवि, धर्मशाला, 27–29 नवंबर, 2014
2. शोधपत्र शीर्षक 'कॉन्फॉर्मिंग एलआईएस एजुकेशन टू द नीड्स एंड ऑपरचूनिटिज़ ऑफ द ग्रोइंग डिजिटल एरा', प्रस्तुत किया, XXX वां आईएटीएलआईएस कांफ्रेंस, हिप्रकेवि, धर्मशाला, 27–29 नवंबर, 2014
3. यूनेस्को द्वारा 'मीडिया एंड इंफॉरमेशन लिटरेसी' पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 13–15 नवंबर, 2014 को आयोजित राष्ट्रीय कंसलटेटिव बैठक में भाग लिया और 'एग्रीकल्चरल इंफॉरमेशन लिटेरेसी एंड इट्स रोल इन ब्रिजिंग नॉलेज गैप्स इन एग्रीकल्चर' पर एक प्रस्तुतीकरण दिया।
4. 'रि–इंवेंटिंग द लाइब्रेरी एंड इंफॉरमेशन साइंस एजुकेशन इन द डिजिटल एरा' पर पैनल चर्चा में भाग लिया, XXX आईएटीएलआईएस सम्मेलन, हिप्रकेवि, धर्मशाला, 29 नवंबर, 2014

### गणित विभाग

### डॉ. रविन्दर सिंह

1. 'अलजेब्रिक नंबर थियरी' पर नेशनल सेंटर फॉर मैथेमेटिक्स (आईआईटी बॉम्बे और टीआईएफआर मुंबई का एक संयुक्त केंद्र) द्वारा चेन्नई मैथेमिटिकल इंस्टीट्यूट में आयोजित, 7–26 जुलाई, 2014

### डॉ. सचिन कुमार श्रीवास्तव

1. एस.के. श्रीवास्तव, 'डिफरेंशियल जीयोमेंटरी एंड इट्स ऐप्लीकेशन' पर राष्ट्रीय सम्मेलन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद–211002, 27–28 दिसंबर, 2014
2. एस.के. श्रीवास्तव, 'इंस्ट्रक्शनल स्कूल ऑफ लेक्चर्स ऑन डिफरेंशियल जीयोमेट्ररी' 8–20 दिसंबर, 2014, प्रायोजक–नेशनल सेंटर ऑफ मैथेमेटिक्स, आयोजक–गणित एवं सांख्यिकी विभाग, वनस्थली विद्यापीठ (राजस्थान)।

### कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग

### केशव सिंह रावत

1. 'एनालिटिकल आस्पेक्ट्स ऑफ डायनामिक्स' पर कार्यशाला, आयोजक मैथेमिटिकल सोसाइटी, गणित विभाग, अवधि–एक सप्ताह (11–17 नवंबर, 2014)।

### मनोज धीमान

1. 'एनालिटिकल आस्पेक्ट्स ऑफ डायनामिक्स' पर कार्यशाला, आयोजक– मैथेमिटिकल सोसाइटी, गणित विभाग, अवधि–एक सप्ताह (11–17 नवंबर, 2014)।

### पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

### डॉ. डिंपल पटेल

1. 'स्त्री विमर्श : दशा एवं दिशा' पर 15 जनवरी, 2015 को हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हिप्रेकेवि द्वारा आयोजित कार्यशाला।

## मानविकी एवं भाषा स्कूल

### डॉ. रोशन लाल शर्मा

1. एक सत्र की अध्यक्षता, अंग्रेजी विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा 'लिटरेचर इन द एमर्जिंग कॉन्टेक्स्ट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड कल्चर' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार, 25–26 फरवरी, 2015
2. आमंत्रित वक्ता, लिंगाया यूनिवर्सिटी फरीदाबाद द्वारा 'इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर–ए टूल फॉर ह्यूमनाइजिंग (इएलएलएटीएच–2015)' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'चैलेंजेज इन ह्यूमनाइजिंग द इंग्लिश लैंग्वेज टीचिंग' पर पैनेल चर्चा, 23–24 फरवरी, 2015
3. दो सत्रों की अध्यक्षता, मेलस–इंडिया मेलो द्वारा 'डैम द बुक, गैग द वॉयस : लिटरेचर एंड सेंसरशिप' पर आयोजित 14 वां मेलो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, चंडीगढ़, 20–22 फरवरी, 2015
4. रजत जयंती समारोह में सहभागिता, 'पिलग्रिमेज फॉर ऐक्टिव पीस : वन वर्ल्ड ऑफ ह्यूमानिटी–ए कॉन्क्लेव ऑन द रेलेवेंस ऑफ स्प्रिचूआलिटी एंड कल्चर इन द 21 सेंचुरी : ए कॉन्फ्लूएंस ऑफ हार्ट्स एंड माइंड्स' पालपुंग मोनास्टरी, भट्टु, बैजनाथ के निकट, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), 13–14 नवंबर, 2014
5. आमंत्रित वक्ता/सांसाधक, 'स्ट्राइविंग फॉर एक्सेलेंस इन इंस्टीट्यूशंस ऑफ हायर एजुकेशन' पर आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में 'रोल ऑफ एक्सटेंशन ऐक्टिविटिज़ एंड आउटरीच प्रोग्राम्स इन लीडिंग टू क्वालिटी इम्प्रूवमेंट' पर संभाषण, तृषा पीजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हमीरपुर, 8–9 नवंबर, 2014
6. एक सत्र की अध्यक्षता, 'स्ट्राइविंग फॉर एक्सेलेंस इन इंस्टीट्यूशंस ऑफ हायर एजुकेशन' पर आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, तृषा पीजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हमीरपुर (हिप्र), 8–9 नवबंर, 2014
7. शोधपत्र प्रस्तुत, शीर्षक 'इनोवेटिव एंड क्रिएटिव अन्ट्रेप्रेन्यूरियल लीडरशिप इन एज़ ऑफ ग्लोबल रेसेशन', 11 वां पीसीएमए इंटरनेशनल बिज़नेस कांफ्रेंस, मुल्तानी मल मोदी कॉलेज, पटियाला।
8. शोधपत्र प्रस्तुत, 'लिटेरेरी ट्रांसलेशन : थियरी एंड प्रैक्टिश' पर अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में 'इज ट्रांसलेशन ऐन इम्पॉसिबिलिटी : इथ्यूज़ ऑफ ट्रांसलेटेबिलिटी इन ट्रांसलेटिंग एस.आर. हरनोत्स स्टोरी दारोश' आयोजक–अंग्रेजी विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर और द शेक्सपीअर एसोसिएशन इंडिया, 4–6 दिसंबर, 2014
9. एक सत्र की अध्यक्षता, 'लिटेरेरी ट्रांसलेशन : थियरी एंड प्रैक्टिश' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, अंग्रेजी विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर और द शेक्सपीअर एसोसिएशन, इंडिया, 4–6 दिसंबर, 2014
10. शोधपत्र प्रस्तुत, 'क्रॉस कल्चरल नूआंसेस' पर अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस (आईसीसीएन–14) में 'ट्रांसलेशन ऐज़ कल्चरल ट्रैंजैक्शन : इथ्यूज़ ऑफ अनट्रांसलेटेबिलिटी इन ट्रांसलेटिंग कंटेम्पोरेरी हिंदी पोएट्री इंटू इंग्लिश', आयोजक केएमवी, जलंधर, पंजाब, 30–31 अक्टूबर, 2014
11. एक सत्र की अध्यक्षता, 'क्रॉस कल्चरल नूआंसेस' पर अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस (आईसीसीएन–14) आयोजक–केएमवी, जलंधर, पंजाब, 30–31 अक्टूबर, 2014
12. 14 वीं मेलस–मेलो इंटरनेशनल कांफ्रेंस, चंडीगढ़, 20–22 फरवरी, 2015 के दौरान 'द फॉरबिडेन ऐंड द वेस्टर्न लिटेरेरी कैनन : आडियाज़ दैट आर टैबू; पोरनोग्राफी; डेविएंट सेक्सूआलिटी' और 'द फॉरबिडेन एंड द वेस्टर्न लिटेरेरी कैनन' पर पैनल के लिए पैनल प्रमुख की भूमिका अदा की।
13. आमंत्रित व्याख्यान की अध्यक्षता, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्पर्श, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित श्रीमती रश्मि वाली, संस्थापक होप फाउंडेशन और स्पर्श, हिप्रकेवि की एनजीओ प्रतिनिधि द्वारा 'महिला सशक्तीकरण' पर व्याख्यान, 09 मार्च, 2015
14. एक चर्चा संगोष्ठी की अध्यक्षता, भारत की नवीन शिक्षा नीति को तैयार करने के लिए इनपुट प्रदान करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस के अवसर पर 'शिक्षित भारत, सक्षम भारत–सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा' पर चर्चा संगोष्ठी, 17 नवंबर, 2014

## अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग

### हेम राज बंसल

1. शोधपत्र शीर्षक 'च्वाइसेस : मार्जिनलाइज्ड मेंटल/फिजिकल स्पेसेस इन चित्रा बनर्जी दिवाकरूणीज़ अरेंज्ड मैरेज', 'कल्चरल नूआंसेस' पर अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में, केएमवी जलंधर, 30–31 अक्टूबर, 2014
2. कार्यशाला 'स्त्री विमर्श : दशा एवं दिशा', आयोजक हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि में भाग लिया, 15 जनवरी, 2015

3. कार्यशाला 'रचनात्मकता : रचना से रचनाकार तक' आयोजक हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि में भाग लिया, 02 फरवरी, 2015
4. कार्यशाला 'डेवलॉपमेंट रिपोर्टिंग : द चेंजिंग पाराडाइम्स', आयोजक मीडिया सोसाइटी, हिप्रकेवि में भाग लिया, 18 नवंबर, 2014

**डॉ. केबीएस कृष्णा**

1. पैनल की अध्यक्षता की, शीर्षक 'यीट्स एंड कीपिंग : मैस्कूलिनिटी एंड मैस्कूलारिटी', 'यीट्स एंड कीपलिंग : रेट्रोस्पेक्टिव्स, पर्सपेक्टिव्स' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शिमला चैप्टर में, आयोजक–द ओबरॉय सेसिल शिमला के सहयोग से अंग्रेजी विभाग, भारती कॉलेज, 18 मार्च, 2015
2. शोधपत्र शीर्षक 'वाई रेट्रब्यूटिव थियरी इज़ स्टिल पॉपूलर ? ए स्टडी ऑफ रिसेंट क्राइम फिक्शन', गोवा में फोरम ऑन कंटेम्पोरेरी थियरी और इंटरनेशनल लिंकन सेंटर फॉर अमेकिरन स्टडीज लूइजियाना स्टेट यूनिवर्सिटी, श्रीवपोर्ट, यूएसए द्वारा आयोजित XVII अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 21–24 दिसंबर, 2014
3. शोधपत्र शीर्षक 'वाई इंडिया नीड्स इंडस्ट्रीज ? द स्वामी एंड द स्टील फैक्टरी', रायत–बाहरा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड नैनो टेक्नोलॉजी, होशियारपुर, पंजाब द्वारा 'अराइज़, अवेक एंड स्टॉप नॉट : रिफ्लेक्शंस ऑन स्वामी विवेकानंद्स ग्लोबल थॉट' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 6–7 फरवरी, 2015
4. शोधपत्र शीर्षक 'शूड चिल्ड्रेन रीड शरलॉक होम्स ? : इश्यूज एंड चैलेंजेज', 'लिटरेचर एंड सेंसरशिप' पर 14 वें अंतरराष्ट्रीय मेलस–इंडिया/मेलो सम्मेलन में बाल साहित्य के रूप में जासूसी कथा साहित्यों पर चर्चाधीन प्रस्तुत, 20–22 फरवरी, 2015
5. शोधपत्र शीर्षक 'वे आउट ऑफ विसियस सीटिज: ए क्रिटिक ऑफ रॉस मैकडोनाल्ड्स फाइंड ए विक्टिम', जर्मनिक एवं रोमांस अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'क्राइम एंड लिटरेचर' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 12–14 मार्च, 2015
6. शोधपत्र शीर्षक 'किम्स मॉडर्न एजुकेशन: कीपिंग द जेलट : 'यीट्स एंड कीपलिंग : रेट्रोस्पेक्टिव्स, पर्सपेक्टिव्स' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शिमला चैप्टर में, आयोजक–द ओबरॉय सेसिल शिमला के सहयोग से अंग्रेजी विभाग, भारती कॉलेज, 18 मार्च, 2015
7. कार्यशाला 'स्त्री विमर्श : दशा एवं दिशा, में भाग लिया, आयोजक–हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि, धर्मशाला, 15 जनवरी, 2015
8. कार्यशाला 'रचनात्मकता : रचनाकार से रचना तक' में भाग लिया, आयोजक–हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि, धर्मशाला, 02 फरवरी, 2015

**डॉ. खेमराज शर्मा**

1. एक सत्र की अध्यक्षता, 'पोस्टकोलोनियल लिटरेचर : रिकंसीडेरेशन' पर राष्ट्रीय सेमिनार, आयोजक अंग्रेजी विभाग, बाबू अनंत राम जनता कॉलेज, कौल (हरियाणा), 25 मार्च, 2015
2. शोधपत्र शीर्षक 'होम इज़ वेयर द हेट इज़ : एक्जाइल, पेन एंड रेसिस्टेंश इन राहुल पंडित्स' ऑवर मून हैज़ ब्लड क्लॉट्स', कन्या महाविद्यालय, जलंधर (पंजाब) द्वारा 'क्रॉस कल्चरल नूआंसेस' (आईसीसीएन–14) पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 30–31 अक्टूबर, 2014
3. शोधपत्र शीर्षक 'कंसेप्ट ऑफ अर्धनारीश्वर इन सेलेक्टेड शिव लोर्स ऑफ हिमाचल प्रदेश', जागोरी रूरल वाइएमसीए शिमला और मेन एन्गेज़ द्वारा 'इंवॉल्विंग मेन फॉर जेंडर जस्टिस' पर आयोजित क्षेत्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, 1–2 नंवबर, 2014
4. शोधपत्र शीर्षक 'रिफ्रेजिंग द तिब्बतंस कोन : शैडोज ऑफ मेमोरी इन शरद पी. पॉल्स टू किल ए स्नो ड्रैगनफ्लाई', इंडियन सोसाइटी फॉर कॉमनवेल्थ स्टडीज और ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत (हरियाणा) द्वारा 'पोस्टकोलोनियल लिटरेचर' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, 28–30 जनवरी, 2015
5. शोधपत्र शीर्षक 'मैनिफेस्टेशन ऑफ सेक्यूलर डिविनिटी: स्वामी विवेकानंद एंड द फोरटींथ दलाई लामा' पीटीयू द्वारा प्रायोजित और रायत–बाहरा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड नैनो टैक्नोलॉजी, होशियारपुर (पंजाब) द्वारा 'अराइज़, अवेक एंड स्टॉप नॉट : रिफ्लेक्शंस ऑन स्वामी विवेकानंद्स ग्लोबल थॉट' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 6–7 फरवरी, 2015
6. शोधपत्र शीर्षक 'वाट्स इन ए नेम : पॉलिटिक्स ऑफ सेंसरशिप एंड लिटरेरी वॉयस इन लिंडसे कॉलेन्स द रेप ऑफ सीता', मेलस इंडिया/मेला द्वारा 'डैम द बुक, गैग द वॉयस : लिटरेचर एंड सेंसरशिप' पर आयोजित 14 वां मेलो इंटरनेशनल सम्मेलन में प्रस्तुत, चंडीगढ़, 20–22 फरवरी, 2015

7. संसाधन, शोधपत्र शीर्षक 'क्वेश्चन ऑफ बिलौंगिंग : पोस्ट कोलोनियल प्रिडिलेक्शंस इन तिब्बतन डॉयस्पोरा', अंग्रेजी विभाग, बाबू अनंत राम जनता कॉलेज, कौल (हरियाणा) द्वारा 'पोस्टकोलोनियल लिटरेचर : रिकंसीडेरेशन' पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, 25 मार्च, 2015
8. एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, विषय 'यूजर्स अवेयरनेस वर्कशॉप फॉर ऐक्सेस टू ई–रिसोर्सेस', आयोजक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि और इंफ्लिबनेट, अहमदाबाद में भाग लिया, 12 सितंबर, 2014
9. एकदिवसीय कार्यशाला 'डेवलॉपमेंट रिपोर्टिंग : द चेंजिंग पाराडाइम्स' आयोजक मीडिया सोसाइटी, हिप्रकेवि, धर्मशाला में भाग लिया, 18 नवंबर 2014
10. एक दिवसीय कार्यशाला, विषय 'स्त्री विमर्श : दशा एवं दिशा', आयोजक हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि, धर्मशाला में भाग लिया, 15 जनवरी, 2015
11. दो दिवसीय कार्यशाला, 'लिटेरेरी थियरी', आयोजक अंग्रेजी एवं यूरापीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि, धर्मशाला में भाग लिया, 21–22 जनवरी, 2015
12. एक दिवसीय कार्यशाला, विषय 'रचनात्मकता : रचनाकार से रचना तक' आयोजक हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि, धर्मशाला में भाग लिया, 02 फरवरी, 2015

### हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग

#### चंद्र कांत सिंह

1. दो दिवसीय कार्यशाला, विषय 'लिटेरेरी थियरी', आयोजक अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग, मानविकी एवं भाषा स्कूल, हिप्रकेवि में भाग लिया, 21–22 जनवरी, 2015
2. अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा 'दलित समाज, सांस्कृतिक रूपांतरण एवं संतगुरू रविदास' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में शोधपत्र शीर्षक 'संत रविदास का सामाजिक चिंतन' प्रस्तुत किया, 22–23 फरवरी, 2015
3. अंतरराष्ट्रीय सेमिनार विषय 'समकालीन हिंदी दलित कविता और सामाजिक सरोकार', आयोजक–हिंदी विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किया, 10–11 जनवरी, 2015
4. राष्ट्रीय सेमिनार, विषय 'हिंदी साहित्य में पर्यावरण चेतना के विविध आयाम', आयोजक–हिंदी विभाग, डीएवी (पीजी) कॉलेज, देहरादून, उत्तराखंड, प्रयोजक यूजीसी, में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किया, 7–8 दिसंबर, 2014

#### डॉ. साएमा बानो

1. दो दिवसीय कार्यशाला, विषय 'जेंडर सेंसीविटी प्रिवेंशन एंड रिड्रेसल ऑफ सेक्सूअल हरासमेंट ऑफ वूमन ऐट वर्कप्लेस', आयोजक–इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग एंड पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली में भाग लिया, 20–21 फरवरी, 2015
2. कार्यशाला विषय, 'लिटेरेरी थियरी', आयोजक–अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि में भाग लिया, 21–22 जनवरी, 2015
3. अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, विषय 'समकालीन विमर्श सामाजिक सांस्कृतिक परिदृश्य', आयोजक–जेएनवी विश्वविद्यालय, जोधपुर में भाग लिया, 10–11 जनवरी, 2015
4. राष्ट्रीय सेमिनार, विषय 'उत्तर समय में स्त्री प्रतिरोध और संघर्ष चेतना', आयोजक बीएचयू, वाराणसी में भाग लिया, 30–31 मार्च, 2015

### समाज विज्ञान स्कूल

#### प्रो. एच. आर. शर्मा

1. आधार व्याख्यान शीर्षक 'ट्रांसफॉरमिंग माउंटेन एग्रीकल्चर : एक्सपीरिएंसेस एंड लेसंस फ्रौम हिमाचल प्रदेश', एनएससीबीएम गवर्नमेंट कॉलेज, हमीरपुर में अर्थशास्त्र विभाग, एचपीयू, शिमला के सहयोग से 'कंटेम्पोरेरी ग्लोबल इकोनॉमिक इथ्यूज़ एंड डेवलॉपमेंट एक्सपीरिएंस ऑफ हिमाचल प्रदेश' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, 13–14 फरवरी, 2015
2. तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, विषय 'कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी इन इंडिया : चैलेंजेज, पॉसिबिलिटिज एंड प्रॉस्पेक्ट्स फॉर सोशल ट्रांसफॉरमेशन', सीआरआरआइडी, चंडीगढ़, 12–15 मार्च, 2015

3. 'कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी इन इंडिया : चैलेंजेज, पॉसिबिलिटिज़ एंड प्रॉस्पेक्ट्स फॉर सोशल ट्रांसफॉरमेशन' पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में 'पब्लिक सेक्टर एन्टरप्राइजेज एंड कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी' पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, सीआरआरआईडी, चंडीगढ़, 12–14 मार्च, 2015

## अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग

### कमल सिंह

1. शोधपत्र शीर्षक 'इम्पैक्ट ऑफ एफडीआई ऑन इंडियन रिटेलिंग : ए स्टडी ऑफ रूरल कस्टमर्स एंड रिटेलर्स', एमएलएसयू उदयपुर और टीएनसीआर, कनाडा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया, 29–30 अप्रैल, 2014
2. शोधपत्र शीर्षक 'इ–रिटेलंग इन रूरल इंडिया : स्टैटेजिक पर्सपेक्टिव', प्रबंधन संकाय, श्रीमती वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू तथा कश्मीर द्वारा आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किया, 01–02 अगस्त, 2014
3. शोधपत्र शीर्षक 'प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ ई–रिटेलिंग इन रूरल मार्केट ऑफ इंडिया', केआईआईटी यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर, उड़िसा द्वारा आयोजित 67 वां अखिल भारतीय, कॉमर्स कांफ्रेंस–2014 में प्रस्तुत किया, 27–29 दिसंबर, 2014
4. राष्ट्रीय सम्मेलन, विषय 'कंटेम्पोरेरी ग्लोबल इकोनॉमिक इश्यूज़ एंड डेवलॉपमेंट एक्सपीरिएंसेस ऑफ हिमाचल प्रदेश', अर्थशास्त्र विभाग, एचपीयू, शिमला द्वारा इकोनॉमिक एसोसिएशन ऑफ हिमाचल प्रदेश और एनएससीबीएम गवर्नमेंट कॉलेज, हमीरपुर (हिप्र) के सहयोग से आयोजित, 12–13 फरवरी, 2015

## समाज कार्य विभाग

### प्रो. अरविंद कुमार अग्रवाल

1. योकोहामा, जापान में आयोजित होने वाली XVII वर्ल्ड कॉंग्रेस ऑफ सोशियोलॉजी के 'लॉ, माइग्रेशन एंड अनइक्वल वर्ल्ड' विषय पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित (13–19 जुलाई, 2014)

### डॉ. आशुतोष प्रधान

1. प्रधान ए. (2014), शोधपत्र शीर्षक 'पाराडाइम शिफ्ट्स इन कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी इन इंडिया : न्यू ऑपरचूनिटिज़ एंड चैलेंजेज फॉर सोशल वर्क प्रैक्टिस, जैन विश्व भारती इंस्टीट्यूट, लाडनूं, राजस्थान द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया, 12–13 अक्टूबर, 2014
2. प्रधान ए. और रे. आर. (2014), सहलिखित शोधपत्र शीर्षक 'डोमेस्टिक वॉयलेंस : द चैलेंजेज फॉर रेस्टोरेटिव जस्टिस एंड रिस्पॉन्सिव रेगुलेशन', जैन विश्व भारती इंस्टीट्यूट, लाडनूं, राजस्थान द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया, 12–13 अक्टूबर, 2014
3. प्रधान ए. (2014), शोधपत्र शीर्षक 'द चेंजिंग डिस्कोर्स ऑन रिसर्च एंड इंटरवेंशन इन फैमिलिज़ : कन्टेक्स्टूअलाइजिंग फैमिली स्टडीज़ इन सोशल वर्क', 'चेंजिंग वर्ल्ड एंड चेंजिंग फैमिली : डायवरसिटी एंड सिनर्जी', पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, मुंबई, 4–6 जनवरी, 2015

### अंबरीन जमाली

1. व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा एसपीएसएस पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

### शबाब अहमद

1. शबाब अहमद, शोधपत्र विषय 'अनऑर्गनाइज्ड सेक्टर : पेडागोगी ऑफ मैलट्रीटमेंट' छठे मानव संसाधन अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किया, 3 नवंबर, 2014
2. शबाब अहमद, शोधपत्र विषय 'ऐन इंवेस्टीगेशन ऑफ इंटर–स्टेट लेबर माइग्रेशन विदिन इंडियाः रियालिटी एंड चैलेंजेज', छठे मानव संसाधन अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में सह–प्रस्तुत, 03 नवंबर 2014
3. शबाब अहमद, कार्यशाला विषय 'डेवलॉपमेंट रिपोर्टिंग : द चेंजिंग पाराडाइम्स', आयोजक मीडिया सोसाइटी, हिप्रकेवि में भाग लिया, 18 नवंबर, 2014
4. शबाब अहमद, XXX आईएटीएलआईएस राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'रि–इंवेंटिंग एलआईएस एजुकेशन प्रोग्राम्स इन इंडियाः चैलेंजेज एंड ऑपरचूनिटिज इन द डिजिटल एरा' प्रस्तुत किया,

आयोजक हिप्रकेवि, धर्मशाला और आईएटीएलआईएस, स्थान शाहपुर (टैब), जिला कांगड़ा (हिप्र), 27–29 नवंबर, 2014

5. शबाब अहमद, हिंदी विभाग, मानविकी एवं भाषा स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा स्त्री पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया, 15 जनवरी, 2015
6. शबाब अहमद, अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग, मानविकी एवं भाषा स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा साहित्यिक सिद्धांतों पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला, 21–22 जनवरी, 2015
7. शबाब अहमद, शोधपत्र शीर्षक 'इंटरनेशनल टूरिज्म इन मैकलॉडगंज : ए डायमेंशन एंड अवेन्यूज़ फॉर लोकल अन्ट्रेप्रेन्यूरशिप', 'अन्ट्रेप्रेन्यूरियल इश्यूज़ इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी इंडस्ट्री' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, आयोजक पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, 14 मार्च, 2015

## शिक्षा स्कूल

### डॉ. मनोज कुमार सक्सेना

1. अंतरराष्ट्रीय सेमिनार विषय (रिडिफाइनिंग लिटेरेसी इन द एमर्जिंग डिजिटल सोसाइटी', वर्ल्ड पंजाबी कौंसिल, टोरोंटो और कॅनफेडेरेशन कॉलेज, ऑनटेरियो, कनाडा के सहयोग से कॉलेज डेवलॉपमेंट कौंसिल, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित, भुट्टा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, लुधियाना (पंजाब), 5–6 फरवरी, 2015
2. राष्ट्रीय सेमिनार, विषय 'मॉडर्न ट्रेंडस इन एजुकेशन : इश्यूज़ एंड चैलेंजेज', आयोजक जाकिर हुसैन बीएड कॉलेज, मियांपुर, मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल), 15–16 नवंबर, 2014

### अध्यापक शिक्षा विभाग

### डॉ. अनु जीएस

1. एनहेंसिंग क्रिएटिव एंड क्रिटिकल थिंकिंग थ्रू प्रॉबलम बेस्ड लर्निंग विषय पर 'इनोवेटिव एंड इंस्पायरेशनल लर्निंग एनवॉयरनमेंट थ्रू क्रिएटिव एंड क्रिटिकल थिंकिंग' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्रों को प्रस्तुत किया, आयोजक होली ऐनिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कन्याकुमारी, तमिलनाडु, 5–6 नवंबर, 2014

### डॉ. नवनीत शर्मा

1. शर्मा एन. और भास्करन एच. (2015), शोधपत्र शीर्षक 'इनडॉक्ट्रिनेशन एंड एजुकेशन : द क्यूरिअस केस ऑफ दीनानाथ बत्रा', इंडियन कौंसिल फॉर फिलोसोफिकल रिसर्च (आईसीपीआर) द्वारा शिक्षा विभाग, विनय भवन, विश्व भारती, शांति निकेतन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 24 मार्च, 2015

### प्रकृति भार्गव

1. अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि द्वारा साहित्यिक सिद्धांत पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया, 21–22 जनवरी, 2015
2. कार्यशाला में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'एक्सीजेंजीस ऑफ फर्स्ट वर्ल्ड वार एंड सेटिंग अप ऑफ हार्कोट बटलर टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, 22–26 जुलाई, 2014

## व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

### प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा

1. आईआईटी मंडी द्वारा मंडी में आयोजित 'वाइस–चांसलर्स इंटरऐक्शन कॉन्क्लेव में भाग लिया और पैनेलिस्ट की भूमिका अदा की।
2. अकादमिक स्टाफ कॉलेज, कुरूक्षेत्र द्वारा 'टूवार्ड्स टीचिंग इफेक्टिवनेस' पर कॉलेज/यूनिवर्सिटी शिक्षकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम में संसाधक की भूमिका अदा की, 04 जुलाई 2014
3. मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार के साथ 'रीट्रीट ऑफ वाइस–चांसलर्स ऑफ सेंट्रल यूनिवर्सिटीज ऑफ इंडिया' के दौरान हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं बाधाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया, चंडीगढ़, 12–13 सितंबर, 2014
4. अध्यापक शिक्षा पर कुलपतियों और विभिन्न राज्यों के शिक्षा सचिवों के सम्मेलन में भाग लिया, दिल्ली, 15 सितंबर, 2014
5. गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, कुल्लू द्वारा आयोजित भारतीय सिनेमा एवं महिला पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि, 23 सितंबर, 2014
6. माननीय अतिथि एवं मुख्य वक्ता, 'कंटेम्पोरेरी इश्यूज़ इन मैनेजमेंट' पर यूजीसी सेमिनार, प्रबंधन अध्ययन स्कूल, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, 14 नवंबर, 2014

7. संसाधक, यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम, 18 दिसंबर, 2014
8. संसाधक, यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरूक्षेत्र द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम, 24 दिसंबर, 2014
9. संसाधक, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, धर्मशाला द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम, 16 फरवरी, 2015
10. संसाधक, शिक्षा स्कूल, हिप्रकेवि, धर्मशाला द्वारा 'गुड पैंरेटिंग' पर आयोजित कार्यशाला, 14 मार्च, 2015
11. 'यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज' पर रोयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत और सत्र की अध्यक्षता, 27–29 मार्च, 2015

## लेखा तथा वित्त विभाग

### डॉ. संजीव गुप्ता

1. 'एक्सेलेंस इन रिसर्च एंड एजुकेशन' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत, आयोजक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर, 8–11 मई, 2014
2. 'एम्पीरिकल इश्यूज़ इन इंटरनेशनल ट्रेड एंड फाइनांस' पर चौथा आईआईएफटी सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत, आयोजक–इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, नई दिल्ली, 19 मई 2014
3. 'मार्केटिंग इन एमर्जिंग इकोनॉमिज' पर छठे आइआइएमए सम्मेलन में प्रीति मेहरा के साथ शोधपत्र प्रस्तुत, आयोजक–इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद, 7–9 जनवरी, 2015
4. 'फोरकास्टिंग इन्फ्लेशन इन जी–7 कंट्रीज–ऐप्लीकेशन ऑफ न्यूरल नेटवर्क' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत, आयोजक–आईजीआईडीआर, मुंबई, 22–24 सितंबर, 2014
5. 'इकोनॉमिक रिफॉर्म्स इन इंडिया' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इम्पैक्ट ऑफ सेंट्रल बैंक, इंटरवेंशंस इन फॉरेन एक्सचेंज मार्केट' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत, आयोजक एमबीए विभाग, गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, धर्मशाला, 9–10 मार्च, 2014
6. 'इकोनॉमिक रिफॉर्म्स इन इंडिया' पर राष्ट्रीय सेमिनार में 'इकोनोमेट्रिक इंवेस्टीगेशन ऑफ वोलाटिलिटी इन करेंसी मार्केट' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत, आयोजक एमबीए विभाग, गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, धर्मशाला
7. 'रिथिंक, रिडिफाइन, रिडिज़ाइन : ए फ्यूचरिस्टिक अप्रोच टु बिजनेस' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मॉडलिंग वोलाटिलिटी इन द इंडियन फॉरेन एक्सेचेंज' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत, आयोजक–एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नीकल कैंपस, जलंधर, 19 अप्रैल, 2014
8. 'ग्लोबलाइजेशन, मल्टीकल्चरिज्म एंड पीस–बिल्डिंग पर XXI सेंचुरी प्रॉस्पेक्ट्स एंड चैलेंजेज' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ऐन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन रोल ऑफ सिविल सोसाइटी इन पीस बिल्डिंग' आयोजक इंडियालॉग फाउण्डेशन, नई दिल्ली, 19–20 अप्रैल, 2014

### डॉ. आशीष नाग

1. शोधपत्र शीर्षक 'अन्ट्रेप्रेन्यूरशिप फाइनांस : प्रॉबलम्स एंड पर्सपेक्टिव', 'अन्ट्रेप्रन्यूरशिप, टूरिज्म, एनवॉयरनमेंट एंड एनर्जी' पर चौथे द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, एमडीएसयू अजमेर, राजस्थान 11–12 अक्टूबर, 2014
2. शोधपत्र शीर्षक 'एमर्जिंग ट्रेंडस इन हॉस्पिटालिटी एंड टूरिज्म इंडस्ट्री ऑफ इंडिया', इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटालिटी कॉंग्रेस, सातवें अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन में प्रस्तुत, मनाली, 6–8 फरवरी, 2015
3. शोधपत्र शीर्षक 'फाइनांसियल इंफरेंसेस इन ग्रोथ ऑफ सर्विस सेक्टर', एमएयू बद्दी में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 20 सितंबर, 2014
4. 'डेटा एनालिसिस एंड डेटा माइनिंग' पर हिप्रकेवि में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया, 23–25 अप्रैल, 2014
5. शोधपत्र शीर्षक 'मर्जर्स एंड ऐक्वीजिशंस ऐज ए स्ट्रैटेजिक टूल', डीएवी कॉलेज जलंधर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 21 मार्च, 2015
6. नैक प्रायोजित सम्मेलन, एचएमवी जलंधर में शोधपत्र प्रस्तुत किया, 06 सितंबर, 2014
7. हिप्रकेवि में 'स्ट्रेस एंड ऐंगर मैनेजमेंट' पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया, 28–29 अप्रैल, 2014
8. शोधपत्र शीर्षक 'कंटेम्पोरेरी अडवांस्मेंट इन फाइनांसियल मार्केट : ऐन ओरव्यू' यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, केएमवी जलंधर, 23–24 फरवरी, 2015
9. शोधपत्र शीर्षक 'रोल ऑफ इंस्टीट्यूशनल इंवेस्टर इन एनफोर्सिंग कॉर्पोरेट गवर्नेंस इन ऑर्गेनाइजेशंस, एमबीयू, सोलन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 29 नवंबर, 2014

**डॉ. मनप्रीत अरोड़ा**

1. केस अध्ययन शीर्षक 'अन्ट्रेप्रेन्यूरियल लर्निंग फ्रौम एक्सपीरिएंसेस : मैनेजिंग चेंज' 'अन्ट्रेप्रन्यूरशिप, टूरिज्म एनवॉयरनमेंट एंड एनर्जी' पर चौथे द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, सेंटर फॉर अन्ट्रेप्रन्यूरशिप एंड स्मॉल बिजनेस मैनेजमेंट, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, 11–12 अक्टबूर, 2014
2. शोधपत्र शीर्षक 'ग्लोबलाइजेशन, टूरिज्म एंड टूरिज्म एजुकेशन : इट्स चेंजिंग पर्सपेक्टिव्स एंड न्यू होराइजंस' 'चैलेंजेज इन हायर एजुकेशन' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, देश भगत विश्वविद्यालय, मंडी, गोबिंदगढ़, पंजाब, 26–27 सितंबर, 2014
3. शोधपत्र शीर्षक 'ग्लोबलाइजेशन अन्ट्रेप्रेन्यूरियल लीडरशिप एंड प्रॉफिट मेकिंग : ए केस स्टडी ऑफ इंफोसिस', क्रॉस कल्चरल नूआंसेस' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, कन्या महाविद्यालय, जलंधर, पंजाब, 30–31 अक्टूबर, 2014
4. शोधपत्र शीर्षक 'इनोवेटिव एंड क्रिएटिव अन्ट्रेप्रेन्यूरियल लीडरशिप इन द एज ऑफ ग्लोबल रेसेसन', पंजाब कॉमर्स एंड मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा एमएमएम कॉलेज, पटियाला, पंजाब में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बिजनेस सम्मेलन में प्रस्तुत, 7–8 नवंबर, 2014
5. शोधपत्र शीर्षक 'ग्लोबलाइजेशन एंड द नीड ऑफ स्ट्राइविंग टूवार्डस एक्सेलेंस इन टूरिज्म एजुकेशन' 'स्ट्राइविंग फॉर एक्सेलेंस इन इंस्टीट्यूशंस ऑफ हायर एजुकेशन' पर दो दिवसीय आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, तृषा पीजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हमीरपुर।
6. शोधपत्र शीर्षक 'इंफॉरमेशन एजुकेशन फॉर एफिशिएंट एंड इफेक्टिव मैनेजमेंट', आईएटीएलआईएस द्वारा आयोजित XXX आईएटीएलआईएस राष्ट्रीय सम्मेलन 2014 में प्रस्तुत, हिप्रकेवि, 27–29 नवंबर, 2014
7. शोधपत्र शीर्षक–'माइक्रो फाइनांसिंग थ्रू सेल्फ हेल्प ग्रुप्स : रीजनल डिस्ट्रिब्यूशन एंड वूमन इन इंडिया', 'एमर्जिंग पाराडाइम्स एंड प्रैक्टिसेस इन ग्लोबल टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड बिजनेस इश्यूज़' पर एनआईटी एमटीएमआई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, एनआईटी, हमीरपुर, 22–24 दिसंबर, 2014
8. शोधपत्र शीर्षक 'पोटेंशियल ऑफ अनटैप्ड टूरिज्म सेक्टर ऑफ इंडिया इन द ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड', 'इन्क्लूसिव ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट : एजेंडा फॉर टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी इंडस्ट्री' पर इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी कॉंग्रेस द्वारा आयोजित सातवें अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन में प्रस्तुत, मनाली, हिमाचल प्रदेश, 6–8 फरवरी, 2015
9. शोधपत्र शीर्षक 'ट्रांसफॉरमिंग रूरल इंडिया थ्रू माइक्रो फाइनांसिंग', 'फाइनांसियल सेक्टर ए पाराडाइम शिफ्ट (प्री एंड पोस्ट रिफॉर्म्स सीनारियो)' पर दो दिवसीय यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, कन्या महाविद्यालय, जलंधर, 23–24 फरवरी, 2015
10. शोधपत्र शीर्षक 'माइक्रोफाइनांस ऐज़ टूल ऑफ कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी इन इंडियन बैंकिंग सेक्टर', 'माइक्रोफाइनांस एंड माइक्रो अन्ट्रेप्रेन्यूरशिप : ए पाराडाइम शिफ्ट फॉर स्किल डेवलॉपमेंट' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, अर्थशास्त्र विभाग, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, भारत, 27–28 फरवरी, 2015
11. शोधपत्र शीर्षक 'अन्ट्रेप्रेन्यूरियल लीडरशिप एंड प्रौफिट मेकिंग ऐट इंफोसिस', 'मेक इन इंडिया : ट्रांसफॉरमिंग ह्यूमन रिसोर्सेस एंड स्ट्रैटेजिक डेवलॉपमेंट' पर एनआईईएसबीयूडी, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ग्लोबल समिट 2015 में प्रस्तुत, नोएडा, 19–20 मार्च, 2015
12. शोधपत्र विषय 'मर्जर्स एंड ऐक्वीजिशंस ऐज़ ए स्ट्रैटेजिक टूल ऑफ ग्रोथ इन इंडिया : ऐन इनसाइट फ्रौम कंपनीज़ ऐक्ट 2013' 'कॉर्पोरेट रेगुलेटरी रिफॉर्म्स पर्सपेक्टिव, इश्यूज़ एंड चैलेंजेज अंडर न्यू कंपनी लॉ' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, जलंधर चैप्टर, एनआईआरसी, आईसीएसआई, डीएबी कॉलेज, जलंधर, 21 मार्च, 2015
13. 'एनालिटिकल टेक्नीक्स फॉर रिसर्च' पर ग्लोबल नेटवर्क ऑफ बिजनेस रिसर्चर्स द्वारा आयोजित एक सप्ताही कार्यशाला में भाग लिया, डीपीएस हिमाचल प्रदेश 12–18 अप्रैल, 2014
14. 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' पर व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया, 28–29 अप्रैल, 2014
15. 'केस एनालिसिस एंड केस प्रिप्रेरेशन' पर आईआईएम, अहमदाबाद के सहयोग से व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया, 31 जुलाई–02 अगस्त, 2014

16. 'डेटा एनालिसस एंड डेटा माइनिंग' पर व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा संचालित तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया, 23–25 अप्रैल, 2014
17. 'ऐक्सेस टू इ–रिसोर्सेस अंडर यूजीसी–इंफोनेट डिजिटल लाइब्रेरी कॉन्सोर्टियम' पर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित एक दिवसीय प्रयोक्ता जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया, 12 सितंबर, 2014
18. 'रोल ऑफ स्टेकहोल्डर्स इन टूरिज्म इंडस्ट्री' पर एसटीटीएच, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया, 27 सितंबर, 2014
19. 'स्त्री विमर्श' पर मानविकी एवं भाषा स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया, 15 जनवरी, 2015
20. 'लिटरेरी थियरी' पर मानविकी एवं भाषा स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया, 21–22 जनवरी, 2015
21. 'रचनात्मकता : रचनाकार से रचना तक' पर मानविकी एवं भाषा स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया, 02 फरवरी, 2015

**मोहम्मद आतिफ**

1. शोधपत्र शीर्षक 'इंट्राडे वोलाटिलिटी स्पिलओवर्स बिटवीन सीएनएक्स निफ्टी एंड सीएनएक्स निफ्टी फ्यूचर्स', सेंटर फॉर मैनेजमेंट स्टडीज, जेएमआई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय फाइनांस कॉन्क्लेव में प्रस्तुत, 28 फरवरी, 2015

**डॉ. मोहिंदर सिंह**

1. 'फाइनांसियल सेक्टर–ए पाराडाइम सिफ्ट (प्रि एंड पोस्ट रिफॉर्म्स सीनारियो)' पर आयोजित दो दिवसीय यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार, शोधपत्र शीर्षक 'प्रधानमंत्री जन धन योजना : ए न्यू इनीशिएटिव टू फाइनांसियल इन्क्लूजन' प्रस्तुत किया, केएमवी जलंधर (पंजाब)।
2. 'माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज एंड इंस्टीट्यूशनल फाइनांस' पर राष्ट्रीय सेमिनार, एचपीयू सेंटर फॉर इवनिंग स्टडीज, शिमला, 4 अप्रैल, 2014
3. यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, डीएवी कॉलेज, चंडीगढ़, 11 मार्च, 2015
4. 'सप्लाई चेन मैनेजमेंट' पर प्रो. रवि शंकर, आईआईटी दिल्ली द्वारा विशेष व्याख्यान में भाग लिया।
5. श्री करूणेश देव, उद्योग विशेषज्ञ द्वारा 'एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स' पर विशेष व्याख्यान में भाग लिया, 1 सितंबर, 2014
6. 'फाइनांसियल इन्क्लूजन एंड फाइनांसियल लिटेरेसी इन इंडिया', के.सी. कॉलेज, पनडोगा, ऊना (हिप्र)।
7. 'मैनेजमेंट ऑफ फॉरेन एक्सचेंज रिस्क्स एंड एक्सपोजर्स', इंडस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बाथू ऊना (हिप्र)।
8. 'रिसर्च मेथडोलॉजी एंड स्टैटिस्टिकल एनालिसिस', राष्ट्रीय कार्यशाला, आईसीएसएसआर कॉम्प्लेक्स, पीयू, चंडीगढ़, 2 नवंबर, 2014
9. 'इफेक्टिव कम्यूनिकेशन एंड पर्सनालिटी डेवलॉपमेंट', गवर्नमेंट कॉलेज शाहपुर, कांगड़ा (हिप्र)।

**मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग**

**डॉ. अदिति शर्मा**

1. शोधपत्र शीर्षक 'वैल्यूज इन हायर एजुकेशन : नीड ऑफ ऑवर', एचएमवी जलंधर द्वारा 'रोल ऑफ गवर्नेंस, लीडरशिप एंड मैनेजमेंट फॉर क्वालिटी एनहेंसमेंट इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस पर दो दिवसीय नैक प्रायोजित सम्मेलन में प्रस्तुत किया, 5–6 सितंबर, 2014
2. शोधपत्र शीर्षक 'ग्रीन एचआरएम एंड कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी : ऐन ओवरव्यू ऑफ बैंकिंग सेक्टर इन इंडिया', बाहरा यूनिवर्सिटी द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किया, 28 नवंबर, 2014
3. शेधपत्र शीर्षक 'ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट प्रैक्टिसेस इन बैंकिंग इंडस्ट्री' केएमवी, जलंधर द्वारा 'फाइनांसियल सेक्टर–ए पाराडाइम शिफ्ट प्री एंड पोस्ट रिफॉर्म सीनारियो' पर दो दिवसीय यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किया।

**डॉ. भावना भारद्वाज**

1. शोधपत्र शीर्षक 'रोल ऑफ वर्क बैलेंस इन ऑर्गेनाइजेशनल इफेक्टिवनेस', 'इनोवेटिव अप्रोचेज इन मैनेजमेंट, लॉ एंड सोशल साइंसेस फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ एंड डेवलॉपमेंट' पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, मानव भारती यूनिवर्सिटी, 28–29 नवंबर, 2014
2. 'कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी' पर सेमिनार, बाहरा यूनिवर्सिटी, 28 नवंबर, 2014
3. शोधपत्र शीर्षक 'लीडरशिप स्टाइल्स एंड इफेक्टिवनेस ऑन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस', 'गवर्नेंस, लीडरशिप एंड मैनेजमेंट' पर नैक प्रायोजित सम्मेलन में प्रस्तुत, हसंराज महिला विद्यालय, 5–6 सितंबर, 2014
4. तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, डेटा एनालिसिस, 23–24 अप्रैल, 2014 और डेटा माइनिंग, 25 अप्रैल, 2014
5. आईआईएम, अहमदाबाद के सहयोग से केस एनालिसिस एंड प्रिपेरेशन पर तीन दिवसीय कार्यशाला, 31 जुलाई–02 अगस्त, 2014
6. 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' पर दो दिवसीय कार्यशाला, मैनेजमेंट सोसाइटी, एसबीएमएस, हिप्रकेवि, 28–29 अप्रैल, 2014

**डॉ. गीताजंलि उपाध्याय**

1. शोधपत्र शीर्षक 'स्प्रिच्युअल इंटेलीजेंस ऐज़ ए न्यू डायमेंशन, ऑफ ह्यूमन इंटेलीजेंस फॉर इफेक्टिव लीडरशिप', एनआईइएसबीयूडी द्वारा 'मेक इन इंडिया : ट्रांसफॉरमिंग ह्यूमन रिसोर्सेस एंड स्टैटेजिक डेवलॉपमेंट' पर ग्लोबल समिट में प्रस्तुत, 19–20 मार्च, 2015
2. 'स्ट्रेस एंड ऐंगर मैनेजमेंट' पर मैनेजमेंट सोसाइटी, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला, 28–29 अप्रैल, 2014
3. प्रो. एम.आर. दीक्षित, आईआईएम, अहमदाबाद द्वारा संचालित 'केस एनालिसिस एंड केस प्रेजेंटेशन' पर तीन दिवसीय कार्यशाला, 31 जुलाई–02 अगस्त, 2014
4. 'स्त्री विमर्श : दशा एवं दिशा' पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया, आयोजक हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि, 15 जनवरी, 2015
5. 'जेंडर सेंसीटिविटी, प्रिवेंशन एंड रीड्रेसल ऑफ सेक्सूअल हरासमेंट ऑफ वूमन ऐट वर्कप्लेस' पर दो दिवसीय इंटरऐक्टिव कार्यशाला में भाग लिया, आयोजक इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग एंड पॉलिसी रिसर्च (ट्रेनिंग डिवीजन), नई दिल्ली, 20–21 फरवरी, 2015

**विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग**

**डॉ. भगवान सिंह**

1. शोधपत्र विषय 'कंपनीज एंड कस्टमर्स ओरिएंटेशन टूवार्ड्स ग्रीन मार्केटिंग', 'विज़न फॉर वाराणसी अप्रोच टू सिटी मैनेजमेंट' पर वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से आरएसएमटी, वाराणसी द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 4–5 अप्रैल, 2014
2. शोधपत्र विषय 'स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट फॉर एमएसएमईजः मार्केट इन इंडिया', 'विज़न फॉर वाराणसी अप्रोच टू सिटी मैनेजमेंट', पर वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से राजर्षि स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, वाराणसी द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 07–08 फरवरी, 2015
3. शोधपत्र विषय 'कस्टमर्स पर्सपेक्टिव फॉर द परफॉर्मेंस ऑफ प्राइवेट सेक्टस बैंक्स', 'विज़न फॉर वाराणसी अप्रोच टू सिटी मैनेजमेंट', पर वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से राजर्षि स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, वाराणसी द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 07–08 फरवरी, 2015
4. शोधपत्र विषय 'रोल ऑफ वेब बेस्ड ऐडवरटाइजिंग फॉर प्रोमोशन ऑफ मोबाइल बेस्ट बैंकिंग' 'विज़न फॉर वाराणसी अप्रोच टू सिटी मैनेजमेंट', पर वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से राजर्षि स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, वाराणसी द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 07–08 फरवरी, 2015
5. शोधपत्र विषय 'ऐन एनालिसिस बेस्ड ऑन नेटबैंकिंग फॉर ग्रोथ ऑफ इंडियन बैंकिंग इंडस्ट्री', 'विज़न फॉर वाराणसी अप्रोच टू सिटी मैनेजमेंट', पर वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से राजर्षि स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, वाराणसी द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 07–08 फरवरी, 2015

6. शोधपत्र विषय 'इम्पैक्ट ऑफ जेंडर्स ऑन कंज्यूमर ग्रीन बाइंग बिहेवियर (जीबीबी) इन नॉर्थ इंडिया, 'विज़न फॉर वाराणसी अप्रोच टू सिटी मैनेजमेंट', पर वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से राजर्षि स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, वाराणसी द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 07–08 फरवरी, 2015

**चमन लाल**

1. शोधपत्र शीर्षक 'इम्पैक्ट ऑफ एफडीआई ऑन इंडयन रिटेलिंग : ए स्टडी ऑफ रूरल कस्टमर्स एंड रिटेलर्स', एमएलएसयू, उदयपुर और टीएनसीआर, कनाडा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 29–30 अप्रैल, 2014
2. शोधपत्र शीर्षक 'इ–रिटेलिंग इन रूरल इंडिया : स्ट्रैटेजिक पर्सपेक्टिव' फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट, श्रीमाता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी, कटरा, जम्मू तथा कश्मीर द्वारा आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, 1–2 अगस्त, 2014
3. शोधपत्र शीर्षक 'मार्केटिंग ऑफ रूरल टूरिज्म प्रोडक्टस एंड कम्यूनिटी डेवलॉपमेंट : 7s (एस) पर्सपेक्टिव', पर्यटन एवं आतिथ्य विभाग, महाराजा अग्रेसन यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, 20 सितंबर, 2014
4. शोधपत्र शीर्षक 'प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ इ–रिटेलिंग इन रूरल मार्केट ऑफ इंडिया', 67 वें अखिल भारतीय कॉमर्स सम्मेलन–2014, इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन में प्रस्तुत, आयोजक–केआईटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, उड़िसा, 27–29 दिसंबर, 2014
5. कार्यशाला शीर्षक 'केस एनालिसिस एंड केस राइटिंग', आयोजक–व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि, 30 जुलाई–01 अगस्त, 2014

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

### पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

**अरुण भाटिया**

1. शोधपत्र शीर्षक 'ऑरचर्ड टूरिज्म–द नेक्स्ट बिग स्टेप', अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में, इंडियन टूरिज्म हॉस्पिटालिटी कॉंग्रेस, मनाली
2. शोधपत्र शीर्षक 'ऑरनिथोलॉजिकल टूरिज्म–टूरिज्म विद विंग्स', राष्ट्रीय सेमिनार में, आयोजक गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, नालागढ़
3. शोधपत्र शीर्षक 'टूरिज्म एंड ट्रैफिक प्रॉब्लम इन शिमला', राष्ट्रीय सेमिनाार में, आयोजक महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी बद्दी, हिमाचल प्रदेश
4. शोधपत्र शीर्षक 'इम्पैक्ट ऑफ सोशल नेटवर्क्स ऑन ग्रोथ ऑफ टूरिज्म इन हिमाचल प्रदेश', अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में, आयोजक स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर

**देबाशीष साहू**

1. शोधपत्र शीर्षक 'रोल ऑफ गैस्ट्रोनोमिक्स इन टूरिज्म : ए केस स्टडी ऑफ डोमेस्टिक ट्रावेल्स इन इंडिया', 'इश्यूज़ चैलेंजेज, एमर्जिंग ट्रेंडस एंड प्रैक्टिसेस इन हॉस्पीटालिटी एंड टूरिज्म' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, फैकल्टी ऑफ होटल मैनेजमेंट, आम्रपाली ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, हल्द्वानी (भारत), 5–6 सितंबर, 2014
2. शोधपत्र शीर्षक 'एनालाइजिंग द इम्पैक्ट ऑफ कल्चर ऑन ए डेस्टीनेशंस कुजीन : ए केस स्टडी ऑफ उड़िसा', 'हॉस्पीटालिटी एजुकेशन : ब्रिजिंग गैप बिटविन हॉस्पीटालिटी इंडस्ट्री एंड ऐकेडमिक्स प्रस्तुत, इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी, पीसीटीई, ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स, लुधियाना, पंजाब, 5 मार्च, 2015
3. तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला विषय 'कम्यूनिकेशन एंड केस एनालिसिस में भाग लिया, आयोजक व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि, 31 जुलाई–02 अगस्त 2014

**डॉ. एस. सुंदररमण**

1. 'कंटेम्पोरेरी बिजनेस एंड इकोनॉमिक ऑपरचूनिटिज इन नॉर्थ–वेस्टर्न रीजन इश्यूज एंड चैलेंजेज' पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'मार्केटिंग स्ट्रैटेजीज ऐट इंटरमीडिएट मार्केट टू वू बैकपैकर्स' प्रस्तुत किया, 06 मार्च, 2015
2. 'वर्ल्ड पीस पर्सेप्शंस एंड पर्सेप्शंस' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'इम्पैक्ट ऑफ टेररिज्म ऑन वेरियस टाइप ऑफ टूरिज्म डिमांड' प्रस्तुत किया।

**डॉ. सुमन शर्मा**

1. शोधपत्र शीर्षक 'टुवार्ड्स ए क्वालिटी टूरिज्म एक्सपीरिएंस : ए डेस्टीनेशन मार्केटिंग पर्सपेक्टिव', तृतीय इंटरनेशनल मार्केटिंग कांफ्रेंस मारकॉन 2014 में प्रस्तुत, आयोजक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कलकत्ता, 18–20 दिसंबर, 2014
2. शोधपत्र शीर्षक 'ऐन इनसाइट इनटू अन्ट्रेप्रेन्यूरियल मोटिवेशन ऑफ स्टूडेंट्स ऑफ हायर एजुकेशन' 'अन्ट्रेप्रेन्यूरशिप, टूरिज्म, एनवॉयरनमेंट एंड एनर्जी', पर आयोजित चौथा द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, आयोजक महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, राजस्थान, 2014
3. शोधपत्र शीर्षक 'कॉन्सेप्टूअलाइजिंग विजिटर पर्सेप्शन टूवार्ड्स हेरिटेज साइट्स ए स्टडी ऑफ हिल डेस्टिनेशन इन हिमाचल प्रदेश', 'कल्चरल टूरिज्म डेवलॉपमेंट इन हिमाचल प्रदेश' पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, एचपीयू, शिमला, 20–21 मार्च, 2015
4. शोधपत्र शीर्षक 'आकर्स ब्रैण्ड आइडेंटिटी ट्रैप्स : इम्प्लीकेशंस फॉर डेस्टीनेशन ब्रैण्ड्स', 'इन्क्लूसिव ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट : एजेंडा फॉर टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी इंडस्ट्री' पर आयोजित सातवें अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन में प्रस्तुत, मनाली (हिप्र) 6–8 फरवरी, 2015
5. शोधपत्र शीर्षक 'वर्क लाइफ बैलेंस ए स्टडी ऑन हॉस्पीटालिटी इंडस्ट्री' 'इन्क्लूसिव ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट : एजेंडा फॉर टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी इंडस्ट्री' पर आयोजित सातवें अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन में प्रस्तुत, मनाली (हिप्र) 6–8 फरवरी, 2015
6. शोधपत्र शीर्षक 'अंडरस्टैंडिंग डेस्टिनेशन इमेज : ए टूरिस्ट पर्सपेक्टिव', 'इन्क्लूसिव ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट : एजेंडा फॉर टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी इंडस्ट्री' पर आयोजित सातवें अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन में प्रस्तुत, मनाली (हिप्र) 6–8 फरवरी, 2015
7. शोधपत्र शीर्षक 'कंसेप्टूअलाइजिंग विजिटर पर्सेप्शन टूवार्ड्स हेरिटेज साइट्स, ए स्टडी ऑफ हिल डेस्टीनेशन इन हिमाचल प्रदेश', 'कल्चरल टूरिज्म डेवलॉपमेंट इन हिमाचल प्रदेश' पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, हिमाचल एचपीयू, शिमला, 20–21 मार्च 2015
8. शोधपत्र शीर्षक 'जीयोटूरिज्म : ए टूरिज्म पर्सपेक्टिव फॉर द नॉर्थ वेस्ट मॉउंटेन स्टेट्स ऑफ इंडिया', कम्यूनिटिज एंड कम्यूनिटिज' पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, आयोजक–टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी विभाग, महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी, बद्दी, हिमाचल प्रदेश, 20 सितंबर, 2014
9. शोधपत्र शीर्षक 'ए रिव्यू आर्टिकल ऑन रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म एंड लोकल कम्यूनिटी डेवलॉपमेंट', कम्यूनिटिज एंड कम्यूनिटिज' पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, आयोजक टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी विभाग, महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी, बद्दी, हिमाचल प्रदेश, 20 सितंबर, 2014
10. तीन दिवसीय कार्यशाला 'केस एनालिसिस एंड केस प्रिप्रेरेशन' आयोजक व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन, हिप्रकेवि, 31 जुलाई–02 अगस्त, 2014
11. तीन दिवसीय कार्यशाला 'डेटा एनालिसिस एंड डेटा माइनिंग', आयोजक व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन, हिप्रकेवि, 23–25 अप्रैल, 2014

## पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल

**डॉ. प्रदीप नायर**

1. 'नेशनल कंसल्टेशन ऑन क्रिटिकल अप्रेजल स्किल्स फॉर मीडिया रिपोर्टिंग ऑन रूटिन इम्यूनाइजेशन', आयोजक यूनिसेफ, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और जार्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, यूनिसेफ इंडिया कार्यालय, लोदी रोड, नई दिल्ली, 22 मई, 2014

## पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग

**डॉ. रबीन्द्रनाथ मनुकोण्डा**

1. शोधपत्र शीर्षक 'वूमन एंड सिनेमा', 'इंडियन सिनेमा एंड वूमन' पर गवर्नमेंट कॉलेज कुल्लू एवं आईसीएसएसआर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत, कुल्लू 22–23 सितंबर, 2014
2. शोधपत्र शीर्षक 'द सेकेंड मशीन एज़ ऑफ कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजीज सोशल मीडिया द प्रेजेंट इन द फ्यूचर', राष्ट्रीय सिंपोजियम इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ अडवांस्ड स्टडीज, शिमला में प्रस्तुत, 13–14 अक्टूबर 2014

3. 'नॉर्थ जोन कांफ्रेंस ऑन कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशंस' पर व्याख्यान दिया और एक सत्र की अध्यक्षता की, आयोजक–पब्लिक रिलेशंस ऑफ इंडिया, शिमला चैप्टर, 4–5 अक्टूबर, 2014
4. शोधपत्र शीर्षक 'न्यू मीडिया कम्यूनिकेशन टेक्नीक्स एंड इट्स इन डिजास्टर मैनेजमेंट', 'इनोवेटिव ट्रेंडस इन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट पर राष्ट्रीय सेमिनार में रोल, आयोजक–श्री साईं यूनिवर्सिटी, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश, 5–6 जुलाई, 2014

**डॉ. अर्चना कटोच**

1. 'इनोवेटिव ट्रेंड्स इन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट' पर मल्टीडिसिप्लिनरी राष्ट्रीय कॉंफ्रेंस में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'सोशल मीडिया एंड इट्स इफेक्ट्स ऑन यूथ' प्रस्तुत किया, श्री साईं यूनिवर्सिटी पालमपुर, हिमाचल प्रदेश, 5–6 जुलाई, 2014
2. 'टूरिज्म फॉर कम्यूनिकेशन एंड कम्यूनिटिज फॉर टूरिज्म' पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'द रोल ऑफ मीडिया इन टूरिज्म डेवलॉपमेंट' प्रस्तुत किया, महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी, बद्दी सोलन, हिप्र, 20 सितंबर, 2014
3. 'भारतीय सिनेमा और नारी' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'रोल ऑफ सिनेमा इन वूमन एमपॉवरमेंट' प्रस्तुत किया, गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, कुल्लू, हिप्र, 22–23 सितंबर, 2014
4. 'चैलेंजेज इन हायर एजुकेशन' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'आईसीटी अडॉप्शन इन इंडियन हायर एजुकेशन' प्रस्तुत किया, देशभगत यूनिवर्सिटी, मंडी, गोबिंदगढ़ (पंजाब), भारत, 26–27 सितंबर, 2014
5. 'क्रॉस कल्चरल नूआंसेस' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'इंफॉरमेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी फॉर इकोनॉमिक ग्रोथ', प्रस्तुत किया, कन्या महाविद्यालय, जलंधर (पंजाब), भारत, 30–31 अक्टूबर, 2014
6. मानव संसाधन पर छठे अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'सोशल मीडिया एंड स्ट्रैटेजिक ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट' प्रस्तुत किया, इंस्टीट्यूट फॉर सोशल डेवलॉपमेंट एंड रिसर्च, गरी होटरवार, राँची (झारखंड), 1–3 नवंबर, 2014
7. 'स्ट्राइविंग फॉर एक्सेलेंस इन इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन' पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'आईसीटी इन द चेजिंग लैंडस्केप ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया : ट्रेंडस एंड पर्सपेक्टिव्स', प्रस्तुत किया, तृषा पीजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हमीरपुर (हिप्र), 8–9 नवंबर, 2014
8. 'रि–इंवेंटिंग एलआईएस एजुकेशन प्रोग्राम्स इन इंडिया : चैलेंजेज एंड ऑपरचूनिटिज इन डिजिटल इंडिया' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'इंटीग्रेशन ऑफ आईसीटी इन प्रोवाइडिंग इंफॉरमेशन एंड एजुकेशन इन इंडिया' प्रस्तुत किया, हिप्रकेवि, टैब, शाहपुर (हिप्र) 27–29 नवंबर, 2014
9. 'एमर्जिंग पाराडाइम्स एंड प्रैक्टिसेस इन ग्लोबल टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड बिजनेस इश्यूज़' पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'स्ट्रेंथेनिंग आइसीटीज़ फॉर डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट एंड डेवलॉपमेंट' प्रस्तुत किया, एनआईटी हमीरपुर (हिप्र), 22–24 दिसंबर, 2014
10. 'ग्रीन कम्यूनिकेशन एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट : प्रॉस्पेक्ट्स एंड चैलेंजेज' पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'पवर्तीय क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण में जनमाध्यमों की भूमिका (काँगड़ा शहर के संबंध में)' प्रस्तुत किया, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, 28–29 जनवरी, 2015
11. 'वर्ल्ड पीस–पर्सेप्शन एंड प्रैक्टिसेस' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'मीडिया एंड पीस बिल्डिंग इन द एरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन' प्रस्तुत किया, श्री साईं ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स, बधानी, पठानकोट (पंजाब), 28 फरवरी–01 मार्च, 2015
12. एक दिवसीय कार्यशाला, विषय 'यूजर्स अवेयरनेस वर्कशॉप फॉर ऐक्सेस टू ई–रिसोर्सेस', आयोजक–पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, हिप्रकेव और इन्फिलबनेट, अहमदाबाद, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, टैब, शाहपुर में आयोजित, 12 सितंबर, 2014
13. एक दिवसीय कार्यशाला, विषय 'डेवलॉपमेंट रिपोर्टिंग : द चेंजिंग पाराडाइम्स', आयोजक–मीडिया सोसाइटी, हिप्रकेवि, धर्मशाला, हिप्र, 18 नवंबर, 2014
14. दो दिवसीय कार्यशाला, विषय 'राइटिंग रिसर्च पेपर', आयोजक–अध्यापक शिक्षा विभाग, शिक्षा स्कूल, हिप्रकेवि, टैब, शाहपुर में आयोजित, 18–19 दिसंबर, 2014

15. एक दिवसीय कार्यशाला, विषय 'स्त्री विमर्श : दशा एवं दिशा', आयोजक–हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि, 15 जनवरी, 2015
16. दो दिवसीय कार्यशाला विषय 'लिटेरेरी थियरी', आयोजक–अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि, 15 जनवरी, 2015

**हरिकृष्णन बी**

1. 'चेंजिंग न्यूज लैंडस्केप्स इन इंडिया : प्रॉस्पेक्ट्स एंड चैलेंजेज' पर जनसंचार विभाग, संत अलॉयसियस कॉलेज मैंगलोर द्वारा आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'शिफ्टिंग बॉडरलाइन्स इन द प्रैक्टिश ऑफ वेरिफिकेशन : सम सोशल मीडिया लेशंस फ्रौम इंडिया' प्रस्तुत किया, 17 जनवरी, 2015
2. इंडियन कौंसिल फॉर फिलोसोफिकल रिसर्च (आईसीपीआर) द्वारा शिक्षा विभाग, विनय भवन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और शोधपत्र शीर्षक 'इंडॉक्ट्रिनेशन एंड एजुकेशन : क्यूरियस केस ऑफ दीनानाथ बत्रा', 24 मार्च, 2015

**जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग**

**कुलदीप सिंह**

1. मानव संसाधन पर छठा अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, शोधपत्र शीर्षक 'पेनी प्रेस ! एंड पेनीलेस जर्नलिस्ट्स : ए क्रिटिकल इश्यू', 1–3 नवंबर, 2014
2. 'डेवलॉपमेंट रिपोर्टिंग : द चेंजिंग पाराडाइम्स' पर मीडिया सोसाइटी, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला, 18 नवंबर, 2014

**डॉ. राम प्रवेश राय**

1. 'सोशल मीडिया, इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी एंड आइपीआर' पर मीडिया लॉ सेंटर, डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में शोधपत्र शीर्षक 'ऐप्लीकेशन ऑफ फेसबुक इन पॉलिसी डिसिजन मेकिंग : ए केस स्टडी ऑफ लोगो सेलेक्शन प्रोसेस ऑफ उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी' प्रस्तुत किया, 27–28 फरवरी, 2015

# संकाय सदस्यों की अभिविन्यास एवं पुनश्चर्या कार्यक्रमों में सहभागिता

## भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

### डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री

1. डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, 'टीचिंग विद मूडल', https://learn.moodle.net/ ऑनलाइन कोर्स।

### भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग

### डॉ. अयान चटर्जी

1. ओरिएंटेशन कोर्स में भाग लिया, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जाधवपुर विश्वविद्यालय, जुलाई 2014

### डॉ. दलीप सिंह वर्मा

1. रिफ्रेशर कोर्स, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, शिमला, 07–20 जुलाई, 2014

### डॉ. जगदीश कुमार

1. ओरिएंटेशन कार्यक्रम, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, एचपीयू, शिमला, 02–28 जून, 2014

## जैविक विज्ञान स्कूल

### कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र

### डॉ. पोलामाराशेट्टी अपारॉय

1. ओरिएंटेशन कोर्स में भाग लिया, आंध्र यूनिवर्सिटी, 24 नवंबर–21 दिसंबर, 2014

### डॉ. शैलेन्दर कुमार वर्मा

1. 94 वां ओरिएंटेशन कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जेएनयू, नई दिल्ली, 23 फरवरी–20 मार्च, 2015, 'ए ग्रेड' प्रदान किया गया।

### डॉ. यूसुफ अख्तर

1. यूजीसी–ओरिएंटेशन कार्यक्रम–118 सफलतापूर्वक पूरा किया, यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उ.प्र. भारत

## पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

### पर्यावरण विज्ञान विभाग

### डॉ. अनुराग लिंडा

1. यूजीसी–मानव संसाधन केंद्र, रांची विश्वविद्यालय, रांची द्वारा 82 वां ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया, 12 मार्च–08 अप्रैल, 2015

### डॉ. शुभांकर चटर्जी

1. यूजीसी अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत द्वारा आयोजित 55 वां ओरिएंटेशन कार्यक्रम सफलतापूर्वक 'ए' ग्रेड से पूरा किया, 15 दिसंबर–13 जनवरी, 2015

## गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल

### गणित विभाग

### डॉ. राकेश कुमार

1. गणित में रिफ्रेशर कोर्स, एएससी पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, 18 मार्च–07 अप्रैल, 2015

### कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग

### केशव सिंह रावत

1. 'सीसीएनए के साथ कंप्यूटर नेटवर्किंग' पर अल्पावधि कार्यक्रम पूरा किया, आयोजक– एनआईटीटीटीआई, चंडीगढ़, अवधि– 19–23 मई, 2014
2. यूजीसी–एएससी ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया, लक्ष्मीबाई नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ फिजिकल एजुकेशन, ग्वालियर (म.प्र.), 03–30 जून, 2014

## मानविकी एवं भाषा स्कूल

### अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग

**डॉ. खेम राज शर्मा**

1. यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, एचपीयू, शिमला द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया, 02–28 जून, 2014
2. यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'वेस्ट एशियन स्टडीज (इंटर डिसिप्लनरी) में यूजीसी प्रायोजित रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया, 16 दिसंबर, 2014–07 जनवरी, 2015

## समाज विज्ञान स्कूल

### अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग

1. इंदरवीर सिंह, गुरूनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर द्वारा सामान्य ओरिएंटेशन कार्यक्रम, 11 दिसम्बर, 2014–7 जनवरी, 2015

### समाज कार्य विभाग

**अंबरीन जमाली**

1. आईसीएसएसआर द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।

**शबाब अहमद**

1. यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, रांची विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित 79 वें ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया।

## शिक्षा स्कूल

### अध्यापक शिक्षा विभाग

**डॉ. अनु जीएस**

1. यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, केरल विश्वविद्यालय द्वारा संचालित रिफ्रेशर कार्यक्रम में भाग लिया और 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया, 03–23 फरवरी, 2015 (21 दिन)

**डॉ. रेणु भंडारी**

1. यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा संचालित ओरिएंटेशन कार्यक्रम, 01–27 दिसंबर, 2014

## व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

### लेखा तथा वित्त विभाग

**डॉ. आशीष नाग**

1. 28 दिवसीय यूजीसी प्रायोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम, जीएनडीयू–एएससी में भाग लिया, 11 दिसंबर, 2014–07 जनवरी, 2015

**डॉ. मनप्रीत अरोड़ा**

1. अनुसंधान पद्धतियों पर 21 दिवसीय मल्टी डिस्प्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़

### मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग

**डॉ. भावना भारद्वाज**

1. ओरएंटेशन कार्यक्रम, यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, एचपीयू, शिमला, जून 2014

### विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

**चमन लाल**

1. अकादमिक स्टाफ कॉलेज, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा आयोजित सामान्य ओरिएंटेशन कोर्स (जीओसी–96), 11 दिसंबर, 2014–07 जनवरी, 2015

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

### पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

**अरुण भाटिया**

1. अकादमिक स्टाफ कॉलेज, एचपीयू, शिमला द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम (ओपोक–116)।

**देबाशीष साहू**

1. यूजीसी–अकादमिक स्टाफ कॉलेज, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में 4 सप्ताह का सामान्य आरिएंटेशन कोर्स (जीओसी–96) में भाग लिया, 11 दिसंबर, 2014 से 07 जनवरी, 2015

## पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल

### पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग

**डॉ. अर्चना कटोच**

1. अकादमिक स्टाफ कॉलेज, एचपीयू, शिमला द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया, 02–28 जून 2014

**डॉ. हर्ष मिश्रा**

1. अकादमिक स्टाफ कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम (ओपी–116), 2–31 जुलाई, 2014
2. समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो सप्ताह का आईसीएसएसआर प्रायोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 16–28 मार्च, 2015

### जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग

**कुलदीप सिंह**

1. अकादमिक स्टाफ कॉलेज, एचपीयू, शिमला द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम (ओपी–119), 22 जून–18 जुलाई, 2014

**डॉ. राम प्रवेश राय**

1. रिफ्रेशर कोर्स, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, 16 जून–05 जुलाई, 2014

# संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न व्याख्यान

## भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

### डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री

1. आधार वक्ता, राज्य स्तरीय इंस्पायर इंटर्नशिप कैंप, सीएसके एचपीकेवी, पालमपुर, 26 दिसंबर, 2014
2. संसाधक वक्ता, विषय 'मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस (एमओओसी), 7–15 वर्षों से कॉलेज कैडर में सेवारत सहायक/एसोसिएट प्रोफेसरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पर राज्य स्तरीय कार्यशाला, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, धर्मशाला, 28 नवंबर, 2014
3. संसाधक, 'आर्ट ऑफ क्रिएटिव टीचिंग', 7–15 वर्षों से कॉलेज कैडर में सेवारत सहायक/एसोसिएट प्रोफेसरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पर राज्य स्तरीय कार्यशाला, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, धर्मशाला, 28 नवंबर, 2014
4. संसाधक कॉलेज शिक्षकों के लिए दो सप्ताह का इंडक्शन प्रशिक्षण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, धर्मशाला, 25 अगस्त, 2014
5. 'द रोल ऑफ वैल्यूज़ एंड स्प्रिचूआलिटी इन एम्पॉवरिंग लाइफ', पर अभिभाषण, सेल्फ ट्रांसफॉरमेशन : ए पर्सनल जर्नी, राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम, द्रोणाचार्य पीजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, 24 सितंबर, 2014
6. आधार वक्ता, विषय 'स्पलेंडर्स ऑफ फिजिक्स', राज्य स्तरीय इंस्पायर इंटर्नशिप कैंप, सीएसके एचपीकेवी, पालमपुर, 23 सितंबर, 2014
7. आधार वक्ता विषय 'द मिस्ट्री ऑफ लाइट', राज्य स्तरीय इंस्पायर इंटर्नशिप कैंप, सीएसके एचपीकेवी, पालमपुर, 3 अप्रैल, 2014
8. 'इंट्रोडक्शन टू कंप्यूटर इंटरफेसिंग एक्सपेरीमेंट्स' पर अभिभाषण, 'फिजिक्स एक्सपेरीमेंट्स यूजिंग डेटा ऐक्विजिशन विद एक्सपआईज़' पर तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला, 6–8 नवंबर, 2014
9. 'सेंसर इंटरफेस फॉर डेटा' पर अभिभाषण, 'फिजिक्स एक्सपेरीमेंट्स यूजिंग डेटा ऐक्विजिशन विद एक्सपआईज़' पर तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला, 6–8 नवंबर, 2014
10. 'इंट्रोडक्शन टू डेटा ऐक्वीजिशन' पर अभिभाषण, 'फिजिक्स एक्सपेरीमेंट्स यूजिंग डेटा ऐक्विजिशन विद एक्सपआईज़' पर तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला, 6–8 नवंबर, 2014
11. संसाधक, विषय 'हैंड्स–ऑन सेशन ऑन मूडल', ई–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यशाला, 19 मार्च, 2015

## भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग

### डॉ. बी.सी. चौहान

1. अकादमिक स्टाफ कॉलेज शिमला में दो आमंत्रित व्याख्यान।
2. एससीइआरटी, सोलन में दो व्याख्यान, (1) एलेक्ट्रोमैगनेटिक पॉल्यूशन; (2) द गॉड्स पार्टिकल, 13 अक्टूबर, 2014
3. गवर्नमेंट कॉलेज सोलन में आमंत्रित व्याख्यान, 14 अक्टूबर, 2014
4. प्रथम हिमाचल साइंस कॉंग्रेस, शिमला में प्रस्तुतीकरण, 15 अक्टूबर, 2014
5. 'एनालिटिकल आस्पेक्ट्स ऑफ डायनामिक्स' पर दो आमंत्रित व्याख्यान, मैथेमेटिकल सोसाइटी और गणित विभाग, हिप्रकेवि (11–17 नवंबर, 2014)
6. रिफ्रेसर कोर्स, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, एचपीयू, शिमला में दो व्याख्यान।
7. 'स्टेटस ऑफ नैचूरल हजार्ड्स इन एचपी' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में पोस्टर प्रेजेंटेशन, 6–8 नवंबर, 2014
8. रीजनल सेंटर धर्मशाला, एचपीयू में आमंत्रित व्याख्यान।
9. गवर्नमेंट कॉलेज, नालागढ़ में आमंत्रित व्याख्यान।
10. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के अवसर पर विशेष अभिभाषण, भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।
11. स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं शिक्षाओं पर आमंत्रित व्याख्यान, जीएसएसएस, दुघीयारी, गगल, कांगड़ा।
12. साई हॉस्टल धर्मशाला में कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान, 28 फरवरी, 2015

13. 'लाईट फ्रौम डार्क साइड ऑफ यूनिवर्स' पर कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान, बीएचयू, वाराणसी (उ.प्र.), 17–20 मार्च, 2015

**डॉ. अयान चटर्जी**

1. 'हॉकिंग रेडिएशन फ्रौम डायनामिकल होराइजन्स' पर अभिभाषण दिया, इंटरनेशनल कांफ्रेंस यूनिकॉस, आयोजक भौतिकी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, 13–15 मई, 2014
2. 'एनालिटिकल ऑस्पेक्टस ऑफ डायनामिक्स' पर छः व्याख्यान दिया, आयोजक गणित विभाग, हिप्रकेवि, 11–17 नवंबर, 2014

**डॉ. दलीप सिंह वर्मा**

1. 'एमर्जिंग चैलेंजेज इन फिजिक्स एंड नैनो साइंस' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान, 04 मार्च, 2015
2. वैज्ञानिक लेखन एवं प्रस्तुतीकरण पर एक दिवसीय कार्यशाला में साइंटिफिक टाइपसेटिंग सॉफ्टवेयर 'लेटेक्स फॉर पब्लिकेशंस' पर अभिभाषण।

## जैविक विज्ञान स्कूल

### कंप्यूटेशनल बॉयोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र

**डॉ. पोलामाराशेट्टी अपराय**

1. 'सीएडीडी अप्रोचेज फॉर डेवलॉपमेंट ऑफ पोटेंशियल ड्रग कैंडीडेट्स' पर अभिभाषण दिया, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कोलोक्वियम, हिप्रकेवि, 26 फरवरी, 2015

**डॉ. विक्रम सिंह**

1. 'इंट्रोडक्शन टू बायोइंफॉर्मेटिक्स एंड इट्स ऐप्लीकेशंस' पर आमंत्रित व्याख्यान 'मैथेमेटिकल मॉडलिंग एंड डेटा एनालिसिस इन बायोलॉजी' पर व्याख्यान कार्यक्रम, आईआईटी मंडी, 27–29 अक्टूबर, 2014
2. 'ऐट द इंटरफेस ऑफ बायोइंफॉर्मेटिक्स एंड सिस्टम्स बायोलॉजी' पर 'फ्यूचर एंड चैलेंजेज ऑफ कंप्यूटेशनल एंड इंटेग्रेटिव साइंस' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान, एचआरएमवी, जलंधर, 7–8 नवंबर, 2014
3. 'कॉम्पीटिशन एंड कोऑपरेशन इन द कॉलोनीज ऑफ सिंथेटिक बायोलोजिकल सिस्टम्स' पर आमंत्रित व्याख्यान, 'इंडो–यूएस कांफ्रेंस एंड वर्कशॉप ऑन सिंथेटिक एंड सिस्टम्स बायोलॉजी', जेएनयू, नई दिल्ली, 9–12 नवंबर, 2014
4. 'डायनामिक सिस्टम्स : फ्रौम सेल्स टू सोसाइटीज' पर आमंत्रित व्याख्यान, 'एनालिटिकल ऑस्पेक्ट्स ऑफ डायनामिक्स' पर राष्ट्रीय कार्यशाला, हिप्रकेवि, 11–17 नवंबर, 2014
5. 'ऑर्गेनाइजेश प्रिंसिपल्स ऑफ कनेक्टेडनेस : आर देयर सिमिलारिटिज़ इन बायोलोजिकल, इकोलॉजिकल एंड सोशल नेटवर्क्स ? पर अभिभाषण, 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कोलोक्वियम के अवसर पर, हिप्रकेवि, 26 फरवरी, 2015
6. 'आस्पेक्ट्स ऑफ स्टैटिस्टिकल जीनॉमिक्स एंड डायनामिकल जीन रेगूलेशन' पर आमंत्रित व्याख्यान, 'मल्टीलेवल मॉडलिंग ऑफ बायोलॉजिकल सिस्टम्स, एससीआइसी, जेएनयू, नई दिल्ली, 14 मार्च, 2015

**डॉ. यूसुफ अख्तर**

1. डीबीटी (भारत सरकार) द्वारा प्रायोजित कार्यशाला, शीर्षक 'प्रोटीन स्ट्रक्चर प्रेडिक्शन एंड मॉलेक्यूलर डॉकिंग' में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया और व्यावहारिक सत्र का संचालन किया, एचपीयू, शिमला, 27–31 अक्टूबर, 2014
2. व्याख्यान शीर्षक 'ड्रग डिस्कवरी प्रोसेस अगेंस्ट इंफेक्शंस' दिया, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, हिप्रकेवि, 26 फरवरी, 2015

## पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

**प्रो. अंबरीश कुमार महाजन**

1. हिमालयी क्षेत्र में भूकंप जोखिम निर्धारण के क्षेत्र में कार्य करने हेतु नोरसार, नार्वे में विजिटिंग फैकल्टी के रूप, 18 अगस्त–07 सितम्बर, 2014

## पर्यावरण विज्ञान विभाग

### डॉ. दीपक पंत

1. 'ग्रीन एंड क्लीन इनिसिएटिव्स, यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, एचपीयू, शिमला, हिप्र, 30 अप्रैल, 2014
2. 'केमिकल टॉक्सिकोलोजी', यूजीसी–अकादमिक स्टाफ कॉलेज, एचपीयू, शिमला, हिप्र, 30 अप्रैल, 2014

### डॉ. अंकित टंडन

1. 'लौंग टर्म वेरिएबिलिटी इन टोटल ओजोन कॉलम ओवर इंडिया' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, सेवारत पीजीटी भूगोल (स्कूल कैडर) के लिए एक सप्ताह का शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, आयोजक गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर्स एजुकेशन, धर्मशाला (जीसीटीई), 16 अक्टूबर, 2014
2. 'ट्रोपोस्फेरिक केमिस्ट्री' विषय पर एक आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, 'इम्पैक्ट ऑफ एयर क्वालिटी ऑन ह्यूमन हेल्थ' पर पीजीआईएमइआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित कार्यशाला, 22 दिसंबर, 2014
3. 'डिसिक्रिप्टिव स्टैटिस्क्सि : मेजरमेंट ऑफ सेंट्रल टेंडेंसी, डिस्परशन, स्कीवनेस, कूरटोसिस, रिग्रेशन एंड कोरिलेशन' विषय पर एक आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, आईसीएसएसआर प्रायोजित रिसर्च मेथडोलॉजी कोर्स, आयोजक–हिप्रकेवि, 20 मार्च 2015
4. 'मेजरमेंट ऑफ कोरिलेशन : कार्ल पीयर्सन्स कोरिलेशन एंड रैंक कोरिलेशन' पर आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, 'आईसीएसएसआर प्रायोजित रिसर्च मेथडोलॉजी कोर्स', हिप्रकेवि, 25 मार्च, 2015
5. 'ओजोन डिप्लेशन एंड क्लाइमेट चेंज' विषय पर हिप्रकेवि, धर्मशाला में आयोजित विज्ञान दिवस समारोह में एक व्याख्यान दिया, 27 फरवरी, 2015

### डॉ. अनुराग लिंडा

1. 'क्राइंग–हिमालायाज' विषय पर हिप्रकेवि, धर्मशाला में आयोजित विज्ञान दिवस समारोह में एक व्याख्यान दिया, 27 फरवरी, 2015

### डॉ. शुभांकर चटर्जी

1. 'मेडिकेटिंग द एनवॉयरनमेंट : रिस्क ऑफ फर्मासेयूटिकल्स टू वाइल्ड लाइफ एंड इकोसिस्टम' विषय पर हिप्रकेवि, धर्मशाला में आयोजित विज्ञान दिवस समारोह में एक व्याख्यान दिया, 26 फरवरी, 2015

## गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल

### प्रो. इंदर वीर मल्हन

1. 'रिपोर्ट राइटिंग एंड रेफेरेंस इन रिपोर्ट राइटिंग' पर 26 मार्च, 2015 को दो व्याख्यान दिया, रिसर्च मेथडोलोजी कोर्स इन सोशल साइंसेस, संयुक्त आयोजक, हिप्रकेवि, धर्मशाला और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, 17–26 मार्च, 2015
2. संसाधक और 'प्लैग्यिरिज्म' पर एक तकनीकी सत्र का संचालन किया, 23 मार्च, 2015, शोधपत्र लेखन पर पीजी कॉमर्स विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला, 23–24 मार्च, 2015
3. 'नॉलेज मैनेजमेंट इन लाइब्रेरीज़ एंड इंफॉरमेशन सेंटर्स (केएमएलआईसी–2015)' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 18 मार्च, 2015 को आधार व्याख्यान दिया, एएमयू, अलीगढ़, 18–19 मार्च, 2015
4. मुख्य अतिथि, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, 26 फरवरी, 2015
5. एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर उद्घाटन व्याख्यान दिया, 2 फरवरी, 2015, आयोजक गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, धर्मशाला (हि.प्र.), 2–7 फरवरी, 2015
6. माननीय अतिथि 'टेक्निया एसआरएफएलआईएस–2014 : इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन पाराडाइम शिफ्ट्स इन नॉलेज इनोवेशन, इंफॉरमेशन रिप्रेजेंटेशन, इंफॉरमेशन मैनेजमेंट सिस्टम्स एंड लाइब्रेरियनशिप', टेक्नी इंस्टीट्यूट ऑफ अडवांस्ड स्टडीज, रोहिणी, दिल्ली, 11–12 अप्रैल, 2014

## गणित विभाग

### डॉ. सचिन कुमार श्रीवास्तव

1. एस.के. श्रीवास्तव 'एक्सपोजिशन ऑफ ग्रुप थियरी', एम एंड एम एजुकेशनल सर्विसेस, हमीरपुर (हिप्र), 25–26 अक्टूबर, 2014

### कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग

**केशव सिंह रावत**

1. 'इमेज प्रोसिसिंग एंड कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस' पर दो दिवसीय कार्यशाला में 'इंट्रोडक्शन ऑफ इमेज प्रोसिसिंग' पर व्याख्यान दिया, हिप्रकेवि, 01–02 मई
2. 'साफ्टवेयर इंजीनियरिंग प्रिंसिपल्स एंड टेक्नीक्स' पर एकदिवसीय कार्यशाला में 'सॉफ्टवेयर लाइफ साइकिल' पर व्याख्यान दिया, हिप्रकेवि, 28 नवंबर, 2014

### मानविकी एवं भाषा स्कूल

**डॉ. रोशन लाल शर्मा**

1. गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, सोलन के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को 'लिटेरेरी थियरी टुडे' और 'ईस्ट–वेस्ट इंटरलिटरेरीनेस' पर क्रमशः 14 मार्च एवं 02 अप्रैल, 2015 को दो आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. 'यूजीसी पारामीटर्स फॉर क्वालिटी इन हायर एजुकेशन : ए क्रिटिकल पर्सपेक्टिव' विषय पर दो व्याख्यान दिया, सेवारत सहायक प्रोफेसरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, एससीईआरटी, सोलन, 14 मार्च, 2015
3. 'यूजीसी गाइडलाइंस फॉर एपीआई स्कोर : इंडीकेटर्स फॉर क्वालिटी असेस्मेंट' और 'यूजीसी गाइडलाइंस फॉर एपीआई स्कोर : परफॉर्मेंस ऑफ टीचर्स' विषयों पर दो व्याख्यान दिया, सेवारत सहायक प्रोफेसरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, एससीईआरटी, सोलन, 13 फरवरी, 2015
4. 'स्त्री विमर्श : दशा एवं दिशा' पर हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर बीज वक्तव्य दिया, हिप्रकेवि, टैब, शाहपुर, 15 जनवरी, 2015
5. शोधपत्र लेखन पर अध्यापक शिक्षा विभाग, शिक्षा स्कूल द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन अभिभाषण दिया, हिप्रकेवि, 19 दिसंबर, 2014
6. 'रोल ऑफ लैंग्वेज इन इफेक्टिव टीचिंग एंड इफेक्टिव मैनेजमेंट' पर संकाय विकास कार्यक्रम में एक व्याख्यान दिया, हिमाचल टेक्निकल यूनिवर्सिटी, हमीरपुर, 7 नवंबर, 2014
7. दो सप्ताह के 'इंडक्शन प्रोग्राम फॉर कॉलेज लेक्चरर्स' में दो व्याख्यान दिया, जीसीटीई, धर्मशाला (हिप्र), 28 अगस्त, 2014
8. 'इम्पॉरटेंस ऑफ कम्यूनिकेशन टुडे' पर उद्घाटन समारोह में उद्घाटन अभिभाषण दिया, द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रैत, जिला कांगड़ा (हिप्र), 26 जून, 2014
9. 'की कॉम्पेटेंसीज फॉर इफेक्टिव कम्यूनिकेशन' पर कार्यशाला के दौरान 'इंपॉरटेंस ऑफ कम्यूनिकेशन स्किल्स इन कॉन्टेमपोरेरी टाइम्स', 'की स्ट्रैटेजीज टू लर्न एंड टीच कम्यूनिकेशन स्किल्स' और 'इंपॉरटेंस ऑफ रोल प्ले एंड ग्रुप ऐक्टिविटिज इन इनकल्केटिंग एलएसआरडब्ल्यू स्किल्स इन द स्टूडेंट्स ऐट अंडरग्रेजुएट एंड पोस्ट ग्रेजुएट लेवल्स' पर तीन व्याख्यान दिया, द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रैत, जिला कांगड़ा (हिप्र)।
10. सेवारत एसोसिएट प्रोफेसरों (कॉलेज कैडर) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 'एथिक्स इन टीचिंग' पर एक व्याख्यान दिया, जीसीटीई, धर्मशाला, 25 अप्रैल, 2014

### हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग

**चंद्र कांत सिंह**

1. 'कार्यालयी कार्यों में सरल व सुबोध हिंदी का प्रयोग' पर एक व्याख्यान दिया, हिप्रकेवि, 31 मार्च, 2015

### समाज विज्ञान स्कूल

**प्रो. एच.आर. शर्मा**

1. संसाधक की भूमिका, कॉलेज व्याख्याताओं के लिए संचालित एक सप्ताह का इंडक्शन कार्यक्रम, टीचर्स एजुकेशन कॉलेज, धर्मशाला, 23 अप्रैल, 2014
2. संसाधक की भूमिका, कॉलेज व्याख्याताओं के लिए संचालित दो सप्ताह का इंडक्शन कार्यक्रम, टीचर्स एजुकेशन कॉलेज, धर्मशाला, 20 अगस्त, 2014
3. 'प्रिप्रेरेशन ऑफ डिस्ट्रिक्ट एग्रीकल्चरल प्लांस फॉर जम्मू–कश्मीर : सम मेथोडोलॉजिकल इश्यूज' पर संसाधक के रूप में आमंत्रित, 4–5 सितंबर, 2014
4. संसाधक की भूमिका, कॉलेज व्याख्याताओं के लिए संचालित एक सप्ताह का इंडक्शन कार्यक्रम, टीचर्स एजुकेशन कॉलेज, धर्मशाला, नवंबर, 2014

### समाज कार्य विभाग

### प्रो. अरविंद कुमार अग्रवाल

1. विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में यूनिवर्सिटी ऑफ अप्लायड साइंसेस, फैंकफर्ट, जर्मनी के फैकल्टी ऑफ सोशल वर्क एंड हेल्थ में व्याख्यान दिया, जुलाई, 2015
2. शोधार्थियों के लिए आईसीएसएसआर प्रायोजित 'रिसर्च मेथडोलोजी वर्कशॉप इन सोशल साइंसेस' के दौरान 'क्वालिटी रिसर्च', 'फेनोमीनोलॉजी' और 'एथनोग्राफी' विषयों पर तीन व्याख्यान दिया, समाज कार्य विज्ञान, हिप्रकेवि, 17–26 मार्च, 2015
3. प्रोजेक्ट 'जुरिस्डिक्शन एंड प्लूरलिज्म्स : द इम्पैक्ट ऑफ प्लूरलिज्म्स ऑन द यूनिटी एंड यूनिफॉर्मिटी ऑफ जुरिस्डिक्शन' के भाग के रूप में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में तुरीन विश्वविद्यालय, इटली द्वारा विदेशी विद्वान के रूप में आमंत्रित किया गया, सितंबर, 2014
4. विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में यूनिवर्सिटी ऑफ अप्लायड साइंसेस, फैंकफर्ट, जर्मनी द्वारा फैकल्टी ऑफ सोशल वर्क एंड हेल्थ में 21 जुलाई–01 अगस्त, 2014 के दौरान व्याख्यानों के लिए अमांत्रित किया गया।

### डॉ. आशुतोष प्रधान

1. शोधार्थियों के लिए आईसीएसएसआर प्रायोजित 'रिसर्च मेथडोलॉजी वर्कशॉप इन सोशल साइंसेस' के दौरान 'नॉन प्रोबेबिलिटी सैम्पलिंग' और 'पार्टिसिपेटरी रिसर्च–पीआरए एवं आरआरए' विषयों पर दो व्याख्यान दिया, समाज कार्य विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय।
2. 'ग्लोबलाइजेशन एंड चैलेंजेज टू हायर एजुकेशन' पर एक व्याख्यान दिया, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, धर्मशाला, हिप्र, 25 नवंबर, 2014
3. 'एक्सटेंशन एंड आउटरीच सर्विसेस' पर एक व्याख्यान दिया, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, धर्मशाला, हिप्र, 25 नवंबर, 2014

### शबाब अहमद

1. शबाब अहमद, इंस्टीट्यूट फॉर सोशल डेवलॉपमेंट (आईएसडीआर) रांची, झारखण्ड में मानव संसाधन पर छठे अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में 'वर्कर्स राइट्स, बेनेफिट्स एंड रिस्पॉन्सिबिलिटिज़' पर एक सत्र की अध्यक्षता की, 1–3 नवंबर, 2014

## शिक्षा स्कूल

### डॉ. मनोज कुमार सक्सेना

1. संसाधक, 'रिसर्च मेथडोलोजी कोर्स इन सोशल साइंसेस' के दौरान 'इंटरव्यू एंड ऑब्जरवेशन ऐज़ डेटा कलेक्शन टूल्स' पर एक व्याख्यान दिया, हिप्रकेवि, धर्मशाला और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, 25 मार्च, 2015
2. संसाधक, 'रिसर्च मेथडोलोजी कोर्स इन सोशल सांइसेस' के दौरान 'क्वेस्चनायर कंसट्रक्शन' पर एक व्याख्यान दिया, हिप्रकेवि, धर्मशाला और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, 19 मार्च, 2015
3. कॉलेज डेवलॉपमेंट कौंसिल, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा वर्ल्ड पंजाबी कौंसिल, टोरोंटो और कन्फेडेरेशन कॉलेज, ऑण्टेरियो, कनाडा के सहयोग से भुट्टा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 'रिडिफाइनिंग लिटेरेसी इन द एमर्जिंग डिजिटल सोसाइटी' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में समापन अभिभाषण दिया, 5–6 फरवरी, 2015
4. कॉलेज डेवलॉपमेंट कौंसिल, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा वर्ल्ड पंजाबी कौंसिल, टोरोंटो और कन्फेडेरेशन कॉलेज, ऑण्टेरियो, कनाडा के सहयोग से भुट्टा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 'इ–एजुकेशन' विषय पर एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, 5–6 फरवरी, 2015
5. आधार व्याख्यान, 'मार्डन ट्रेंडस इन एजुकेशन : इश्यूज़ एंड चैलेंजेज' पर राष्ट्रीय सेमिनार, आयोजक–जाकिर हुसैन बीएड. कॉलेज, मियापुर, मुर्शीदाबाद (पश्चिम बंगाल), 15 नवंबर, 2014

### अध्यापक शिक्षा विभाग

### डॉ. अनु जीएस

1. 'रिवाइटलाइजिंग आवर प्रैक्टिसेस इन हायर एजुकेशन थ्रू प्रॉबलम बेस्ड लर्निंग' विषय पर गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में एक व्याख्यान दिया, 29 अगस्त, 2014

**डॉ. नवनीत शर्मा**

1. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस (टीआईएसएस), मुंबई में विजिटिंग फैकल्टी।

**व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल**

**प्रो. योगिन्द्र वर्मा**

1. संसाधक, सेवारत शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, गवर्नमेंट टीचर एजुकेशन कॉलेज, धर्मशाला, 7 अप्रैल, 2014
2. मुख्य अतिथि, हिमस्पार्क 2014, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि, 12 अप्रैल, 2014
3. सदस्य, 'रिव्यू पैनल इन एक्रेडिटेशन एंड असेस्मेंट इन किंग सौदे यूनिवर्सिटी', सऊदी अरब, 1–9 मई, 2014
4. संसाधक, संस्थागत प्रबंधन एवं प्रशासनिक नेतृत्व पर गवर्नमेंट टीचर एजुकेशन कॉलेज, धर्मशाला द्वारा कॉलेज शिक्षकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम, 24 अप्रैल, 2014
5. आधार व्याख्यान, उच्चतर शिक्षा में वित्तीय चुनौतियों पर यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित कार्यशाला, 25 जुलाई 2014
6. विवेकानंद के दृष्टिकोण में मानव विकास पर एक व्याख्यान दिया तथा विवेकानंद केन्द्र, कांगड़ा द्वारा आयोजित विश्व बंधुत्व दिवस समारोह में मख्य अतिथि, 11 सितंबर, 2014

**लेखा तथा वित्त विभाग**

**डॉ. संजीव गुप्ता**

1. संसाधक, 'फोरकास्टिंग : टेक्नीक्स एंड एप्लीकेशन' पर एक व्याख्यान दिया, 'वर्कशॉप ऑन बेसिक इकोनोमेट्रिक्स', संचालक यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोविंद सिंह इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।

**डॉ. आशीष नाग**

1. संसाधक, 'कम्यूनिटिज फॉर टूरिज्म' पर एक व्याख्यान दिया, राष्ट्रीय सम्मेलन, एमएयू बद्दी, 20 सितंबर, 2014

**डॉ. मनप्रीत अरोड़ा**

1. महिला सशक्तिकरण पर एक व्याख्यान दिया, गवर्नमेंट कॉलेज, शाहपुर, 28 नवंबर, 2014
2. माइक्रो फाइनांसिंग पर एक व्याख्यान दिया, गवर्नमेंट कॉलेज, शाहपुर, 6 दिसंबर, 2014
3. संसाधक, 'टूरिज्म फॉर कम्यूनिटिज़ एंड कम्यूनिटिज़ फॉर टूरिज्म' में 'फाइनांसियल इम्प्लीकेशंस ऑफ ग्रोइंग रोल ऑफ टूरिज्म इन इकोनॉमिक डेवलॉपमेंट ऑफ इंडिया' पर एक व्याख्यान दिया, 20 सितंबर, 2014

**डॉ. मोहिंदर सिंह**

1. 'फाइनांसियल इन्क्लूजंश एंड फाइनांसियल लिटेरेसी इन इंडिया', के.सी. कॉलेज, पंडोगा, ऊना।
2. 'मैनेजमेंट ऑफ फॉरेन एक्सचेंज रिस्क्स एंड एक्सपोजर' इंडस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बाथू, ऊना (हिप्र), 22 फरवरी, 2015
3. 'रिसर्च मेथडोलॉजी एंड स्टैटिस्टिकल एनालिसिस' राष्ट्रीय कार्यशाला, आईसीएसएसआर कॉम्प्लेक्स, पीयू चंडीगढ़ 02 नवंबर, 2014
4. 'इफेक्टिव कम्यूनिकेशन एंड पर्सनालिटी डेवलॉपमेंट', गवर्नमेंट कॉलेज, शाहपुर, कांगड़ा (हिप्र)

**विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग**

**डॉ. भगवान सिंह**

1. संसाधक, रिसर्च मेथडोलॉजी कार्यक्रम, आयोजक–एसएसजी कुमाऊं यूनिवर्सिटी, अल्मोरा, उत्तराखंड, 4–5 दिसंबर, 2014
2. अतिथि व्याख्याता, इंडकेयर कॉलेज ऑफ लॉ (आईसीएल), नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा, उ.प्र., 8 दिसंबर, 2014

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

### पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

### अरुण भाटिया

1. पर्यटन के लिए स्किल विकास के अंतर्गत सॉफ्ट स्किल पर विद्यार्थियों को एक व्याख्यान दिया, गवर्नमेंट स्कूल कांगड़ा।
2. भारत सरकार के स्किल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 'ऐटीट्यूड फॉर चेंज' पर खेल विकास प्राधिकरण में व्याख्यान दिया।

### डॉ. सुमन शर्मा

1. संसाधक, 'इंक्लूसिव ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट : एजेंडा फॉर टूरिज्म एंड हॉस्पीटालिटी इंडस्ट्री' पर सातवां अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन, मनाली (हिप्र), 6–8 फरवरी, 2015
2. संसाधक,'टूरिज्म फॉर कम्यूनिटिज एंड कम्यूनिटिज फॉर टूरिज्म' पर राष्ट्रीय सेमिनार, आयोजक–पर्यटन एवं आतिथ्य विभाग, महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी, बद्दी, हिमाचल प्रदेश, 20 सितम्बर, 2014
3. संसाधक, 'सिनरजाइजिंग टूरिज्म एजुकेशन, इंडस्ट्री एंड रिसर्च' पर राष्ट्रीय सिंपोजियम, कला इतिहास विभाग, बीएचयू, 9–10 अप्रैल, 2015
4. संसाधक, सातवां राष्ट्रीय डायरेक्टर्स कॉन्क्लेव, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवेल मैनेजमेंट, 17–18 जनवरी, 2015

## पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल

### डॉ. प्रदीप नायर

1. हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य के रूप से 'सोशल मीडिया में हिंदी के प्रयोग की संभावनाएं' पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान मुख्य संसाधक के रूप में समन्वय किया, 31 मार्च, 2015
2. 'कॉन्सेप्ट्स इन रिसर्च' पर आईसीएसएसआर प्रायोजित रिसर्च मेथडोलॉजी पर कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान, समाज कार्य विभाग, हिप्रकेवि, 21 मार्च, 2015
3. 'टाइप्स ऑफ रिसर्च' पर आईसीएसएसआर प्रायोजित रिसर्च मेथडोलॉजी पर कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान, समाज कार्य विभाग, हिप्रकेवि, 20 मार्च, 2015
4. 'टाइप्स ऑफ रिसर्च डिजाइन' पर आईसीएसएसआर प्रायोजित रिसर्च मेथडोलॉजी पर कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान, समाज कार्य विभाग, हिप्रकेवि, 20 मार्च, 2015

### पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग

### डॉ. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा

1. 'टाइप्स ऑफ सैंपलिंग–प्रोबेबिलिटी सैंपलिंग' पर रिसर्च मेथडोलॉजी वर्कशॉप इन सोशल साइंसेस पर व्याख्यान दिया, प्रयोजक– आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, आयोजक–समाज कार्य विभाग, हिप्रकेवि, 18 मार्च, 2015
2. 'रिसर्च डिजाइन' पर रिसर्च मेथडोलॉजी वर्कशॉप इन सोशल साइंसेस पर व्याख्यान दिया, प्रयोजक आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, आयोजक समाज कार्य विभाग, हिप्रकेवि, 17 मार्च, 2015
3. 'रिसर्च प्रॉब्लम फॉरमूलेशन एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर' पर रिसर्च मेथडोलॉजी वर्कशॉप इन सोशल साइंसेस पर व्याख्यान दिया, प्रयोजक–आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, आयोजक–समाज कार्य विभाग, हिप्रकेवि, 16 मार्च, 2015

### डॉ. हर्ष मिश्रा

1. 'कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशंस' पर गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, धर्मशाला द्वारा कॉलेज शिक्षकों के लिए आयोजित दो सप्ताह के इंडक्शन कार्यक्रम में व्याख्यान दिया, 30 अगस्त, 2014

### जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग

### डॉ. रामप्रवेश राय

1. 'ब्लेंडेड मोड्स ऑफ लर्निंग' पर हिप्रकेवि में इ–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर आयोजित कार्यशाला में विशेष व्याख्यान, 19 मार्च, 2015
2. राजभाषा हिंदी कार्यशाला, 'सामाजिक मीडिया में हिंदी के प्रयोग की संभावनाएं' पर विशेष व्याख्यान दिया।

# संकाय सदस्यों द्वारा परामर्शी कार्य

## मानविकी एवं भाषा स्कूल

### अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग

**डॉ. केबीएस कृष्णा**

1. होराइजन रिसर्च पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन, यूएसए के लिए 'रिट्टेन करेक्टिव फीडबैक (डब्ल्यूसीएफ) इन सेकेण्ड लैंग्वेज राइटिंग' पीअर रिव्यू किया, 16 अक्टूबर, 2014
2. होराइजन रिसर्च पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन, यूएसए के लिए 'नैरेटिव ऑर्गेनाइजेशन ऑफ वन हंड्रेड इयर्स ऑफ सॉलीट्यूड' पीअर रिव्यू किया, 06 फरवरी, 2015

## शिक्षा स्कूल

### अध्यापक शिक्षा विभाग

**डॉ. नवनीत शर्मा**

1. नील एजुकेशन ग्रुप, मध्य प्रदेश को मानद आधार पर परामर्श प्रदान किया।

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

### पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

**देबाशीष साहू**

1. इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, हमीरपुर, हिप्र में प्रैक्टिकल परीक्षाओं के संचालन के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया, 26 अप्रैल, 03 मई, 11, 12, 19 नवंबर, 2014

**डॉ. सुमन शर्मा**

1. एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा) के लिए बाह्य परीक्षक, ऑन जॉब ट्रेनिंग प्रेजेंटेशन, एमबीए (टीटीएम), चतुर्थ सेमेस्टर, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, 15–16 मई, 2014
2. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के लिए पेपर सेटर का कार्य।
3. हिमाचल प्रदेश सीएसके यूनिवर्सिटी, पालमपुर के लिए पेपर सेटर का कार्य।
4. पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के लिए पेपर सेटर का कार्य।
5. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवेल मैनेजमेंट, नोएडा के लिए पेपर सेटर का कार्य।
6. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवेल मैनेजमेंट, नोएडा के लिए पेपर इवैलूएटर।
7. महाराजा अग्रेसन यूनिवर्सिटी, बद्दी के लिए पेपर सेटर का कार्य।

## पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल

### पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग

**डॉ. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा**

1. 'नेशनल कंस्लटेशन ऑन क्रिटिकल अप्रिजल स्किल्स फॉर मीडिया रिपोर्टिंग–मीडिया एंड पब्लिक हेल्थ विद स्पेशल फोकस ऑन रूटिन इम्यूनाइजेशन, आयोजक–यूनिसेफ, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी एवं द जार्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, चंडीगढ़, 06 फरवरी, 2015
2. दैनिक जागरण मीडिया संगठन को परामर्श प्रदान किया।

### जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग

**डॉ. राम प्रवेश राय**

1. उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद और महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पीजीडीजेएमसी कार्यक्रमों के लिए पाठ्य सामग्री विकसित की।

# संकाय सदस्यों की शैक्षणिक और प्रोफेशनल निकायों की सदस्यता

## भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

### डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री

1. सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स।
2. सदस्य, अमेरिकन एसोसिशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स।
3. अध्यक्ष, पाठ्य समिति, भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग।
4. अध्यक्ष, स्कूल बोर्ड, भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल।
5. सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हिप्रकेवि।
6. बाह्य विशेषज्ञ, आइक्यूएसी, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, धर्मशाला।

### भौतिक एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग

### डॉ. बी.सी. चौहान

1. सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हिप्रकेवि।
2. सदस्य संपादक मंडल, जर्नल ऑफ जीयोग्राफी एंड जीयोलॉजी, कनैडियन सेंटर फॉर साइंस एंड एजुकेशन।
3. सदस्य, संपादक मंडल, जर्नल ऑफ न्यूक्लीयर फिजिक्स, मैटेरियल साइंसेस, रेडिएशन एंड ऐप्लीकेशंस, चितकारा यूनिवर्सिटी।

### डॉ. दलीप सिंह वर्मा

1. सदस्य, पर्यावरण विज्ञान विभाग की समिति खतरनाक सामग्री एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री के प्रयोग और अपशिष्ट निपटान के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण संबंधी समिति।

### डॉ. सुरेन्दर वर्मा

1. जर्नल समीक्षक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स (आईजेएचईपी), साइंस पब्लिशिंग ग्रुप।

## जैविक विज्ञान स्कूल

### कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बांयोइंफॉर्मेटिक्स केंद्र

### डॉ. पोलामारासेट्टी अपरॉय

1. एडीएनएटी (एशोसिएशन फॉर द प्रोफेशन ऑफ डीएनए फिंगर प्रिंटिंग एंड अदर डीएनए टेक्नोलॉजिज)।

### डॉ. शैलेन्दर कुमार वर्मा

1. आजीवन सदस्य, इंडियन साइंस कॉंग्रेस एसोसिएशन।
2. आजीवन सदस्य, सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स

### डॉ. विक्रम सिंह

1. सदस्य, नेशनल नेटवर्क ऑफ मैथेमेटिकल एंड कंप्यूटेशनल बायोलॉजी।

### डॉ. यूसुफ अख्तर

1. आजीवन सदस्य, सोसाइटी फॉर बायोलॉजिकल केमिस्ट्स, इंडिया (2013 से)।
2. सदस्य, एडिटोरियल बोर्ड ऑफ डेटासेट पेपर्स इन साइंस (बायोफिजिक्स सेक्शन) (2012 से)।
3. सदस्य, टीबी स्ट्रक्चरल जीनॉमिक्स कॉन्सोर्टियम, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, एलए, यूएसए (2004 से)।

## पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

### प्रो. अंबरीश कुमार महाजन

1. फेलो इंडियन जिओफिजिकल यूनियन।
2. आजीवन सदस्य, इंडियन साइंस कॉंग्रेस एसोसिएशन।
3. आजीवन सदस्य, हिमालयन जियोलॉजी जर्नल।

### पर्यावरण विज्ञान विभाग

#### डॉ. दीपक पंत

1. शिक्षक सदस्य, साइंस एजुकेशन पैनेल, इंडियन एकेडेमी ऑफ साइंसेस।

#### डॉ. अंकित टंडन

1. आजीवन सदस्य, इंडियन साइंस कॉंग्रेस एसोसिएशन।

## गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल

#### प्रो. इंदर वीर मल्हन

1. इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन।
2. इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर्स ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉरमेशन साइंस (आईएटीएलआईएस)।
3. सोसायटी फॉर इंफॉरमेशन साइंस (एसआईएस)।
4. पंजाब लाइब्रेरी एसोसिएशन।
5. सदस्य, स्पेशल लाइब्रेरी एसोसिएशन, यूएसए, इंडियन चैप्टर (2011–16)।
6. सदस्य अलमनाई एसोसिएशन ऑफ पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, 2013

### गणित विभाग

#### डॉ. सचिन कुमार श्रीवास्तव

1. सदस्य, अमेरिकन मैथेमेटिकल सोसायटी

### कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग

#### केशव सिंह रावत

1. सदस्य, इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर्स (आइइइइ)।
2. सदस्य, द इंटरनेट सोसाइटी (आईएसओसी) एसीएम।
3. सदस्य, कंप्यूटर साइंस टीसर्च एसोसिएशन (सीएसटीए)।
4. सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्स (आईएइएनजी)।

#### मनोज धीमान

1. सदस्य, पाठ्य समिति कंप्यूटर साइंस, हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल यूनिवर्सिटी, हमीरपुर (हिप्र)।

### पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

#### डॉ. डिंपल पटेल

1. सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ स्पेशल लाइब्रेरीज एंड इंफॉरमेशन सेंटर्स (आईएएसएलआईसी)।
2. सदस्य, एकेडमी ऑफ लाइब्रेरी एंड डॉक्यूमेंटेशन (एएलएसडी)।

## मानविकी एवं भाषा स्कूल

#### डॉ. रोशन लाल शर्मा

1. सदस्य, कार्यकारिणी समिति, इंटरनेशनल अमेरिकन स्टडीज एसोसिएशन (आईएएसए)।
2. सदस्य, कार्यकारिणी समिति, मेलस–मेलो इंडिया (रजि.)।
3. सदस्य, फोरम फॉर कंटेम्पोरेरी थियरी, बड़ोदा।
4. एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ इंग्लिश लिटरेचर एंड लैंग्वेज।
5. सदस्य, अडवाइजरी एडिटोरियल बोर्ड, वर्ल्ड जर्नल ऑफ जेंडर एंड लिटरेचर।
6. सदस्य, टेक्स्ट बुक्स एडिटोरियल बोर्ड, एचपीयू, अंग्रेजी विभाग, समर हिल, शिमला।
7. सदस्य, अडवाइजरी एडिटोरियल बोर्ड, वर्ल्ड जर्नल ऑफ जेंडर एंड लिटरेचर।

### अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग

#### डॉ. केबीएस कृष्णा

1. मेलस–मेलो
2. फोरम ऑन कंटेम्पोरेरी थियरी

#### डॉ. खेम राज शर्मा

1. आजीवन सदस्य, मेलस–मेलो इंडिया (रजि.)–द सोसायटी फॉर द स्टडी ऑफ द मल्टी एथनिक लिटरेरचर ऑफ द यूनाइटेड स्टेट्स एंड द वर्ल्ड।

2. सदस्य, इंडियन सोसाइटी फॉर कॉमनवेल्थ स्टडीज़।
3. संपादक, लैपिस लजुली : ऐन इंटरनेशनल जर्नल (आईएसएसएन : 2249–4529)।
4. सदस्य, अडवाइजरी एडिटोरियल बोर्ड, द ऐस्थेटिका : ए पीअर रिव्यूड जर्नल ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर (आईएसएसएन 2278–2990)।
5. सदस्य, अडवाइजरी एडिटोरियल बोर्ड, द टचस्टोन : ऐन इंटरनेशनल रेफरीड जर्नल ऑफ इंग्लिश लिटरेचर एंड लैग्वेज (आईएसएसएन : 2347–8799)।
6. सदस्य, अडवाइजरी एडिटोरियल बोर्ड, द लिटेरेरी वोयेज (आईएसएसएन : 2348–5272)।

## समाज विज्ञान स्कूल

### प्रो. एच.आर. शर्मा

1. सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, मुंबई।
2. सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली।

### अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग

### इंदरवीर सिंह

1. सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ ऐग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स।

### कमल सिंह

1. सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ ऐग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स।

### समाज कार्य विभाग

### प्रो. अरविंद अग्रवाल

1. अध्यक्ष, स्कूल बोर्ड, समाज विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि।
2. अध्यक्ष, पाठ्य समिति, समाज कार्य, हिप्रकेवि।

### डॉ. आशुतोष प्रधान

1. सदस्य, स्कूल बोर्ड, समाज विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि।
2. सदस्य, पाठ्य समिति, समाज कार्य, हिप्रकेवि।

### अंबरीन जमाली

1. सदस्य, पाठ्य समिति, समाज कार्य विभाग, हिप्रकेवि।

### शबाब अहमद

1. आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क (एनएबीएसडब्ल्यूआई), [एनएपीएसडब्ल्यूआई/एचपी/लाइफ/20677]
2. सदस्य, आल इंडिया एसोसिएशन ऑफ एजुकेशनल रिसर्च (एआइएइआर) 3226 (एचपी 21)
3. सदस्य, 'द लर्निंग कम्यूनिटी', एसोसिएशन ऑफ लरनर्स (एओएल), [64/2011]
4. सदस्य, डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स फॉर सन नेशनल इम्यूनाइजेशन डे (एसएनआईडी), डिस्ट्रिक्ट हेल्थ सोसायटी, कांगड़ा।

## शिक्षा स्कूल

### डॉ. मनोज कुमार सक्सेना

1. सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हिप्रकेवि।
2. अध्यक्ष, स्कूल बोर्ड, शिक्षा स्कूल, हिप्रकेवि।
3. अध्यक्ष एवं संयोजक, पाठ्य समिति, अध्यापक शिक्षा विभाग, हिप्रकेवि।

### अध्यापक शिक्षा विभाग

### डॉ. अनु जी.एस.

1. आजीवन सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस ( आईएइडब्ल्यूपी)।
2. सदस्य, कौंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (सीटीई), इंडिया।

### डॉ. नवनीत शर्मा

1. सदस्य, पाठ्य समिति, अध्यापक शिक्षा विभाग, हिप्रकेवि।
2. सदस्य, स्कूल बोर्ड, शिक्षा स्कूल, हिप्रकेवि।
3. सदस्य, फिलोसोफी ऑफ एजुकेशन–स्टडी ग्रुप।

## व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

### प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा

1. सदस्य, शैक्षणिक परामर्शदाता समिति, यूजीसी, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
2. नामित सदस्य, विश्वविद्यालय कोर्ट, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ।
3. सदस्य, पाठ्य समिति, एनआईटी, जलंधर।
4. सदस्य, निदेशक मंडल, अंसल यूनिवर्सिटी, गुड़गांव।
5. अध्यक्ष, नैक पीअर टीम, जिसने स्वामी विवेकानंद कॉलेज, भावनगर, गुजरात का मूल्यांकन किया, 4–6 सितंबर, 2014
6. अध्यक्ष, नैक पीअर टीम, जिसने सेंट विंसेंट पाल्लोट्टी कॉलेज लोधीपुरा, कापा, रायपुर का मूल्यांकन किया, 04–06 दिसंबर, 2014
7. सदस्य, साक्षात्कार बोर्ड, छत्तीसगढ़ सेवा आयोग, 10–11 दिसंबर, 2014
8. अध्यक्षक, नैक पीअर टीम, जिसने गर्ल्स कॉलेज, इलाहाबाद का मूल्यांकन किया, 26–28 फरवरी, 2015
9. अध्यक्ष, नैक पीअर टीम, जिसने श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चित्तुर का मूल्यांकन किया, 9–11 मार्च, 2015

### लेखा तथा वित्त विभाग

### डॉ. संजीव गुप्ता

1. एसोसिएट एडिटर, इंफॉरमेशन साइंस एंड इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी एजुकेशन ज्वाइंट कांफ्रेंस, अरिजोना, यूएसए।
2. संपादक, 'एपीजे जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी', जर्नल के लिए संपादकीय सेवा प्रदान की।
3. सदस्य, बोर्ड ऑफ रिव्यूअर्स फॉर जर्नल 'अर्थ अन्वेषण', श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू।
4. सदस्य, बोर्ड ऑफ रिव्यूअर्स फॉर जर्नल 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टूरिज्म रिसर्च', एमरैल्ड द्वारा प्रकाशित।
5. सदस्य, बोर्ड ऑफ रिव्यूअर्स फॉर जर्नल 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एमर्जिंग मार्केट्स', एमरैल्ड द्वारा प्रकाशित।
6. ऑनलाइन सदस्यता, इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस फोरकास्टिंग।
7. आजीवन सदस्य, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स।
8. आजीवन सदस्य, इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन।
9. आजीवन सदस्य, ऑपरेशंस रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया।
10. ऑनलाइन मेम्बरशिप ऑफ अप्लायड फोरकास्टिंग।
11. सदस्य, बीयरोनोमिक्स सोसाइटी।

### डॉ. आशीष नाग

1. सचिव, शिव शैक्षणिक शोध संस्थान एजुकेशनल सोसायटी, शिमला।
2. महासचिव, इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन, शिमला शाखा।
3. सदस्य, एडिटोरियल बोर्ड, जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, आईएसएसएन–09750150

### डॉ. मोहिंदर सिंह

1. आजीवन सदस्य, इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन (आईसीए)।
2. आजीवन सदस्य, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमएआई)।
3. संयुक्त सचिव, हिमाचल प्रदेश कॉमर्स एंड मैनेजमेंट एसोसिएशन (एचपीसीएमए)।

### मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग

### डॉ. गीतांजलि उपाध्याय

1. आजीवन सदस्य, इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन।

### विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

### डॉ. भगवान सिंह

1. सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हिप्रकेवि।

2. अध्यक्ष, पाठ्य समिति, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग, एसबीएमएस, हिप्रकेवि।
3. सदस्य, स्कूल बोर्ड, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि।
4. सदस्य, शिक्षक शिकायत व निवारण समिति, हिप्रकेवि।
5. इंडियन साइंस कॉंग्रेस एसोसिएशन (आईएससीए) (आजीवन सदस्य)।
6. कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) (आजीवन सदस्य)।
7. इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन (आईसीए) (आजीवन सदस्य)।
8. अध्यक्ष, मैनेजमेंट रिसर्च सर्कल (एमआरसी)।
9. पूर्व अध्यक्ष, मैनेजमेंट सोसाइटी।

**चमन लाल**

1. आजीवन सदस्य, इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन (सदस्यता सं. डी 150)
2. सदस्य, गुरुकुल बिज़नेस रिव्यू।

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

### पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

**देबाशीष साहू**

1. सदस्य, इंडियन टूरिज़्म कांग्रेस सोसाइटी–पर्यटन क्षेत्र में संभावित अनुसंधान पोषण हेतु।
2. सदस्य, साउथ इंडिया क्यूलिनरी एसोसिएशन (एसआईसीए) और द वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ क्यूलिनरी सोसाइटी (डब्ल्यूएसीएस)

**डॉ. सुमन शर्मा**

1. आजीवन सदस्य, इंडियन टूरिज़्म कॉंग्रेस।

## पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल

**डॉ. प्रदीप नायर**

1. सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हिप्रकेवि।
2. सदस्य, स्कूल बोर्ड, पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल, हिप्रकेवि।
3. अध्यक्ष एवं संयोजक, पाठ्य समिति, जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग, हिप्रकेवि।

### पत्रकारिता, जनसंचार एवं सृजनात्मक लेखन विभाग

**डॉ. रबीन्द्रनाथ मनुकोण्डा**

1. सदस्य, पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया, शिमला एवं चंडीगढ़ चैप्टर।

**डॉ. अर्चना कटोच**

1. सदस्य, स्कूल बोर्ड, पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल, हिप्रकेवि।
2. सदस्य, पाठ्य समिति, पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग।

# विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में संकाय सदस्यों का योगदान

## भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

### डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री

1. अध्यक्ष, लैपटॉप/आईपैड प्रापण समिति।
2. विभागाध्यक्ष, भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग।
3. अधिष्ठाता, भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल।
4. अध्यक्ष, इंस्पायर्ड टीचर्स नेटवर्क, हिप्रकेवि।
5. सदस्य, इनोवेशन क्लब, हिप्रकेवि।
6. अध्यक्ष, ई–एलएमएस समिति।
7. भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग के लिए मूडल प्लैटफॉर्म पर ई–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम कार्यान्वित किया। सभी स्कूलों के लिए सेवाएं दीं और शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। ई–सेंटर के लिए ड्राफ्ट प्रस्ताव तैयार किया, जिसमें ई–एलएमएस इसका एक घटक होगा।

### भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग

### डॉ. बी.सी. चौहान

1. फीट–2014
2. ट्रीट–2014
3. अंतर विभागीय समितियां।
4. टेंडर खोलने वाली समिति : पर्यावरण विज्ञान विभाग।
5. विद्यार्थी परिषद निर्वाचन समिति।
6. अरिज़, नैनिताल, उत्तराखंड के लिए शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया।

### डॉ. अयान चटर्जी

1. सदस्य, विभाग की पाठ्य समिति।
2. सदस्य, स्कूल का स्कूल बोर्ड।
3. सदस्य, प्रवेश समिति, एमएससी कार्यक्रम।
4. सदस्य, ओपन–सोर्स सॉफ्टवेयरों की डेमोस्ट्रेशन संचालन समिति, आयोजक–आईआईटी, मुंबई।
5. सदस्य, विभाग की अनुसंधान नीति को तैयार करने संबंधी समिति।
6. सदस्य, विभाग में सेमिनारों को आयोजित करने संबंधी समिति।
7. सदस्य, विभागीय खरीद समिति।

### डॉ. दलीप सिंह वर्मा

1. संयोजक, फिजिक्स सोसाइटी।
2. विज्ञान दिवस समारोह।
3. स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान।
4. सदस्य, आईक्यूएसी, हिप्रकेवि।
5. सदस्य, नैक प्रत्यायन के लिए प्रलेखन समिति।
6. सदस्य, प्रवेश समिति, ट्रीट 2014 के अंतर्गत जीडी/पीआई संचालन हेतु।
7. सदस्य, शोधार्थियों के अनुसंधान प्रगति मॉनीटरिंग समिति।
8. प्रभारी, इलेक्ट्रॉनिक्स लैब।

### डॉ. जगदीश कुमार

1. सदस्य प्रवेश समिति, ट्रीट 2014 के अंतर्गत शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों के जीडी/पीआई संचालन हेतु।
2. उपाधीक्षक, दिल्ली केन्द्र, ट्रीट 2014 परीक्षा।
3. सदस्य, नैक प्रत्यायन हेतु प्रलेखन समिति।
4. स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान आयोजित किया, 20 अक्टूबर, 2014
5. प्रयोगशाला प्रभारी, कंप्यूटर लैब, भौतिकी विभाग।

6. सदस्य, विश्वविद्यालय के लैपटॉपों की खरीद के लिए गठित तकनीकी समिति।

**डॉ. सुरेन्दर वर्मा**

1. सह–संयोजक, फिजिक्स सोसाइटी।
2. स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान आयोजित किया।
3. सदस्य, विज्ञान दिवस समारोह आयोजक समिति।
4. सदस्य, विद्यार्थी परिषद के लिए नामांकनों की जाँच समिति।
5. सदस्य, प्रवेश समिति, स्नातकोत्तर कार्यक्रम, 2014 और ट्रीट 2014
6. सदस्य, नैक प्रत्यायन हेतु विभाग प्रोफाइल समिति।

## जैविक विज्ञान स्कूल

### कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केन्द्र

**डॉ. पोलामाराशेट्टी अपरॉय**

1. सदस्य, शिक्षक शिकायत निवारण समिति।
2. सदस्य, स्वयं (स्टडी वेब्स ऑफ ऐक्टिव लर्निंग फॉर यंग अस्पायरिंग माइंड्स)।
3. कार्यपालक सदस्य, इनोवेटिव टीचर्स क्लब।
4. सदस्य, ई–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम।
5. सदस्य, खेलकूद आयोजक समिति।
6. सदस्य, तकनीकी मूल्यांकन समिति, सीसीबीबी।
7. सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति और अनुसंधान प्रगति मॉनीटरिंग समिति।
8. सदस्य, एसओईईएस हेतु थर्मल साइक्लर एंड वर्टिकल इलेक्ट्रोफोरिसिस की आपूर्ति एवं संस्थापना संबंधी समिति।
9. सदस्य, टाइम टेबल एवं डेटशीट समिति, सीसीबीबी।
10. सदस्य, शोधार्थी प्रवेश साक्षात्कार समिति, सीसीबीबी।
11. सदस्य, स्क्रिनिंग समिति प्रोजेक्ट सहायक डॉ. मुश्ताक अहमद, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान (डीएसटी परियोजना सं. एसआर/एफटी/एलएस–34/2012/1) की चल रही डीएसटी परियोजना।
12. एमएससी, सीसीबीबी, हिप्रकेवि के लिए 'वीबॉक्स वर्कफोर्स–स्किल्स टेस्ट–वेस्ट' आयोजित किया।

**डॉ. शैलेन्दर कुमार वर्मा**

1. नामित सदस्य सचिव, इंस्टीट्यूशनल बायो–सेफ्टी समिति (बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार)।
2. जम्मू के लिए सीसीबीबी विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक भ्रमण का समन्वय किया।
3. सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, सीसीबीबी।
4. सदस्य शोधार्थियों के लिए प्रवेश साक्षात्कार समिति, सीसीबीबी (कुलपति नामिती)।
5. सदस्य, शोधार्थियों की अनुसंधान प्रगति मॉनीटरिंग समिति, सीसीबीबी।
6. सदस्य, डेटशीट समिति, जैविक विज्ञान स्कूल।
7. सदस्य, तकनीकी मूल्यांकन समिति, सीसीबीबी प्रयोगशाला के लिए उपस्कर।
8. सदस्य, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान प्रयोगशाला के लिए अल्मूनियम पार्टिशन और फैब्रिकेशन परीक्षण संबंधी समिति।

**डॉ. विक्रम सिंह**

1. सदस्य, प्रॉक्टोरियल बोर्ड, हिप्रकेवि।
2. सदस्य, सांस्कृतिक समिति, हिप्रकेवि।
3. सदस्य, ग्रेड शीट, वॉल कैलेंडर, टेबल कैलेंडर और ग्रीटिंग कार्ड प्रिंटिंग के लिए विश्वविद्यालय की समिति।
4. उपाधीक्षक, ट्रीट 2014–15, चंडीगढ़ केन्द्र, 14 दिसंबर, 2014
5. इंवीजिलेटर, फीट 2014, हिप्रकेवि–टैब केन्द्र, 29 जून 2014
6. सदस्य, हिप्रकेवि टीचर एसोसिएशन के लिए विधान ड्राफ्टिंग समिति।
7. सदस्य, आयोजक समिति, 'नेशनल वर्कशॉप ऑन द स्टेटस ऑफ नैचूरल हाजार्ड्स इन हिमाचल प्रदेश', हिप्रकेवि, 6–8 नवंबर, 2014
8. सह–प्रभारी, कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एंड बायोइंफॉर्मेटिक्स प्रयोगशाला, हिप्रकेवि।

9. सदस्य, शोधार्थी प्रवेश साक्षात्कार समिति, सीसीबीबी, हिप्रकेवि (कुलपति नामिती)।
10. सदस्य, तकनीकी मूल्यांकन समिति, सीसीबीबी।
11. सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, सीसीबीबी, एसओएलएस, हिप्रकेवि।
12. सदस्य, साक्षात्कार समिति, परियोजना सहायक–डॉ. मुश्ताक अहमद, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान (डीएसटी परियोजना सं. एसआर/एफटी/एलएस–34/2012/1) की चल रही डीएसटी परियोजना।
13. सदस्य, शोधार्थियों के लिए अनुसंधान प्रगति मॉनीटरिंग समिति, सीसीबीबी, एसओएलएस, हिप्रकेवि
14. सदस्य, टाइमटेबल, डेटशीट और अटेंडेंस मॉनीटरिंग समितियां, सीसीबीबी, एसओएलएस, हिप्रकेवि
15. सदस्य, इनोवेशन क्लब, हिप्रकेवि
16. सदस्य, इंस्पायर्ड टीचर्स नेटवर्क, हिप्रकेवि
17. निर्णायक, वाद–विवाद प्रतियोगिता, विश्व हिंदी दिवस, हिप्रकेवि, 20 जनवरी 2015
18. निर्णायक, 'केऑस थियरी' और 'टैक्ट–ओ–मैनिया' कार्यक्रम, हिमस्पार्क, हिप्रकेवि, 12 अप्रैल, 2014
19. निर्णायक, 'पोस्टर मेकिंग' और 'फोटोग्राफी' प्रतियोगिताएं, पृथ्वी दिवस, हिप्रकेवि, 22 अप्रैल, 2014
20. निर्णायक, 'क्विज' 'डिक्लेमेशन' और 'पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं, इंस्पायर इवेंट, मैथेमेटिकल सोसाइटी, हिप्रकेवि, 24–25 अप्रैल, 2014
21. निर्णायक, 'टॉक्स ऑन पटेल्स विज़न ऑफ नेशनल इंटीग्रेशन' राष्ट्रीय एकता दिवस, हिप्रकेवि, 31 अक्टूबर, 2014

**डॉ. यूसुफ अख्तर**

1. सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हिप्रकेवि (2013–16)।
2. सदस्य, स्कूल बोर्ड, जैविक विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि (2013–16)।
3. सदस्य, पाठ्य समिति, सीसीबीबी, हिप्रकेवि (2013–16)।
4. संसाधक, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के प्रवेश हेतु हिप्रकेवि फीट परीक्षा (2014)।
5. सदस्य, इंस्टीट्यूशनल बायोसेफ्टी समिति (बायो टेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार)।
6. सदस्य, यूजीसी दिशानिर्देशों को अपनाने के लिए समिति, सीबीसीएस, हिप्रकेवि।
7. सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, सीसीबीबी।
8. सदस्य, तकनीकी मूल्यांकन समिति, सीसीबीबी।

## पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

**प्रो. अंबरीश कुमार महाजन**

1. विशेषज्ञ समिति, यूजीसी पत्र सं. डीओ नं. एफ/22/3/2014–15 (पॉलिसी/एचआरपी) दिनांक 24–11–2014 के माध्यम से बड़ी अनुसंधान परियोजनाओं के मूल्यांकन हेतु।
2. अध्यक्ष, स्कूल बोर्ड, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि।
3. अध्यक्ष, पाठ्य समिति, कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केंद्र, हिप्रकेवि।
4. अध्यक्ष, स्कूल बोर्ड, जैविक विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि।
5. अध्यक्ष, पाठ्य समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।
6. सदस्य, पाठ्य समिति, गणित विभाग, हिप्रकेवि।
7. अध्यक्ष, विभागीय अनुसंधान परिषद, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।
8. अध्यक्ष विभागीय अनुसंधान परिषद, कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एंड बायोइंफॉर्मेटिक्स, हिप्रकेवि।
9. अध्यक्ष, स्थायी निरीक्षण समिति, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि।
10. अध्यक्ष, चयन समितियां, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि के लिए डीएसटी/डीबीटी और एमओइएस प्रायोजित परियोजनाओं के अंतर्गत जेआरएफ पद हेतु।
11. अध्यक्ष, भौतिक सत्यापन समिति, हिप्रकेवि स्थित सभी स्टोर हेतु।
12. अध्यक्ष, विभिन्न तकनीकी मूल्यांकन समितियां, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि की प्रयोगशाला के लिए खरीद की जाने वाली विभिन्न उन्नत उपकरणों के तकनीकी विनिर्देश निर्धारण हेतु।
13. अध्यक्ष, टेंडर खोलने संबंधी विभिन्न समितियां, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।
14. अध्यक्ष, समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी)।

## पर्यावरण विज्ञान विभाग

### डॉ. दीपक पंत

1. हिप्रकेवि की शैक्षणिक परिषद की 13वीं बैठक में बतौर सदस्य भाग लिया, 21 मार्च, 2014
2. सदस्य, प्रवेश साक्षात्कार समिति, 05 जनवरी, 2015
3. प्रभारी अधिष्ठाता, 14–06–2014 से 13–07–2014 तक

### डॉ. मुश्ताक अहमद

1. वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय की कुछ समितियों में सदस्य और कुछ विभागीय स्तर की समितियों में अध्यक्ष अथवा सदस्य की भूमिका अदा की।

### डॉ. अंकित टंडन

1. सदस्य, खेलकूद आयोजक समिति, हिप्रकेवि।
2. सदस्य, इनोवेटिव टीचर्स क्लब, हिप्रकेवि।
3. सदस्य, स्कूल बोर्ड, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि।
4. सदस्य, पाठ्य समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।
5. सदस्य, विभागीय अनसुंधान समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।
6. सदस्य, शोधार्थियों की अनुसंधान प्रगति मॉनीटरिंग समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।
7. सदस्य, स्थायी निरीक्षण समिति, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि।
8. सदस्य, चयन समिति, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल की डीएसटी प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत जेआरएफ के पद हेतु।
9. सदस्य, टाइम टेबल समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।
10. सदस्य, तकनीकी मूल्यांकन समितियां, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि की प्रयोगशाला के लिए खरीद की जाने वाली विभिन्न उन्नत उपकरणों के लिए तकनीकी विनिर्देशों के निर्धारण हेतु।
11. सदस्य टेंडर खोलने वाली समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।

### डॉ. अनुराग लिंडा

1. सदस्य, शोधार्थियों के लिए प्रवेश साक्षात्कार समिति, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि।
2. सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।
3. सदस्य, स्थायी निरीक्षण समिति, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि।
4. सदस्य, चयन समिति, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि की डीएसटी प्रायोजित परियोजनाओं के अंतर्गत फील्ड अटेंडेंट–सह–वार्ड के पद हेतु।
5. सदस्य, चयन समिति, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि की डीएसटी प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत जेआरएफ पद हेतु।
6. सदस्य, टाइम–टेबल समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।
7. सदस्य, तकनीकी मूल्यांकन समितियां, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि की प्रयोगशाला के लिए खरीद किए जाने वाले विभिन्न उन्नत उपकरणों के लिए तकनीकी विनिर्देशों के निर्धारण हेतु।
8. सदस्य टेंडर खोलने वाली समिति, पर्यावरण विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।

### डॉ. शुभांकर चटर्जी

1. संयोजक, पृथ्वी एवं पर्यावरण सोसाइटी द्वारा पृथ्वी दिवस समारोह, 2014 (22.04.2014)।
2. समन्वयक, स्पोकेन टूटोरियल ट्रेनिंग वर्कशॉप, हिप्रकेवि।
3. सदस्य, स्थानीय आयोजक समिति, एनएचएचपी (पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला), 2014
4. हिप्रकेवि के विद्यार्थियों एवं स्टाफ के लिए टेबल टेनिस प्रतियोगिता आयोजित की।
5. पर्यावरण विज्ञान के एमएससी विद्यार्थियों के लिए वीबॉक्स वर्कफोर्स स्किल्स टेस्ट–2015 आयोजित किया (19.02.2015)।
6. समिति सदस्य, इनोवेटिव क्लब, हिप्रकेवि।
7. समिति सदस्य, ईएलएमएस, हिप्रकेवि।
8. पर्यावरण विज्ञान विभाग एवं सीबीबी के लिए विभिन्न उपकरणों की खरीद के लिए विभिन्न समितियों का सदस्य।

## गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल

### प्रो. इंदर वीर मल्हन

1. अध्यक्ष, सॉफ्टवेयर समिति, हिप्रकेवि, धर्मशाला
2. सदस्य, विश्वविद्यालय द्वारा खरीद की जा रही सामग्री हेतु स्थायी निरीक्षण समिति।
3. सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हिप्रकेवि, 2013–16
4. सदस्य कार्यकारिणी परिषद, हिप्रकेवि, 2013–16
5. अध्यक्ष, इजीप्रॉक्सी सॉफ्टवेयर और रैक सर्वर खरीद के लिए गठित समिति।
6. अध्यक्ष, ई–वेस्ट मैनेजमेंट एवं हैंडलिंग समिति।
7. सदस्य, एचआरटीसी से भाड़े पर बस सुविधा के लिए गठित समिति।
8. सदस्य, विभागीय पदोन्नति समिति।
9. सदस्य, आंतरिक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ।

### गणित विभाग

### डॉ. राकेश कुमार

1. ट्रेनिंग, प्लेसमेंट एंड कैरियर अडवाइजरी समिति, गणित विभाग।
2. गणित विभाग में विद्यार्थी परिषद के लिए सुचारू रूप से निर्वाचन हेतु पॉलिंग ऑफिसर की भूमिका निभाई।
3. खेलकूद समिति का सदस्य (वॉलीबाल)।

### डॉ. सचिन कुमार श्रीवास्तव

1. ट्रेनिंग, प्लेसमेंट एंड कैरियर अडवाइजरी समिति, गणित विभाग।

### कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग

### केशव सिंह रावत

1. स्पोकेन टूटोरियल, आईआईटी, मुंबई (एमएचआरडी द्वारा निधिबद्ध) ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित करने में समन्वय कार्य।
2. संयोजक, इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी सोसाइटी, कंप्यूटर विज्ञान विभाग।
3. राष्ट्रीय एकता दिवस (सरदार वल्लभभाई का जन्मदिवस) के दौरान पोस्टर प्रस्तुतीकरण।
4. सदस्य, विश्वविद्यालय के पुस्तकालय प्रचालन एवं सेवाओं की आधुनिकीकरण एवं ऑटोमेशन समिति।
5. सदस्य, स्वागत एवं आतिथ्य समिति, XXX आईएटीएलआईएस राष्ट्रीय सम्मेलन, हिप्रकेवि, टैब, शाहपुर, 27–29 नवंबर, 2014
6. सदस्य, शोधार्थी प्रवेश समिति, 2014–15, शिक्षा स्कूल।

### मनोज धीमान

1. सदस्य, ई–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम।
2. सदस्य, विद्यार्थी परिषद निर्वाचन समिति।
3. सदस्य, शोधार्थी प्रवेश समिति।
4. सदस्य, खेलकूद आयोजक समिति।

### पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

### डॉ. डिंपल पटेल

1. इजीप्रॉक्सी (EzPROXY) सॉफ्टवेयर कार्यान्वित किया, यह एक रिमोट ऑथेंटिकेशन सॉफ्टवेयर है, जिसके माध्यम से हिप्रकेवि द्वारा इन्फ्लिबनेट के सब्सक्राइब्ड ई–कंटेंट के पूर्ण पाठ्यक्रम को हिप्रकेवि के प्राधिकृत प्रयोगकर्ता (संकाय और शोधार्थी) द्वारा टैब कैंपस के बाहर भी ऐक्सेस किया जा सकता है, http://14.139.240.9:2045/login
2. सदस्य, हिप्रकेवि इंस्टीट्यूशनल रिपॉसिटरी विकसित करने हेतु इजीप्रॉक्सी सॉफ्टवेयर और ब्लेड सर्वर खरीद हेतु समिति।
3. सदस्य, स्पर्श के लिए मसौदा दिशानिर्देश व प्रक्रियाओं को तैयार करने संबंध समिति।

### निम्माला करुणाकर

1. इजीप्रॉक्सी सॉफ्टवेयर कार्यान्वित करने वाली समिति का सदस्य, यह एक रिमोट ऑथेंटिकेशन सॉफ्टवेयर है, जिसके माध्यम से हिप्रकेवि द्वारा इन्फ्लिबनेट के सब्सक्राइब्ड ई–कंटेंट के पूर्ण पाठ्यक्रम को हिप्रकेवि के

प्राधिकृत प्रयोगकर्ता (संकाय और शोधार्थी) द्वारा टैब कैंपस के बाहर भी ऐक्सेस किया जा सकता है, http://14.139.240.9:2045/login

2. सदस्य, हिप्रकेवि इंस्टीट्यूशनल रिपॉसिटरी विकसित करने हेतु इजीप्रॉक्सी सॉफ्टवेयर और ब्लेड सर्वर खरीद हेतु समिति।
3. सदस्य, हिप्रकेवि के केन्द्रीय पुस्तकालय के लिए बार कोड टेक्नोलॉजी की खरीद संबंधी समिति।
4. गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल के लिए विद्यार्थी परिषद निर्वाचन के लिए पॉलिंग ऑफिसर।
5. सदस्य, हिप्रकेवि के केन्द्रीय पुस्तकालय को अधिगम एवं अनुसंधान संसाधनों को समृद्ध करने हेतु ई–रिसोर्सेस की पहचान एवं संस्तुति हेतु समिति।
6. सदस्य, एनएमइआईसीटी के अंतर्गत लैन परियोजना के सुपरविज़न संबंधी समिति।
7. सदस्य, विश्वविद्यालय स्तर पर टाइम टेबल निर्माण समिति।

## मानविकी एवं भाषा स्कूल

### डॉ. रोशन लाल शर्मा

1. अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा स्कूल।
2. विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग।
3. विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग।
4. प्रॉक्टर, हिप्रकेवि।
5. संयोजक, रैगिंग निषेध समिति, हिप्रकेवि।
6. अध्यक्ष, रैगिंग निषेध स्क्वैड, हिप्रकेवि।
7. सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हिप्रकेवि।
8. संयोजक, सांस्कृतिक समिति, हिप्रकेवि।
9. अध्यक्ष, स्कूल बोर्ड, मानविकी एवं भाषा स्कूल।
10. अध्यक्ष, पाठ्य समिति, अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग।
11. अध्यक्ष, पाठ्य समिति, हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग।
12. अध्यक्ष, आयोजक समिति, विश्वविद्यालय स्तरीय व्याख्यान, ओरिएंटेशन दिवस व्याख्यान, स्थापना दिवस व्याख्यान और अतिविशिष्ट व्याख्यानमाला, हिप्रकेवि।
13. कुलपति नामिती, पाठ्य समिति, पत्रकारिता विभाग।
14. कुलपति नामिती, पाठ्य समिति, शिक्षा विभाग।
15. सदस्य, कैंटीन समिति।
16. विशेष आमंत्री, स्पर्श।
17. विशेष आमंत्री, विद्यार्थी परिषद बैठकें।
18. अध्यक्ष, सीसीटीवी कैमरा खरीद समिति।
19. अध्यक्ष, रेडिया फ्रिक्वेंसी आइडेंटीफिकेशन (आरएफआईडी) सिस्टम समिति।
20. सदस्य, विश्वविद्यालय पुस्तकालय समिति।
21. अध्यक्ष, खरीद समिति।
22. सदस्य, फ्लाइंग स्क्वैड समिति, हिप्रकेवि।
23. प्रॉक्टर के नाते सदस्य, परीक्षा अनुशासन समिति।
24. पर्यवेक्षक, यूजीसी नेट परीक्षा, दिसंबर, 2014
25. परीक्षा नियंत्रक का स्थानापन्न प्रभारी, अकादमिक सत्र 2014–15 के लिए प्रॉस्पेक्टस प्रकाशन की मॉनीटरिंग की।
26. सदस्य, आईक्यूएसी, हिप्रकेवि (बतौर अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा स्कूल)।
27. सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिप्रकेवि।
28. हिंदी दिवस समारोह 2014 के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक।
29. सदस्य, हिप्रकेवि के छात्रावासों के वार्डेनों के लिए निबंधन एवं शर्तों को तैयार करने के लिए गठित समिति।
30. सदस्य, नवीन पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करने के लिए टैब के आसपास भवन की खोज, पहचान एवं संस्तुति के लिए गठित समिति।
31. सदस्य, आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद के लिए आवेदनों की स्क्रीनिंग हेतु स्क्रिनिंग समिति।

32. सदस्य, टैब में कैंटीन सेवाओं को प्रदान करने के लिए उपयुक्त वेंडरों की पहचान के लिए मार्केट सर्वेक्षण हेतु समिति।
33. अध्यक्ष हल्के वाहनों को भाड़े पर प्राप्त करने के लिए तकनीकी बोली एवं वित्तीय बोली खोलने संबंधी समिति।
34. सदस्य, विद्यार्थी परिषद शिकायत निवारण समिति।

**अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग**

**हेम राज बंसल**

1. सदस्य, प्रॉक्टोरियल बोर्ड।
2. सदस्य, सांस्कृतिक समिति, हिप्रकेवि।
3. स्टाफ सचिव, अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग।
4. स्टाफ सचिव, मानविकी एवं भाषा स्कूल।

**डॉ. के.बी.एस. कृष्णा**

1. एमए अंग्रेजी विद्यार्थियों के इंडक्शन कार्यक्रम में में प्रतिभाग किया, जुलाई 2014
2. इंवीजिलेटर ट्रीट 2014
3. सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म शताब्दी के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान में भाग लिया।

**डॉ. खेम राज शर्मा**

1. स्टाफ संपादक, 'यूनिवर्सिटी न्यूजलेटर सीयूएचपी क्रॉनिकल : द मिरर एंड वॉयस ऑफ द यूनिवर्सिटी'।
2. सदस्य, खेलकूद समिति।
3. सदस्य, सांस्कृतिक समिति।
4. सदस्य, प्रॉक्टोरियल बोर्ड, हिप्रकेवि।
5. सदस्य, रैगिंग निषेध स्क्वैड, हिप्रकेवि।
6. परीक्षाओं का संचालन।
7. विभाग में आमंत्रित व्याख्यान, कार्यशालाओं के आयोजन में योगदान।
8. अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग के टाइमटेबल और परीक्षाओं हेतु डेटशीट को तैयार करने का उत्तरदायित्व।
9. इंवीजिलेटर कार्य, फीट और ट्रीट, 2014

**हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग**

**चंद्र कांत सिंह**

1. वार्षिक कार्यक्रम 2014, हिप्रकेवि के दौरान स्टेज समिति एवं सांस्कृतिक समिति का अभिन्न अंग।
2. हिंदी सप्ताह, 2014 के दौरान एक प्रतियोगिता (टिप्पणी एवं आलेखन) का निर्णायक।
3. सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिप्रकेवि।

**डॉ. साएमा बानो**

1. सदस्य, प्रॉक्टोरियल बोर्ड।
2. सदस्य, सांस्कृतिक समिति।
3. सदस्य, शिक्षक शिकायत समिति।
4. सदस्य, स्पर्श।
5. सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिप्रकेवि।

**समाज विज्ञान स्कूल**

**प्रो. एच. आर. शर्मा**

1. अधिष्ठाता छात्र कल्याण और इस नाते सांस्कृतिक समिति, खेलकूद समिति और कैंटीन समिति संबंधी समितियों का अध्यक्ष।
2. छात्रावासों का प्रोवोस्ट।
3. परिवहन संयोजक के रूप में विश्वविद्यालय द्वारा आउटसोर्स आधार पर चलाई जा रही बसों और विश्वविद्यालय द्वारा भाड़े आधार पर ली गई टैक्सी के दैनिक प्रयोग की व्यवस्था।
4. अधिष्ठाता, पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल।
5. विश्वविद्यालय का नोडल अधिकारी।

6. विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग।
7. निदेशक, उद्यमिता केंद्र।
8. विभागाध्यक्ष, यात्रा एवं पर्यटन विभाग।
9. निदशेक, आंतरिक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)।
10. अध्यक्ष, विद्यार्थी शिकायत निवारण समिति।
11. समन्वयक, यूजीसी नेट परीक्षा, दिसंबर, 2014
12. अध्यक्ष, परीक्षा अनुशासन समिति।
13. अध्यक्ष, पाठ्य समिति, अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग।
14. अध्यक्ष, पाठ्य समिति, पर्यटन एवं यात्रा विभाग।
15. अध्यक्ष, स्कूल बोर्ड, पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल।

### अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग

### अमित कुमार बसंतरे

1. सदस्य, विश्वविद्यालय खेलकूद आयोजक समिति, 2014–15
2. संयोजक, प्लेसमेंट एवं करियर परामर्श समिति (टीपीसीएसी), अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग, हिप्रकेवि।
3. पाठ्य समिति, अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग, हिप्रकेवि की बैठक का समन्वय एवं दस्तावेजों को तैयार करने का प्रभारी।
4. अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग, हिप्रकेवि के लिए स्पोकेन टूटोरियल (एमएचआरडी एवं आईआईटी मुंबई का कार्यक्रम) का समन्वयक।
5. सीयूएचपी क्रॉनिकल के लिए विभागीय समाचार तैयार करने संबंधी प्रभारी।
6. फीट में इंजीविलेटर कार्य, 29 जून, 2014
7. फीट के लिए प्रश्न सेटर, 29 जून, 2014
8. पर्यटन सप्ताह के दौरान टूरिज्म सोसाइटी द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका।
9. सदस्य, यूजीसी नेट समिति संचालन कार्य, जून 2014
10. पुरुष छात्रावास, हिप्रकेवि, कांगड़ा में तीन दिनों के लिए वार्डेन का कार्य, 11 अक्टूबर (सायं) से 14 अक्टूबर (सुबह), 2014
11. राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के अवसर पर अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित 'रीडिंग प्रतियोगिता' का निर्णायक।

### इंदरवीर सिंह

1. सदस्य, पाठ्य समिति।
2. उपस्थिति रिकॉर्ड का रखरखाव (2 सेमेस्टर)।
3. विभागीय टाइमटेबल (2 सेमेस्टर) तैयार की।
4. विभागीय डेटशीट (2 सेमेस्टर) तैयार की।
5. पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल द्वारा आयोजित डिक्लेमेशन प्रतियोगिता में निर्णायक, 24 सितंबर, 2014 (विश्व पर्यटन सप्ताह, 20–27 सितंबर, 2014 के भाग के रूप में)।
6. सदस्य, एसपीएसएस और ई–न्यूज की खरीद संबंधी समिति।
7. विद्यार्थी परिषद के निर्वाचन में समाज विज्ञान स्कूल में पॉलिंग ऑफिसर।

### कमल सिंह

1. इकोनॉमिक्स सोसाइटी का संकाय समन्वयक।
2. विद्यार्थियों के रिकॉर्ड का रखरखाव।
3. मिड–टर्म और एंड–टर्म अंकों, उपस्थिति, प्रस्तावित कोर्सेस संबंधी रिकॉर्ड का रखरखाव।
4. शोधार्थियों के प्रवेश के संचालन व प्रशासन हेतु अधिष्ठाता नामिती।
5. सदस्य, विश्वविद्यालय वार्षिक समारोह 2015 के लिए समिति।
6. सदस्य, ट्रीट 2014 संचालन व सुविधा समिति।
7. सदस्य, विश्वविद्यालय परिणाम निर्माण समिति।
8. सदस्य, विश्वविद्यालय अंकपत्र निर्माण समिति।
9. सदस्य, यूजीसी–नेट संचालन समिति।

10. सदस्य, सीईओ रूटिन संचालन समिति।

**समाज कार्य विभाग**

**प्रो. अरविंद कुमार अग्रवाल**

1. परीक्षा नियंत्रक (अतिरिक्त प्रभार), हिप्रकेवि।
2. मुख्य संपादक, 'सीयूएचपी क्रॉनिकल' (प्रारंभ से ही)।

**डॉ. आशुतोष प्रधान**

1. समाज कार्य विभाग के लिए विद्यार्थियों की उपस्थिति के जोड़ एवं गणना के लिए एक्सेल–सॉफ्टवेयर विकसित किया, इसका उपयोग हिप्रकेवि के कुछेक अन्य विभागों द्वारा भी किया जा रहा है।
2. विगत 2½ वर्षों से 'सीयूएचपी क्रॉनिकल' के संपादन हेतु संकाय संपादक के रूप में सक्रिय भागीदारी।
3. अध्यक्ष, टाइम टेबल समिति एवं परीक्षा डेटशीट समिति, हिप्रकेवि।

**शबाब अहमद**

1. सदस्य, प्रॉक्टोरियल बोर्ड, हिप्रकेवि।
2. फीट–2014 के अंतर्गत स्नातकोत्तर परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए टैब, शाहपुर में प्रतिनियुक्त, 29 जून, 2014
3. ट्रीट–2014 के अंतर्गत शोधार्थी परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए टैब, शाहपुर में प्रतिनियुक्त, 14 दिसंबर, 2014
4. समाज कार्य विभाग के लिए टाइम टेबल तैयार करना।
5. कैंपस भर्ती आयोजन में सहायता।
6. विद्यार्थी परिषद निर्वाचन, अकादमिक सत्र 2014–15 के लिए समाज विज्ञान स्कूल में पॉलिंग ऑफिसर नियुक्त।

**शिक्षा स्कूल**

**डॉ. मनोज कुमार सक्सेना**

1. सदस्य, फ्लाइंग स्क्वैड, मिड–टर्म परीक्षा, मार्च 2015
2. सदस्य, इक्वल ऑपरचूनिटिज सेल, हिप्रकेवि।
3. परीक्षा नियंत्रक, नेट परीक्षा, दिसंबर, 2014

**अध्यापक शिक्षा विभाग**

**डॉ. नवनीत शर्मा**

1. वार्डेन, पुरुष छात्रावास, हिप्रकेवि।
2. सदस्य, सांस्कृतिक समिति।

**प्रकृति भार्गव**

1. सदस्य, विश्वविद्यालय में 'इक्वल ऑपरचूनिटिज सेल' के गठन के लिए गठित समिति।

**रेणु भंडारी**

1. विश्वविद्यालय की विद्यार्थी परिषद के निर्वाचन में पॉलिंग ऑफिसर का कार्य।
2. इंटर स्कूल कविता पाठ प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका, 11 नवंबर, 2014
3. आरडी कार्यक्रम साक्षात्कार सत्र, 2014 में महिला प्रतिनिधि।

**व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल**

**प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा**

1. हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्य, जून, 2014 से अप्रैल 2015 तक संभाला।
2. प्रति–कुलपति, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, परीक्षा और पुस्तकालय के कार्यों का वहन।
3. व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल के अधिष्ठाता और विभागाध्यक्ष, मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग का कार्य संभाला।
4. पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल के अधिष्ठाता और विभागाध्यक्ष, पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग का कार्य संभाला।
5. परीक्षा नियंत्रक की जिम्मेवारियों का वहन, अगस्त 2014

## लेखा तथा वित्त विभाग

### डॉ. संजीव गुप्ता

1. विभागाध्यक्ष, वित्त तथा लेखा विभाग, 19 अप्रैल 2012 से।
2. सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हिप्रकेवि।
3. एम.बी.ए. द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टरों की मौखिक परीक्षा के पैनेल में।
4. समिति सदस्य, विभिन्न अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश संचालन हेतु, अकादमिक सत्र 2014–15
5. समिति सदस्य, प्रोफेशनल विकास शुल्क के उपयोग के लिए गठित समिति।
6. समिति सदस्य, फ्रीशिप प्रदान करने के लिए दिशा–निर्देश/मानकों के सुझाव के लिए गठित समिति।
7. समिति सदस्य, विश्वविद्यालय के लिए आवश्यक सॉफ्टवेयरों की खरीद के लिए गठित समिति।

### डॉ. आशीष नाग

1. संयोजक, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्यन स्कूल।
2. संयोजक, खेलकूद आयोजक समिति।
3. सदस्य, सांस्कृतिक समिति।
4. सदस्य, विश्वविद्यालय व्यापी टाइमटेबल समिति।
5. सदस्य, विश्वविद्यालय का रैगिंग निषेध दस्ता।
6. सदस्य, विश्वविद्यालय की भौतिक सत्यापन समिति।
7. प्रभारी, विश्वविद्यालय व्यापी विद्यार्थियों का आई–कार्ड निर्माण।
8. प्रभारी, विश्वविद्यालय व्यापी कोर्स संचालन समिति।
9. समिति सदस्य, कैंटिन सेवाओं को प्रदान करने के लिए उपयुक्त वेंडर की पहचान हेतु समिति।
10. ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट प्रकोष्ठ में 8 विद्यार्थियों को गाइड किया।
11. फाइनल प्रोजेक्ट में 8 विद्यार्थियों को गाइड किया।
12. सदस्य, प्रॉक्टोरियल बोर्ड।
13. सदस्य, एसबीएमएस की ड्यूटी चार्ट, टाइम–टेबल समिति।
14. सदस्य, एसबीएमएस की मीडिया मैनेजमेंट समिति।
15. सदस्य, विश्वविद्यालय व्यापी डेटशीट समिति।
16. सदस्य, विश्वविद्यालय स्तर पर व्याख्यानमाला आयोजन समिति।
17. सदस्य, प्रवेश समिति, एसबीएमएस, हिप्रकेवि।
18. सदस्य, नवीन स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए यूनिवर्सिटी इंडक्शन/ओरिएंटेशन कार्यक्रम 2014 के लिए कार्यक्रम आयोजक समिति (04–06 अगस्त, 2014)।
19. लोकसभा चुनाव 2014 के दौरान वरिष्ठ माइक्रो पर्यवेक्षक।
20. सदस्य, स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजक समिति।
21. सदस्य, मैनेजमेंट फेस्ट, हिमस्पार्क 14 आयोजक समिति।

### डॉ. मनप्रीत अरोड़ा

1. श्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया द्वारा 'इंडियाज़ इकोनॉमिक ऑब्जेक्टिव्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स' द्वितीय स्थापना व्याख्यान 2014 का आयोजन, समन्वय व उद्घोषणा कार्य।
2. कल्चरल सोसाइटी के तत्वावधान में 15 अगस्त, 2014 को स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया।
3. विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम 2014 का आयोजन व उद्घोषणा कार्य, 4–5 अगस्त, 2014
4. वित्त तथा लेखा विभाग की द्वितीय पाठ्य समिति बैठक में भाग लिया व समन्वय कार्य।
5. हिप्रकेवि के संस्थापक कुलपति प्रो. फुरकान कमर के विदाई समारोह का आयोजन व समन्वय कार्य, जून, 2014
6. भारत सरकार द्वारा प्रारंभ स्वच्छ भारत अभियान में सक्रिय भागीदारी, 2 अक्टूबर, 2014
7. भारत सरकार की पहल स्वच्छता अभियान के अंतर्गत लेखा एवं वित्त विभाग के विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक आयोजित किया, 14 नवंबर, 2014
8. यूजीसी द्वारा हिप्रकेवि में पहल पर 'शिक्षा की गुणवत्ता : शिक्षित भारत–सक्षम भारत' पर परिचर्चा का समन्वय एवं आयोजन, 17 नवंबर, 2014

9. हिप्रकेवि में आईएटीएलआईएस द्वारा आयोजित आईएटीएलआईएस राष्ट्रीय सम्मेलन, 2014 में उद्घोषणा समन्वय कार्य, 27–29 नवंबर, 2014
10. विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग की आरपीएमसी समिति में अधिष्ठाता नामिती के रूप में भाग लिया, स्प्रिंग सेमेस्टर, 2014
11. सांस्कृतिक समिति, हिप्रकेवि के समन्वय का कार्य।
12. स्पर्श समिति, हिप्रकेवि के सदस्य के रूप में कार्य किया।
13. कुलपति के व्याख्यान का आयोजन व उद्घोषणा कार्य, 02 दिसंबर, 2014
14. आरडी प्रवेश समिति में अधिष्ठाता नामिती और महिला प्रतिनिधि के तौर पर समिति सदस्य के रूप में कार्य किया, 06 जनवरी, 2015
15. एमबीए विद्यार्थियों की मौखिक परीक्षा संचालन के लिए अधिष्ठाता नामिती और समिति सदस्य।
16. एसबीएमएस में आरडी कार्यक्रम की प्रवेश समिति में कुलपति नामिती और महिला प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया।
17. मानविकी एवं भाषा स्कूल के आरडी कार्यक्रम की प्रवेश समिति में महिला प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया।
18. स्थापना दिवस व्याख्यान का आयोजन, उद्घोषणा व समन्वय कार्य, 20 जनवरी, 2015
19. गणतंत्र दिवस समारोह की आयोजन समिति के रूप में कार्य।
20. मैनेजमेंट सोसाइटी के सदस्य के रूप में 2010 से कार्य।
21. प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य के रूप में 2010 से कार्य।
22. परीक्षा संचालन समिति के सदस्य के रूप में 2010 से कार्य।
23. सत्रांत परीक्षा, दिसंबर, 2015 में फ्लाइंग स्क्वैड के सदस्य के रूप में कार्य। फ्लाइंग स्क्वैड के सदस्य के रूप में 2011 से कार्य।

**मोहम्मद आतिफ**

1. विश्वविद्यालय की कल्चरल सोसाइटी का सक्रिय सदस्य।

**डॉ. मोहिंदर सिंह**

1. सदस्य, रिसर्च प्रोग्राम मॉनीटरिंग कमिटी, लेखा एवं वित्त विभाग और 12 नवंबर, 2014, 01 दिसंबर 2014 और 05 मार्च 2015 को इसकी बैठकों में भाग लिया।
2. हिप्रकेवि और फोर्टिस हॉस्पीटल के बीच समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप प्रदान करने के लिए गठित समिति का सदस्य।
3. सदस्य, एसबीएमएस प्लेसमेंट एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ।
4. सदस्य, एसबीएमएस टाइमटेबल, ड्यूटी चार्ट समिति।
5. कोर्स एमएसओ–407 की आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रिया हेतु समिति सदस्य।
6. केस एनालिसिस पर कार्यशाला के लिए गठित वित्त समिति का सदस्य।
7. एसबीएमएस 2014–15 के प्लेसमेंट ब्रोशर का संपादन।
8. एमबीए बैच 2014–16 के इंडक्शन कार्यक्रम की तैयारी, 06 अगस्त, 2014
9. विद्यार्थी परिषद चुनाव, 2014–15 के लिए गठित समिति का सदस्य।
10. सदस्य, विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति।
11. सदस्य, मैनेजमेंट सोसाइटी, हिप्रकेवि।
12. मैनेजमेंट फेस्ट हिमस्पार्क 2014 के विभिन्न कार्यक्रमों का समन्वय कार्य।
13. मैनेजमेंट फेस्ट हिमस्पार्क 2014 की वित्त समिति और लॉजिंग एवं बोर्डिंग समिति का सदस्य।
14. ई–व्यू, स्टैटिस्टिकल सॉफ्टवेयर की खरीद के लिए गठित समिति का सदस्य।
15. एमबीए द्वितीय सेमेस्टर बैच के ओद्योगिक भ्रमण हेतु गठित समिति का सदस्य।
16. मिड–टर्म परीक्षा, अक्टूबर 2014 के लिए परीक्षा अधीक्षक।

**मानव संसाधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग**

**डॉ. अदिति शर्मा**

1. वार्डेन, महिला छात्रावास, दाड़ी, धर्मशाला।
2. सदस्य, सांस्कृतिक समिति।
3. सदस्य, विद्यार्थी शिकायत निवारण समिति।

4. सदस्य, प्रॉक्टोरियल बोर्ड।
5. सदस्य, रैगिंग निषेध दस्ता।
6. सदस्य, अध्यापक शिक्षा विभाग द्वारा 'गुड पैरेंटिंग' पर कार्यशाला, मार्च 2015

**डॉ. भावना भारद्वाज**

1. संयोजक, मैनेजमेंट सोसाइटी हिप्रकेवि।
2. संयोजक, राष्ट्रीय स्तर का फेस्ट हिमस्पार्क–14
3. सदस्य, स्पर्श समिति, हिप्रकेवि।
4. सदस्य, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ, एसबीएमएस।
5. सदस्य, संपादकीय समिति, प्लेसमेंट ब्रोशर, एसबीएमएस।
6. सदस्य, पंजीकरण समिति, एसबीएमएस।
7. सदस्य, सांस्कृतिक समिति, नृत्य प्रतियोगिता के लिए कार्यक्रम समन्वयक।
8. सदस्य, प्रवेश समिति, एसबीएमएस, हिप्रकेवि।
9. पीजी विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के लिए आयोजक समिति की सदस्य।
10. सदस्य, मीडिया मैनेजमेंट समिति, एसबीएमएस।
11. 'ऐंगर एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट' पर कार्यशाला हेतु आयोजक समिति की सदस्य।
12. स्पर्श के तत्वावधान में एनआईटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा आईसीटी के माध्यम से 'इश्यूज रिलेटेड टू सेक्सूअल हरासमेंट' पर आयोजित पैनेल चर्चा की आयोजक सदस्य।

**डॉ. गीतांजलि उपाध्याय**

1. सदस्य, स्कूल बोर्ड, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि।
2. सचिव, संकाय परिषद, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि।
3. अध्यक्ष, स्पर्श, हिप्रकेवि।
4. सदस्य, सांस्कृतिक समिति, हिप्रकेवि।
5. सदस्य, अनुसंधान कार्यक्रम मॉनीटरिंग समिति, लेखा एवं वित्त विभाग और मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग।
6. सदस्य, आरडी विद्यार्थियों के लिए प्रवेश समिति, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल।
7. सदस्य, आरडी विद्यार्थियों के लिए प्रवेश समिति, पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल।
8. सदस्य, आरडी विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए प्रवेश साक्षात्कार समिति, जैविक विज्ञान स्कूल।
9. सदस्य, आरडी विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए प्रवेश साक्षात्कार समिति, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल।
10. सदस्य, एमबीए तृतीय सेमेस्टर के एमएसओ–407 कोर्स के लिए आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रिया हेतु समिति।
11. सदस्य, 'केस एनालिसिस एंड केस प्रिपेरेशन' पर कार्यशाला आयोजक समिति।
12. सदस्य, 'केस एनालिसिस एंड केस प्रिपेरेशन' पर कार्यशाला के लिए स्टेज एवं ऐंकरिंग समिति।
13. सदस्य, पीजी अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रॉस्पेक्टस की प्रिंटिंग हेतु समिति।
14. मिड–टर्म एवं एंड टर्म परीक्षाओं के दौरान दिसंबर, 2014, मार्च 2015 एवं मई–जून, 2015 में परीक्षा ड्यूटी।
15. गायन प्रतियोगिता आयोजित की।
16. विश्वविद्यालय के वार्षिक समारोह में गायक कार्यक्रम की समन्वयक।
17. हिमस्पार्क–14 के दौरान विभिन्न समितियों की सदस्य।
18. विद्यार्थी परिषद 2014 निर्वाचन में पॉलिंग ऑफिसर।
19. स्वच्छ भारत अभियान में भाग लिया, 25 सितंबर, 2014
20. निर्णायक, हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग द्वारा आयोजित समूह चर्चा।
21. स्पर्श की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'महिला सशक्तिकरण' पर श्रीमती रश्मि वाली, संस्थापक होप फाउंडेशन और स्पर्श, हिप्रकेवि की एनजीओ प्रतिनिधि का एक आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया, 09 मार्च 2015
22. एनआइटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा आईसीटी के माध्यम से 'इश्यूज़ रिलेटेड टू सेक्सूअल हरासमेंट' पर पैनल चर्चा में हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की भागीदारी सुनिश्चित करने संबंधी कार्य का समन्वय।

### विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

#### डॉ. भगवान सिंह

1. एमबीए द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टरों की मौखिक परीक्षाओं के पैनेल में।
2. अकादमिक सत्र 2014–15 के लिए विभिन्न अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश संचालन हेतु समिति का सदस्य।
3. प्रोफेशनल विकास शुल्क के उपयोग के लिए गठित समिति का सदस्य।
4. फ्रीशिप प्रदान करने के लिए दिशा–निर्देशों/मानकों का सुझाव देने के लिए गठित समिति का सदस्य।

#### चमन लाल

1. सदस्य, पाठ्य समिति, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग, एसबीएमएस।
2. उपाधीक्षक, फीट–2014, परीक्षा केन्द्र, गवर्नमेंट कॉलेज शाहपुर।
3. सदस्य, मॉड्यूलर आधारित ओरिएंटेशन कार्यक्रम प्रस्ताव डिजाइनिंग समिति।
4. सदस्य सचिव, विभागीय कौंसिल, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग, एसबीएमएस।
5. कार्यक्रम समन्वयक, मार्केटिंग गिल्ड सोसाइटी, 2014–15
6. सदस्य, विश्वविद्यालय खेलकूद आयोजक समिति।
7. सदस्य, फीट–2014 संचालन व सुविधा समिति।
8. सदस्य, विश्वविद्यालय परिणाम निर्माण समिति।
9. सदस्य, विश्वविद्यालय डेटशीट निर्माण समिति।
10. सदस्य, विश्वविद्यालय टाइमटेबल निर्माण समिति।
11. सदस्य, विश्वविद्यालय अंकपत्र निर्माण समिति।
12. सदस्य, पीजी प्रॉस्पेक्टस–2014 निर्माण एवं प्रिंटिंग समिति।
13. सदस्य, स्कूल टाइमटेबल निर्माण समिति।
14. समन्वयक, अंतर–विश्वविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट।
15. सदस्य, पीजी प्रवेश समिति, 2014
16. सदस्य, प्लेसमेंट ब्रोशर डिजाइन समिति।
17. सदस्य, प्रोजेक्ट रिपोर्ट्स मूल्यांकन समिति।
18. सदस्य, औद्योगिक भ्रमण आयोजक समिति, 2014
19. सदस्य, आरडी प्रॉस्पेक्टस–2014 निर्माण एवं प्रिंटिंग समिति।
20. सदस्य, ट्रीट 2014 संचालन समिति।
21. सदस्य, यूजीसी–नेट संचालन समिति, 2014
22. सदस्य, विश्वविद्यालय प्रिंटिंग एवं डिजाइन समिति।
23. सदस्य, सीईओ रूटिन संचालन समिति।

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

### पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

#### अरुण भाटिया

1. सहायक अधीक्षक, यूजीसी द्वारा संचालित एवं हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रबंधित नेट परीक्षा।
2. संयोजक, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ, पर्यटन एवं यात्रा विभाग, विभिन्न संगठनों यथा वर्ल्ड वाइड डीएमसी, इन्क्रेडेबल हॉलीडेज़, टूरिज्म इंटरप्राइजेज में विद्यार्थियों का नियोजन।

#### डॉ. देबाशीष साहू

1. अकादमिक सत्र 2014–15 के लिए विद्यार्थी परिषद निर्वाचन के सुचारू संचालन के लिए पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल के लिए पॉलिंग ऑफिसर नियुक्त।
2. सदस्य, विद्यार्थी परिषद निर्वाचन की जाँच समिति।
3. शिक्षा विभाग, हिप्रकेवि के लिए आरडी विद्यार्थियों के चयन के लिए ओबीसी श्रेणी के लिए कुलपति नामिती चयनित।
4. सदस्य, स्कूल बोर्ड, पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल।
5. संयोजक, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ, पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल।

6. एमबीए टीटी के तृतीय सेमेस्टर विद्यार्थियों के लिए 26 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2014 तक आयोजित नेतृत्व विकास कैंप का समन्वयक।
7. सदस्य, विश्व पर्यटन सप्ताह समारोह, पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल, हिप्रकेवि की आयोजक समिति का सदस्य, 20–27 सितंबर, 2014
8. पर्यटन एवं यात्रा विभाग, एसओटीटीएचएम, हिप्रकेवि की उपस्थिति संकलन कार्य की जिम्मेवारी।
9. व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि में आयोजित मैनेजमेंट फेस्ट हिमस्पार्क–2014 के भाग के रूप में प्रबंधन आधारित प्रतियोगिताओं का समन्वय कार्य, 11–12 अप्रैल, 2014

**डॉ. एस. सुंदररमण**

1. पीएचडी प्रवेश परीक्षा में इंजीविलेशन कार्य।

**डॉ. सुमन शर्मा**

1. संयोजक, टूरिज्म सोसाइटी, पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल।
2. सदस्य, विश्वविद्यालय खेलकूद आयोजक समिति।
3. सदस्य, फीट 2014–15 संचालन समिति।
4. सदस्य, स्कूल टाइमटेबल निर्माण समिति।
5. प्रभारी, फुटबॉल एवं एथलेटिक्स इवेंट्स।
6. सदस्य, ट्रीट 2014 संचालन व सुविधा समिति।
7. उपाधीक्षक, फीट–2014 प्रवेश परीक्षा, टैब, शाहपुर।
8. सदस्य, यूजीसी नेट संचालन व सुविधा समिति।
9. सहायक अधीक्षक, यूजीसी नेट परीक्षा, टैब शाहपुर, दिसंबर 2014
10. पीजी कार्यक्रम स्प्रिंग सेमेस्टर 2015 के लिए प्रस्तावित कार्यक्रमों के संकलन के लिए समिति का सदस्य।
11. सदस्य, आरडी प्रवेश समिति।
12. सदस्य, विद्यार्थी परिषद निर्वाचन समिति, पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल।
13. पॉलिंग ऑफिसर, विद्यार्थी परिषद निर्वाचन, पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल।
14. भारत सरकार की आरक्षण नीति के अंतर्गत विभिन्न अध्ययन कार्यक्रमों (2014–15) में प्रवेश दिए जाने वाले अभ्यर्थियों की सूची को तैयार करना एवं संकलन हेतु समिति का सदस्य।
15. सदस्य, शिक्षक शिकायत निवारण समिति।
16. समान अवसर प्रकोष्ठ के अंतर्गत नेट/स्लेट के लिए कोचिंग योजना का समन्वयक।
17. सदस्य, समन्वयक समिति, श्री अरुण मायरा, कुलाधिपति द्वारा 'रिसेपिंग इंडियाज गवर्नेंस' पर व्याख्यान संबंधी समन्वय समिति, 02 दिसंबर, 2014
18. पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल, हिप्रकेवि के लिए आरडी प्रवेश हेतु जीडी/पीआई के संबंध में एसटी नामिती।
19. व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन, हिप्रकेवि के लिए आरडी प्रवेश हेतु जीडी/पीआई के संबंध में एसटी नामिती।
20. सदस्य, आरडी प्रवेश के लिए साक्षात्कार समिति।
21. पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल, हिप्रकेवि में आरडी प्रवेश संचालन व प्रशासन हेतु कुलपति नामिती।
22. सदस्य, स्कूल बोर्ड, पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल।
23. पीजी एवं आरडी विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के लिए आवश्यक एसपीएएसएस ई–व्यू का सदस्य।
24. व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल द्वारा हिमस्पार्क–14 के दौरान 'क्रिएटिव : टी' इवेंट में निर्णायक।

**पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल**

**डॉ. प्रदीप नायर**

1. अध्यक्ष, हिप्रकेवि में आउटसोर्स कर्मचारियों की अनिवार्य बकायों की जाँच एवं सत्यापन समिति।
2. समन्वयक, यूजीसी स्कीम के अंतर्गत उपचारात्मक कोचिंग, हिप्रकेवि।
3. सदस्य, रैगिंग–निषेध समिति, हिप्रकेवि।
4. सदस्य, रैगिंग–निषेध मॉनीटरिंग प्रकोष्ठ, हिप्रकेवि।
5. सदस्य, प्रॉक्टोरियल बोर्ड।

## पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग

### डॉ. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा

1. अध्यक्ष, टैब में कंप्यूटर लैब स्थापित करने के लिए समिति।
2. अध्यक्ष, यूजीसी पांच योजनाओं–समान अवसर प्रकोष्ठ के कार्यान्वयन के लिए तंत्र तैयार करना और कार्यान्वयन के प्रस्ताव देने संबंधी समिति।
3. सदस्य, दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के लिए हिप्रकेवि को जिन पार्टियों ने आशय–पत्र जमा कराया है, उनसे इंटरऐक्ट करने वाली समिति।
4. सदस्य, परीक्षाओं के लिए उत्तर पुस्तिकाओं की मुद्रण और खरीद के लिए समिति।
5. पूर्व सदस्य, कार्यकारिणी परिषद।
6. सदस्य, शैक्षणिक परिषद।
7. सदस्य, विभागीय पदोन्नति समिति, हिप्रकेवि।
8. अध्यक्ष, पाठ्य समिति, पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग।
9. पूर्व अध्यक्ष, स्कूल बोर्ड, पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल।
10. पूर्व सदस्य, आईक्यूएसी।

### डॉ. अर्चना कटोच

1. मीडिया विवरण और संपादन प्रभारी, पत्रकारिता, जनसंचार एवं नव मीडिया स्कूल, 20 फरवरी, 2013 से।
2. सदस्य, प्रॉक्टोरियल बोर्ड, हिप्रकेवि, 16 मई, 2013 से।
3. प्रभारी, प्लेसमेंट एवं करियर परामर्श, 07 मार्च, 2014 से।
4. पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग में करियर परामर्शदाता के रूप में कार्य करना, 10 मार्च, 2014 से।
5. संयोजक, मीडिया सोसाइटी, 12 मार्च, 2014 से।
6. सदस्य, विश्वविद्यालय की मीडिया समिति, 02 अप्रैल, 2014 से।
7. अध्यक्ष (मीडिया समिति), श्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया, उपाध्यक्ष, योजना आयोग, भारत का आगमन, 04 अप्रैल, 2014
8. दो दिवसीय राष्ट्र स्तर की मैनेजमेंट फेस्ट हिमस्पार्क–14 में 'सामान्य क्विज़ प्रतियोगिता' की निर्णायक, हिप्रकेवि, 11–12 अप्रैल, 2014
9. संकाय समन्वयक, दो दिवसीय कार्यशाला विषय 'अंडरस्टैंडिंग फिल्म्स, डॉक्यमेंटरी स्क्रिप्ट राइटिंग एंड फिल्म अप्रेशिएशन 22–23 अप्रैल, 2014
10. चितकुल, किन्नौर जिला में पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया और स्वयं भी गई, 25–29 अप्रैल, 2014
11. सदस्य, पीजी कार्यक्रम प्रवेश समिति, 18–31 जुलाई, 2014
12. पॉलिंग ऑफिसर, विद्यार्थी परिषद निर्वाचन, अकादमिक सत्र 2014–15, 30 सितंबर, 2014
13. संकाय समन्वयक, इंटर स्कूल/डिपार्टमेंट डिक्लेमेशन प्रतियोगिता' 'सोशल मीडिया : बून ऑर बेन?' 26 सितंबर, 2014
14. प्रभारी, रैगिंग निषेध से जुड़े मुद्दे, पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग, 26 सितंबर, 2014
15. सदस्य, मीडिया समित, XXX आईएटीएलआईएस सम्मेलन, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, 27–29 नवंबर, 2014
16. अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस समारोह, हिप्रकेवि के लिए रापोर्टर की भूमिका निभाई, 17 नवंबर, 2014
17. स्वच्छ भारत अभियान के भाग के रूप में 'क्लीननेस इज़ नेक्स्ट टू गॉडलीनेस' विषय पर विश्वविद्यालय स्तरीय डिक्लेमेशन प्रतियोगिता की इवेंट समन्वयक, 14 नवंबर, 2014
18. सदस्य, पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल के विद्यार्थियों के लिए लैंगिक उत्पीड़न निवारण समिति, 11 दिसंबर, 2014 को गठित।
19. पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल के लिए आरडी कार्यक्रम सत्र 2014–15 के लिए प्रवेश साक्षात्कार समिति में कुलपति नामिती।
20. द्वितीय स्कूल बोर्ड की बैठक, 11 मार्च, 2015 में भाग लिया।

### हरिकृष्णन बी

1. स्कूल के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय फिल्म कार्यशाला का समन्वय किया।

2. स्कूल के विद्यार्थियों के लिए साप्ताहिक फिल्म स्क्रीनिंग का समन्वय किया।
3. कैंपस तथा आसपास के समुदाय पर विशेष फोकस करते हुए समाचार और फीचर कथाओं के लिए वॉयस, द लैब जर्नल प्रकाशित करने के लिए विद्यार्थियों को सुविधा सम्पन्न किया।

**डॉ. हर्ष मिश्रा**

1. इंटर्नशिप प्रभारी, पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग।

**जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग**

**कुलदीप सिंह**

1. सदस्य, मीडिया समिति, हिप्रकेवि।
2. सदस्य, हिप्रकेवि में ई–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम को कार्यान्वित करने संबंधी समिति।
3. समन्वयक, एक दिवसीय कार्यशाला विषय 'रिपोर्टिंग डेवलॉपमेंट : द चेंजिंग पाराडाइम' (14 नवंबर, 2014)।
4. सदस्य, मीडिया समिति, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित XXX आईएटीएलआईएस सम्मेलन (27–29 नवंबर, 2014)।
5. पीजी/आरडी विद्यार्थियों के लिए 'शिक्षित भारत सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा' पर मुक्त परिचर्चा फोरम/डिक्लेमेशन कार्यक्रम के लिए रापोर्टर की भूमिका निभाई (14 नंवबर, 2014)।
6. सदस्य, खेलकूद समिति (वॉलीबाल)।

**डॉ. राम प्रवेश राय**

1. सदस्य, पाठ्य समिति, जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग।
2. सलाहकार विषय एसोसिएशन मीडिया सोसाइटी, जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग।

# संकाय सदस्यों द्वारा अन्य योगदान

## भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

### डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री

1. मुख्य अतिथि, वार्षिक समारोह, न्यू एरा स्कूल ऑफ साइंसेस, छतरी।
2. उद्घाटन वक्ता 'स्प्रिचूअल वैल्यूज़ इन लाइफ', द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन।
3. प्रधान वक्ता, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह, एचपी कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर।
4. मुख्य अतिथि, गवर्नमेंट कॉलेज, नगरोटा भवन।

### भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग

### डॉ. बी.सी. चौहान

1. प्रॉक्टोरियल परीक्षक, डीएवी कांगड़ा, पेपर सेटर : एचपीयू, शिमला और एमएयू, बद्दी।
2. इग्नू पर्यवेक्षक, सत्रांत परीक्षा (जून और दिसंबर, 2014)।
3. हिप्रकेवि में स्वामी विवेकानंद पीठ, राष्ट्रीय अविष्कार योजना के लिए प्रस्ताव तैयार किया।

### डॉ. अयान चटर्जी

1. प्रभारी, विभाग की आधुनिक भौतिकी प्रयोगशाला।
2. विभाग में नवीन पाठ्यक्रमों और पाठ्यचर्या आयोजित करने में सहायता।

### डॉ. दलीप सिंह वर्मा

1. रेडियोलॉजिकल सेफ्टी ऑफिस में प्रशिक्षण कोर्स को पूरा किया, 01–10 दिसंबर, 2014

## जैविक विज्ञान स्कूल

### कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान एवं बायोइंफॉर्मेटिक्स केंद्र

### डॉ. पोलामारासेट्टी अपरॉय

1. बायोमेड सेंट्रल, बेंथम साइंस, स्प्रिंगर और हिंदवी प्रकाशनों के विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पीअर रिव्यूड जर्नलों का समीक्षक।

### डॉ. विक्रम सिंह

1. 'फ्यूचर एंड चैलेंजेज ऑफ कंप्यूटेशनल एंड इंटेग्रेटिव साइंसेस' पर एचआरएमवी, जलंधर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'बायोइंफॉर्मेटिक्स पेपर प्रेजेंटेशन' पर सत्र की अध्यक्षता की, 7–8 नवंबर, 2014

## पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

### पर्यावरण विज्ञान विभाग

### डॉ. दीपक पंत

1. संपादन मंडल, जर्नल ऑफ एनवॉयरनमेंटल साइंस एंड सस्टेनेबिलिटी (जेइएसएस)

## गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल

### प्रो. इंदर वीर मल्हन

1. सदस्य, पुस्तकालय सलाहकार मंडल, केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय, 2 अगस्त, 2014
2. सदस्य, समतुल्यता और परीक्षाओं/डिग्री की मान्यता संबंधी समिति, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू, सितंबर, 2014
3. सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति, डेवलॉपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) (2015–17)।

### पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग

### डॉ. डिंपल पटेल

1. सदस्य, क्रय समिति, XXX आईएटीएलआईएस सम्मेलन, हिप्रकेवि, 27–29 नवंबर, 2014
2. सदस्य, पाठ्य समिति, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि।
3. सदस्य, स्कूल बोर्ड, गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि।
4. बाह्य सदस्य, पाठ्य समिति, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, काकातीय विश्वविद्यालय, वारंगल, आ.प्र.
5. सदस्य, कुलपति नामिती/महिला प्रतिनिधि, ट्रीट 2014–15 प्रवेश परीक्षा।
6. सदस्य, रेडियो फ्रिक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) समिति।
7. सदस्य, ई–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (ईएलएमएस) समिति।

8. सदस्य, ब्लेड सर्वरों की प्रापण समिति।
9. सदस्य, नवीन कंप्यूटर लैब विकास समिति।
10. पाठ्य समिति, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की द्वितीय बैठक में भाग लिया, हिप्रकेवि, टैब, शाहपुर (हिप्र), 13 अक्टूबर, 2014
11. स्कूल बोर्ड, गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल की द्वितीय बैठक में भाग लिया, हिप्रकेवि, टैब, शाहपुर (हिप्र), 16 मार्च, 2015
12. विभिन्न बैठकों (संबंधित डायरियों में यथा पंजीकृत) में भाग लिया।

**डॉ. रोशनलाल शर्मा**

1. **पर्यवेक्षण के अधीन अवार्ड की गई पीएचडी : 01**
   i. 'वॉयलेंस एंड नैरेटिव एम्पैथी इन जे.एम. कोइजीज सेलेक्ट फिक्शन', एचपीयू, शिमला में नम्रता टिकु द्वारा (सितंबर, 2014 में ) जमा किया गया।
2. **पर्यवेक्षण के अंतर्गत जमा पीएचडी शोध–निबंध : 02**
   i. 'क्रिटिकिंग दलिताइजेशन इन एम.सी. राज्स राइटिंग्स', हिप्रकेवि में कल्याणी हाजरी द्वारा (दिसंबर 2014 में जमा किया गया)।
   ii. 'फिक्शन ऐज़ स्प्रिचूअल स्पेस : ए स्टडी ऑफ मिस्टिक ऐज़ प्रोटागोनिस्ट इन द सेलेक्ट नॉवेल्स ऑफ हरमेन हेसे, राजा राव, रिचर्ड बाख, पॉअलो कोएलो एंड सुजाथा विजयराघवन', एचपीयू, शिमला में पूजा द्वारा (मई, 2014 में जमा किया गया)।
3. **बाह्य परीक्षक के तौर पर मूल्यांकित पीएचडी शोध–निबंध : 02**
   i. 'एनी बेसेंट, सरोजिनी नायडू एंड इंदिरा गांधी ऐज़ फेमेनिस्ट्स : ए क्रिटिकल रिव्यू', प्रियंका श्रीवास्तव, अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी थीसिस।
   ii. 'फ्रौम फिक्शनल लाइव्स टू कॉन्टेमपोरेरी रियालिटी : एन एनालिसिस ऑफ गीथा हरिहरन्स नॉवेल्स', अंग्रेजी विभाग, अविनाशीलिंगम यूनिवर्सिटी', कोयम्बटूर (तमिलनाडू) की एक पीएचडी थीसिस।
4. **एम.फिल और पीएचडी शोध निबंधों के मूल्यांकन के लिए परीक्षकों के पैनेल में** पॉण्डीचेरी यूनिवर्सिटी, धारवाड़ यूनिवर्सिटी (कर्नाटक), इलाहाबाद यूनिवर्सिटी (उ.प्र.), कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी (हरियाणा), श्रीमती वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी, (जम्मू तथा कश्मीर), जम्मू यूनिवर्सिटी (जम्मू तथा कश्मीर), आईआईटी कानपुर (उ.प्र.), असम यूनिवर्सिटी, सिलचर (असम), बीएचयू (उ.प्र.) और एचपीयू, जलंधर (पंजाब)।
5. **पेपर सेटर**– हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला; कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र।
6. **अन्य कार्यकलाप** :
   i. कवि–प्रस्तुतकर्ता के तौर पर राज्य स्तरीय कवि–सम्मेलन में 'प्रियवर संवेदन' शीर्षक की एक कविता का काव्य–पाठ किया, गेयटी थियेटर, शिमला, 04 मार्च, 2015
   ii. कवि–प्रस्तुतकर्ता के तौर पर ऑल इंडिया रेडियो, धर्मशाला में आयोजित काव्य पाठ प्रतियोगिता में भाग लिया, 'कैन्वस उसके अंतर का' नाम से कविता का पाठ और प्रथम पुरस्कार से सम्मानित।
   iii. कवि–प्रस्तुतकर्ता के तौर पर कांगड़ा लोक साहित्य मंच द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में 'नहीं होती बीतचीत अब' नाम से कविता का काव्य पाठ किया।
   iv. निर्णायक, जोनल वाद–विवाद प्रतियोगिता, एपीएस, योल कैंट, धर्मशाला के पास।
   v. निर्णायक, गीति काव्य पाठ प्रतियोगिता, पाइन ग्रोव, कसौली, जिला सोलन (हि.प्र.)।

**अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग**

**हेमराज बंसल**

1. आरडी के लिए नए कोर्स, लिटरेचर एंड रेसिस्टेंस ईईएल–612 के लिए कोर्स कंटेट प्रारंभ व तैयार किया।
2. ईईएल 501 के कोर्स–कंटेट को संशोधित किया।
3. सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर एक काव्य–पाठ और निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की।
4. राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर शिक्षा स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा 'द मीडियम ऑफ एजुकेशन एंड द फर्स्ट लैंग्वेज' पर निबंध प्रतियोगिता में निर्णायक, 11 नंवबर, 2014

**डॉ. केबीएस कृष्णा**

1. एमए अंग्रेजी विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी कोर्स/इंडियन राइटिंग के कोर्स कंटेट को अद्यतन किया।
2. एमए अंग्रेजी विद्यार्थियों के लिए विक्टोरियनिज्म कोर्स कंटेट को अद्यतन किया।
3. आरडी विद्यार्थियों के लिए वर्ल्ड लिटरेचर कोर्स कंटेट को अद्यतन किया।
4. एमए अंग्रेजी विद्यार्थियों के लिए अमेरिकन लिटरेचर कोर्स कंटेट को अद्यतन किया।
5. एमए अंग्रेजी के लिए 'पॉपूलर कल्चर एंड लिटरेचर कोर्स कंटेट को डिजाइन किया।

**डॉ. खेम राज शर्मा**

1. सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर एक काव्य–पाठ और निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की।
2. इइएल–503 के कोर्स कंटेट को संशोधित किया।
3. जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जलंधर के लिए बाह्य परीक्षक।

**हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग**

**चंद्र कांत सिंह**

1. डीएवी कॉलेज, देहरादून द्वारा 'हिंदी साहित्य में पर्यावरण चेतना के विविध आयाम' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और 'समकालीन हिंदी कविता में प्रकृति चेतना' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

## समाज विज्ञान स्कूल

**प्रो. एच. आर. शर्मा**

1. पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया।
2. पीएचडी थीसिस, कोलकाता का मूल्यांकन।
3. कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर की पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया।

**समाज कार्य विभाग**

**प्रो. अरविंद कुमार अग्रवाल**

1. वर्तमान में हिप्रकेवि के चार (4) पीएचडी शोधार्थियों के गाइड का कार्य।

**अंबरीन जमाली**

1. अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के बीएसडब्ल्यू कोर्स के लिए बाह्य परीक्षक।

**शबाब अहमद**

1. संयोजक, सोशल वर्क सोसाइटी, राष्ट्रीय एकता दिवस, 31 अक्टूबर, 2014

## व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

**प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा**

1. राष्ट्रपति भवन में कुलाध्यक्ष (भारत के राष्ट्रपति) के साथ केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में भाग लिया, 4–5 फरवरी, 2015
2. दीक्षांत समारोह अभिभाषण दिया, रायत–बहारा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, होशियारपुर, 20 मार्च, 2015

**लेखा तथा वित्त विभाग**

**डॉ. आशीष नाग**

1. सदस्य, आरपीएमसी समिति, लेखा एवं वित्त विभाग, एसबीएमएस, हिप्रकेवि।
2. 5 ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों के परीक्षक।
3. हिप्रकेवि में एनआईआईटी के सहयोग से ग्रेजुएट एम्प्लॉयबिलिटी टेस्ट–जीईटी आयोजित किया।
4. हिप्रकेवि में वीबॉक्स वर्कफोर्स स्किल्स टेस्ट–वेस्ट (विश्वविद्यालय व्यापी) आयोजित किया, 25 फरवरी, 2015
5. टूरिज्म स्कॉउट्स इंडिया, शिमला के सहयोग से ग्रामीण पर्यटन और इंबाउंड ग्राहकों के लिए एक दिवसीय प्रोमोशन अभियान चलाया।

**डॉ. मनप्रीत अरोड़ा**

1. विचार मार्गदर्शक के तौर पर 'माइक्रो फाइनांस एंड माइक्रो अन्ट्रेप्रेन्यूरशिप : ए पाराडाइम शिफ्ट फॉर स्किल डेवलॉपमेंट' पर अर्थशास्त्र विभाग, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, भारत द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की सह–अध्यक्षता की, 27–28 फरवरी, 2015

2. एक सत्र की अध्यक्षता की, यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार, विषय 'कॉर्पोरेट रेगूलेटरी रिफॉर्म्स–पर्सपेक्टिव, इश्यूज एंड चैलेंजेज अंडर न्यू कंपनी लॉ', जलंधर चैप्टर, एनआईआरसी, आईसीएसआई, डीएवी कॉलेज, जलंधर, 21 मार्च, 2015
3. हिप्रकेवि का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में निर्णायक की भूमिका, वार्षिक फेस्ट, द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रैत।
4. नेट परीक्षा में यूजीसी पर्यवेक्षक का कार्य किया।

### डॉ. मोहिंदर सिंह

1. सदस्य, संपादन मंडल, 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी डिसिप्लिनरी अडवांस्ड रिसर्च' (आईजेएमएआर) (आईएसएसएस 2348–7623)।

## विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

### डॉ. भगवान सिंह

1. एमबीए का विषय विशेषज्ञ, पाठ्य समिति, हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल यूनिवर्सिटी, हमीरपुर, हिप्र।
2. परामर्शदाता एवं मार्गदर्शक : इंडकेयर कॉलेज ऑफ लॉ (आइसीएल), नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा की बेवसाइट विकास की कार्यनीति एवं सृजनात्मकता हेतु, 1–2 जनवरी, 2015

### चमन लाल

1. परीक्षक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
2. परीक्षक, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।
3. परीक्षक, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर।

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

## पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

### देबाशीष साहू

1. सदस्य, ग्लोबल सोसाइटी फॉर हेल्थ एंड एजुकेशनल ग्रोथ, नई दिल्ली (एनजीओ)।
2. कश्मीर के बाढ़ पीड़ितों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहतकोष' में अंशदान किया।
3. गुजरात में गरीब बच्चों को शिक्षा, भोजन और निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने में जुटी 'वर्ल्ड विज़न इंडिया–गुजरात' एनजीओ से जुड़ा होना।
4. गरीबों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कराने में सहायक 'हेल्पलाइन फॉउण्डेशन–नई दिल्ली' नामक सामाजिक संगठन के साथ सम्बद्ध।

### डॉ. एस. सुंदररमण

1. अन्य संस्थानों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया।
2. अन्य विश्वविद्यालय के लिए पेपर सेटर का कार्य किया।

### डॉ. सुमन शर्मा

1. एमबीए पर्यटन एवं यात्रा के तृतीय सत्र के विद्यार्थियों के लिए नेतृत्व विकास कैंप का समन्वय किया, 26 अक्टूबर–02 नवंबर, 2014

## पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल

### डॉ. प्रदीप नायर

1. एशिया पैसेफिक मीडिया एजुकेटर (एपीएमई) के संपादकीय सलाहकार बोर्ड में नियुक्त। यह सेज और स्कूल ऑफ आर्ट्स, इंग्लिश एंड मीडिया यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोगॉंग, आस्ट्रेलिया द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय रेफरीड जर्नल है।
2. सेज और सोसाइटी फॉर पब्लिक हेल्थ एजुकेशन (एसओपीएचई), वाशिंगटन डीसी द्वारा प्रकाशित इंटरनेशनल पीअर–रिव्यूड जर्नल 'पेडागोगी इन हेल्थ प्रोमोशन' के लिए समीक्षक नियुक्त।

## पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग

### डॉ. अर्चना कटोच

1. पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, रीजनल स्टडी सेंटर, खनियारा, धर्मशाला में एमएससी (I एवं II सेमेस्टर) के जून 2014 सत्र की प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक का कार्य किया, 10 सितंबर, 2014
2. बीए–II, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय परीक्षा, सेट–I (सितंबर 2014) और सेट–II (मार्च 2015), 20 जुलाई, 2014

**डॉ. हर्ष मिश्रा**

1. राष्ट्रीय हिंदी पत्रिका 'तहलका' में एक लेख, अंक 15, खंड 6, अगस्त, 2014
2. राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक हिंदुस्तान टाइम्स के लखनऊ संस्करण के एक्सप्रेशंस कॉलम में बाल श्रम की चिंताओं को व्यक्त करते हुए एक लेख 'लेट्स यूज़ सत्यार्थी–मलाला नोबेल ऐज़ कैटेलिस्ट फॉर चेंज'।
3. दैनिक जागरण समूह द्वारा प्रकाशित द्विभाषी दैनिक आई–नेक्स्ट के लखनऊ संस्करण में एक संपादकीय लेख।

**पत्रकारिता एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग**

**कुलदीप सिंह**

1. टॉप टेन न्यूज़ बुलेटिन के दो एपिसोड का निर्माण, एसओजेएमएनएल के वसुंधरा मनकोटिया और मोहम्मद शारिक (IV सेमेस्टर के विद्यार्थी) द्वारा एंकरिंग।
2. विशेष न्यूज बुलेटिन 'पक्के इरादे' के दो एपिसोड का निर्माण, एसओजेएमएनएम के गौरव मंडयाल (IV सेमेस्टर का विद्यार्थी) और श्रद्धा शर्मा (II सेमेस्टर की विद्यार्थी) द्वारा एंकरिंग।

# विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सेमिनार/संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/अभिविन्यास कार्यक्रम

## ❖ विश्वविद्यालय स्तर पर

### स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के नवीन बैच के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम

विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के नवीन बैच (2014–15) के लिए टैब कैंपस, शाहपुर में 4–6 अगस्त, 2014 के दौरान तीन दिवसीय इंडक्शन/ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ओरिंएटेशन कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रो. फुरकान कमर, हिप्रकेवि के संस्थापक कुलपति और भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के महासचिव ने विश्वविद्यालय के नवीन प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों को अभिप्रेरित एवं शिक्षित किया। विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि सही शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को सभी दृष्टियों से पूर्ण मनुष्य का निर्माण है, जो मानवीय अस्तित्व के पाँच पहलुओं, नामतः शारीरिक, बौद्धिक, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक दृष्टियों से पूर्ण विकसित हो। उन्होंने विद्यार्थियों को समय का पाबंद, मेहनती और समर्पित रहने के लिए उद्बोधित किया। प्रो. कमर ने कहा कि लौकिक शिक्षा से भौतिक जगत के अप्रत्यक्ष ज्ञान का भान होता है। आध्यात्मिक शिक्षा से मनुष्य में अंतर्निहित देवत्व का उद्भास होता है। लौकिक और आध्यात्मिक शिक्षा दोनों मनुष्य के लिए आवश्यक हैं जिसके बिना जीवन का कोई मूल्य नहीं है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगिंदर सिंह वर्मा ने मुख्य अतिथि और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज के विज्ञान युग में नैतिक मूल्यों से अधिक ऐन्द्रिक लाभ हमारा ध्यान ज्यादा आकृष्ट करता है। जीवन में इन मूल्यों को विकसित करने का प्रमुख सोपान मूल्यों के प्रति जागरूक होना है। इसके परिणाम स्वरूप सर्वांगीण वैश्विक दृष्टिकोण का विकास होगा, जो आदर्श शिक्षा का प्राथमिक उद्देश्य होता है और इससे हम सार्वभौमिक मानव व्यवस्था की ओर अग्रसर होते हैं।

इंडक्शन/ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान नवीन विद्यार्थियों को स्कूल/विभागों और केन्द्रों; विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली, कुरिकुलम, परीक्षा, मूल्यांकन प्रणालियों आदि; पुस्तकालय और विश्वविद्यालय के अन्य संसाधनों के बारे में अवगत कराया गया। विद्यार्थियों को जेंडर संबधी मुद्दों और रैगिंग निषेध संबंधी प्रावधानों के बारे में भी जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को उनके चार्टर तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यकलापों के बारे में भी बताया गया। संबंधित विभागों/केन्द्रों द्वारा कोर्स कंटेट समझाया गया और विद्यार्थियों को विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के अंतर्गत विकल्पों को चुनने के लिए कहा गया।

## ❖ स्कूल/विभाग स्तर पर

### भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

#### भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग

1. 'ई–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' विषय पर कार्यशाला।
2. 'फिजिक्स एक्सपेरीमेंट्स यूजिंग डेटा एक्वीजीशन किट एक्सपआईज' विषय पर कार्यशाला, 6 एवं 8 नवंबर, 2014
3. फिजिक्स सोसाइटी द्वारा 'साइंटिफिक राइटिंग एंड प्रेजेंटेशन' विषय पर कार्यशाला, 27 मार्च, 2015

### पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

#### पर्यावरण विज्ञान विभाग

1. पृथ्वी दिवस समारोह, पर्यावरण विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि, टैब, शाहपुर, 22 अप्रैल, 2014

### गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल

#### गणित विभाग

1. **'टू फेसेस ऑफ एनालिसिस' पर कार्यशाला।**

   गणित विभाग द्वारा टैब कैंपस, शाहपुर में 21–23 अप्रैल, 2014 के दौरान 'टू फेसेस ऑफ एनालिसिस' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को 'एनालिसिस' के दो विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना था। एनालिसिस आधुनिक शुद्ध गणित का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसका उपयोग विभिन्न विषयों जैसे डायनामिक्स, जीयोमेट्री, मेकानिक्स, नंबर थियरी और रिप्रेजेंटेशन

थियरी आदि में किया जाता है। इस कार्यशाला के दो प्रमुख संसाधक डॉ. बी.एस. कोमल, पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, जम्मू विश्वविद्यालय और डॉ. सुरिंदर सिंह, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर थे।

अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में प्रो. आई.वी. मल्हन, अधिष्ठाता, गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि ने सांख्यिकी, भौतिकी, रसायनशास्त्र, जीव विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाज विज्ञान और मनोविज्ञान आदि में गणितीय विश्लेषण के महत्व को बताते हुए पेडागोगी के प्रोफेशन विकास की संभावना तलाशने पर जोर दिया जिससे सफलता एवं उपलब्धि के लिए गणित में अनुसंधान आधारित पद्धतियों का अन्वेषण कर सकें।

प्रो. के.बी. जोशी, अधिष्ठाता, भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल माननीय अतिथि थे और डॉ. सचिन कुमार श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

2. **'अनालिटिकल आस्पकेट्स ऑफ डायनामिक्स' पर कार्यशाला :**

गणित विभाग द्वारा टैब कैंपस, शाहपुर में 11–17 नवंबर, 2014 के दौरान 'एनालिटिकल आस्पेक्टस ऑफ डायनामिक्स' पर एक सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की गई। प्रो. सी.एस. अरविंद, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), सीएएम, बैंगलोर मुख्य अतिथि और संसाधक थे।

कार्यशाला के दौरान देश के विभिन्न भागों के प्रमुख संसाधकों द्वारा डायनामिक्स के विभिन्न पक्षों पर चर्चा की गई। इसके अंतर्गत प्रो. सी.एस. अरविंद द्वारा 'द जीयोडेसिक फ्लो ऑफ हाइपरबोलिक सर्फेसेस' पर व्याख्यान भी शामिल है। उन्होंने गणितीय संकल्पनाओं के ज्यामितीय दृष्टिगोचर हेतु लिनियर अलजेबरा और मल्टीवेरियस कैल्कूलस के महत्व पर प्रकाश डाला।

अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, अधिष्ठाता, भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल ने कहा कि भौतिकी की भाषा गणित है। कार्यशाला के आयोजक सचिव डॉ. राकेश कुमार और सह–संयोजक डॉ. एस.के. श्रीवास्तव थे।

## कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग

1. **'इमेज प्रोसेसिंग एंड कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस' पर कार्यशाला :**

कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग, गणित, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान स्कूल की इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी सोसाइटी द्वारा एमएससी आईटी के विद्यार्थियों के लिए टैब कैंपस, शाहपुर में 1–2 मई, 2014 के दौरान 'ईमेज प्रोसेसिंग एवं कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस' पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इमेज प्रोसेसिंग एवं कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में न्यूनतम अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु अद्यतन विकासों से विद्यार्थियों को परिचित कराना था।

डॉ. अनिल कुमार साव, सहायक प्रोफेसर और अध्यक्ष, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी, मंडी और डॉ. शुभानंद जमवाल, सहायक प्रोफेसर, जम्मू विश्वविद्यालय इस कार्यशाला में विशिष्ट वक्ता थे।

उद्घाटन सत्र में लगभग पचास विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। प्रो. आई.वी. मल्हन, अधिष्ठाता, गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यशाला के संयोजक श्री केशव रावत, सहायक प्रोफेसर थे।

2. **'सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग प्रिंसिपल्स एंड टेक्नीक्स' पर कार्यशाला :**

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी सोसाइटी द्वारा एमएससी आईटी विद्यार्थियों के लिए टैब कैंपस, शाहपुर में 28 नवंबर, 2014 को 'सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग प्रिंसिपल्स एंड टेक्नीक्स' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

इस कार्यशाला का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग प्रिंसिपल्स एंड टेक्नीक्स के प्रायोगिक अनुभव से युक्त कराना था। इसमें टीम प्रोजेक्ट पर फोकस दिया गया था, जिसमें सॉफ्टवेयर लाइफसाइकलों के विभिन्न चरणों के माध्यम से सॉफ्टवेयर विकास प्रोजेक्ट का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इस कार्यशाला के चर्चा विषयों में आवश्यकताएं, हाई एवं लो लेवल डिजाइन, ऐब्सट्रैक्शन, प्रोग्रामिंग स्टाइल, टेस्टिंग, मेनटेनेंश और सॉफ्टवेयर प्रोजेक्ट प्रबंधन शामिल थे। इसमें मेनटेनेंश योग्य सॉफ्टवेयर डिजाइन और विकास और ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड तकनीकों पर विशेष जोर दिया गया। कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. आई.वी. मल्हन, अधिष्ठाता द्वारा किया गया। कार्यशाला के संयोजक श्री केशव सिंह रावत द्वारा प्रतिभागियों और विशिष्ट वक्ता डॉ. चंद्रकांत वर्मा, कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा का स्वागत किया गया।

3. 'C एवं C++' एवं 'जावा' पर एक दिवसीय कार्यशाला, 04 अप्रैल, 2014

4. 'बिजनेस प्रोसेस सिमूलेशन यूजिंग वेबजीपीएसएस (WEBGPSS) टूल', पर एक दिवसीय कार्यशाला, 10 सितंबर, 2014
5. 'लिनक्स एवं 'C' तथा CPP' पर एक दिवसीय कार्यशाला, 24 मार्च, 2015
6. 'जावा' पर एक दिवसीय कार्यशाला, 27 मार्च, 2015

## पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

1. **' ऐक्सेस टू इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेस' पर कार्यशाला :**

लाइब्रेरी एंड इंफॉरमेशन साइंस सोसाइटी, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि द्वारा इन्फ्लिबनेट केंद्र, अहमदाबाद द्वारा टैब कैंपस, शाहपुर में 12 सितंबर, 2014 को 'यूजर्स अवेयरनेस ऑफ ऐक्सेस टू ई–रिसोर्सेस' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

श्री एन. करूणाकर, सहायक प्रोफेसर, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, हिप्रकेवि द्वारा स्वागत अभिभाषण दिया गया। प्रो. इंदरवीर मल्हन, विभागाध्यक्ष, डीएलआईएस और अधिष्ठाता ने इस कार्यशाला के महत्व और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस पर जोर दिया कि सूचना से अन्तर्दृष्टि आती है, विचार सुस्पष्ट होते हैं और नवोन्मेष को गति मिलती है। अतः ई–संसाधनों के बारे में जागरूकता आवश्यक है।

प्रथम तकनीकी सत्र में इन्फ्लिबनेट संसाधक श्री अशोक कुमार राय ने हिप्रकेवि पुस्तकालय को यूजीसी–इंफोनेट कंर्सोटियम के अंतर्गत प्राप्त विभिन्न ई–संसाधनों के बारे में बताते हुए इसके प्रभावी उपयोग से अवगत कराया। उन्होंने पारंपरिक सूचना संसाधनों की तुलना में ई–संसाधनों के लाभों को रेखांकित किया। उन्होंने इन्फ्लिबनेट द्वारा भारतीय विश्वविद्यालयों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं यथा बैंडविड्थ कनेक्टिविटी, ई–कंटेंट, शोधगंगा (भारतीय विश्वविद्यालयों को जमा कराई गई थीसिसों का पूर्ण–पाठ संग्रह स्थल) के बारे में बताया गया। उन्होंने शोधगंगा पोर्टल को भी दिखाया जहां 21000 पूर्ण–पाठ थीसिस उपलब्ध हैं। उन्होंने पीएचडी थीसिसों का बिबलियोग्राफिकल विवरण देने वाली सुविधा इंडकैट के बारे में भी बताया। वर्तमान में 02 लाख से भी अधिक बिबलियोग्राफिकल रिकॉर्ड उपलब्ध हैं।

बाद के तकनीकी सत्रों में, ई–संसाधनों, प्रकाशनों और कंटेट प्रदाताओं द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया। विले, बलानी इंफोटेक प्रा.लि., ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, अल्सेवियर, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस और इंफॉरमेटिक्स' इंडिया लि. द्वारा अपने–अपने सूचना उत्पादों यथा विले ऑनलाइन लाइब्रेरी, टर्नीटिन, आइथेनटिकेट, प्रोजेक्ट मूज़, एपीएस, एसीएस, एसआईएएम, ऑक्सफोर्ड ऑनलाइन जर्नल्स, स्कोपस, मेंडेली, इजीप्रॉक्सी, जे–गेट और कैंब्रिज जर्नल्स ऑनलाइन पर प्रस्तुतीकरण दिया गया।

इस एक दिवसीय कार्यशाला में लगभग पचास संकाय सदस्यों और शोधार्थियों ने इस कार्यशाला में प्रतिभागिता की और इन्फ्लिबनेट संसाधक और प्रकाशकों तथा कंटेट सेवा प्रदाताओं के प्रतिनिधियों से खुले तौर पर बातचीत की।

2. **xxx आईएटीएलआईएस राष्ट्रीय सम्मेलन :**

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा टैब कैंपस, शाहपुर में 27 नवंबर, 2014 को 'रि–इंवेंटिंग एलआईएस एजुकेशन प्रोग्राम्स इन इंडियन यूनिवर्सिटिज' विषय पर xxx आईएटीएलआईएस राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में हिप्रकेवि के कुलपति प्रो. योगिंदर एस. वर्मा ने कहा कि इस इंटरनेट युग में, जहां सूचनाएं बहुतायत में उपलब्ध हैं और सूचना आवश्यकताओं और फॉर्मेटों की विविधता की दृष्टि से विश्वसनीय सूचनाओं की तुरंत उपलब्धता और प्रभावी ज्ञान प्रबंधन के लिए सक्षम लाइब्रेरी प्रोफेशनल आज परम आवश्यक हो गए हैं। उन्होंने आगे यह भी कहा कि पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के संकाय न केवल एलआईएस कार्यक्रमों में नवपरिवर्तन अपितु एलआईएस संकाय को भी पुनः ऊर्जावान बनाने के लिए आवश्यक है।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रो. आई. वी. मल्हन, स्थानीय आयोजक सचिव ने कहा कि समाज में परिवर्तनों के कारण सूचना व्यवस्थापन एवं प्रचार की नई चुनौतियां उत्पन्न हो गई हैं।

अपने आधार व्याख्यानों ने प्रो. अमिताभ चटर्जी, पूर्व प्रोफेसर, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता ने कहा कि पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान से जुड़े प्रोफेशनलों और संकाय सदस्यों को अपनी भूमिकाओं और पाठ्यक्रमों को पुनर्डिजाइन करने की आवश्यकता है जिससे कि लाइब्रेरी प्रोफेशनलों को रोजगार योग्य कौशलों से सम्पन्न किया जा सके।

डॉ. के. नवालानी, माननीय अतिथि और पूर्व प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला ने जोर दिया कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने समाज में बड़े स्तर पर डिजिटल विभाजन कर दिया है।

पुस्तकालय प्रोफेशनलों द्वारा ऐसे सक्षम मानव संसाधन तैयार करने चाहिए जिससे यह खाई पट सके और सूचना चाहने वाले को प्रभावी सूचना प्राप्त करने के सामर्थ्य से सम्पन्न करना चाहिए।

डॉ. जगतार सिंह, अध्यक्ष, भारतीय पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शिक्षक संघ (आईएटीएलआईएस) और प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला ने विद्यार्थियों को विकल्प आधारित पाठ्यक्रमों को प्रस्तावित करने की जरूरत को रेखांकित करते हुए उनमें प्रोजेक्ट/समस्या/संसाधन आधारित अधिगम बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर प्रो. अमिताभ चटर्जी को 'आईएटीएलआईएस–प्रो. जोगिंदर सिंह रामदेव लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2013' से सम्मानित किया गया। डॉ. शहबत हुसैन, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को आईएटीएलआईएस–प्रो. एस.पी. नारंग रिसर्च प्रोमोशन अवार्ड 2013 से सम्मानित किया गया। यह दोनों पुरस्कार हिप्रकेवि के कुलपति प्रो. योगिंदर एस. वर्मा द्वारा भेंट की गई। डॉ. मनप्रीत अरोड़ा द्वारा मंच संचालन किया गया। डॉ. एच.पी.एस. कालरा, सचिव, आईएटीएलआईएस ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तावित किया।

3. 'डी–स्पेस' पर दो दिवसीय कार्यशाला, 19–20 मई, 2014
4. 'यूज ऑफ डीडीसी इन हाइपरमीडिया ऑर्गेनाइजेशन' पर दो दिवसीय कार्यशाला, 12–13 फरवरी 2015

## मानविकी एवं भाषा स्कूल

### अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग

1. **'लिटेरेरी थियरी' पर कार्यशाला :**

अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग, हिप्रकेवि द्वारा हिप्रकेवि, टैब, शाहपुर में 21–22 जनवरी, 2015 को 'लिटेरेरी थियरी' पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। अंग्रेजी एवं सांस्कृतिक अध्ययन, पंजाब विश्वविद्यालय के जाने–माने एवं सुविख्यात शिक्षाविद प्रोफेसर अनिल रैना इस कार्यशाला के संसाधक थे।

कार्यशाला के प्रथम दिन के दो तकनीकी सत्रों के दौरान प्रो. रैना ने 'द ट्रैडिशनल अप्रोचेज एंड लिटरेचर एंड द एक्स्ट्रा लिटेरेरी अप्रोचेज (प्री–1960)' पर अपना विचार व्यक्त किया। प्लेटों और अरस्तु से प्रारंभ कर साहित्य अध्ययन के विभिन्न 'लिटेरेरी अप्रोचेज' के विकास–क्रम को स्पष्ट रूप से दर्शाते हुए उन्होंने सन् 1960 तक के साहित्यिक सिद्धांतों पर विस्तार से चर्चा की।

डॉ. रोशन लाल शर्मा, अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा स्कूल और संयोजक ने ग्रंथों के विभिन्न तरीकों से परीक्षण में साहित्यिक सिद्धांतों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ऐसी कार्यशालाओं की महत्ता पर बल दिया, जिससे विभिन्न दृष्टिकोणों से साहित्य को समझने में विद्यार्थियों को सहायता मिलती है।

कुलपति प्रो. योगिंदर सिंह वर्मा ने अपने उद्घाटन अभिभाषण में ऐसी कार्यशालाओं से अकादमिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को होने वाले लाभों के महत्व को बताया। प्रश्न–उत्तर सत्र में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सक्रियता से भाग लिया। विभिन्न स्कूलों/विभाग के अधिष्ठाताओं/विभागाध्यक्षों ने अन्य संकाय सदस्यों के साथ कार्यशाला में भाग लिया। श्री हेमराज बंसल, सहायक प्रोफेसर ने मंच संचालन किया।

### हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग

1. 'रचनात्कमता : रचनाकार से रचना तक' विषय पर कार्यशाला, 02 फरवरी, 2015
2. 'स्त्री विमर्श : दशा एवं दिशा' विषय पर कार्यशाला, 15 जनवरी, 2015

## समाज विज्ञान स्कूल

### अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग

1. **डेटा एनालिसिस पर कार्यशाला :**

अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग द्वारा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए टैब कैंपस, शाहपुर में 21–22 अप्रैल, 2014 के दौरान 'स्टैटिस्टिकल पैकेज फॉर सोशल साइंटिस्ट्स (एसपीएसएस)' के माध्यम से डेटा एनालिसिस पर एक दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। विभिन्न सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर पैकेजों के माध्यम से डेटा एनालिसिस के लिए जाने–माने विशेषज्ञ प्रो. बालकृष्ण प्रोफेसर, व्यवसाय प्रबंधन, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा इस कार्यशाला का संचालन किया गया। उन्होंने अर्थशास्त्र के विभिन्न पक्षों के क्रॉस सेक्सनल, टाइम सीरिज और पैनेल डेटा के विश्लेषण हेतु स्टैटिस्टिकल पैकेजों की अनुप्रयोज्यता पर चर्चा की।

कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रो. एच.आर. शर्मा, विभागाध्यक्ष, अर्थव्यवस्था एवं लोकनीति विभाग ने कहा कि विभिन्न सैद्धांतिक मानकों के प्रयोगाश्रित प्राक्कलन पर इस प्रकार की कार्यशालाओं के

आयोजन से न केवल विद्यार्थियों को अर्थव्यवस्था के कार्य करने के तरीकों की समझ विकसित होती है और आंकड़ों के विश्लेषण से जुड़े आवश्यक कौशलों को अर्जित कर पाते हैं, बल्कि इससे पब्लिक व प्राइवेट दोनों सेक्टरों में उनके रोजगार की संभावना बढ़ जाती है और शोध रिपोर्ट और शोध प्रस्तावों सहित नीतिगत दस्तावेजों को तैयार करने में मदद मिलती है।

2. **'एक्सट्रैक्शन एंड यूज़ ऑफ यूनिट लेवल एनएसएस डेटा' पर कार्यशाला**

अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग, हिप्रकेवि द्वारा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए टैब, शाहपुर में 25–26 मार्च, 2015 के दौरान 'मेथडोलॅाजिकल आस्पेक्ट्स एंड यूजेज ऑफ एनएसएसओ यूनिट लेवल डेटा' पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य एनएसएसओ के विभिन्न चक्रों के इकाई स्तर के आंकड़ों से निस्सारण की प्रक्रियाओं के बारे में विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को परिचित कराना था। प्रो. एच.आर. शर्मा, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में कार्यशाला के विषय में यह कहा कि पारिवारिक इकाई स्तर के एनएसएस डेटा के निस्सारण और उपयोग पर आधारित कार्यशाला से अर्थव्यवस्था के कार्यकरण के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु अब तक कम प्रयुक्त बड़े स्तर पर वैज्ञानिक तरीकों से संग्रहित सर्वेक्षण आंकड़ों के उपयोग को बढ़ावा देने में बहुत सहायक होगी।

डॉ. जजाती केसरी परिदा, उपनिदेशक, रिसर्च एवं कोऑर्डिनेशन डिविज़न , नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली ने कार्यशाला का संचालन किया। डॉ. परिदा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इकाई स्तर के आंकड़ों के वास्तविक निस्सारण से पहले शोधकर्ताओं को पारिवारिक आंकड़ा संग्रहण हेतु एनएसएसओ द्वारा तैयार प्रश्नावली और डेटा सेट के दो महत्वपूर्ण फाइलों, नामतः लेआउट फाइल और रीड–मी फाइल से अवश्य परिचित हो जाना चाहिए। उसके बाद उन्होंने एनएसएस के रोजगार एवं बेरोजगारी संबंधी 64 वें और 68 वें चक्रों के विभिन्न चरों पर पारिवारिक डेटा के वास्तविक निस्सारण को प्रदर्शित किया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने सक्रियता से भाग लेते हुए संसाधक से अपनी–अपनी शंकाओं का निवारण किया। प्रतिभागियों को विभिन्न डेटा फाइलों से विभिन्न चरों पर डेटा निस्सारण संबंधी छोटा–छोटा अभ्यास भी कराया गया।

3. प्रो. बालकृष्ण, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, व्यवसाय विभाग, एचपीयू, शिमला द्वारा एसपीएसएस पर एक कार्यशाला का संचालन किया गया, 11–12 अगस्त, 2014
4. प्रो. गुरमैल सिंह, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा एसपीएसएस पर एक कार्यशाला का संचालन किया गया, 9–10 सितंबर, 2014

## समाज कार्य विभाग

### समाज विज्ञान में अनुसंधान क्रियाविधि पर कार्यशाला :

1. हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा 17–26 मार्च, 2015 तक समाज विज्ञान में अनुसंधान क्रियाविधि पर दस दिवसीय कार्यशाला का संचालन किया गया। आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित यह कोर्स हिमाचल प्रदेश अथवा पड़ोसी राज्यों के विश्वविद्यालय में पीएचडी कर रहे पंजीकृत शोधार्थियों के लिए लक्षित था।

**कोर्स के निम्नलिखित मुख्य अकादमिक उद्देश्यों पर जोर दिया गया :**

i. प्रतिभागियों में वैज्ञानिक अनुसंधान क्रियाविधि के अनुप्रयोग के प्रति व्यापक समझ विकसित करना।
ii. वैज्ञानिक अनुसंधान में प्रयुक्त अनुसंधान क्रियाविधि की संकल्पनाओं और सिद्धांतों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करना।
iii. शोधार्थियों को गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान डिजाइन के बारे में शिक्षित करना।
iv. प्रतिभागियों को उनके अनुसंधान से जोड़ते हुए अनुसंधान के विभिन्न साधनों और तकनीकों के बारे में वैज्ञानिक समझ विकसित करना।
v. समाज विज्ञान अनुसंधान में एसपीएसएस प्रयोग के विषय में प्रतिभागियों में कौशल विकसित करना और समाज विज्ञान के क्षेत्र में एसपीएसएस का प्रयोग करते हुए डेटा विश्लेषण में प्रतिभागियों को सांख्यिकीय तकनीकों के प्रयोग के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
vi. शोधार्थियों को शोध–प्रबंध और शोधपत्र लिखने के संबंध में जागरूक बनाना।

देशभर के 12 राज्यों से 16 विश्वविद्यालयों के विभिन्न विषयों यथा समाज कार्य, समाजशास्त्र, प्रबंधन अध्ययन, पुस्तकालय, शिक्षा, अंग्रेजी आदि के शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया। देश के विभिन्न भागों के 14

संसाधकों ने व्याख्यान दिया और शोधार्थियों के कौशल को उन्नत किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने फीडबैक भी जमा किया।

प्रो. अरविंद अग्रवाल, आईसीआरएस पर्यवेक्षक, अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष, समाज कार्य विभाग मुख्य अतिथि थे। कोर्स निदेशक, आईसीएसएसआर, डॉ. आशुतोष प्रधान और कोर्स सह–निदेशक, आईसीएसएसआर, श्री शबाब अहमद ने कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ. रश्मिता रे, आईसीएसएसआर पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, समाज कार्य विभाग, हिप्रकेवि प्रबंधक थीं।

## शिक्षा स्कूल

### अध्यापक शिक्षा विभाग

1. **'नेशनल रिपोजिटरी ऑफ ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस (एनआरओइआर)' पर कार्यशाला :**

   अध्यापक शिक्षा विभाग, शिक्षा स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा सीआईइटी, एनसीइआरटी द्वारा 'नेशनल रिपोजिटरी ऑफ एजुकेशनल रिसोर्सेस' पर 28–29 नवंबर, 2014 के दौरान दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य शोधार्थियों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को मुक्त ज्ञान संसाधनों तक की पहुँच के बारे में अवगत कराना था।

   प्रो. अमरेन्दर बेहरा, विशेषज्ञ, एनसीइआरटी द्वारा जोर दिया गया कि शिक्षकों और विद्यार्थियों के उपयोग के लिए मुक्त शैक्षिक संसाधनों की अपनी उपलब्धता बढ़ाने की संभावना मौजूद है और उन्हें अधिगम के रचनात्मकतावादी दृष्टिकोण से भी जोड़ने की संभावना मौजूद है। भारत सरकार ने स्कूल स्तर की नीतियों यथा, स्कूल शिक्षा में आईसीटी संबंधी राष्ट्रीय नीति–2012 और आईसीटी@स्कूल स्कीम–2014 के माध्यम से अधिगम संसाधनों के सहयोगात्मक सृजन और व्यापक प्रसार को बढ़ावा दिया गया है। इसके अंतर्गत राज्य और राष्ट्र स्तरीय डिजिटल रिपोजिटरीज़ को स्थापित करने का भी प्रस्ताव है, जिसमें विभिन्न स्तरों के विद्यार्थियों और शिक्षकों की जरूरत के हिसाब से विभिन्न डिजिटल कंटेट संग्रहित होगा।

   कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा, कुलपति, हिप्रकेवि ने ज्ञान की मुक्त रूप से उपलब्धता और मुक्त समाज में इसकी महत्ता को रेखांकित किया। डॉ. मनोज सक्सेना, अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल, हिप्रकेवि ने कार्यशाला के विशेषज्ञ का परिचय देते हुए इस विश्वास की पुष्टि की कि शिक्षा क्षेत्र में ऐसे प्रयत्न ज्ञान के प्रति हमारी समझ पर दूरगामी प्रभाव डालेगा। विभिन्न विषयों के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों और सेंट्रल स्कूल फॉर टिबेटन्स, डल्हौजी तथा शिमला के शिक्षकों सहित लगभग चालीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

2. **शोधपत्र लेखन पर कार्यशाला :**

   अध्यापक शिक्षा विभाग, शिक्षा स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा टैब कैंपस, शाहपुर में 18–19 दिसंबर, 2014 के दौरान 'शोधपत्र लेखन' पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

   उद्घाटन सत्र में प्रो. अरविंद अग्रवाल, अधिष्ठाता, समाज विज्ञान स्कूल और परीक्षा नियंत्रक, हिप्रकेवि मुख्य अतिथि थे और प्रो. सुनील बी. मोहंती संसाधक थे। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए प्रो. अग्रवाल ने शोधपत्र की तकनीकियों को रेखांकित करते हुए इस दिशा में प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. मोहंती ने प्रभावी एवं वास्तविक कार्य की आवश्यकताओं पर जोर देते हए कहा कि अनुसंधान पर बल दिया जाए ताकि समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं का हल प्राप्त हो सके।

   समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. रोशनलाल शर्मा, अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा स्कूल ने भारत के शोध जर्नलों में प्रकाशित होने वाले शोधपत्रों के लेखन के बारे में समालोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया और कहा कि इसे नई दिशा देने और पुनर्लक्षित करने की जरूरत है ताकि हम इस क्षेत्र में अर्थपूर्ण योगदान कर सकें।

   कार्यशाला के संयोजक डॉ. मनोज कुमार सक्सेना, अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल, हिप्रकेवि ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की और कार्यशाला के दौरान विभिन्न कार्यकलापों को वर्णित किया। सुश्री प्रकृति भार्गव, सहायक प्रोफेसर, शिक्षा स्कूल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

3. 'गुड पैरेंटिंग' पर एक दिवसीय कार्यशाला ।

## व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

1. **'क्वांटिटेटिव एनलासिस' (मात्रात्मक विश्लेषण) पर कार्यशाला :**

   हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा क्वांटिटेटिव एनालिसिस और डेटा माइनिंग पर एक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य संकाय सदस्यों और शोधार्थियों

को विभिन्न सांख्यिकीय सॉफ्टवेयरों के प्रयोग में दक्ष बनाना और अनुसंधान की विविध मात्रात्मक तकनीकों से जुड़ी संकल्पनाओं के विषय में स्पष्टता विकसित करना था। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. बालकृष्ण बाली, पूर्व अध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल, एचपीयू, शिमला द्वारा 23 अप्रैल, 2014 को किया गया। मैनेजमेंट सोसाइटी, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में पैंतालीस से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल के संकाय सदस्य और शोधार्थी शामिल थे।

2. **'तनाव एवं क्रोध प्रबंधन' पर कार्यशाला :**

व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल द्वारा टैब कैंपस, शाहपुर में 28–29 अप्रैल, 2014 के दौरान 'स्ट्रेस एंड ऐंगर मैनेजमेंट' पर एक दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। प्रो. सागर शर्मा, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के जाने–माने मनोवैज्ञानिक और प्रोफेसर एमीरेटस मुख्य संसाधक थे। कार्यशाला में मानव संसाधन प्रबंधन के संदर्भ में तनाव एवं क्रोध प्रबंधन के सभी महत्वपूर्ण यथा सामाजिक–सांस्कृतिक अवरोध, पारंपरिक एवं धार्मिक मान्यताएं, कलंक एवं सामाजिक भेदभाव को शामिल किया गया।

विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए प्रो. सागर शर्मा ने स्पष्ट किया कि भूमंडलीकरण और आर्थिक अस्थिरता के कारण इन दिनों अवसाद और तनाव में वृद्धि हो रही है। सोशल नेटवर्किंग साइटों से जुड़े रहने के बावजूद युवा बहुत हद तक अवसाद की स्थिति से गुजर रहे हैं। प्रो. एच.आर शर्मा ने कहा कि तनाव और अवसाद से मुक्ति का एक ही मार्ग है–वास्तविक दुनिया से जुड़ाव बरकरार रखना। उन्होंने आगे स्पष्ट करते हुए कहा कि जो अपने परिवार व समाज से भावनात्मक जुड़ाव रखते हैं, वे सांसारिक चुनौतियों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आजकल हम जिस आभासी दुनिया पर ज्यादा निर्भर हो गए हैं वह अलगाव भाव को व्यक्त करता है और इसे सामान्यतः युवाओं में छद्म जुड़ाव भावना के रूप में देखा जाता है।

हिप्रकेवि के तत्कालीन कुलपति प्रो. फुरकान कमर ने कार्यशाला में विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि सर्वोत्तम प्रबंधन पद्धति वह है जो लोगों को उद्देश्यपूर्ण प्रोफेशनल एवं व्यक्तिगत जीवन व्यतीत करने को प्रोत्साहित कर सके। स्व–जनित तनाव से मुक्त होने का सर्वोत्तम मार्ग वैसे लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयत्न करना है, जो प्रतिबद्धता, कठिन परिश्रम और सहज रूप से प्राप्त हो सके।

स्वागत अभिभाषण के दौरान प्रो. योगिंदर एस. वर्मा, प्रति–कुलपति, हिप्रकेवि ने कहा कि यह कार्यशाला तनाव से बाहर निकलने के उपायों और तनाव प्रबंधन की तकनीकियों को सीखने का अवसर प्रदान करती है।

3. **'केस अध्ययन एवं केस लेखन' पर कार्यशाला :**

व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल द्वारा 'केस स्टडी एंड केस राइटिंग' पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 31 जुलाई–02 अगस्त, 2014 तक किया गया। प्रो. एम. आर. दीक्षित, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद द्वारा इस कार्यशाला का संचालन किया गया। इस कार्यशाला में व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल और पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल के 50 प्रतिभागियों द्वारा भागीदारी की गई। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को केस लेखन से जुड़े ज्ञान व कौशल से युक्त करते हुए शिक्षणशास्त्र में टीचर लेड टीचिंग (टीएलटी) की बजाए स्टूडेंट पूल लर्निंग (एसपीएल) को अपनाते हुए इन केसों का उपयोग करना है।

4. **'कॉर्पोरेट वित्त' पर एक इंटरैक्टिव सत्र :**

व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल द्वारा टैब, शाहपुर में 17 अक्टूबर, 2014 को 'कॉर्पोरेट वित्त' पर एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया, जिसके संसाधक श्री संतोष कुमार, सहायक उपाध्यक्ष, कॉर्पोरेट वित्त, यस बैंक, दिल्ली थे। आईआईटी बॉम्बे और आईआईएम, अहमदाबाद के पूर्व छात्र श्री कुमार ने एसबीएमएस के विद्यार्थियों से कॉर्पोरेट जगत के कार्यकरण पर बातचीत की और उन्हें अपनी चुनी हुई विशेषज्ञता के क्षेत्र में करियर का चयन करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह इंटरैक्शन स्कूल द्वारा उद्योग जगत के साथ संपर्क को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का ही भाग था। श्री संतोष ने बैंकिंग उद्योग और कॉर्पोरेट वित्त की भूमिका का भी संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।

5. **'एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स' पर कार्यशाला :**

व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल, हिप्रकेवि की मैनेजमेंट सोसाइटी और प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा टैब, शाहपुर में 'एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स' पर 01 सितंबर, 2014 को एक कार्यशाला आयोजित की

गई। उद्योग विशेषज्ञ (मानव संसाधन) श्री करूणेश देव ने कार्यशाला के दौरान एक व्याख्यान दिया। वर्तमान में श्री देव बैंक ऑफ अमेरिका कॉन्टिनम इंडिया प्रा. लि. में मैनेजर ऑपरेशंस के पद पर कार्यरत हैं और उन्हें 12 वर्षों का उद्योग अनुभव प्राप्त है। श्री करूणेश ने प्रबंधन के विद्यार्थियों के लिए 'एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स' के महत्व को बताते हुए कहा कि यह करियर निर्माण के आधार हैं। इन्हें अर्जित करने से अपने मनपसंद प्रोफेशन को चुनने और करियर विकास में सहायता मिलती है।

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

### पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

1. टूरिज्म सोसाइटी, हिप्रकेवि द्वारा 'रोल ऑफ टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स इन लोकल कम्यूनिटी डेवलॉपमेंट' पर एक दिवसीय कार्यशाला, 25 सितंबर, 2014

## पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल

1. **'अंडरस्टैंडिंग फिल्म्स' पर कार्यशाला :**

मीडिया सोसाइटी, पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल द्वारा टैब कैंपस, शाहपुर में 22–23 अप्रैल के दौरान 'अंडरस्टैंडिंग फिल्म्स' पर एक दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। फिल्म निर्माता श्री रमेश शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मूविंग पिक्चर कंपनी इस कार्यशाला के मुख्य संसाधक थे।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि फिल्म एक अत्यधिक जटिल कला रूप है, जो विभिन्न कला रूपों यथा चित्रकला, संगीत और नाटक के विभिन्न पहलुओं को एक साथ प्रस्तुत करती है। शास्त्रीय फिल्म निर्माताओं यथा सर्जेई आइजेन्स्टाइन की फिल्म स्क्रीनिंग के दौरान उन्होंने दर्शक के लिए त्रि–आयामी दृश्य अनुभव सृजन में फिल्म की शक्ति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि संग्रथन तकनीक ने, जिसके माध्यम से असंबद्ध दृश्यों को एक साथ लाकर भिन्न अर्थाभिव्यक्ति की जाती है, फिल्म को एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया है। कार्यशाला के प्रथम सत्र में, शास्त्रीय फिल्मों यथा 'एन ऑकर्रेंस ऐट ऑउल क्रीक ब्रिज' 'बैटलशिप पोटेमकिन' और 'गाडफादर' के अंशों की स्क्रिनिंग की गई।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में श्रोताओं को संबोधित करते हुए तत्कालीन कुलपति प्रो. फुरकान कमर ने कहा कि फिल्म की सृजनात्मक क्षमता और कलात्मक गुणात्कमता के अतिरिक्त इसके निर्माण से जुड़ा टीम वर्क भी कमाल का होता है।

कार्यशाला के दूसरे दिन श्री रमेश शर्मा ने विभिन्न विषयों यथा फिल्म निर्माण प्रक्रिया, स्क्रिप्ट लेखन, एडिटिंग, कोरियोग्राफी और कॉस्ट्यूम डिजाइन पर चर्चा की। निर्माताओं और निदेशकों की भूमिकाओं पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि फिल्म की शूटिंग के दौरान लोगों को मनोभाव से संबद्ध करने के लिए सत्य और यथार्थ भाव का सृजन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वृत्तचित्र निर्माण में अत्यधिक परिश्रम और शोध की आवश्यकता होती है, परंतु समाज से संप्रेषण का यह एक सशक्त माध्यम है।

कार्यशाला के दौरान विभिन्न वृत्तचित्रों यथा जय भीम कॉमरेड, द जर्नलिस्ट एंड द जिहादी– द मर्डर ऑफ डेनियल पर्ल, पोट्रेट ऑफ द डायरेक्टर–राजकपूर को भी दिखाया गया।

2. **फिल्म कार्यशाला और आमंत्रित व्याख्यान :**

मीडिया सोसाइटी द्वारा शिक्षा स्कूल, हिप्रकेवि के सहयोग से टैब कैंपस, शाहपुर में 21 मई, 2014 को एक दिवसीय फिल्म कार्यशाला और आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रति–कुलपति प्रो. योगिन्द्र वर्मा ने कहा कि ऐसी कार्यशालाओं से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के बाहर के विशेषज्ञ और शिक्षाविदों से मिलने और विषय पर अपनी समझ को विकसित करने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम के दौरान सुश्री रितु सरीन, महोत्सव निर्देशक, धर्मशाला अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव ने स्कूल के विद्यार्थियों को अपनी अद्यतन फिल्म 'वेन हरि गॉट मैरिइड' दिखाई। चर्चा के क्रम में उन्होंने फिल्म निर्माण की प्रक्रिया को समझाया और स्वतंत्र वृत्तचित्र निर्माताओं द्वारा सामना की जा रही दिक्कतों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि प्रायः स्थानों आदि जिनकी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका होती है, का पर्याप्त समय के लिए उपलब्ध न हो पाना बड़ी चुनौती होती है। पत्रकारिता, जनसंचार और नव मीडिया के विद्यार्थियों ने भी कोर्स के भाग के रूप में निर्मित एक लघु फिल्म दिखाई। वर्तमान सामाजिक वास्तविकताओं को व्यंग्य के माध्यम से दर्शाने वाली इस फिल्म की उपस्थित विशेषज्ञों द्वारा प्रशंसा की गई। अपराह्न सत्र में श्री अजित कुमार झा, संपादक, द न्यू इंडियन एक्सप्रेस द्वारा विद्यार्थियों से चर्चा की गई।

डॉ. रबीन्द्रनाथ, अधिष्ठाता, जेएमसीएनएम स्कूल, डॉ. अरविंद कुमार झा, अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल और विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के संकाय सदस्य और विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

3. **'डेवलॉपमेंट रिपोर्टिंग : द चेंजिंग पाराडाइम्स' पर पत्रकारिता कार्यशाला :**

पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया द्वारा टैब, शाहपुर में 18 नवंबर, 2014 को 'डेवलॉपमेंट रिपोर्टिंग : द चेंजिंग पाराडाइम्स' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। श्री शशि शेखर, प्रधान संपादक, हिंदुस्तान मीडिया वेंचर्स मुख्य अतिथि और संसाधक के रूप में कार्यशाला में उपस्थित हुए।

पत्रकारों, हिमाचल प्रदेश के मीडिया एजुकेटरों और हिप्रकेवि के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्री शेखर ने जोर दिया कि पत्रकारों को चाहे वे कॉर्पोरेट हाउस में कार्यरत हों अथवा स्वायत्त संस्थानों में प्रोफेशनल सत्यवादी की तरह कार्य करना चाहिए। प्रत्येक समाज को वैसे कुछ व्यक्तियों की आवश्यकता होती है जो सत्य को प्रकाशित कर सके। उन्होंने यह कहा कि किसी भी समाचार, प्रिंट अथवा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का एक ही तत्व होना चाहिए, वह है सत्यता। किसी भी पत्रकार को उसकी विश्वसनीयता और संगठन द्वारा दी गई जिम्मेवारी के लिए जाना जाता है। यह विश्वसनीयता ही है जिसके कारण मीडिया संगठन इस क्षेत्र में पांव जमाए रहते हैं। भारतीय और विदेशी मीडिया पर बात करते हुए श्री शेखर ने कहा कि कार्यान्वयन के स्तर पर दोनों समान स्तर पर हैं, परंतु अंतर यह है कि यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका में मीडिया का दृष्टिकोण विशेषीकृत होता है। विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी ने पत्रकारिता की पद्धति को परिवर्तित कर दिया है। यह मोबाइल संचार का युग है। अतः मीडिया अध्ययन से जुड़े विद्यार्थियों को भविष्य के मीडिया के रूप में मोबाइल पर विचार करना होगा।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए प्रो. योगिन्द्र एस वर्मा, कुलपति, हिप्रकेवि ने विश्वविद्यालय और समाज के मध्य एक इंटरफेस विकसित करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के संसाधनों का लाभ आसपास के समुदायों तक भी पहुँचना चाहिए। विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट क्षेत्र में कार्य करने के तरीकों को सीखने के अतिरिक्त यह भी सीखना चाहिए कि अपने मीडिया असाइनमेंट के भाग के रूप में सामान्य जनता से जुड़ी समस्याओं, मुद्दों और चिंताओं को किस प्रकार सामने रख सकते हैं।

कार्यशाला में पत्रकारों, राज्य के मीडिया एजुकेटरों और विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

4. **'चेंजिंग पाराडाइम्स ऑफ पब्लिक रिलेशंस' पर कार्यशाला :**

पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल, हिप्रकेवि ने टैब, शाहपुर में 20–21 नवंबर, 2014 को 'करेंट ट्रेंडस इन द फील्ड ऑफ पब्लिक रिलेशंस' पर एक कार्यशाला आयोजित की। दो दशकों से अधिक के अनुभव से युक्त प्रमुख मीडिया विद्वान प्रो. जयश्री जेथवानी कार्यशाला की मुख्य संसाधक थीं।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा, कुलपति, हिप्रकेवि ने प्रत्येक और सभी विद्यार्थी को सर्वोत्तम समावेशी शिक्षा और समुदाय को हितलाभ प्रदान करने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराया।

प्रो. जेथवानी ने सिमूलेशन अभ्यासों, समूह चर्चाओं और भिन्न मल्टीमीडिया टूलों सहित नवोन्मेष प्रायोगिक अधिगम तरीकों के माध्यम से जनसंपर्क, कॉर्पोरेट संचार, सामाजिक विपणन और संकटकालीन संचार की संकल्पनाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराया। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रचार न होना अच्छा प्रचार है, लेकिन खराब प्रचार हमेशा खराब प्रचार ही है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि संचार प्रसार एवं बढ़ते सूचना स्रोतों के कारण जनसंपर्क वृत्तिकों का कार्य अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने बदलते समय की चुनौतीपूर्ण मांग से निपटने के लिए विभिन्न नवीन साधनों एवं तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों द्वारा पूरे मनोयोग से कार्यशाला में भाग लिया गया।

5. 'मीडिया एथिक्स' पर श्री अशोक रैना, ट्रिब्यून द्वारा कार्यशाला, 18 नवंबर, 2014

# विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान/ अतिथि व्याख्यान/आमंत्रित व्याख्यान

## ❖ विश्वविद्यालय स्तर पर

### योजना आयोग, भारत सरकार के उपाध्यक्ष द्वारा द्वितीय स्थापना दिवस व्याख्यान

योजना आयोग, भारत के उपाध्यक्ष श्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया द्वारा 04 अप्रैल, 2014 को टैब, शाहपुर में हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय का द्वितीय स्थापना दिवस व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान का विषय 'इंडियाज़ इकोनॉमिक ऑब्जेक्टिव्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स' था। श्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया एक विख्यात अर्थशास्त्री, चिंतक और 1980 के बाद भारत में आर्थिक सुधारों को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाते हैं। तत्कालीन कुलपति, हिप्रकेवि प्रो. फुरकान कमर द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई।

सभा को संबोधित करते हुए श्री अहलूवालिया ने कहा कि विकास केवल एक शुद्ध आर्थिक घटना नहीं होती बल्कि समस्त आर्थिक और सामाजिक प्रणाली के पुनर्विन्यास और पुनर्स्थापन को शामिल करते हुए बहुआयामी प्रक्रिया अपनानी होती है जिसमें प्रासंगिक विकास प्रक्रियाओं के माध्यम से जनता के जीवन स्तर अर्थात् आय एवं खपत, खाद्य, चिकित्सा, शिक्षा का स्तर बढ़ता है। उन्होंने प्रगतिशील अर्थव्यवस्था के संदर्भ में कहा कि आर्थिक विकास को जनता के आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए सहायक परिस्थितियां सृजित कर और जनता की गतिशीलता बढ़ाकर तथा गरीबी, असमानता तथा बेरोजगारी को दूर कर प्राप्त किया जा सकता है।

विद्यार्थियों से चर्चा के क्रम में युवा विद्यार्थियों को संबोधित करने पर हर्ष प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें अगले तीस वर्षों में बहुत अधिक आर्थिक वृद्धि देखने का अवसर प्राप्त होगा और चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। उन्होंने समावेशी विकास पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रति व्यक्ति आय संरचनात्मक परिवर्तन का माप है और देश की आर्थिक वृद्धि में सूचनात्मक और संचार प्रौद्योगिकियों ने काफी योगदान किया है। इस अवसर पर हिप्रकेवि के तत्कालीन कुलपति प्रो. फुरकान कमर ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने तीन वर्षों की छोटी अवधि में काफी बढ़िया कार्य किया है। प्रो. योगिंद्र सिंह वर्मा, प्रति–कुलपति ने अपने स्वागत भाषण में विश्वविद्यालय के विज़न और मिशन के बारे में बताया।

### अति विशिष्ट व्याख्यानमाला के अंतर्गत प्रथम आमंत्रित व्याख्यान

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के पब्लिक डिप्लोमेसी प्रभाग की अतिविशिष्ट व्याख्यानमाला के अंतर्गत टैब कैंपस, शाहपुर में 2 अगस्त, 2014 को 'इंडियाज इकोनॉमिक रिलेशंस विद सम मेजर वर्ल्ड पावर्स' विषय पर श्रीमती पार्बती सेन व्यास, राजदूत (सेनि.), अतिविशिष्ट वक्ता का उद्घाटन व्याख्यान आयोजित किया। विदेश मंत्रालय के 'एक्सटर्नल पब्लिसिटी एंड पब्लिक डिप्लोमेसी डिविज़न द्वारा भारत के तहत विभिन्न घटकों में भारतीय विदेश नीति के प्रति बेहतर समझ और जागरूकता लाने के लिए 'अतिविशिष्ट व्याख्यानमाला' प्रारंभ की गई है।

अपने व्याख्यान में श्रीमती व्यास ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के विभिन्न चरणों और स्वतंत्रता के बाद विभिन्न सरकारों द्वारा अपनाए गए नीतिगत दृष्टिकोणों को रेखांकित किया। उन्होंने भारत के चीन, यूएस और यूएई सहित विभिन्न देशों के साथ आर्थिक एवं व्यापार संबंधों पर चर्चा करते हुए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के महत्व को उद्घाटित किया। श्रीमती व्यास ने सीमा पार व्यापार की जरूरत पर बल दिया जिससे अर्थव्यवस्था बढ़ेगी और अधिक रोजगार के अवसर जनित होंगे।

सभा में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए प्रो. योगिन्द्र सिंह वर्मा ने कहा कि अनुभव से विवेकशीलता आती है और ऐसे ज्ञानवान व्यक्तियों द्वारा इस प्रकार के व्याख्यान उच्चतर शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए आज की जरूरत बन गई है। विश्वविद्यालय निरंतर यह प्रयत्न करता रहा है कि विद्यार्थियों को सभी शिक्षा विषयों में अद्यतन नीतियों और विकासों से सुपरिचित रखा जाए।

### 'रिसेपिंग इंडियाज गवर्नेंस' पर कुलाधिपति द्वारा विशेष व्याख्यान

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री अरुण मायरा ने अतिविशिष्ट व्याख्यानमाला–II के अंतर्गत टैब कैंपस, शाहपुर में 01 दिसंबर, 2014 को 'रिसेपिंग इंडियाज़ गवर्नेंस' विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

अपने संबोधन के दौरान श्री अरुण मायरा ने कहा कि हम आर्थिक दृष्टि से अभिसरण परिणाम के महत्वपूर्ण दौर में पहुँच चुके हैं। इस अवस्था में नीति नियंताओं को काफी सावधान रहने की आवश्यकता है ताकि इसका लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों तक पहुँच सके। अभिसरण की इस नव स्थिति में नए वातावरण के अनुसार

नीतियों को रिडिजाइन करने की अत्यंत आवश्यकता है ताकि सर्वांगीण विकास और समावेशी वृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। इन हालातों में चार कारक अर्थात् 'मुक्त बाजार और पूंजीपति', 'प्रत्येक मनुष्य का सम्मान' 'जनसंख्या विस्फोट' और 'सूचनाओं तक की पहुँच' चिंता के विषय बने हुए हैं।

श्री मायरा ने आगे कहा कि देश की उन्नति में आर्थिक वृद्धि एक निर्णायक भूमिका अदा करेगी जिसके परिणामस्वरूप आम जनता गरीबी से मुक्त हो जाएगी। समग्र विकास के लिए समावेशन की जरूरत है और यदि पूँजीपति प्रत्येक डॉलर को अहमियत दे रहे हैं तो उनकी यह भी जिम्मेवारी बनती है कि वे न केवल लाभ अपितु प्रत्येक व्यक्ति के विकास के बारे में भी सोचें। इसी प्रकार यदि हमारे नेता प्रत्येक मत को महत्वपूर्ण मानते हैं तो उन्हें सभी को नीति निर्माण प्रक्रिया में अवश्य शामिल करना चाहिए। इससे वास्तविक समग्र विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। श्री मायरा ने भ्रष्टाचार की गंदगी को साफ करने और समुदाय एवं नेतागण के बीच अविश्वास की भावना को दूर करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन कारणों से समाज में शून्यता और अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। व्याख्यान के बाद कुलाधिपति ने विद्यार्थियों से बातचीत की और उनके प्रश्नों का उत्तर दिया।

इस अवसर पर कुलपति, हिप्रकेवि प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के मुखिया और रूपांतरण कुशलताओं के निधान का स्वागत करना अत्यंत शुभ पल है। प्रो. एच.आर. शर्मा, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

## प्रो. अरुण कुमार ग्रोवर द्वारा तृतीय स्थापना दिवस व्याख्यान

प्रो. अरुण कुमार ग्रोवर, कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 20 जनवरी, 2015 को टैब कैंपस, शाहपुर में उत्तर–पश्चिम क्षेत्र में विकास के विशेष संदर्भ में भारत में उच्चतर शिक्षा पर तृतीय स्थापना दिवस व्याख्यान दिया गया। प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा, कुलपति द्वारा समारोह की अध्यक्षता की गई।

व्याख्यान के दौरान प्रो. ग्रोवर ने यह प्रकाश डाला कि उच्चतर शिक्षा विशेषीकृत ज्ञान और कौशलों के माध्यम से राष्ट्रीय विकास में योगदान कर रही है और परिणामस्वरूप इन वर्षों में भारत में प्रभावोत्पादक वृद्धि दर्ज की गई है। विख्यात विज्ञानिकों सर शांति स्वरूप भटनागर, डॉ. होमी जे. भामा, प्रो. हर गोबिंद खुराना का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि हमें उन उद्देश्यों की पूर्ति करनी होगी जिनके लिए विश्वविद्यालय का निर्माण हुआ है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि शिक्षकों को शिक्षणशास्त्र ईजाद करने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए और उन्हें अधिक अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। अपनी–अपनी अनुपम विक्रय अवधारणा (यूएसपी) एक अच्छी बात है। लोगों को अपने विकल्प चुनने, अधिक से अधिक प्रयोगों को करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए, इससे स्वतः अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

इस अवसर पर जब विश्वविद्यालय ने अपना पांच वर्ष पूरा किया, कुलपति प्रो. योगिन्द्र सिंह वर्मा ने कहा कि उच्चतर शिक्षा से सामाजिक परिवर्तन निश्चित होगा और यह कि स्टेकधारकों और समुदाय से लिंकेज स्थापित करने की जरूरत है। प्रगति सुनिश्चित करने के लिए वस्तुनिष्ठता, प्रतिभागिता, पारदर्शिता, सुशासन और डिजिटलीकरण आज की आवश्यकता बन गई है।

## प्रो. टिटो मार्सी, रोम विश्वविद्यालय द्वारा विशेष व्याख्यान

समाज कार्य विभाग, हिप्रकेवि के तत्वावधान में सोशल वर्क सोसाइटी ने टैब कैंपस, शाहपुर में 20 फरवरी, 2015 को प्रो. टिटो मार्सी, यूनिवर्सिटी ऑफ रोम 'ला सापिएंजा', इटली का 'फॉर ए कॉन्सटीट्यूएंट कंसेप्शन ऑफ सीटिजनशिप एंड सोशल इंक्लूजन : रिथिंकिंग द एथिकल एंड जुरिडिकल टॉपिक ऑफ हॉस्पीटालिटी' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया। इस विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता कुलपति प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा ने की। प्रो. अरविंद अग्रवाल, अधिष्ठाता, समाज विज्ञान स्कूल ने स्वागत भाषण दिया और वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। विभिन्न विभागों के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों ने व्याख्यान में भागीदारी की। प्रो. टिटो मार्सी ने सभी संस्कृतियों में विद्यमान 'आतिथ्य' रूपी संस्था पर विस्तार से बात की और ऊपरी तौर पर भारतीय संदर्भ में पश्चिमी परंपरा पर प्रकाश डाला। प्रो. मार्सी ने वैश्वीकरण और आर्थिक प्रक्रियाओं की अव्यवस्था का उल्लेख किया, जिससे सामाजिक समावेशन और संभवतः अपवर्जन के नियम प्रतिकूल रूप से प्रभावित होते हैं। उन्होंने अपने संभाषण में कांट, हेबरमास, मार्क्स, बलिबार और जाकन्सेरिया जैसे महान दार्शनिकों और नवीन अध्ययन से जुड़े भारतीय विद्वानों जैसे पार्थ बनर्जी और अन्य को भी उद्धृत किया। अपने वक्तव्य में प्रो. मार्सी ने नागरिकता की संकल्पना और आतिथ्य पर विचारों और चिंतनों को प्रस्तावित किया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में कुलपति प्रो. वर्मा ने वसुधैव कुटुंबकम् का उद्धरण देते हुए भारतीय सभ्यता व संस्कृति की समृद्धता को दोहराया। व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों पर चर्चा हुई। श्री शबाब अहमद, सहायक प्रोफेसर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

## ❖ स्कूल/विभाग स्तर पर

### भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

#### भौतिक एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग

1. डॉ. टी. रवि कुमार द्वारा भारतीय संस्कृति की महिमा पर एक व्याख्यान, 28 अक्टूबर, 2014
2. डॉ. सुदिप्तो पॉल चौधुरी, आईआईएसइआर मोहली द्वारा 'स्ट्रिंग थियरी' पर दो व्याख्यान।
3. डॉ. रवि प्रवेश आर्य, 'ऐंसिएंट इंडियन विज़डम : सम रिफ्लेक्शन' पर सेमिनार, 17 फरवरी, 2015

### पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

#### पर्यावरण विज्ञान विभाग

**'स्लीप डिप्राइवेशन एंड इनसोमनिया' पर आमंत्रित व्याख्यान**

पर्यावरण विज्ञान विभाग, एसओइइएस, हिप्रकेवि द्वारा टैब, कैंपस, शाहपुर में 04 मार्च 2015 को डॉ. अलिम वेलजीइ, अनुसंधान सहायक प्रोफेसर, फर्माकोलोजी विभाग, पेन्नसिलवानिया, यूएसए का एक आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान को ऑक्जेलिक एसिड और डायसिलग्सिरॉल 36:3, जो स्लिप डेट के क्रॉस–स्पीसिज मार्कर्स हैं, से जोड़ते हुए अपने व्याख्यान को आगे बढ़ाया। डॉ. वेलजीइ बॉयोलॉजिकल रिदम, स्लिप और न्यूक्लियर मैग्नेटिक रिजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी और मॉस स्पेक्ट्रोमेट्ररी मेटाबोलोमिक्स का प्रयोग करते हुए ट्रांसलेशनल संदर्भ में पर्यावरणीय घटना के विशेषज्ञ हैं। अपने व्याख्यान के बाद उन्होंने विभिन्न संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों से अपने शोध और यूपीइएनएन में उनके टीम के साथ भविष्य में सहयोग पर बातचीत की।

### मानविकी एवं भाषा स्कूल

#### अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग

**'रिसेंट ट्रेंडस इन लिटरेचर एंड रिसर्च' पर आमंत्रित व्याख्यान**

प्रो. चंद्रमोहन, पूर्व प्रोफेसर (अंग्रेजी), अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'रिसेंट ट्रेंडस इन लिटरेचर एंड रिसर्च' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया। मानविकी एवं भाषा स्कूल और अन्य स्कूल के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों द्वारा इसमें भागीदारी की गई। प्रो. मोहन ने अंग्रेजी साहित्य अध्ययन में हालिया प्रवृत्तियों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को यह व्याख्यान काफी रूचिकर लगा, जो उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों से दृष्टिगोचर हो रहा था। डॉ. रोशन लाल शर्मा, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग एवं अधिष्ठाता, एसओएचएल ने आमंत्रित वक्ता के अकादमिक करियर पर प्रकाश डालते हुए उनका परिचय दिया।

**'मेटानैरेटिव्स' पर आमंत्रित व्याख्यान :**

प्रो. मंजु जायदका, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रमुख शिक्षाविद, उपन्यासकार कवित्री और लेखिका ने 'मेटानैरेटिव्स' विषय पर 17 जुलाई, 2014 को एक व्याख्यान दिया। प्रो. जायदका ने आख्यानों के संपूर्ण इतिहास को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा कि इसकी जड़ें पंचतंत्र जैसे भारतीय ग्रंथों में मौजूद हैं। उन्होंने 'मेटानैरेटिव्स' के संबंध में उत्तर आधुनिकतावादी विचार को भी उद्घाटित किया। व्याख्यान के बाद विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के विभागों के विद्यार्थियों द्वारा ज्ञानपरक प्रश्नों का सत्र चला। प्रारंभ में डॉ. रोशन लाल शर्मा, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग द्वारा प्रो. जायदका का परिचय और अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

**'साहित्य और सूफीवाद' पर आमंत्रित व्याख्यान**

प्रो. अनिल रैना, अंगेजी एवं सांस्कृतिक अध्ययन, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा अंग्रेजी विभाग, मानविकी एवं भाषा स्कूल के तत्वावधान में 'साहित्य और सूफीवाद' पर एक व्याख्यान दिया गया। स्वाभावतः उन्होंने तुरंत ही श्रोताओं के साथ तादात्म्य स्थापित कर लिया। संपूर्ण सत्र काफी संतोषजनक एवं सुरुचिपूर्ण रहा। साहित्य और सूफीवाद के सिद्धांतों में सिद्धस्त प्रो. रैना का व्याख्यान काफी रोचक रहा। व्याख्यान के बाद संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के साथ विचार–विमर्श सत्र चला। डॉ. रोशनलाल शर्मा ने प्रो. रैना को साहित्यिक सिद्धांत और सूफीवाद के साहित्यिक आयामों पर प्रकाश डालने तथा सफल कार्यशाला संचालन के लिए धन्यवाद दिया।

## समाज विज्ञान स्कूल

### समाज कार्य विभाग

**महिला और शांति स्थापना पर व्याख्यान :**

समाज कार्य विभाग ने टैब, कैंपस, शाहपुर में 20 फरवरी, 2015 को महिला एवं शांति स्थापना विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया। प्रो. अंजू शरण उपाध्याय, प्रोफेसर राजनीतिशास्त्र, बीएचयू, वाराणसी ने यह व्याख्यान देते हुए विश्व में शांति स्थापना के लिए महिलाओं के और अधिक आधारभूत योगदान का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चूँकि हिंसा और युद्ध के प्रत्येक और सभी रूपों में महिलाएं ही कुप्रभावित होती हैं, अतः उन्हें शांतिदूत की भूमिका अदा करनी चाहिए। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि विचार रूप में शांति के विषय में महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा बेहतर समझ रखती हैं।

प्रो. अरविंद अग्रवाल, अधिष्ठाता, समाज विज्ञान स्कूल ने अतिथि का परिचय देते हुए विचार–विमर्श को आगे बढ़ाया।

## शिक्षा स्कूल

### अध्यापक शिक्षा विभाग

1. पॉलिटिकल रिपोर्टिंग पर डॉ. अजित कुमार झा, संपादक, न्यू इंडियन एक्सप्रेस, दिल्ली द्वारा तीन दिवसीय आमंत्रित व्याख्यान, 20–22 मई, 2014
2. ओइआर (ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस) पर प्रो. प्रदीप मिश्रा द्वारा एक दिवसीय व्याख्यान, 20 मार्च, 2015

## व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

**केस अध्ययन के महत्व पर व्याख्यान :**

विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग (एसबीएमएस) द्वारा टैब कैंपस, शाहपुर में 24 नवंबर, 2014 को प्रो. रवि शंकर, आईआईटी, दिल्ली के एक व्याख्यान को आयोजित किया गया। प्रो. शंकर ने प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों से केस अध्ययन और प्रोजेक्ट के संपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों के लिए आवश्यक लेखन कौशल पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि दैनिक आधार पर इसके अभ्यास से ही लेखन कौशल को सीखा और बढ़ाया जा सकता है। प्लेसमेंट और ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के विषय पर उन्होंने प्लेसमेंट की एक सुनियोजित तरीके की आवश्यकता पर बल दिया जिसके अंतर्गत विद्यार्थी सावधानीपूर्वक अपना सीवी प्रस्तुत कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सुझाव दिया कि उन्हें विषय के वैसे क्षेत्र पर सीवी में ज्यादा फोकस देना चाहिए जिनमें उन्हें अच्छा ज्ञान प्राप्त हो। उन्होंने किसी विषय में 'विशेषज्ञता' प्राप्त करने पर बल भी दिया जिससे नौकरी प्रारंभ करने वालों को कॉर्पोरेट जगत में आसानी से प्रवेश प्राप्त हो सके।

## पत्रकारिता, जनसंचार एवं नव मीडिया स्कूल

1. 'ब्रॉडकास्टिंग कंटेंट्स ओवर मल्टीपल प्लैटफॉर्म्स' पर प्रो. अरविंद सिन्हा, मुद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ कम्यूनिकेशंस, अहमदाबाद और प्रो. एम. कासिम, एजेके–एमसीआरसी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आमंत्रित व्याख्यान, 03 मार्च, 2015
2. 'रेडियो ऐज़ ए मीडिया फॉर इंटरैक्शन' पर प्रो. ओबेद सिद्दकी, एजेके–एमसीआरसी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा एक आमंत्रित व्याख्यान, 10 मार्च, 2015
3. 'कम्यूनिकेशन, रिसर्च एंड डेवलॉपमेंट' पर प्रो. गीता बेमजाई, आईआईएमसी, नई दिल्ली और प्रो. इफ्तिखार अहमद, निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन सेंटर, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा विशेष व्याख्यान, 11 मार्च, 2015

# विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यचर्या एवं सह–पाठ्यचर्या कार्यकलाप

## ❖ विश्वविद्यालय स्तर पर

### पुरुष छात्रावास का वार्षिक समारोह 'आगाज' आयोजित

पुरुष छात्रावास, हिप्रकेवि का वार्षिक समारोह 'आगाज' 22 मई, 2014 को धूमधाम से आयोजित किया गया। विद्यार्थियों द्वारा चौदह विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। सभी निवासी, संकाय सदस्यों आदि ने द्वितीय हॉस्टेल नाइट का काफी आनंद उठाया।

प्रो. योगिन्द्र एस वर्मा, प्रति–कुलपति और प्रो. एच.आर शर्मा, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण ने भी कार्यक्रम को सुशोभित किया। प्रो. वर्मा ने सुंदर आयोजन के लिए डॉ. नवनीत शर्मा, हॉस्टल वार्डन और छात्रावास निवासियों को बधाई दी।

### स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित

विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने 15 अगस्त 2014 को राष्ट्र के 68वें स्वतंत्रता दिवस को टैब शाहपुर में धूमधाम से मनाया । समारोह का प्रारंभ प्रो. योगिन्द्र सिंह वर्मा, कुलपति, हिप्रकेवि द्वारा ध्वजारोहण और उसके बाद राष्ट्रगान से हुआ ।

अपने संबोधन में प्रो. योगिन्द्र वर्मा ने विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को कहा कि हमें देश की आजादी के लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा अपने जीवन एवं करियर के बलिदान को भूलना नहीं चाहिए । भारत एक महान देश है और भारतीय सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल कर रहे हैं। हम सभी को निस्वार्थ, पूर्ण समर्पण और परिश्रम से अपना कार्य करना चाहिए ताकि सभी क्षेत्रों में समृद्धता और शांति प्राप्त हो सके ।

### विद्यार्थी परिषद का निर्वाचन सम्पन्न

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला द्वारा 30 सितंबर, 2014 को विद्यार्थी परिषद का निर्वाचन आयोजित किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया 22 सितंबर, 2014 को अधिष्ठाता, छात्र कल्याण द्वारा अधिसूचना जारी होने से प्रारंभ हो गई।

निर्वाचन अधिसूचना जारी होने के बाद विभिन्न स्कूलों के 30 अभ्यर्थियों ने कुल 20 सीटों के लिए नामांकन पत्र भरा। इनमें से 3 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया और चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम पात्रता शर्तों को पूरा नहीं करने अथवा नामांकन पत्र भरने के लिए निर्धारित समय–सारिणी का पालन नहीं करने के कारण 04 अभ्यर्थियों का नामांकन पत्र रद्द कर दिया गया।

इन 20 सीटों में से 12 अभ्यर्थियों (समाज विज्ञान स्कूल से 02, भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल से 02, गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल से 04, पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल से 02 और जैविक विज्ञान स्कूल से 01 को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया)।

शेष 08 सीटों के लिए संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया सफल ढंग से पूर्ण हो गई। पूरी प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों ने न केवल अनुशासन बनाए रखा बल्कि नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित हुए।

प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा, कुलपति, हिप्रकेवि ने सभी विजेता अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि चुनाव हमारे जीवंत लोकतंत्र का आधार है। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों को राजनीति और सामाजिक ताना–बाना की बारीकियों को समझने में सहायता मिलती है तथा विद्यार्थी जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने का अवसर मिलता है, जिससे भावी जीवन में आगत परेशानियों का विश्वास से जूझने की सीख मिलती है।

विद्यार्थी परिषद 2014–15 में विभिन्न स्कूलों से निम्नलिखित विद्यार्थी निर्वाचित किए गए :

| स्कूल का नाम | निर्वाचित अभ्यर्थी | |
|---|---|---|
| | अभ्यर्थी का नाम | रोल नंबर |
| व्यवासय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल | 1. श्री हरनेक सिंह<br>2. सुश्री मनदीप कौर<br>3. श्री संजीव कुमार<br>4. श्री अवतार सिंह<br>5. श्री साहिल धवन | CUHP14MBA29<br>CUHP14MBA40<br>CUHP13MBA72<br>CUHP14MBA21<br>CUHP13MBA67 |
| पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल | 1. श्री कशिश सूद<br>2. श्री वासुदेव सेन | CUHP13ENV07<br>CUHP14ENV03 |
| मानविकी एवं भाषा स्कूल +<br>शिक्षा स्कूल | 1. श्री सुरेंदर कुमार<br>2. श्री सोनू कुमार | CUHP13MAENG09<br>CUHP14MAHINDI09 |
| पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल | 1. श्री अजय रोहिल्ला | CUHP13NMC01 |
| जैविक विज्ञान स्कूल | 1. श्री देविंदर कुमार | CUHP13CBB07 |
| गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल | 1. श्री संदीप कुमार<br>2. श्री हरदीप शर्मा<br>3. श्री विजय कुमार<br>4. श्री अनिल कुमार रैना | CUHP13IT19<br>CUHP13IAM06<br>CUHP14IAM26<br>CUHP13MLIB02 |
| भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल | 1. श्री सुमित भारती<br>2. सुश्री अनु | CUHP14PAS25<br>CUHP13PAS05 |
| समाज विज्ञान स्कूल | 1. श्री देविंदर कुमार<br>2. श्री तरुणवीर वासन | CUHP13MAECO04<br>CUHP14MSW19 |
| पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल | 1. श्री संतोष कुमार | CUHP14MBATT24 |

## राष्ट्रीय एकता दिवस आयोजित

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा पूरी तन्मयता और राष्ट्र भावना से ओतप्रोत होते हुए टैब कैंपस, शाहपुर और कैंप कार्यालय, धर्मशाला में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह मनाया गया। समारोह के प्रारंभ में प्रो. योगिन्द्र एस. वर्मा और संकाय सदस्यों द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को पुष्प अर्पण किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कुलपति द्वारा 'राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता' बनाए रखने के लिए संकाय सदस्यों, शिक्षकेतर कर्मियों और विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर अपने संदेश में प्रो. योगिन्द्र सिंह वर्मा, कुलपति ने सरदार पटेल द्वारा देशी राज्यों को एक सूत्र में बाधंकर भारत को वर्तमान स्वरूप प्रदान करने में उनके योगदान का स्मरण किया। प्रो. वर्मा ने कहा कि युवा पीढ़ी सरदार पटेल के पदचिह्नों पर चलते हुए राष्ट्रीय एकता को और सुदृढ़ करने में अपना सक्रिय योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने धर्म निरपेक्षता और अहिंसा का मार्ग अपनाते हुए देश को एकता के सूत्र में पिरोया, जो हमारे इतिहास की एक बड़ी घटना है।

प्रो. एच.आर. शर्मा, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण और प्रोवोस्ट ने सरदार पटेल जयंती समारोह के विभिन्न कार्यक्रमों का समन्वय किया।

अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग और यात्रा एवं पर्यटन विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय एकता, संस्था और सुरक्षा' पर एक सिम्पोजिम का आयोजन किया गया। पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल द्वारा केतन मेहता निर्देशित 'सरदार' वृत्तचित्र' जिसमें परेश रावल ने सरदार पटेल की भूमिका निभाई है, को दिखाया गया। इसके बाद एक पैनेल चर्चा आयोजित की गई। शिक्षा स्कूल द्वारा भी मां भारती को एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में लौह पुरुष के संघर्ष और जीवन पर बनी एक फिल्म प्रदर्शित की गई।

सरदार पटेल को श्रद्धांजलि स्वरूप अंग्रेजी और हिंदी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा कविता–पाठ किया गया जिससे पूरा कैंपस राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत हो गया। हिंदी विभाग ने विभिन्न विषयों (सरदार पटेल : सपने संघर्ष और चुनौतियां; सरदार वल्लभ भाई पटेल का बहुआयामी व्यक्तित्व; राष्ट्रीय एकता के निर्माण में भारतीय महापुरूषों का योगदान; समकालीन प्रश्न और सरदार पटेल की प्रासंगिकता) पर निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित कीं। भारत एवं विश्व पटल पर अमिट छाप छोड़ जाने वाले भारत के इस महान व्यक्ति को धर्मनिरपेक्षता और नेतृत्व क्षमताओं पर व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा एक नाटक का मंचन किया गया। समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने कैंपस पर विभिन्न रंग–रूपों में सरदार पटेल को चित्रित किया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत चित्रों में स्वतंत्रता संग्राम में सरदार पटेल के प्रयासों से लेकर भारत को एकीकृत करने तक की विभिन्न जीवन घटनाओं को प्रस्तुत किया गया। भौतिकी विभाग ने एक कोलाज़ प्रतियोगिता आयोजित कर लौह पुरुष को श्रद्धांजलि अर्पित की। विश्वविद्यालय पुस्तकालय ने इसमें बढ़–चढकर हिस्सा लेते हुए सरदार पटेल पर आधारित पुस्तकों और साहित्य पर एक प्रदर्शनी आयोजित की।

### अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस आयोजित

हिप्रकेवि में अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस समारोह के अवसर पर टैब कैंपस, शाहपुर में 'शिक्षित भारत, सक्षम भारत सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा' विषय पर 17 नंवबर, 2014 को फोरम आयोजित की गई।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर नवीन विचारों को प्राप्त करने के उद्देश्य से विभिन्न विश्वविद्यालयों में चर्चाएं प्रारंभ की गई हैं ताकि नवीन शिक्षा नीति को तैयार करने में प्राप्त विचारों और सुझावों को अमल में लाया जा सके। यह भी प्रस्तावित है कि विषय पर सर्वोत्तम संस्तुतियों और सुझावों का चयन किया जाए और कुछेक चयनित विश्वविद्यालयों से एक–एक अग्रणी विद्यार्थी को मानव संसाधन विकास मंत्री से मिलने और जब शिक्षा विषय पर चर्चा हो तो संसद सत्र में उपस्थित होने के लिए दिल्ली भेजा जाए।

चालीस प्रतिभागियों (शोधार्थियों और स्नातकोतर विद्यार्थियों) ने प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर सभी शिक्षा स्तरों पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विषय पर चर्चा करते हुए अपने विचार रखे और विभिन्न सुझाव एवं संस्तुतियां प्रदान कीं। गहन चर्चा के क्रम में विद्यार्थियों ने सभी के लिए समान अवसर प्रदान कर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता लाने का सुझाव दिया।

सत्र की अध्यक्षता करते हुए डॉ. रोशन लाल शर्मा, अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा स्कूल ने अपना वक्तव्य यूनिसेफ द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए दिए गए मापदण्डों से प्रारंभ किया और यह टिप्पणी की कि शिक्षा नीति को पुनः तैयार/संशोधित करने की पूरी प्रक्रिया में विद्यार्थी प्रमुख स्टेकधारक हैं, अतः वे भी वर्तमान संदर्भ में शिक्षा की समस्याओं पर कुछ अर्थपूर्ण मनन–चिंतन करें। उन्होंने प्रतिभागियों के जबरदस्त उत्साह और चर्चा फोरम में व्यक्त अलग–अलग तरह के विचारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हिप्रकेवि की विशेषता के अनुरूप ऐसी चर्चाएं विमर्श संस्कृति को बढ़ाती हैं।

डॉ. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, अधिष्ठाता, पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल और चर्चा के पर्यवेक्षक ने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी से विगत वर्षों में अनेक नए संस्थान बने हैं; परंतु विद्यार्थियों को दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता अभी भी एक चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सरकारी क्षेत्र में स्कूल स्तर पर खाली पड़े पदों को भरने की आवश्यकता है, जिससे विद्यार्थियों के निजी स्कूलों में माइग्रेशन पर लगाम लगेगा।

डॉ. मनप्रीत अरोड़ा, सहायक प्रोफेसर, एसबीएमएस द्वारा कार्यक्रम का समन्वय किया गया। डॉ. नवनीत शर्मा, सहायक प्रोफेसर, शिक्षा स्कूल ने मध्यस्थ के रूप में और डॉ. अर्चना कटोच, सहायक प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग तथा श्री कुलदीप सिंह, सहायक प्रोफेसर, जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग ने चर्चाओं में सक्रियता से भाग लिया।

## ❖ स्कूल/विभाग स्तर पर

### भौतिकी एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

#### भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग

**राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजित :**

फिजिक्स सोसाइटी, भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग द्वारा इस वर्ष की विषयवस्तु 'राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान' पर 26–27 फरवरी, 2015 के दौरान राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। डॉ. दलीप सिंह वर्मा, संयोजक, फिजिक्स सोसाइटी के मार्गदर्शन में विभिन्न कार्यकलाप यथा, भाषण प्रतियोगिता, क्विज़ प्रतियोगिता, कोलाज और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता तथा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डॉ. अविरूप घोष और डॉ. बी.सी. चौहान द्वारा 27 फरवरी 2015 को क्रमशः 'असिम्पटॉटिक सिमिट्री ऑफ स्पेस टाइम' और 'लौस्ट

साइंटिफिक ट्रेजर ऑफ इंडिया' पर दो अतिथि व्याख्यान दिए गए। मुख्य अतिथि डॉ. ओएसकेएस शास्त्री, अधिष्ठाता, भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल, हिप्रकेवि द्वारा विभाग के शिक्षकों के साथ मिलकर पुरस्कार और प्रमाण–पत्र वितरित किए।

## पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

### पर्यावरण विज्ञान विभाग

**पर्यावरण दिवस 2014 आयोजित :**

पृथ्वी एवं पर्यावरण सोसाइटी, पर्यावरण विभाग, एसओइइएस द्वारा टैब कैंपस, शाहपुर में 22 अप्रैल, 2014 को 'ग्रीन सीटीज' विषय पर पृथ्वी दिवस, 2014 आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन, पर्यावरण प्रदूषण और स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव, अपशिष्ट प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता संरक्षण जैसे विषयों पर चर्चा की गई। विभिन्न कार्यकलाप यथा अपशिष्ट सामग्री से कोलाज निर्माण, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, पोस्टर प्रस्तुतीकरण, क्विज प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए। कैंपस और आसपास के क्षेत्रों को साफ–सुथरा रखने की मुहिम भी चलाई गई। डॉ. शुभांकर चटर्जी कार्यक्रम के संयोजक थे।

## गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल

### गणित विभाग

1. मैथेमेटिक्स सोसाइटी, हिप्रकेवि द्वारा 'इंस्पायर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, 24–25 अप्रैल, 2014
2. राष्ट्रीय एकता दिवस (सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती) पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण, 31 अक्टूबर, 2014
3. हिप्रकेवि के स्वच्छ भारत अभियान में प्रतिभागिता, 02 अक्टूबर, 2014

### कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग

1. राष्ट्रीय एकता दिवस (सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती) पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण, 31 अक्टूबर, 2014
2. हिप्रकेवि के स्वच्छ भारत अभियान में प्रतिभागिता, 02 अक्टूबर, 2014

### पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

1. राष्ट्रीय एकता दिवस (सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती) पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण, 31 अक्टूबर, 2014
2. हिप्रकेवि के स्वच्छ भारत अभियान में प्रतिभागिता, 02 अक्टूबर, 2014

## मानविकी एवं भाषा स्कूल

1. स्कूल के विद्यार्थियों ने सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर, 2014 को आयोजित विभिन्न गतिविधियों में बहुत उत्साह से भाग लिया।

## समाज विज्ञान स्कूल

### अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग

1. सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर, 2014 को राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भागीदारी।

## व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

**हिमस्पार्क–14 : राष्ट्रस्तरीय मैनेजमेंट फेस्ट :**

स्कूल द्वारा टैब कैंपस, शाहपुर में पूरे उत्साह व जोश से 11–12 अप्रैल, 2014 के दौरान दो दिवसीय राष्ट्र स्तरीय मैनेजमेंट फेस्ट हिमस्पार्क–14 का आयोजन किया गया। फेस्ट का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री साई यूनिवर्सिटी पालमपुर के कुलपति प्रो. बलराम डोगरा द्वारा किया गया। फेस्ट का उद्देश्य प्रबंधन के विद्यार्थियों को एक सृजनात्मक प्लेटफॉर्म प्रदान करना है जिससे वे देश के सर्वोत्तम बिजनेस स्कूलों के समकक्ष विद्यार्थियों से प्रतिस्पर्धा कर सकें।

श्रोताओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. बलराम डोगरा ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों को अपनी संप्रेषण, निर्णय लेने और प्रबंधकीय कौशलों को बढ़ाने का अवसर प्रदान करती हैं। विद्यार्थियों से उन्होंने कहा कि अपने अंदर छिपी प्रतिभाओं को जानकर अपनी सक्षमता बढ़ाएं तो उन्हें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता अवश्य मिलेगी।

उच्च नैतिक मूल्यों को अपनाने की जरूरत पर जोर देते हुए प्रति–कुलपति, हिप्रकेवि प्रो. योगिन्द्र वर्मा ने जोर देते हुए कहा कि अत्यधिक प्रतियोगिता के दौर में जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ईमानदारी और समर्पण सर्वोत्तम उपाय हैं ।

फेस्ट के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों और प्रबंधन संस्थानों जैसे हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, श्रीमाता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, पीजी कॉलेज, धर्मशाला, द्रोणाचार्य कॉलेज से लगभग 250 विद्यार्थियों ने 30 से भी अधिक

कार्यक्रमों यथा, बिजनेस क्विज़, कॉर्पोरेट वॉक, मार्केटिंग मैडनेस, पैनल डिस्कसन, फ्लिप–फ्लॉप, केस स्टडी, रॉक शो, ऑनलाइन मार्केटिंग, रिज्यूम राइटिंग, डिस्प्यूट हैंडलिंग, केऑस थियरी, वोल्फ्स ऑफ दलाल स्ट्रीट, पहचान कौन, क्रिएटिव–टी, वार ऑफ वर्ड्स, टैक्ट–ओ–मैनिया, लैन गेमिंग आदि में भाग लिया। फेस्ट का समापन 12 अप्रैल को पुरस्कार वितरण समारोह से हुआ। डॉ. भावना भारद्वाज फेस्ट की संयोजक थीं।

**बिजनेस इवेंट 'ए–टवोला' आयोजित**

हिप्रकेव के एमबीए के विद्यार्थियों के कौशलों को उन्नत बनाने के उद्देश्य से व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल द्वारा 'ए–टवोला' नाम की एक बिजनेस इवेंट आयोजित की गई। इसका लक्ष्य प्रबंधन अध्ययन के रूप में उनके उद्यमशीलता गुणों को विकसित करना था। विद्यार्थियों ने अपने तीन स्टॉलों फिट–फूडी, चना–भटूरा और राजमा–चावल के माध्यम से अपनी पाक कला के साथ बिजनेस कौशल को भी प्रदर्शित किया। डॉ. संजीव गुप्ता, अधिष्ठाता ने कहा कि इससे विद्यार्थियों को अपने ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद देकर मुनाफा कमाने और अपनी हानि को न्यूनतम रखने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

## पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

### पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

1. विश्व पर्यटन दिवस पर वृक्षारोपण, 27 सितंबर, 2014
2. अंतर विश्वविद्यालय/महाविद्यालय क्विज प्रतियोगिता, 24 सितंबर, 2014
3. हिमाचल स्कूल पर्यटन क्विज प्रतियोगिता, 23 सितंबर, 2014
4. भाषण प्रतियोगिता, विषय : पर्यटन एवं समुदाय विकास।
5. अतिथि सम्मान : एयरपोर्ट और बस–अड्डा पर पर्यटकों का स्वागत, 27 सितंबर, 2014
6. कोलाज निर्माण प्रतियोगिता (विषय : पर्यटन एवं समुदाय विकास), 22 सितंबर, 2014
7. फोटो कैप्शन प्रतियोगिता (विषय : पर्यटन एवं समुदाय विकास), 22 सितंबर, 2014
8. रंगोली निर्माण प्रतियोगिता (विषय : पर्यटन और पानी), 22 सितंबर, 2014
9. विभिन्न अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम।
10. स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 02 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छता अभियान।
11. विद्यार्थियों का मनाली के लिए साहसिक यात्रा का आयोजन (नेतृत्व विकास शिविर), 26 अक्टूबर–02 नवंबर, 2014

## पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल

### जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग

1. जनजातीय क्षेत्रों की सामाजिक सांस्कृतिक विरासत पर न्यूज स्टोरी के लिए चिटकुल, सांगला, कल्पा (किन्नौर जिला, हिप्र) की 25–29 अप्रैल, 2014 के दौरान शैक्षिक यात्रा।
2. समाचारों और सामाजिक मुद्दों के प्रति रुचि जगाने के लिए पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल के विद्यार्थियों के लिए 05 जून 2014 को एक मीडिया क्विज आयोजित किया।
3. विद्यार्थियों द्वारा सेंट्रल न्यूज के बैनर के तहत 05 जून, 2014 को 'टॉप 100 न्यूज' का न्यूज प्रोमो प्रारंभ किया गया।
4. पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल के विद्यार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त वृत्तचित्रों आदि यथा मिर्च–मसाला, चिल्ड्रेन ऑफ हेवन की विशेष स्क्रीनिंग।
5. विद्यार्थियों का लैब समाचारपत्र न्यूजलेटर 'वॉयस' को प्रारंभ किया गया, 04 सितंबर, 2014
6. इंडिया–वेस्टइंडिज ओडिआई के दौरान विद्यार्थी ने एचपीसीए के लिए कार्य किया, 17 अक्टूबर, 2014
7. धर्मशाला अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में विद्यार्थियों ने स्वैच्छिक सेवाएं दीं, 01 नवंबर, 2014
8. विश्वविद्यालय द्वारा 02 अक्टूबर, 2014 को आयोजित स्वच्छता अभियान पर लघु फिल्मों का निर्माण किया।
9. 'स्वच्छ भारत' विषय पर विद्यार्थियों ने एक लघु फिल्म 'बर्थडे पार्टी' का निर्माण किया।
10. विद्यार्थियों ने किशन चंदर की कहानी 'जामुन का पेड' के नाटकीय रूपांतरण के रूप में एक लघु फिल्म 'अरे कोई है क्या' का निर्माण किया।

# लैंगिक उत्पीड़न संबंधी संवेदनीकरण, निवारण एवं प्रतितोष (स्पर्श)

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों, विद्यार्थियों, स्टाफ और सभी अन्य स्टेकधारकों के लिए लैंगिक उत्पीड़न के सभी रूपों से मुक्त कार्यस्थल वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है । समय–समय पर संशोधित निम्नलिखित विधियों के अधीन सांविधिक अपेक्षाओं के अनुपालन में कार्यस्थल को सभी संभावित दृष्टियों से सुरक्षित रखने के लिए विनियामक समितियों का निर्माण, जागरूकता और संवेदनीकरण कार्यक्रमों को आयोजित करने आदि जैसे सक्रिय कदम उठाए गए हैं :

1. केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 {धारा 28 (एन)};
2. हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय का अध्यादेश सं. 29;
3. एसएचडब्ल्यूडब्ल्यू (पीपीआर) अधिनियम, 2013 – महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013;
4. सामान्य सेवा नियम 769 (ई) संबंधी एसएचडब्ल्यूडब्ल्यू (पीपीआर) नियम, 2013 – महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) नियम, 2013;
5. डीओपीटी कार्यालय आदेश दिनांक 27.11.2014–सेवा नियमों में महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 सममिलित करना;
6. सीसीएस (आचरण) नियम, 1964 और सीसीएस (आचरण) नियम, 1965

## स्पर्श पर शीर्ष समिति का गठन

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा लैंगिक उत्पीड़न से मुक्त कार्यस्थल वातावरण प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए लैंगिक उत्पीड़न संबंधी संवेदनीकरण, निवारण एवं प्रतितोष (स्पर्श) नाम से एक शीर्ष समिति का गठन किया गया था, जो महिलाओं के प्रति भेदभाव के सभी रूपों को दूर करने के लिए समर्पित होगी और लिंग संवेदनीकरण और लैंगिक उत्पीड़न को दूर करने के लिए सक्रिय कदम उठाएगी। विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए शीर्ष समिति अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत शैक्षणिक एवं शिक्षकेतर स्टाफ, विद्यार्थियों और अन्य कर्मचारियों सहित सभी महिलाओं को लिंग भेदभाव, लैंगिक उत्पीड़न और शोषण से मुक्त कार्य और शिक्षा स्थल प्रदान करने के प्रति कटिबद्ध है। स्पर्श समिति, हिप्रकेवि अपने सभी कर्मचारियों आदि को अपने विचार अथवा किसी संबंधित समस्या अथवा लैंगिक उत्पीड़न के शिकायत को मुक्त भाव, जिम्मेदारी और उचित ढंग से प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

## विश्वविद्यालय शिकायत समिति का गठन

रिपोर्टिंग की तिथि तक विश्वविद्यालय द्वारा शिकायतों, यदि कोई हो, को निपटाने के लिए एसएचडब्ल्यूडब्ल्यू (पीपीआर) अधिनियम, 2013 के अधीन विश्वविद्यालय शिकायत समिति का भी अप्रैल 2015 में गठन कर दिया गया है ।

## प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागिता

विधियों के उपबंधों, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित मुद्दे, समितियों के कार्यकरण आदि के संबंध में अद्यतन रहने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा शीर्ष समिति तथा शिकायत समिति दोनों समितियों की अध्यक्षों (क्रमशः डॉ. गीतांजलि उपाध्याय और डॉ. साएमा बानो) को 20–21 फरवरी, 2015 के दौरान नई दिल्ली में 'महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न संबंधी लिंग संवेदनीकरण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामित किया गया । विभिन्न सत्रों के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम में निम्नलिखित क्षेत्रों को शामिल किया गया :

- लिंग संवेदनीकरण और समानता
- महिला सशक्तिकरण
- महिलाओं के विरूद्ध हिंसा
- स्वतंत्रता पूर्व और उसके बाद भारत में महिला सुधार
- महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न के निवारण हेतु विधिक व्यवस्था
- आंतरिक शिकायत समिति का गठन और उसकी भूमिका
- केस अध्ययन

रिपोर्ट के अनुसार यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए शिक्षाप्रद रहा, जिसमें महिलाओं के विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिकाओं पर मनन–चिंतन किया गया ।

## महिला सशक्तिकरण पर आमंत्रित व्याख्यान

हिमाचल प्रदेश केन्दीय विश्वविद्यालय में स्पर्श द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ के लिए 09 मार्च 2015 को 'महिला सशक्तिकरण' पर एक आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया । इस व्याख्यान के लिए श्रीमती रश्मि वाली, संस्थापक होप फाउंडेशन और स्पर्श, हिप्रकेवि की एनजीओ प्रतिनिधि को आमंत्रित किया गया था । व्याख्यान की अध्यक्षता डॉ. रोशन लाल शर्मा, प्रॉक्टर एवं अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा स्कूल द्वारा की गई । कैंप कार्यालय धर्मशाला के कर्मियों ने भी वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से व्याख्यान में भाग लिया ।

व्याख्यान का प्रारंभ डॉ. गीतांजलि उपाध्याय, अध्यक्ष, स्पर्श के स्वागत वक्तव्य से हुआ। श्रीमती रश्मि वाली ने अपना व्याख्यान महिला सशक्तिकरण और इसके विभिन्न पहलूओं को रेखांकित करते हुए कहा कि उनके विचार में शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता महिला सशक्तिकरण के लिए दो अति महत्वपूर्ण कारक हैं । उन्होंने एनजीओ के कार्य के दौरान महिलाओं से जुड़े अनेक फील्ड अनुभवों को साझा किया । श्रीमती वाली ने महिलाओं से जुड़े अनेक मामलों का भी जिक्र किया और यह बताया कि कैसी उनकी एनजीओ इनके समाधान के लिए कार्य कर रही है ।

तत्पश्चात इंटरैक्टिव सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने महिलाओं से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे । विद्यार्थियों ने भी विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक भेदभाव और उत्पीड़न से जुड़े अपने अपने अनुभव बताए। श्रीमती रश्मि वाली ने इन प्रश्नों का बेहतर समाधान प्रस्तुत किया ।

## लैंगिक उत्पीड़न से जुड़े मुद्दों पर पैनल चर्चा

एनआईटीटीआर चंडीगढ द्वारा आईसीटी के माध्यम से 11 मार्च 2015 को अपराह्न 2.00 से 4.00 बजे तक लैंगिक उत्पीड़न से जुड़े मुद्दों पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसका उद्देश्य विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों और कर्मचारियों में लैंगिक उत्पीड़न के प्रति जागरूकता लाना और इससे निपटने की कार्यनीतियों पर विचार–विमर्श था। विभिन्न संस्थानों यथा गवर्नमेंट पॉलीटेक्नीक, हिसार; कल्पना चावला गवर्नमेंट पॉलीटेक्टनीक फॉर वूमन, अम्बाला; सेठ जय प्रकाश पॉलीटेक्नीक, डामला हरियाणा; महर्षि मार्कण्डेश्वर, मुल्लाना; जम्मू विश्वविद्यालय; इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, अवंतीपूरा और अन्य संस्थानों ने इस पैनल चर्चा में प्रतिभागिता की । कुलपति, हिप्रकेवि की संस्तुतियों पर हिप्रकेवि की ओर से स्पर्श समिति ने इस पैनल चर्चा में भाग लेने की पहल की थी ।

पैनल चर्चा सभी पैनलिस्टों के स्वागत से प्रारंभ हुई । सर्वप्रथम डॉ. राजेश गिल, समाजशास्त्र विभाग पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ने विशाखा गाइडलांइस का परिचय देते हुए चर्चा प्रारंभ की । उन्होंने एसएचडब्ल्यूडब्ल्यू (पीपीआर) अधिनियम, 2013 में यथा परिभाषित लैंगिक उत्पीड़न पर प्रकाश डाला । उन्होंने सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराने की जरूरतों पर बल दिया जहां महिला आदर भाव और सम्मानित महसूस करें । उन्होंने कहा कि जब तक महिला सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी, तब तक वह सम्मानजनक प्रोफेशनल जीवन व्यतीत नहीं कर सकतीं । प्रतिकूल कार्य वातावरण से महिलाओं की कार्यक्षमता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने विभिन्न प्रकार के (मौखिक, सांकेतिक, दृश्यगत और शारीरिक) व्यवहारों को समझाया, जिससे कार्यस्थल पर प्रतिकूल माहौल का निर्माण होता है। अंत में डॉ. राजेश ने कहा कि कार्यस्थल पर सौहार्दपूर्ण कार्य वातावरण के लिए महिलाओं को चुप्पी त्यागना बहुत जरूरी है।

उसके बाद अगले पैनलिस्ट डॉ. एल.आर.अग्रवाल ने कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से जुड़े विधिक मुद्दों पर चर्चा की। सर्वप्रथम, उन्होंने भारत के संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों पर संक्षिप्त चर्चा की । फिर भनवारी देवी निर्णय पर प्रकाश डालते हुए विशाखा गाइडलाइंस पर विस्तार से विचार–विमर्श किया । उसके बाद एसएचडब्ल्यूडब्ल्यू (पीपीआर) अधिनियम, 2013 के बारे में बताते हुए गाइडलाइंस और अधिनियम के बीच के अंतर को स्पष्ट किया। इसके बाद उन्होंने सीसीएस (आचरण) नियम, 1964 और सीसीएस (आचरण) नियम, 1965 का उल्लेख किया। अंत में उन्होंने आंतरिक शिकायत समिति के गठन, भूमिका, उत्तरदायित्वों और कार्य के बारे में बताया।

अंतिम पैनलिस्ट डॉ. विधुमोहन, मनोविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ ने लैंगिक हिंसा से मुकाबला विषय पर अपना विचार रखा । उन्होंने प्रतिभागियों को महिलाओं के विरूद्ध हिंसा और उसके मनोवैज्ञानिक प्रभाव के बारे में संवेदन किया । उन्होंने महिलाओं को उनके विधिक अधिकारों के बारे में जागरूक बनाने की जरूरत पर बल दिया । इसके बाद प्रश्न–उत्तर सत्र में विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों को अपनी शंकाओं को स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया गया ।

हिप्रकेवि ने चर्चा में सुरूचिपूर्वक भाग लेते हुए विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों दोनों ने प्रश्न पूछे जिनका निवारण विख्यात संसाधकों द्वारा बखूबी किया गया । पैनल चर्चा का समापन धन्यवाद ज्ञापन से हुआ ।

# राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

## संघ की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

संघ की राजभाषा नीति के संवर्धन और कार्यान्वयन के लिए कृत्संकल्प हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक कार्यक्रम 2014–15 के लक्ष्यों को हासिल करने के हरसंभव कदम उठाए गए हैं और इसमें काफी प्रगति दर्ज की गई है। राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम 1976 के प्रावधानों तथा राष्ट्रपति महोदय के आदेशों और राजभाषा विभाग द्वारा समय–समय पर जारी निर्देशों को लागू करने के निरंतर प्रयास किए गए। तिमाही हिंदी कार्यशालाओं, हिंदी प्रतियोगिताओं और प्रोत्साहन योजना के माध्यम से कर्मियों को जागरूक एवं अभिप्रेरित किया गया। वर्ष के दौरान पांच कार्यशाएं आयोजित की गईं। राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा इसकी तिमाही समीक्षा बैठकों के माध्यम से नीति की प्रगति और कार्यान्वयन की समीक्षा की जाती है।

## राजभाषा कार्यान्वयन समिति

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है जिसके माध्यम से राजभाषा नीति की प्रगति और कार्यान्वयन की मॉनीटरिंग की जाती है। 31.03.2015 के अनुसार इस समिति के निम्नलिखित सदस्यों द्वारा राजभाषा हिंदी की प्रगति में योगदान किया जा रहा है :

| क्र.सं. | नाम एवं पदनाम | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. योगिन्द्र सिंह वर्मा, कुलपति | अध्यक्ष |
| 2. | ब्रिग. जगदीश चंद रांगड़ा (सेनि), कुलसचिव | सदस्य |
| 3. | प्रो. अरविंद अग्रवाल, अधिष्ठाता, समाज विज्ञान स्कूल | सदस्य |
| 4. | प्रो. इन्द्रवीर मल्हन, अधिष्ठाता, गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल | सदस्य |
| 5. | प्रो. हसंराज शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग | सदस्य |
| 6. | प्रो. अंबरीश कुमार महाजन, अधिष्ठाता, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल | सदस्य |
| 7. | डॉ. रोशन लाल शर्मा, अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा स्कूल | सदस्य |
| 8. | डॉ. एम. रबीन्द्रनाथ, अधिष्ठाता, पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल | सदस्य |
| 9. | डॉ. संजीव गुप्ता, अधिष्ठाता, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल | सदस्य |
| 10. | डॉ. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, अधिष्ठाता, भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल | सदस्य |
| 11. | डॉ. मनोज कुमार सक्सेना, अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल | सदस्य |
| 12. | श्री बी.आर. धीमान, वित्त अधिकारी | सदस्य |
| 13. | डॉ. भगवान सिंह, विभागाध्यक्ष, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग | सदस्य |
| 14. | डॉ. प्रदीप कुमार, विभागाध्यक्ष, जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग | सदस्य |
| 15. | डॉ. साएमा बानो, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग | सदस्य |
| 16. | डॉ. चंद्र कांत सिंह, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग | सदस्य |
| 17. | श्री संजय कुमार सिंह, हिंदी अधिकारी | सदस्य सचिव |
| वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें 17.06.2014, 29.09.2014, 23.12.2014 और 30.03.2015 को आयोजित की गईं। | | |

## हिंदी सप्ताह समारोह 2014

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 15 सितंबर (14 सितंबर को अवकाश) को हिंदी दिवस तथा 15 से 19 सितंबर, 2015 तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया । हिंदी सप्ताह का शुभारंभ समारोह टैब, शाहपुर में आयोजित किया गया और इसकी अध्यक्षता प्रो. अरविंद अग्रवाल, अधिष्ठाता, समाज विज्ञान स्कूल द्वारा की

गई। डॉ. रोशन लाल शर्मा, अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा स्कूल तथा डॉ. साएमा बानो, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग द्वारा क्रमशः माननीय गृहमंत्री और माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री के हिंदी दिवस पर संदेशों को पढ़ा गया। श्री संजय कुमार सिंह, हिंदी अधिकारी द्वारा विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन में प्रगति को रेखांकित करते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

हिंदी सप्ताह के दौरान कर्मियों एवं विद्यार्थियों के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका विवरण इस प्रकार है :

| दिनांक | कार्यक्रम | स्थान |
|---|---|---|
| 15.09.2014 | हिंदी दिवस, 2014 समारोह एवं हिंदी सप्ताह, 2014 का शुभारंभ | टैब, शाहपुर |
| 16.09.2014 | शिक्षकेतर कर्मियों के लिए हिंदी टिप्पण एवं आलेखन पर कार्यशाला | टैब, शाहपुर |
| | शिक्षकेतर कर्मियों के लिए हिंदी टिप्पण एवं आलेखन पर प्रतियोगिता | |
| | शैक्षणिक कर्मियों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता | |
| 17.09.2014 | स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता | टैब, शाहपुर |
| | शोधार्थियों के लिए चित्र–अभिव्यक्ति प्रतियोगिता | |
| | स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता | |
| | शोधार्थियों के लिए वाद–विवाद प्रतियोगिता | |
| 18.09.2014 | शिक्षकेतर कर्मियों के लिए हिंदी टिप्पण एवं आलेखन पर कार्यशाला (कैंप कार्यालय) | कैंप कार्यालय |
| | शिक्षकेतर कर्मियों के लिए हिंदी टिप्पण एवं आलेखन पर प्रतियोगिता (कैंप कार्यालय) | |
| 19.09.2014 | पुरस्कार वितरण और हिंदी सप्ताह 2014 का समापन समारोह | टैब, शाहपुर |

हिंदी सप्ताह के समापन समारोह दिनांक 19 सितंबर, 2014 को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और कर्मियों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो. योगिन्द्र सिंह वर्मा द्वारा विजेताओं को 33 नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिसकी कुल राशि 33,000/– रुपए थी।

## विश्व हिंदी दिवस 2015 समारोह

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा की प्रगामी प्रगति के लिए दिनांक 20.01.2015 को आयोजित विश्व हिंदी दिवस 2015 के अवसर पर शोधार्थियों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए शिक्षा में राजनीतिक हस्तक्षेप हितकर है या नहीं विषय पर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई।

अपराह्न में प्रो. योगिन्द्र सिंह वर्मा, माननीय कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और कर्मियों की उपस्थिति में बीस नकद पुरस्कार दिए गए जिसकी कुल राशि 20,000/– रुपए थी।

# विश्वविद्यालय की वित्त संबंधी सूचना

## वर्ष 2014–15 के लिए बजट प्राक्कलन और 2013–14 के लिए संशोधित बजट प्राक्कलन

वर्ष 2014–15 के लिए बजट प्राक्कलन और 2013–14 के लिए संशोधित बजट प्राक्कलन तैयार किया गया और विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों द्वारा अनुमोदित किया गया । वर्ष 2013–14 के लिए संशोधित बजट प्राक्कलन और वर्ष 2014–15 के लिए बजट प्राक्कलन, जिसमें अनुदानों, विश्वविद्यालय के आय और व्यय को दर्शाया गया है, इस प्रकार है :

### प्राप्तियां

लाख रुपए में

| शीर्ष | 2012–13 के लिए वास्तविक | 2013–14 के लिए बजट प्राक्कलन | 30.09.2013 तक वास्तविक | 2013–14 के लिए संशोधित प्राक्कलन | 2014–15 के लिए बजट प्राक्कलन |
|---|---|---|---|---|---|
| **प्राप्तियां** | | | | | |
| (I) क: आयोजना सामान्य विकास (अनुरक्षण) | 2612.51 | 4444.00 | 1888.79 | 3979.46 | 3374.00 |
| (I) ख: आयोजना सामान्य विकास (पूंजी) | 2155.73 | 32625.00 | 2006.18 | 3006.18 | 6710.00 |
| कुल आयोजना सामान्य विकास (क+ख) | 4768.24 | 37069.00 | 3894.97 | 6985.64 | 10084.00 |
| (II) आयोजना सामान्य विकास (पूंजी) नई योजना | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 22200.00 |
| (III) उद्दिष्ट (प्रायोजित) परियोजनाएं/अनुदान/योजनाएं | 36.87 | 58.35 | 96.97 | 121.36 | 104.35 |
| (IV) भविष्य निधि एवं सेवानिवृत्ति हितलाभ | 0.00 | 240.00 | | 0.00 | 240.00 |
| (V) जमा एवं उद्दिष्ट निधियां | 130.77 | 146.93 | 172.34 | 207.02 | 236.11 |
| **कुल प्राप्तियां (I से V)** | **4935.88** | **37514.28** | **4260.31** | **7314.02** | **32864.46** |

### व्यय

लाख रुपए में

| शीर्ष | 2012–13 के लिए वास्तविक | 2013–14 के लिए बजट प्राक्कलन | 30.09.2013 तक वास्तविक | 2013–14 के लिए संशोधित प्राक्कलन | 2014–15 के लिए बजट प्राक्कलन |
|---|---|---|---|---|---|
| **व्यय** | | | | | |
| (I) क: आयोजना सामान्य विकास (अनुरक्षण) | 823.35 | 4444.00 | 484.94 | 2820.00 | 3374.00 |
| (I) ख: आयोजना सामान्य विकास (पूंजी) | 149.55 | 32625.00 | 83.41 | 2675.00<br>1490.64* | 6710.00 |
| कुल आयोजना सामान्य विकास (क+ख) | 972.91 | 37069.00 | 568.35 | 6985.64 | 10084.00 |
| (II) आयोजना सामान्य विकास (पूंजी) नई योजना | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 22200.00 |
| (III) उद्दिष्ट (प्रायोजित) परियोजनाएं/अनुदान/योजनाएं | 24.35 | 58.35 | 12.93 | 121.36 | 104.35 |
| (IV) भविष्य निधि एवं सेवानिवृत्ति हितलाभ | 0.00 | 240.00 | 0.00 | 0.00 | 240.00 |
| (V) जमा एवं उद्दिष्ट निधियां | 7.84 | 146.93 | 16.12 | 207.02 | 236.11 |
| **कुल व्यय (I से V)** | **1005.10** | **37514.28** | **597.40** | **7314.02** | **32864.46** |